

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITE

सं० 137

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 27, 1382 (चेन्न 6, 1904)

No. 13]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 27, 1232 (CHAITRA 6, 1904)

इस भाग में भिन्न पूब्ठ संख्या वी जाती है ज़िससे कि यह अवग संकलन के रूप में रखा जा सके

भाग ПП-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायाचर्यों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक क्षेत्रा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय (का० एवं प्र० सु० विभाग) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1982

सं० ए०-19036/20/79-प्रमा०-5--निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर,श्री एम० श्रार० विक्नोई, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरों ने दिनांक 28-2-'982 के श्रपराह्म में पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरों के पद का कार्यभार त्याग दिया।

> हीरो ए० णहानी प्रणामनिक ग्राधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण क्यूरो

महःनिदेणालय, के० रि० पु० बल नुई दिल्ली:-110022, दिनांक पार्च 1982

सं० श्री० पी० 1481/80-स्थापना — महानिदेशक, केर्न्टाय रिजर्ब पृलिल बल, नई दिल्लो, श्री ग्रार० गन० शिवपुरी की 31 दिसम्बर, 1981 प्योह्म की मृत्यु ही गई है। उन्हें यिनाक 1-1-1982 में पृलित की गणना में हटा दिया गया है।

> ए० के० सूरी सहाथक निदेशक (स्थापना)

महानिवेशक का कार्यालय केन्द्रीय भ्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 27 फरवरी 1982

सं० ई०-16013(2)/1/81-पर्स०-प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर, श्री एस० एस० मान, ग्राई० पी० एस० (पंजाब: 67) ने 27 जनवरी, 1982 के पूर्वाह्म से ग्रुप कमांडेंट, कें० ग्री॰ मु० व०, बम्बई, के पद कः कार्यभार संभाज लिया।

> सुरेन्द्र नाथ महानिदेशक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 मार्च 1982

मं० 10/30/81—प्रणा०-1—-राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में विष्ठ भूगोलवेला के पद पर कार्यरन श्री एन० सी० सेनगुष्त को उमी कार्यालय में तारीख 27 फरवर्ग, 1982 के अपराह्म में, एक वर्ष से अनिधक अविध के लिए, या जब तक पद निर्मानत आधार पर भरा जाए, जो भी अविध पहले हो, पूर्णतः अस्थायो और तदर्थ आधार पर अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र) के पद पर सहर्थ करते हैं।

श्री सेनगुप्त का मुख्यालय नई दिर्ला में होगा।

उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति संबंधित अधिकारी को अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तद्यं तीर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में विरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोक्षित के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को लियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं० 11/44/81-प्रशा-1:—राष्ट्रपति निम्नलिख्यि प्रिक्षिकारियों को, जो उनके नामों के मामने द्रिणित राज्यों के जनगणना कार्य निदेशालयों में कार्यरत है, उन्हीं कार्यालयों में उनके समक्ष दिशात तारीखों से एक वर्ष से प्रनिधिक प्रविधि के लिये या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाये, जो भी ग्रविध कम हो, प्रतिनियुक्ति पर, पूर्णत: ग्रस्थाई ग्रौर सबर्ष ग्राधार पर सहायक निदेशक (ग्रांकड़े संसाधान) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

ऋस सं०	श्रिधिकारी पदनाम कानाम	कार्यालय का नाम जिसमें कार्यरत हैं	•
	र्न० ग्रन्वेंषक पुरोहित	जनगणना कार्य निदेशक राजस्थान, जयपुर।	4-2-1982 (पूर्वाह्न)
2. श्रीवे लखन पा	हे० बी वरिष्ठ पर्य- ाल वेक्षक	जनगणना कार्य निदेशक, संघ राज्य क्षेस्र चण्डीगढ़ ।	2-2-1982 (पूर्वाह्म)

2. उपर्युक्त प्रधिकारियों की सहायक निदेशक (श्रांकड़े संसाधन) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति वित्त मंत्रालय के का० ज्ञा० सं० एफ० 1(11) ई०-III(w)/75 तारीख 7-11-1975 के श्रधीन दी गई शर्तों के श्रनुसार होगी ।

सर्वश्री पुरोहित श्रौर लख न पाल का मुख्यालय
 क्रमणः जयपुर श्रौर चण्डीगढ़ में होगा ।

पी० पदमनाभ, भारत के महापंजीकार,

(वित्त मंत्रालय) श्रार्थिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 28 फरवरी 1982

क्रमांक बी० एन० पी०/मी०/5/82—इस कार्यालय की ग्रिधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी/5/81 दिनांक 30-9-81 के भ्रनुक्रम में निम्नलिखित ग्रिधिकारियों की तदर्थ नियुवितयों की भ्रविध दिनाक 30-9-82 तक या सहायक कार्य प्रबन्धक की भ्रेणी में पदों के प्रत्यावर्तिन होने श्रीर इन पदों के

नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है।

- <u> </u>	पद जिस पर तदर्थ
	नियुक्ति की गई
- — — — — — — — — सर्वश्री	
1. वी ० वेंकट रमणः	तकनीकी भ्रधिकारी
	(मुद्रण एवं प्लेट निर्माण)
2 मार्ठ ग्रीक मग्रमान	यथा
3. भ्रशोक जोशी	यथा
4. ए० डी० देशपाण्डे	यथा
	— — गु० व ै० चार,
	मह ्प्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 मार्च 1982

सं० वा० ले० प० 1/105-81—अपर उपित्यंत्रक, महा-लेखापरीक्षक (वा०) श्री ईश्वर दास, अनुभाग श्रिधकारी (वा०) को निदेशक लेखापरीक्षा, भारतीय लेखे, वांशिगटन के कार्यालय में अपने अवधि पूरी कर लेने के पश्चात् और भारत वापस आने पर लेखापरीक्षा ग्रिधकारी (वा०) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नति का आदेश देते हैं और 29-8-81 से कार्यालय महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश चंडीगढ़, शिमला में तैनात करते हैं।

विनांक 6 मार्च 1982 मस्रिपत्र

सं० वा० ले० प० 1/2-81--- "भारतीय लेखा तथा लेखा-परीक्षा विभाग" शीर्ष के ग्रंतर्गत 6 जून 1981 के भारत के राजपत्र के भाग 111 ग्रनुभाग 1 में मुद्रित ग्रिधमूचना संख्या 1175-वा० ले० प० 1/1-81 दिनांक 13 मई, 1981 में ग्रांशिक संशोधन करते हुए श्री भोला नाथ भट्टाचार्य की लेखापरीक्षा ग्रिधकारी (बा०) के रूप में पदोन्नति की तारीख उपर्युक्त ग्रिधसूचना के कालम 5 में 21-1-81 (ग्रपराह्न) की बजाए 17-1-81 पढ़ें।

> एम० ए० सोमेश्वर राव उपनिदेशक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 27 फरवरी 1982

सं० प्रशाण 1/वी० एफ०-एन० जी०/450 --श्री एन० गणेशन, स्थायी लेखा अधिकारी को भारत हैवी इलैक्ट्रीकल्स लिमिटेड में स्थायी संविलयन के फलस्वरूप दिनांक 1-6-81 पूर्वाह्म में शासकीय सेवा में सेवानिवृत्त समझा जाता है।

(प्राधिकार : —महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश के प्रादेश दिनांक 26-2-1982)

ध्रुवचरण साह वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

श्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

डी० जी० श्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1982

सं० 2/82/ए/ई-1 (एन० जी०)—डी० जी० श्रो० एफ० महोचय ने श्री नरेश चन्द्र सेन, स्थायी सहायक को तारीख 20-11-1981 से सहायक स्टाफ अफसर के पद पर, शागामी आदेश न होने तक, तदर्थ श्राधार पर वर्तमान रिक्ति में प्रोध्नत किया।

सी० एस० गौरीणंकर सदस्य/कार्मिक श्रधिकारी कृते महानिदेशक, श्रार्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय श्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा कलकत्ता, विनांक 2 मार्च 1982

सं० 9/जी०/82—वार्धक्य निवृत्ति स्रायु प्राप्त कर, श्री विनय भूषण चौधुरी, स्थानापन्न एस० स्रो० (मौलिक एवं स्थायी सहायक) दिनांक 31 जनवरी, 1982 (ध्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 3 मार्च 1982

सं० 10/82/जीं०--राष्ट्रपति महोदय, श्री प्रेम नारायण, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) का त्यागपत्र दिनांक 4-8-1980 (प्रपराह्म) से स्वीकार करते हैं।

> वी० के० मेहता सहायक महानिदेणक, ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिष्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 1 मार्च 1982 भ्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

मं० 6/1381/82-प्रशा० (राज०)/1449--राष्ट्रपति, विकास श्रायुक्त (हस्तिशिल्प), नई दिल्ली के कार्यालय के श्री वी० सेशन, संयुक्त विकास श्रायुक्त को मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 15 फरवरी, 1982 (वोपहर पूर्व) से 31 मार्च, 1982 तक संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

मणि नारायणस्वामी मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र श्रायुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिनांक 3 मार्च 1982

सं० 5(2)/82-सी० एल० बी० II---कृत्निम रेशम यस्त्र (उत्पादन तथा वितरण) नियंत्रण श्रादेण, 1962, के खण्ड 9 के साथ पढ़े जाने बाले खण्ड 4(2) में प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए मैं, वस्त्र श्रायुक्त की श्राधसूचना स० 5(2)/

81-सी० एल० बी० II दिनांक 23 नवम्बर, 1981 में निम्नोक्त संशोधन करता हूं, श्रर्थात् :---

उक्त ग्रधिसूचना में---

- (1) पैराग्राफ दो के उप-पैरा (1) की मद (ग्रा) हटा दी जाएगी।
- (2) पैराग्राफ दो के उप-पैरा (2) की मर्दे (थ्रा) तथा (उ) हटा दी जाएगी।
- (3) पैराग्राफ दो के नीचे की विद्यान सूचना, टिप्पणी
 (1), के रूप में श्रंकित होगी तथा तुरत्त उसके बाद
 निम्नोक्त, टिप्पणी (2) के रूप में रखी जाएगी अर्थात् :—
 "टिप्पणी (2) कोन/कॉप पर कृत्निम रेशंम सूत (फिलामेंट) के संबंध में उपरोक्त उप-पैराग्राफ (2) की
 मद (इ) के श्रनुसार किलोग्राम में मुद्ध भार सिर्फ
 प्रत्येक कार्टन पर श्रंकित किया जाएगा न कि हर
 कोन/कॉप पर।
- (4) पैराग्राफ तीन में मद (भ्रा) हटा दी जाएगी। बम्बई-20, दिनांक 11 मार्च 1982

मं. सी. इ. आर. /17/82/1—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 20 तथा खण्ड 21 के उप-खण्ड (5) में प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, में एतद् द्वारा निवेश देता हूं कि अधिमूचना सं. सी. ई आर/17/79, दिनांक 29 जून, 1979 (समय-समय पर संशोधित) में समाहित सभी आदेश उसमें निर्दिट समय 31 मार्च, 1982 के बाद तीन साल की अतिरिक्त अविध के लिए अर्थात 1-4-1982 से 31-3-1985 तक कार्यवाही में रहांगे।

मं. 5 (2)/82-सी. एल. बी. 11/2-कृतिम रोम वस्त्र (उत्पादन तथा वितरण) नियंत्रण आदोश, 1962 को खण्डं 3 व मे प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतव् व्वारां निदेश वेता हूं कि अधिसूचना सं. (2)/79, सी. एल. बी. 11, दिनांक जुलाई, 1979 (समय-समय पर संशोधित), में समाहित सभी आदोश, उसमें निर्विष्ट समय 31 मार्च, 1982 के बाद तीन् साल की अतिरिक्त अविध के लिए अर्थात् 1-4-1982 सं 31-3-1985 तक कार्यवाही में रहोगें।

सुरके कुमार अतिरिक्त वस्त्र वायुक्त

उद्योग मंत्रालय

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-11, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० ए० 31013/21/77-प्रशासन (राजपितत)—— राष्ट्रपति जी, निम्नलिखित भ्रधिकारियों को, प्रत्येक के नाम के श्रागे लिखी तिथियों से, लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक-निदेशक, ग्रेड-1 (श्रीद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) के पद पर स्थाई रूप से युक्त करते हैं:——

क्रमांक ग्रधिकारीकानाम	स्थाई नियुक्ति किए जाने की तारीख
1 2	3 .
सर्वश्री	
1. एम० एस० हमीद	1 जनवरी, 1966

1 2	3
सर्व श्री	
2. एस० बी० श्रीवास्तव	1 मई, 1966
 जै० के० कपूर 	27 सितम्बर, 1967
4. के० ए०्कष्णन	19 भ्रगस्न, 1968
5. ए० एल० खनेजा	16 नवम्बर, 1968
 एस० एन० भर्मा 	ı फरवरी, 1975
7. पी एन० बनर्जी	23 मर्ह, 1975
8. बी० के० भेनाय	23 मई, 1975
9. ग्रार० के० सोनी	23 मई, 1975
1.0. एस० के० इजाक	13 विसम्बर, 1975
11. एन० के० मजूमदार	28 नवम्बर, 1977
12. जे० सी० पटेल	28 नवम्बर, 1977

सं० ए०-19018(504)/80-प्रशासन (राजपित्रत)--राष्ट्रपतिजी, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के उपनिदेशक श्री रघुवंश बहादुर को, निर्वतन की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर, दिनांक 31 जनवरी, 1982 (ग्रपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानियृत्त होने की श्रनुमति प्रदान करते हैं।

दिनांक, 3 मार्च 1982

संव 12(150)/61-प्रणाव (राजव) खण्ड--4---राष्ट्रपति, श्री एचव पीव गौड़ा निदेशक, ग्रेड-2 (धातुकर्म), लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रागरा को निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर, दिनांक 31 दिसम्बर, 1981 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की श्रानुमति देते हैं।

ं सं० ए०-19018/537/81-प्रशा० (राज०)—-राष्ट्रपति, श्री एम० शत्मुघम को लघु उद्योग शाखा संस्थान, इम्फाल (लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी के श्रधीन) में दिनांक 30 दिसम्बर, 1981 (पूर्वाह्म) में श्रगले श्रादेशों तक, महायक निदेशक, ग्रड-1 (पांक्रिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 मार्च 1982

सं०-12 (96)/61-प्रशासन (राजपित्रत)---केन्द्रीय टूल रूम, लुधियाना में प्रशासनिक प्रबन्धक के रूप में प्रतिनिद्कति से प्रत्यार्थीतित होने पर श्री एस० बी० सेनगुप्त ने दिनांक 1 जनवरी, 1982 (पूर्वाह्म) से लघु उद्योग सेवा सम्थान, लुधियाना में सहायक निदेशक, ग्रेड-- (मामान्य प्रशासनिक प्रभाग) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए०-19018 (208) / 75-प्रशासन (राजपितत) - लियु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के महायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिकी) → श्री वी० डी० नारंग की दिनांक 23 जनवरी, 1982 (पूर्वाह्म) में श्रगले श्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रागरा में तदर्थ श्राधार पर उप निदेशक (यांतिकी) नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय, उपनिदेशक (प्रणा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1982

सं० प्र० 1/1(680)—-राष्ट्रपति, उपनिदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेका समृह ए के ग्रेड II (श्री श्राप् ० डब्ल्प् ० सूर्यवंशी को दिनाक 1-3-1982 के पूर्वीह्न से श्रीर श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा समूह ए के ग्रेड I) के रूप में तदर्थ श्राधार पर स्थानापश्च रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री सूर्यवंशी ने उपनिदेशक पूर्ति का पदभार छोड़ दिया, श्रीर दिनांक 1-3-1982 के पूर्वाह्न मे पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में पूर्ति निदेशक का पदभार संभाल लिया ।

> एस० एल० कपूर उपनिदेशक (प्रणासन)

इस्पात ग्रोर खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक । मार्च, 1982

मं० 1963 बी/ए-32013/ए० श्रो०)/78-80-19 ए० भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित श्रधीक्षकों को प्रणासनिक श्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में बेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में, श्रस्थाई क्षमता में, श्रागामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्णाई गई तिथि से पदोक्षति पर नियुक्त किया जा रहा है:—

क्रमांक नाम	नियुक्ति-तिथि
1. श्री एम० बी० सेनगुप्ता	8-2-1982 (पूर्वाह्न)
2. ,, बी० डी० चऋवर्ती	5-2-1982 (पूर्वाह्न)
 ,, के० राय चीबुरी 	6-2-1982 (प्यह्नि)
4. ,, डी० के० मित्रा	5-2-1982 (प्विह्नि)
5. ,, एन० जी० मुखर्जी	6-2-1982 (पूर्वाह्न)
6. ,, एस० के० राय	6-2-1982 (पूर्वाह्न)

जे० स्वामी नाथ, महा निदेशक

भारतीय मर्बेक्षण विभाग महामर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिलांक 2 मार्च 1982

मं० मी०-5797/579-ए--श्री एस० सी० **प्रग्रवा**ल, दिनांक 23 जनवरी, 1982 से कर्मणाला प्रबन्धक के पद पर

(सा० सि० सेवा ग्रुप "बी" पद) मूल रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

> जी० सी० अप्रयान ब्रिगेडियर भारत के महासर्वेक्षक

श्राकाणवाणी: महानिदेणालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1982

सं० 4/48/81-एस० एक--महानिदेशक, श्राकाशवार्ण, एतद्वारा डा० सतीण कुमार ग्रोबर को 12 जनवरी, 1982 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी, वाराणसी में, अस्थायी रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियक्त करते हैं।

> हरीम चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक क्ते मह।निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० ए० 19020/10/80-प्रशासन-1-स्वास्थ्य महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में वरिष्ठ ग्राहारविद श्रीमती सूचित्रा भसीन का 1 मार्च, 1982 के पूर्वाह्न में सरकारी सेवा से त्याग पत्न मंजूर कर दिया है।

दिनांक 4 मार्च 1982

मं० ए० 19019/4/79-प्रभासन-1- --राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली के उप-सहायक निदेशक (माइ-कोबाइलोजी) डा० शरण जीत सिंह का त्यागपत्र 29 जनवरी, 1982 (अपराह्न) से स्वीकार कर दिया है।

> टों० मी० जैन उप निदेशक प्रशासन (श्रो० एण्ड एम०)

दिल्ली-110054, दिनांक 5 मार्च 1982

सं० प्रणासन-3-500/23(ए) (2) ग्रधिसूचनाए--डाक-तार लेखा परीक्षा संगठन के निम्नलिखित लेखा परीक्षा प्रधिकारी निवर्तन पर स्वेच्छा से उनके सामने लिखित डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालयों से दी गई तिथियों से सेवा निवृत्त हो गये हैं:--

क्रम सं० अधिकारीकानाम		डाक-नार गास् जिससे सेवा निवृत्त हुए	वा निवर्त्तन की तिथि
1	2	3	4
सर्वध			
1. सुबो	ध रंजन चऋवर्ती	कलकत्ता (31-7-81 (निवत्तन)
2. भगत राम		कपूरथला 3	0-9-81 (निदर्श्तन)

1	2	3	4
3.	गोपाल राव रामा राव	भद्रास	30-11-81 (निधर्तन)
4.	चिन्ता हरण भट्टाचार्यजी-I	कलकत्ता	31-10-81 (निवर्तन)
5.	णानमुगमं प पैयन	हैदराबाद	31-12-81 (निवर्सन)
6,	टी० ग्रार० सुब्रमण्यन राव	दिल्ली	31-12-81 (निवर्तन)
7.	एस० जयरमन-II	बंगलौर	30-11-81
			(स्वेच्छासे)
-			

केवल थापर

सहायक निदेशक लेखा परीक्षा (मुख्यालय)

टैक्टर प्रशिक्षण केन्द्र

हिमार-125001, दिनांक 16 जनवरी 1982

गं० 2-1/82-व्य० मि०---कृषि मंत्रालय (कृषि एवं सहकारिता विभाग) नई दिल्ली के नियमित सहायक श्री दर्शन पाल बैंस को दिनांक 7-1-1982 के पूर्वाह्न से प्रति-नियुक्ति पर ट्रैक्टर प्रणिक्षण केन्द्र हिसार (हरियाणा) में ग्रस्थायी प्रशासन ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है ।

> करतार सिंह यादव निदेशक

सिंचाई मंत्रालय

महा प्रबन्धक का कार्यालय फरक्का बाध परियोजना

फरक्का, दिनांक 22/25 जनवरी 1982

मं० ई०/पी०-140/97(10)--सिंचाई मंत्रालय, फरक्का बांध परियोजना के निम्नलिखित श्रधिकारी (समूह ख) को एलदुद्वारा उनके सामने दर्शाये पद पर स्थाई रूप से दिनांक 18 जनवरी 1982 से नियुक्त किये जाते हैं:---

ऋम सं० नाम एवं पदनाम	पद जिसमें स्थाई रूप से नियुक्ति की गई
1. श्री बी० सी० विश्वास (ग्र० जा०) कर्मणाला श्रधीक्षक	सहायक श्रभियन्ता (यांद्रिक)
 श्री ग्रजय कुमार माहा (ग्र० जा०) सहायक कार्य- पालक ग्रियन्ता (तदर्य) 	महायक भ्रभियन्ता (यांत्रिक)
 श्री भानू प्रताप सिन्हा सहायक कार्यपालक श्रिभयन्ता (तदर्थ) 	सहायक ग्रभियन्ता (यांद्रिक)
	ग्रार० वी० रन्थी देवन,

महाप्रबन्धक फरक्का बाँध परियोजना

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

सं० ए० 31014/2/81-प्र० I—कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, निम्नलिखित अधिकारियों को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-II) के स्थायी पद पर मूल रूप में उनके नाम के आगे विनिर्दिष्ट तिथि से नियुक्त करते हैं।

1. मुहम्मद नजम्न हक

16-11-1979

2. श्री वी० पी० पटनायक

31-5-1980

(2) उपरोक्त म्रिधिकारियों का निम्न पद पर ग्रहणा-धिकार यदि कोई हो तो, सहायक विपणन भ्रिधिकारी (वर्ग-II) के पद पर स्थायी होने तक तारीख से समाप्त हो जायेगा।

> बी० एल० मनीहार प्रशासन निदेशक

भाभा परमाणु भनुसन्धान केन्द्र (कार्मिक प्र**भा**ग)

बम्बई-400085, दिनां 2 मार्च 1982

सं० पी० ए०/34 (2) III— नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र राजस्थान परमाणु विधुत परियोजना, परमाणु ऊर्जा विभाग, राजस्थान के श्री श्री चन्द भागश्रा, स्थायी सहायक सुरक्षा ग्रधिकारी को सुरक्षा ग्रधिकारी पद पर इस श्रनुसन्धान केन्द्र, बम्बई में 25 फरवरी, 1982 (पूर्वाह्म) से श्रीग्रम ग्रादेशों तक स्थान।पन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/79(4)/80-आर० III—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र श्री करन्दीकर प्रभाकर बलवंत, सहायक को सहायक कार्मिक अधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसन्धान केन्द्र में तदर्थ रूप से 11-1-1982 (पूर्वाह्न) से 20-2-1982 (श्रपराह्न) तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 मार्च 1982

सं० पी० ए०/76(3)/80/प्रार० III (1)——नियंत्रक, भाभा परमाणु प्रनुसन्धान केन्द्र श्री हरिसुन्वरवास भाटिया, स्थानापन्न सहायक लेखाकार को सहायक लेखा श्रिधकारी पद पर कार्य करने हेतु भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र में 9 फरवरी, 1982 (पूर्वाह्म) से ग्रिग्रम श्रादेशों तक नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए/76(3) $\cancel{4}80$ /प्रार०-III(I)—-सन्दर्भ 5/1/79/स्थापना II/584 दिनांक 15 फरवरी, 1980, नियंत्रक, भाभा परमाणु ग्रनुसन्धान केन्द्र श्री प्रभाकर बाबूराव कार्लक को सहायक लेखा श्रिधिकारी पद पर नियमित रूप से 9 फरवरी, 1982 से श्रिग्रिम श्रादेशों तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 मार्च 1982

सं० पी० ए०/79(4)/80 श्रार० III—नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र श्री मोती उधाराम जगासिया, सहायक लेखाकार को सहायक लेखा श्रधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस श्रनुसन्धान केन्द्र में 18-11-81 से 26-2-82 (श्रपराह्म) तक की समयायिध के लिये तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० शान्ताकुमारा मैनोन उपस्थापना भ्रधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 3 मार्च 1982

सं० डब्ल्य्०/12/स्थापना 11/816—इस ग्रनुसन्धान केन्द्र के स्थाय: सहायक सुरक्षा ग्रधिकारी तथा स्थानापन्न सुरक्षा ग्रधिकारी श्री वामन वासुदेव वैगांपायन सरकारी नौकरी से 31 दिसम्बर, 1981 ग्रपराह्म की स्वैच्छिक रूप से सेवा निवृत्त हुए।

> मु॰ एच॰ बी॰ विजयकर उपस्थापना भ्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग बम्बई-5, दिनोंग 26 फरवरी 1982

सं० पी० पी० ई० डी०/3(282)/76-प्रणासन/2796— विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक, महा नियंत्रक रक्षा लेखा, ग्रहमदनगर के कार्यालय के स्थाई ग्रनुभाग ग्रिधकारी (लेखा) श्री एस० जी० मुस्तफा को इस प्रभाग में प्रतिनियुक्ति के णतीं पर फरवरी 16, 1982 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश तक रुपयें 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में सहायक लेखा ग्रिध-कारी नियुक्त करते हैं।

> श्चार० ह्वि० वाजपेयी, सामान्य प्रशासन श्रधिकारी

नरौरा परमाणु ऊर्जा विभाग

डा हम्भरुप्रविष्पर, कालोनी, दिनांक 3 मार्च 1982

सं० न० प० वि० प०/प्रणा०/26(1)/82-एस०/3456—
तरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के परियोजना निदेशक,
राजस्थान परमाणु विद्युत केन्द्र के स्थाई वैयक्तिक सहायक
एवं स्थानापन्न सहायक कार्मिक ग्राधिकारी, श्री ग्रार० एन०
शुक्ला को, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक
25 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्न से श्रिग्रम ग्रादेशों तक
के लिये ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960

के वेतनमान में स्थानापन्न गहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

> ग्र० दे० भाटिया प्रणासन ग्राधिकारी

क्य ग्रीर भण्डार निदेशालय (मद्रास क्षेत्रीय क्रय एकक)

मद्रास-6, दिनाक 27 फरवरी 1982

सं० म० क्षे० क० ए०/200(14)/81-प्रणासन/5445— क्रय श्रीर भण्डार निदेशालय के निदेशक के स्थायी भण्डारी श्री एच० गण्पथी को इसी निदेशालय के फलस्वरूप स्थित रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र मे रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन कम में तदर्थ श्राधार पर नारीख मार्च 1, 1982 से तारीख मार्च, 31, 1982 (श्रप०) तक के लिये स्थानापन्न सहायक भण्डार श्रिधकारी नियुक्त किया है।

टी० एस० <mark>बी० ग्रय्यर</mark>, प्रणासन ग्रिधकारी II

बम्बई-400001, दिनांक 5 मार्च 1982

सं० नि/2/1(3)/82-प्रशासन/5732—परमाणु कर्जा विभाग के ऋष भ्रौर भण्डार निदेशालय के निदेशक ने परमाणु कर्जा विभाग के सिविल श्रीभयांतिकी प्रभाग के स्थार्थ, उच्च श्रेणी लिपिक श्री लाकायिल उन्नीकृष्णन् नायर को रूपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतन कम में 18 फरवरी, 1982 से भ्रन्य भ्रादेशों तक ग्रस्थायी रूप से इस निदेशालय मे स्थानापन्न सहायक लेखा श्रीधकारी वियुक्त किया है।

कि० पी० जोसफ प्रशासन भ्रधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 4 मार्च 1982

सं० प० ख० प्र०-16/5/82-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खानज प्रभाग के निदेणक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायो उच्च श्रेणी लिनिक श्रीर स्थानापन्न महायक लेखापाल श्री ग्रार० एम० गोमाँई को उसी प्रभाग में 11 फरवरी, 1982 के ग्रपराह्न से ग्रगले श्रादेण होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक लेखा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

म० सु०राव वरिष्ठ प्रणासनिक एवं लेखा श्रधिकारी

महा निदेणक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी, 1982

मं० ए० 32014/5/81-ई० ए०---महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखिन सहायक विमानक्षेत्र प्रधिकारियों की तदर्थ नियुवित दिनांक 31--7-82 तक जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है:--

ऋम' सं० नाम

- ा श्री ग्रो० पी० मल्होत्र।
- 2. ग्रोंकार सिंह
- 3. श्री एम० गीरी
- 4 श्री ए० के० धुपर
- 5 श्री एस० के० देसवाल
- 6. श्री के० जी० शर्मा
- 7. श्री ए० सी० श्रीवास्तव
- 8. श्री पी० ग्रार० पटवर्धन
- 9. श्री के० बी० रघुवंशी
- 10 श्री के० डी० उठायाँ 🖁
- 11. श्री कुलदीप सिंह
- 12. श्री एम० चन्द्रशेखर
- 13. श्री जे० शिवराज
- 14. श्री एस० एन० चन्दा

दिनांक 24 फरवरी 1982

सं० ए० 31013/3/81-ई० I — राष्ट्रपित ने श्री के० की० गणेशन को दिनांक 16-2-1981 से उपमहानिदेशक भागर किमानन के पद पर स्थाई रूप में नियुक्त किया है।

सुधाकर गुप्ता उप निदेशक प्रशासन

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर, दिनांक 5 मार्च 1982

सं० 2/82—इस समाहर्ता क्षेत्र के ग्राधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक श्रेणी "खं' श्री डी० जी० काली ने ग्रायु सीमा प्राप्त करने पर वे दिनौंक 31 जनवरी, 1982 के ग्रपराह्म में सेवा निवृत्त हो गये हैं।

> के० शंकररामन, समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

पटना, दिनांक 4 मार्च 1982

सं० 11(7) 2-स्था०/79/25224—इस कार्यालय के स्थापना श्रावेश मंख्या 298/81, दिनांक 31-10-81, 326/81, दिनांक 2-12-81 श्रौर 12/82, दिनांक 13-1-82 के श्रमुसार निम्नलिखित कार्यालय श्रधीक्षकों को स्थानापन्न प्रशासन पदाधिकारी/सहायक मुख्य लेखा पदाधिकारी/लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शृल्क, ग्रुप 'वी' के रूप मे पदोन्नत किया गया तथा उन लोगों ने प्रशासन पदाधिकारी/सहायक मुख्य लेखा पदाधिकारी/लेखा परीक्षक के रूप में वेतनमान ६० 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1200-व० रो०-

40-1200/- तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित वेतनमान पर उनके नाम के सामने दिखाये गये स्थान, तिथि ग्रौर समयानुसार कार्यभार निम्न प्रकार ग्रहण किये :---

ऋम सं०	पदाधिकारी का नाम	पदस्थापना का ः स्थान	कार्य ग्रहण की तिथि
	र्वश्री ोपाल जी सहाय	सहायक मुख्य लेखा पदा- धिकारी, केन्द्रीय उत्पाद, पटना	
2. 平	तलू उरांव	प्रशासन पदाधिकारी. केन्द्रीय उत्पाद प्रमण्डल, रांची	23-11-81 (पूर्वाह्न)
3. उ	ागनारायण पासवान	प्रणासन पदाधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर	10-12-81 (पूर्वाह्न)
4. T	ए० रज्जाक	प्रशासन पदाधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद (मुख्या- लय), पटना	3-12-81 (पूर्वाह्न)
5. र	निलत मो <mark>ह</mark> न सहाय	प्रभासन पदाधिकारी (मुख्यालय), केन्द्रीय उत्पाद, पटना	2-2-82 (पृवह्नि)

सुरजीत सिंह _ समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नि० एवं० ले० प० नि० सी० शु० एवं के० उ०स०

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1982

सं० 5/82—श्री वि० रामचन्द्रन ने, जो पहले सीमा शुल्क मद्रास में सहायक समाहर्ता के पद पर तैनात थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 6-2-1982 के आदेश सं० 14/82 (फा० सं० ए० 22012/10/82-प्रणा० II) के श्रनुसार निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेणालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के दक्षिणी प्रादेशिक यूनिट में स्थानांतरित होने पर दिनांक 10-2-82 (श्रपराह्न) से श्री जे० एम० शाह से महाधक निदेशक के पद का कार्य-भार ग्रहण किया।

एस० बी० सरकार, निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1982

सं० ए० 42016/1/80 प्रशा० चार/स्था/एक----श्रध्यक्ष केन्द्रीय जल श्रायोग निस्नलिखित अधिकारियों को, रु० 65030-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के पद पर नदर्थ नियुक्ति को 31-8-81 के नाद और छः महीने अर्थात् 28-2-1982 तक अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हों बढाते हैं:---

- 1. श्री डी० एस० मदान
- 2. श्री ए० पी० खन्ना
- 3. श्री विनोद कौल
- 4. श्री एस० वेंकटारमन
- 5 श्री रवीन्द्र सक्सेना
- 6. श्री एल० पी० भुयान

दिनांक 1 मार्च 1982

मं० ए० 19012/978/81-स्था० पांच— प्राध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री श्राई० सी० त्यागी, पर्यवेक्षक को श्रितिरिक्त सहायक निदेणक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में क० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 21 मई, 1981 को ग्रपराह्म से पूर्णतः श्रस्थाई एवं तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

के० एस**् भंडूला,** भ्रवर स**चिव** केन्द्रीय जल श्रायोग

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 3 मार्च 1982

सं० 22/1/81-प्रणासन-1(बी०)—-ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्द्वारा, श्री एन० एस० तनवर, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप बी०) मेवा में ग्रितिरिक्त सहायक निदेशक/महायक इंजीनियर के ग्रेड में, स्थानापन्न क्षमता में 1 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्न से ग्रागमी ग्रादेश होने तक नियुक्त करते हैं।

मं० 22/6/81-प्रशासन-1(बी०)—-श्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्द्वारा निम्निलिखित तकनीकी सहायकों/पर्यवेक्षकों को, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप बी) सेवा के प्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक श्रीभयन्ता के ग्रेड में, स्थानापन्न क्षमता में प्रत्येक

के	सामने	लिखी	तारीख	Ħ,	श्रागामी	भ्रादेश होने	तक	नियुक्त
क्	ने हैं:							·

क्रम मं० प्रधिकारी का नाम	कार्यभार संभालने की तारीख
	(पूर्वाह्म)
1. श्री एस० एस० बैस	28-1-1982
3. श्री एस० सी० महेश्वरी	30-1-1982
3. श्री बासुदेव गृहा	2-2-1982
4. श्री एस० के० विज	2-2-1982
5. सी० एस० साहा	9-2-1982
6. श्री डी० जी० दत्ता	15-2-1982
7. श्री पी० के० भादरा	19-2-1982
	मन्तोय विश्वास, ग्रवर मचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के राजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम, 1956 और डेठल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलुर, दिनांक 2 मार्च 1982

मं० 3104/560/81-82—-कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर डेटल पलवी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया ज्योगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 श्रौरयलेकठेशेवेग प्राह्वेट लिमिटेड के विषय में।

वंगलूर, दिनांक 5 मार्ची 1982

मं० 3120/560/81-82 —कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुमरण में

एतद्द्वारा यह सूचना दो जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर यलेकेठेणेवेग प्राइवेट लिमिटड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशन न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

> वि० एन० जगन्नाथ, कम्पनियों का रजिस्ट्रार

ग्रायकर श्रपील श्रधिकरण

बम्बई-400020 दिनांक 4 मार्च 1982

मं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०/82—श्री एस० बी० नारायणन, बरिष्ठ प्राशुलिपिक, ग्राय-कर ग्रंपील ग्रंधिकरण, हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद, जिन्हें तदर्थ श्राधार पर ग्रस्थाई क्षमता में, सहायक पंजीकार के पद पर ग्राय कर श्रपील ग्रंधिकरण बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में छह महीने के लिये अर्थात् दिनांक 1-12-1980 से 31-5-1981 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की श्रनुमति प्रदान की गई थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 6 मार्च, 1981 की ग्रंधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डी० (एटी०)/80, को श्रव उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर-ग्राय कर ग्रंपील मधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में ग्रीर एक साल के लिये अर्थात् दिनांक 1-6-1981 से 31-5-1982 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी ग्रीधतर हो, कार्य करते रहने की श्रनुमित प्रदान की जाती है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ ग्राधार पर है ग्रीर यह श्री
एस० बी० नारायणन को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति
के लिये कोई दावा नहीं प्रदान करेगी ग्रीर उनके द्वारा तदर्थ
ग्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के ग्रिभिप्राय से उस
श्रिणी में परिगणित की जायेगी ग्रीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी
में प्रोन्नत किये जाने की पान्नता ही प्रदान करेगी।

बी० बी० पालेकर, ग्रध्यक्ष, पी०बी०बो०

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 फरवरी 1982

सं० राज/सहा० म्रा० म्रर्जन/1142:——यतः मुझे एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिन्दा उचित कालार मृत्य 25,000/रा. में अधिक हैं

भीर जिसकी सं० ए०-2, बी०-1 है तथो जो जयपुर में स्थित है, (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधनारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 6 जून, 1981,

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मृत्तरण से हुई किसी भाग की मावत उकत अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे ब्चने में सुविभा के लिए; मृद्धि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मनमोहन चन्द भण्डारी, एम० 5/35 णास्त्री नगर, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री रंजीतमल कास्टिया, 194, बनीपार्क, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पढढीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त अधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ए०-2, बी०-1, एस० एस० एस० हाईवे एक्सटेंग्रान स्कीम, बजाज नगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर ब्रारा क्रम संख्या 1294 दिनांक 6-6-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० **घौहान,** सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

तारी**ख** 15-2:1982 **मोहर** : प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 15 फरवरी 1982

सं० राज/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1139:—यतः मृझे, एम० एल**० चौ**हान,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपृत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. में अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० ए०-6 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15 जून, 1981।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करूने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कम निम्निलिखित उध्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) घ्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के अधीन कर देने के ध्रम्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के जिए।

श्रतः ग्रव, उक्त ग्रिष्ठिनियम की भारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिष्ठिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रिष्ठीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--

- (1) श्री पुरुषोत्तम दास पोदार पुत्र स्व० श्री देवकी लाल निवासी लाजपतमार्ग, सी स्कीम, जयपुर। (अन्तरक)
- (2) श्री कुन्दनलाल गुण्ता पुत्र भगवानदास गुण्ता, ए० 2 बी, म्रुष्णा मार्ग, सी० स्कीम, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपु:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में मगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यवितयों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क हों परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में रिया गया हाँ।

अनुसूची

प्लाट नं० ए० 6 चौमूहाउस (भागीरथ कालोनी), सरदार पटेल मार्ग, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1449 दिनांक 15-6-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृ रूप से विवरणित है।

> एम० एस० चौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारीखा: 15-2-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 फरवरी 1982

सं० राज/सहा० म्रा॰म्नर्जन/1140:; —यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचीत् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० प्लाट नं० 17 है तथा जो कोटा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप विणित है), रिजस्ट्रीकर्चा श्रीधकारी के कार्यालय कोटा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 8 जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिक उद्दश्य म उक्त अन्तरण निम्नीलिक म बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, क्यांत्:--- (1) श्रीमती सुदेण कोहली पत्नी श्री केवल प्रकाश कोहली, मकान नं० 129, गुमान पुरा, कोटा।

(अन्तरक)

(2) श्री देसराज मदान पुत्र श्री भोजराज नन्दा, न्यू कालोनी, गुमानपुरा, कोटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

प्लाट नं० 17, बल्लभनगर, कोटा जो उप पंजिथक, कोटा द्वारा ऋम संख्या 1223 दिनांक 8 जून, 1981 को पंजिबद्ध विऋय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 23 फरवरी 1982

मं० एल० मी० 561/81-82:——यत० मुझे, टी० जैंड० माणि,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार, है, जो चगनाचेरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण घप में वर्णित है), रिजर्स्ट्राकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चंगना-चरा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 22 जुन, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कं ध्रयमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वाग करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्प्रव प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंति रितियों) के बीच एसं अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उचत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

(1) श्रीमती कल्याणी ग्रम्मा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुलैखा।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

 $26.37\underline{6}$ cents of land as per Schedule attached to **Doc.** No. 2020/81.

टी० जैंड० माणि, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:——

नारीख: 23-2-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनाक 25 फरवरी 1982

सं० एस० सी० 563/81-82:--- यतः मुझे टी० जैंड० माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० श्रनुसूची के अनुसार है, जो कोट्टयम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिज्स्ट्रीक्सी श्रीधवारी के कार्यालय कार्नज-रापिल में भारतीय रिजस्ट्रीक्सण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रियीन, 26 जून, 1981।

को पूर्वोक्स सपित्त के उचित बार र मूल्य से कम के दश्यमान प्रिटिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधील निम्नीलीखत; व्यक्तियाँ, क्र्युत् ड— (1' मैसर्स ट्रावनकोर रखेंज लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम मात्यु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रयों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

18.25 Acres of rubber estate and building as per Schedule to Doc. No. 2819/81 of SRO, Kanyerappally.

टी० जैंड० माणि, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, एरणाकुलम ।

सारीख: 25-2-1982

प्ररूप भाई० टी० एन• एस•-

आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 फरवरी 1982

सं० सी. एच० डी० 75/81-82:---ग्रतः मुझे मुखदेव चन्दः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० प्लाट न० 1068 है तथा जो सैक्टर 36 सी० नण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निक्निलिसन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण म हाई किसी बाय को बाबत उक्त जिथ-नियम क अर्थान कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्वैत्रधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अधित :--- मेजर प्रनाप सिंह, ए०-41/ई० डी० डी० ए०/फ्लैट, मुनीरका, नर्ड दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री एम० एम० लाम्बा, श्राई० पी० एम० 238, किदवर्ड नगर पश्चिम, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त हाती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 1068 सैक्टर 36-सी॰, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 501 जून 1981 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी स**हायक आ**यकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, लुधियाना

तारीख: 20 फरवरी 1982

प्ररूप आई० टी० एत० एस०-----

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेज म्रायकर भवन, लुधियान। लुधियाना, दिनांक 20 फरवरी 1982

निर्देश सं० सी० एच० डी०/76/81-82:—न्य्रतः मृझे, सृखदेध चंद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भकान नं० 161 है तथा जो रीक्टर 27 ए० चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ मे, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से दुई किसा आय की बाबत, उक्त ऋदि-नियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रंब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री हरनाम सित का तमी, पुत्र श्री व्यावा सिंह कलमी, निवासी 29/26, पूर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली-8। (अन्तरक)
- 2 श्रीमती कुसम मोहन, य श्रीभनी प्रणिर मेहिन, 508, मैक्टर 8-बी०, चण्डीगढ।

(अन्तरिती)

को यह सूच गा जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के प्रार्जन के सम्बन्त्र में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा.
- (ख) इस सूबना के राजाल म जकाणा की नागीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अस्थ व्यक्ति तारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्रिष्ठ-तियम के श्रष्टगाय 2) के में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उप श्रष्टयाय में दिया गरा है।

अनुसूची

मकान नं० 168, सैक्टर 27-ए चण्डीगढ, (जायदाद जैसा कि पंजीकर्ता ग्राधिकारी, चण्डीगढ के कार्यालय के विलेख संख्या, 508, जून, 1981 में दर्ज है)

> सुख्देव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना ।

तारीख: 20-2-1982

प्ररूप गाइ . सी. एन. एस.----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधिमाना जुधियाना, 20 फरत्ररी 1982

निर्देश मं० सी० एच० डी॰ / 68-81-82:----म्रतः मुझे, मुखदेव चंद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1681 है तथा जो सैक्टर 33 डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिवत में वास्तिवक कप मे कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उपस्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा का सिए; औड़/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

 श्री एस० एल पुरी, पुत्र श्री मोहन ताल पुरी, मिलिटरी, ट्रेटल सेंटर, जालन्धर कैंट।

(अन्तरक)

2. श्री महेएचंद लोधा, पृत्न श्री चमन सिंह, व श्रीमती लीला लोधा, पत्नी श्री महेशचन्द लोधा, 1281/ सैक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के राम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारोस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1681, सैक्टर 33 डी चण्डीगढ़, जायदाद जैसा कि पंजीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्याः 417 जुन 1981 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायंक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधिय ना

तारीख: 20~2-1982

प्ररूप आर्द .टी . एन . एस . ------

अ गहर ब्रॉगियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 2694(1) के मधीन सूचन।

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, 20 फरवरी 1982

निर्देश मं० मी० एच० डी०/65/81-82:---श्रतः मुझे, सु**खदे**व

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अवीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का उत्तर है। उत्तर है। उत्तर का उत्तर है। उत्तर का उत्तर है। उत्तर है। उत्तर है। उत्तर है।

प्रीर जिलकी स० धकान नं० 1742 है तथा जो सैक्टर 34 ही जण्डीगढ़ में स्थित है (प्रीर उससे उपाबद्ध प्रीनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से पर्णान है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के का कि जर्कीगढ़ ने, रिजस्ट्रीकरण प्रधितिषम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त संपर्तित के उजित बाजार मूल्य से कम के एष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की जई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रंपित का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक हा और अंतरिती (अन्तरितियो) के बाच एसे अन्तरण के लिए स्व पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिश्व के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों नश्रीत् ——

 श्री बादिय सिह पुत्र श्री णंकर लिह, यारन्ट श्राफिसर, एश्रर फोर्म, स्टेणन, बरनाता।

(अन्तरकः)

 डा० गुरसक्य राथ अग्रदान, पृत्त श्री हसराज, सकान 1270 सेवटर 22-बी०, चण्डीगढ।

(अन्तरिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूजना की राज्य में प्रकारत की तानील से 45 दिन की अवाध या तत्पाकाधी क्यो क्तयों गर सूचता की तानील में 30 कि की अवीध काद में समारत होती हो, की भीएर प्रवालिए व्यक्तियों मास कि किसे क्योधित कराया:
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दन के भीतर उन्त स्थाबर सम्पर्ति में हिस्तप्द्रश किसी अन्य व्यक्तित ब्रागा अधार्मनकारा के बाग जिल्ला में किए जा नकेंगे।

स्यष्टीकरण——इसमो प्रयुक्त शब्दो आर पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय को विद्या गया है।

अधस

> सृक्षदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निजीक्षण) स्रर्जनः जेज, ल्(धय:ना ।

नारीय 20 फण्नरी, 1982

प्ररूट आ द्रं, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत यरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) यर्जन नेज, प्रयक्षण भवा, लुधियोला लुक्सिमान, 20 फरवरी 1982

नितेष सर सार एवर डीर 70/81-82:—-ग्रत: मुझे, सुखद्य चन्द्र,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परपात् जिया आजार यम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- का से अधिक है

स्रीय जिसकी सं० एक० सो० आं० न० 268 है तथा जो सैक्टर 35 को चर्ण्डागड़ में स्थित हैं (श्रीय क्रमंत उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से बीमत है), जीनस्ट्राकर्ता आध-कारी क जीवान चर्कां के में, र्याजस्ट्राकर्ता आधिकारी के जीवान चर्कां के में, र्याजस्ट्रीवरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) क अधान, तारीख 6/81,

का पूर्व कर रांचीत्व का जावत वाजार मूल्य से कम के द्वरमान प्रिष्णिल के लिए अन्तरित की गई हो और मूभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरवमान प्रतिष्ठ ल से, एसे द्वरयमान प्रतिष्ठ का पन्नस्त प्रात्वा ना ने ही जार निवास (जारका) जार अंतरिती (अवतारात्वा) का बीच एसे अवस्था वो लिए तथ पाया गया निवास हो तक ल ने कालिय के द्वर्ष स अवत अतरण विस्ति में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-ंनयस के अर्थान नार चाने के अन्तरक के दारायत्व म कभी करन या उससे बचन में भूविधा के लिय;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री प्रहलाद श्ररोडा पुल श्री जवहर लाज श्ररोड़ा, द्वारा जनरल श्रदोरती श्री एव० के० ग्ररोड़ा, पुत श्री रमल दाम निवासी 2142 सैक्टर 21 सी० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

- (1) श्रीमती बीना ग्ररोड़ा पत्नी श्री एच० के० ग्ररोड़ा, श्रिधशासी श्रीभयन्ताः मकान नं० 6, टाईप-11, कनान कालोनी, खजूरी रोड यमुनानगर (2) श्री राम सरनदास एण्ड सन्य (हिन्दू श्रीवभाजित परिवार), हारा श्री रामसरनदास पुत्र श्री घूल चन्द्र, मकान नं० 212, सैक्टर 18 ए०, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)
- मैसर्स राज स्टूडियो पोपराईटर श्री रिजन्दर सिंह
 मैसर्ज भौकत ग्रली बैलर्ज, प्रोप्तराइटर श्री शौकत ग्रली ।
 - मैसर्ज फैडज कम्पनी एजेंसी एण्ड प्रोद्योग.
 - 4. मैंसर्ज अत्रव बीव बेदी एसोसियेटस, निवासी एस० सीव औव 268 सैंक्टर 35 डी चण्डीगढ।

(वह व्यक्ति, श्रिसके अधिकोग में सम्पत्ति हैं) को यह स्वना जारी करक प्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिए की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एम० सी० घो० नं० 268 मैक्टर 35 डी चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि पंजीकर्ता ध्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यानय के विलेख संख्या नं० 459 जून, 1981 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 20-2-1982।

मोहार :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्णन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 20 फरवरी 1982
निदेश सं० सी० एच० डी०/81/81-82:—यतः मुझे,

ानदश स० सा० एच० डा०/81/81-82:—यतः । सुखदेव चन्द,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० मकान नं० 1474 है तथा जो सैक्टर 22 बी० चण्डीगढ़, में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम,1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख. 6/81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचितं बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप के किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री बुद्ध सिंह, पुत्र श्री श्र६डामल, निवासी सन्तपुरा यम् नामगर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती करतार कौर, पत्नी श्री हरबस सिंह, श्री लिजन्वरजीत सिंह श्री मिनद्र सिंह, पुन्न श्री हरबन्स सिंह 2584 सैंक्टर 22 सी चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

- 3. श्री एस॰ राधान, सहायक प्रबन्धक, पंजाब नेशनल बैक.
 - 2. श्री बी० के० छाबड़ा,
 - 3. श्री जगदेव शर्मा, मकान नं० 1474, सैक्टर 22 बी०, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कीं तारीख सं
 45 विन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों केत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1474 सैक्टर 22 बी चण्डीगड़, जायदाद जैसा कि पंजीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 523 जून, 1981 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 20-2-1982

मोहर .

प्ररूप जाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृष्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 20 फरवरी, 1982

निदेश सं० सी० एच० डी० 72/81-82:—- प्रत: मुझे, सुखदेव चन्द,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 2708 है तथा जो सैन्टर 22 सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाद्यद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 6/81,

करे पूर्वोक्त संपरित के उचित काजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निसन में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भायकी बाबत, उक्त अभिनियम, के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सृविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः शव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास्ः—

 श्री राम सिंह, पुत्र श्री राजाराम, निवासी गांब— रायपुर तहसील—खरड़, जिला—रोपड़।

(अन्सरक)

 श्री बियंत राम, पुत श्री चौरंगीलाल, मकान नं० 2708 सैक्टर 22 सी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री मलिकयत सिंह (2) श्री एस० पी० ग्रग्रवाल, (3) श्री बी० एस० बख्शी, मकान नं० 2708 सैक्टर 22 सी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांध्रं भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवस्थिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृथारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्सू ची

मकान नं० 2708, सैंक्टर 22 सी, चण्डीगढ़, जायदाद जैसा कि पंजीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 480 जून, 1981 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राप्थिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुघियाना

तारीख: 20-2-1982

प्रारूप आहं. टी. एन एन. ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचन

भारत सरकार

कामानग, सामाम श्रामन पान्त ('नापूर)
प्राप्त रेप, प्रचर पान्त (चित्र)
नुवियाना, रिनाम 20 फरनरा 1982
निदेश सं० सी० एवंश डी०/74/81 82 -- प्र

निदंश सं० सी० एच्० डी० / 74 / 81 82 -- रा नुसे, सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उद अधिनारम' का ना हो, की ना 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निष्टाम दारा का कारण है कि स्थावर मम्बीत, जिसका उपेश्वत वा र मूल्य 25,000/- रपए स किन्क हैं

ग्रीर जिसी स० तकत तृ० 2568 है तो जो गैन्टर 35-सी०, चण्डीबढ, से निगाने (गीर इक्ते जा एड प्रमुख) में भीर पूर्ण ला से जानक है), जार कार्तिक के कार्जाल, चण्डीबढ़ स, रोजेस्, निगाने कि ग्रांग के प्राप्त 1908 (1908 का 16) के ग्रांग, ताराज ८/81

को प्वींक्त संपति के जीचत बाजार मूल्य रो करा के क्रथमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह िक्या करने के कारण है कि यथापूर्वेक्त सन्वितः का रिवन मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिकृत से एसे दृश्यमान प्रतिकृत को १५ प्रतिकृत से अविक है और जन्तरक (अन्तरका) ोर अन्तरित (अज्ञरित्ता) के बीच एसे अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्हील जत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कोथत नहीं किया गया है:—

- (क) अतरण शे हुई छिसो आरु का बाबत, उत्तर जाभिनियम को अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों ने , जिन्ह भारतीय आगकार अधिनिया १९२१ । १८२ वर्ग १८३ वर्ग १८३ वर्ग १८३ वर्ग १८३ का था। १८३ वर्ग १८३ का था। १८३ वर्ग १८३ का था। भारतीय अन्तरिती द्वारा एकर वर्ग १८३ के या किया जाना चाहिए ५१ वर्ग में भी भी का लिए,

अतः अब, उक्त अधिन्यम को भारा 269-ग के अनसरण भो, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— ौरिटनेट फरना प्रमान । प्रो हरजोत सिंह, ।नवासा 1670, सर्वटर 22 , प्रभाउपा

(अन्तरक)

2. श्री जगदर्शन सिंह, व श्रोतना हरिन्द्र कौर, एस० सी० ग्रो० न० 1092/93, नैक्टर 22-बी०, चण्डीगढ़ (ग्रंब मार्फत-डिलाइट थिएटर, मण्डो, डबवाली, जिना लिस्सा, हरियाणा)।

(अन्तारती)

को यह सुरान जा**री करके पूर्वाक्त** समारित अखन की लिए जाराविह्या वरता **ह**ूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 फिन की जयिय या तत्सम्बन्धी व्यादतयो पर सूचना दी तामील मो 30 दिन की उनीभ, को भी अविध द पा जाता गाती हो, को भी र पूर्वावर व्यक्तियो मा सारिकारी राक्त दुसरा;

स्पर्धाः स्पः स्वास्पः स्पः श्राहित स्पः विश्वास्य स्पः स्वास्पः स्वत्यः स्वास्पः स्वासः स्वास्पः स्व

अनुसूची

मकान नम्बर 2568, सैक्टर 35-सी० चण्डीगढ़ (जायदाद, जैसा कि रिजिस्ट्रोकर्त्ता ग्रिधकारो, चण्डीग्य के कार्यालय के विलेख सख्या 497 जून 1981 में दर्ज हैं

मुखदव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्रकर आय्क्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख · 20-2-1982 मोहर . प्रहप आईं.टी.एन.एस -----

आयज्ञ र्यातिस्म, 1961 (1961 का 43) की ारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गत्य, सहायदा अगवार भावका (निर्णेक्षण) म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 20 फरवरी 1982

निरेग न० एल० डी० एव०/123/81-82:--गतः मुझे, सुखदेव चन्द,

बायरहर दोशिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कता गया है), की धारा 269-छ हे कही सम्माम प्रश्विकार, का यह विकेशर करने का कारण भौज्य स्थान- गणीन, जिसका यीवर तारान स्ता 25,000/ र. म संभव ह'

श्रीर जिस्ही मं० फैस्टरी िर्लिडन, क्षेत्रफन 14 कनार, 10 मरले है तथा जो ने पुर कला उहसील लुटियाना में स्थित है (और इतने जावत नतुल्वी में कीर पूर्ण रूप से कि है), रोस्ट्रेन्स क्षाप्त के सामिया, लुधियाना में, किरहोताच ए प्रशियम, 1908 / 208 का 16) वि ख्यान, एड्रॉम C/81

को प्रेंग स्वास के लचा र जार मेल्य से छर ने इस्मान प्रतिष्ये। तो लए अमारिए की पर्व ही आर स्कोट हिलास करने का कारण है कि प्रान्भेव राष्ट्रीत का उच्चि वागर मूलण, रनको रममान परिकास एवे उस्त्याण प्रतिकास के प्रतिहरूर वेद कारण स्ट्रिस (१०) से १०६ (अन्तिसी या) तहर के काला विश्वास कर एक प्रत-फल, क्विन तिल्ला क्रिया । विभाग स्थाप । विभाग विभाग रूप से दाधित गड़ी कर : :--

- (क) अव्यक्त न दर्द अमो त्राय व न न , ६३३ अधिनिध्म हो अधीन कर दोने के अन्तरक को दायितव में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य अन्यस्तयो मां, हेरू नारतीय आकार अधिनियम 1022 (1922 र 11) या उत्त अधिनियम, या धनक बांधारिक, 1957 (1957 वर 27) क प्रयासनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिया राप था या रिया जाना चाहिए था छिपाने मी सिवधा क लिए;

अत: अब, उक्ट र्जाणीनयम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मो. ज्वन शंजीतिक की धारा 260-घ की तपधारा(1) के स्थीन राज्यात पर ए करणे क्षाति ...

- 1. श्रो हमीर तिइ, पुत्र श्री रतन सिंह, श्री जगीर सिंह के निमित्त व श्री सुरजीत मिह पुत्र श्री रतन सिंह, रियाना की 20/8/377, अम्भेश नगर, लुधियाना, (ग्रन्तरकः)
- 2. र्था गगर खन्ना, पुत्र श्री केवल खन्ना, 10 डी, . परावा नगर, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए नायं महिक करता **ह**ं।

उक्त सापित के अज़ंद के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (ब) इन रस्मा के राजपत्र में अत्रायन की तारीस ते 45 वित की अजिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नकारों लिंग ६ ३७ जिस तो तथि हो भी थ्यात करो सम्पत्त सोती हो, के नितर लोकर - ना के सा की व्यास्त **ह**ाना
- (ख) इस रचना के राज्यन म प्रवासर की तारीख स 45 दिन के भीता उनत स्थावर सम्पत्ति मो हित-बद्ध किनी अन्य मोक्त द्वारा अधोहताक्षरी कं एर कि म लिए क सकेरे।

रचनं चारणः - चार ने जात्तर राजां और नहीं का, जो अबन अध-भेष । २९४८ ४०-व्ह से पी आदित **हाँ, यही** ्री स्ता, प्राजन अध्याय की दिया गया ही।

अन्स्ची

फैक्टरी बिडिला, क्षेत्रफल, 14 न्नाल, 10 मरले (8772 वर्गगा गास पूरा, लुधियाना में स्थित है। (यह जपाइन्ट जे कि विजयम् कर्ता अधिकारी, लुधियाना के इयोगि के किलिस मंग ए० 3978, 1981 में (जून) में नई 📜

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी न अक लायकर आयुक्त (निरांक्षण) यर्जन रेंज, लुधियाना

न रीख: 20-2-1982

मोन्य (

प्रका महें। ही ब्राह्म का 10 -----

आपकर अभिनियम, 1961 (1961 का 13) भा अरा 269-म (1) के घोर सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 20 फरवरी 1982

निदेश सं० एल० डी० एच०/122/81-82:——श्रतः मुझे, सुखदेवं चन्द,

आय कर अधिनियम, 1961 ं 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जनन अधिनियम, कहा गया है), को धारा 269- ज के अधीन नक्षम आधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्यावर सम्यन्ति, जिसका अवित वाजार मूल्य 25,000'-क से आकृक है

श्रीर जिसकी सं भूमि क्षेत्रफल 14 कनाल 16 मरले है तथा जो ग्राम-ग्यासपुरा, तहसील-लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6/1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिला आभार मूल्य से कम के बृहयमान प्रतिफल के लिए सम्तरित की गई है और मृत्रे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजान मृहय, उसके बृहयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (भ्रम्तरकों) और अस्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के निए तय पाय गया प्रतिकल, निम्ननिश्चित सहेश्य से उक्त भ्रम्तरण लिखित में वास्तविक कृष में कथित नहीं किया गया है !--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; स्वीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1932 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अव, उयत अिंगिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीष निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री शेरा (पुत्र श्री लालू) निवासी-बी०-29/165, ग्यामपुरा, तह्सील व जिला, लुधियाना।
- 2. मैंसर्स भ्रो० पी०.के० वूलन मिल्स, प्राईवेट लिमिटेड, जी० टी० रोड, (टंढ़ारी) लुधियाना द्वारा श्री ज़ित्तदर खन्ना (पुत्र श्री भ्रोम प्रकाश खन्ना), निवासी 185/1 जी० टी० रोड टंढ़ारी कलौ, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन भी तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन भी प्रविष्ठ, जो भी अविध बाद में सम प्त होतो हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति बारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नग्स्पी

भूमि क्षेत्रफल 14 कनाल, 16 मरले जो गांव ग्यासपुरा, तहसील लुधियाना में स्थित है। (जायदाद जसा कि रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3934, जून 1981 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द, संक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, लुधिमाना

नारीख: 20-2-1982

मोक्षर:

प्रकृप आहें, टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नुधियाना लुधियाना, दिनांक 20 फरवरी 1982

निदेश सं० एल० डी॰ एच०/139/81-82:--श्रनः मुझे सुखदेव चन्दः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उत्तित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 10 कनाल है तथा जो टंकारीक लां लुधियाना 7 1/2 मरला में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जून 81,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप मे किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपथारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :——
4—516GI/81

- मैसर्ज श्राण्ठ एम० गुप्ता एण्ड कम्पनी, 484/487 इण्डस्ट्रयल एरिया-बी, लुधियाना द्वारा लोकल श्रायुक्त श्री महिन्दर लाल दुग्गल, रीडर, कोर्ट श्रॉफ श्री एच० पी० हाण्डा, सब-जज, लुधियाना।
 - (अन्सरक)
- मैसर्ज स्टील स्ट्रकचुन्नल फैबरीकेटरम, मिलर गज, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि क्षेत्रफल 10 कनाल 7 1/2 मरले, ट्हारीक लां, लुधियाना, (जायदाद जैसा कि पंजीकृत अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5521 जून 1981 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीच : 20-2-1982

मोद्धर:

प्रकर नाइ. टी. एन्. एस.-----

आथकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 20 फरवरी 1982 निदेण सं० एल० डीं० एच० 134/81-82:----ग्रत: मुझे सुखदेव चन्द,

आयक र अधिनियम, ⁴1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 21 क्षेत्रफल 110 वर्गगज है तथा जो पदौड हाउस, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जन 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अनिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रनिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ज्ञाने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्निलिमित व्यक्तियों वर्धात:——

श्रीमतो मनजीत कौर, पत्नी श्री महिन्दर सिह,
 श्री दलजीत सिह त श्री मतवन्त सिह, पुत्र श्री महिन्दर सिह, निवासी गाव ईमेबाल, तहसं।ल व जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

 श्रीमती तिजन्दर कीर, पत्नी श्री दिवन्दर सिह, 71-डी शराबा नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

तकत संस्पृतित को अर्जन को सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अध्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में, दिया गया है।

अम्स्ची

एस० सी० एफ० नम्बर 21, क्षेत्रफल 110 वर्गगज, पदौड़ हाउस, लुधियाना (जायदाद जैसा कि पंजीकर्ता प्रधि कारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5040 ज्न 1981 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

नारीख: 20-2-1982

मोहरः

प्रस्प आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 20 फरवरी 1982

स० एल० डीं० एच० 145/81-82:—स्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

्रावण अस्तियम)।,) (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त राधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

क्रीर जिसकी म० प्लाट नं 16-17-18 है तथा जो भारत नगर बिस्तार, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यावलय, लुधियाना, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 1) के ग्रिकीन, तारीख जून 1981 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृण्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्व से करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रांतणत से श्रीधक है और अन्तरित कि एन अण्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रांतणत से श्रीधक है और अन्तरित (अन्तरित्तों) के बीच ऐन अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, किन्तरिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्वित का का में कास्ति का का से किया नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, अदै/या
- (क) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तार्थी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- शी चमन लाल पुत्न श्री गुरिंदत्तामल, 206 ए०, शराबानगर लुधियाना व श्री मदन मोहन व हरीश चन्द्र, पुत्र श्री रामलाल, गुलमर्ग होटल, (नजदीक जगराव पुल) लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री किशन लाल ढीगरा, मार्फत जे० पी० सोडा फैक्टरी, नियर लक्ष्मी सनीमा, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धोकरण ६—इसम प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

प्लाट नं० 16-17-18 भारत नगर विस्तार, नुधियाना (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5955 जून 1981 में दर्ज है)

> सुखदेव घन्द, सक्षमः प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियानाः

तारीख: 20 फरवरी, 1982

मोहर 🖫

प्ररूप वाह्र टी. एन. एस. ------

मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयुक्त अयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, विनांक 27 फरवरी, 1982

सं० सी० एच० डी०/68/81-82:——ग्रतः मृहो सुखदेव चन्दः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ल के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाप्ट नं० 334 है तथा जो सैक्टर 37-ए०, चण्डीगढ़, में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1981,

को पूर्वाक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्नह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण कि विष् त स्वास्तरण से सम्तरण के लिए तथ स्वास्तर से सम्तरण के निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिचित में सास्तिक रूप से कृष्यित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रस्थारण में हुई किसी आप भी बाबत, उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में को करा म उसने बना में पृतिया के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनो ग्राय या किसी जन या ग्रन्य ग्रास्तियों
 की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या
 बन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
 में मुविधा के लिए,

- श्री गुरबचन सिंह पुत्र श्री दुल्ला सिंह वासी एस० सी० एफ० नं० 2, सैक्टर 15 सी०, चण्डीगढ़।
- सर्वश्री कुलबिन्दर जीत सिह, व हरजिन्दरजीत सिह पुत्र श्री जितन्दर सिह द्वारा श्रटारनी श्री जित्तदर सिंह वासी 2019, मैंक्टर 27 सी०, चण्डीगढ़।

(ब्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

ष्ठक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिहुमें हितअब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरणाः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उन्त अधि-नियम के प्रध्याम 20-क में परिभाषित है, बही अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- प्लाट नं० 334, सैक्टर 37 ए०, चण्डीगढ़। (जायदाद जो रजिस्ट्री संख्या 440, जून, 1981 रजिस्ट्रार चण्डीगढ़ के कार्यालय में दर्ज है।)

> मुखरदेव घन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र र आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

बत: भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के जधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह——

तारीख: 27 फरवरी 1982

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 27 फरवरी, 1982

स० सी० एच० डीं0/71/81-82:--श्रतः मुझे सुच्चदेव चन्द,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इस ह पण्चात् 'उकर प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269- ब कि प्रजीत समन प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित्र वाजार मूल्य 25,000-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० रिहामी लिज होल्ड प्लाट संख्या 1548 है तथा जो मैक्टर 38 बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालयं, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुन, 1981,

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवाश रूसने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (श्रन्तरको) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नदी किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; शीर/या,
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रम्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ध्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के, प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत :--

 श्री सी० के० खोंसला, पुत्र स्व० श्री दिवान हरि किशन खोसला वासी 5591/1, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल गोयल पुत्न श्री मनोहर लाल गोयल श्री रकेश कुमार गोयल पुत्न श्री कृष्ण लाल गोयल वासी मकान नं० 218, सैक्टर 19 ए०, खण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त पम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी अध्योग :---

- (क) उन यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड निसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगें।

स्यब्दी करण ---इसमें प्रयुक्त गड़दों धौर पदों का, जा उक्त श्रधि-निथम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्य द्वारा, जा उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

रायहासी लिज होलड प्लाट नं० 1546 सेक्टर 38 बी०, चण्डीगढ़ (जायदाद जो रजिस्ट्री संख्या नं० 476, जून, 1981 में दर्ज है श्रीर जो रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय मे वर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज, लुधियाना

तारीख: 27-2-1982

प्ररूप आह .टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1982

सं० टी० श्रार०-52/-के०-81-82/एस० एल० 601 —-यतः मुझे एम० श्राहमदः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी नं० 8/1 है, तथा जो इसमाइल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड श्रनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित ई), रजिस्ट्री हत्ती श्रिधकार्य के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 22-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रो ग्राबदुल माजिद श्रीर दूसरा।

(अन्तरक)

2. श्रा ग्रानजील घोष ।

(अन्तरितो)

ा रहत्ता नास हरत्ता । एवति क अनत् के रिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति ह अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेदित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रथेहिस्तीक्षरी के पास निस्ति में किए जा मकोए।

स्पर्कांकरणः -- इसमे प्रमुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित ह⁵, बही अर्थ होना जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8/1, इसमाइल स्ट्रीट, कलकता 6 स्ताल 5 छटाक 31 वर्ग फुट जमीन पर मकान :

एम० श्राहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज कलकता-1

नारीख: 15-2-1981

प्ररूप आईंटी एन एस ----

आपकर अभिनियम, 1961 (1961 का Λ) री **भारा 269-घ (1)** के अ**धीन** मचपा

क्षारात सा स्वार

कार्यप्तय, महाप्रवा आयक्तर भायक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज पना

पूना-111004 दिनाक 17 परवरी 1982

म० ए० 5/एस० ग्रार० श्रीरामपुर/जन 81/570/81-82 — यत मस्रे पार० के० ग्राग^{*}वाल

आएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके एक्सान 'राजन अधिनियम' छहा गया हं), वी भाग 269-ल को पथीन मण्ड प्रिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि थारर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भीर जिसकी संख्या गट न ं 114 116, 86 115बी/1 115बी/2 1150, है तथा जो मीजे लोहगाव ना श्रीरामपुर घि० श्रहमत्नगर से स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद श्रनुमूची में ग्रीर पूण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक्ची श्रिधितारी के कार्यालय दुरयम निवन्धक श्रीरामपुर में, र्गजरद्रावरण ग्रिधिनारी नियम 1908 (1908 का 16)के ग्रधान नारीख जन 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान ।
पितफल क लिए अतिरत की गई है और मुम्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप में किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की आबत, उक्स पश्चितियम के अधीन कर दोन ने अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसम बचन म मृविधा वे लिए, और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या कत्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार् अन्तिरित स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सांवधा के लिए

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण के मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अबार विमनीलिस्त व्यक्तियों, अर्थात — 1 त। पाडरग रामचन्द्र पाटील, लिक्क्बिडेटर दि प्रवर अग्रीकलचरत एण्ड इण्डिस्ट्रियल डेबलपमेट सहकारी गोप यतो मर्यादिल, गाव प्रवरानगर त० श्रीरामपुर गितः ग्रहमदनगर।

(अन्तरक)

अशे मान इ । त्रवक धर्माधिकारा श्रामि ० मैनेजर प्रवरा पहेंकारी सारवर कारखाना मर्यादित प्रवरानगर गा० प्रवरानगर, त० श्रीरामपुर जिला श्रहमदनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

जनत सम्परित क अर्जन के सब्ध म कोई आक्षेप ---

- (क) इस पूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तिया से से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास निस्तिन में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी जो गटन० 114, 116, 86, 115B/1, 115B/2, 115 ए०, मौजे लोहगाव, त० श्रीरामपुर जि० स्रहमदनगर में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 1339 जो जून, 1981 में दुय्यम निबन्धक श्रीरामपुर के दणतर में तिखा है।)

स्राप्त के० स्रागरवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज पूना।

तारीख 17-2-1982 माहर प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पना

पूना-411004, दिनाक 19 फरवरी 1982

मं० ए० 5/एस० ग्रार० नासिक/जून 81/571/81-82--यस मुझे, श्रार० के० ग्रागरवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या नं० 425-ए/1 है तथा जो मौजे नासिक ता० जि० नासिक, में स्थित है, (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनु-सूंची मे ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक, नामिक में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख जून, 1981

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्तिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करा, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस स्पन्स्तियों, क्यारि:—-

- 1 श्री भजनदास बी० कुकरेजा, भाग्यवृध्दो, नाईक वाडी, श्राम्बेडकर चौक गोडबोल पथ, ढाणे-400602 (अन्तरक)
- 2 श्री र्रावन्द दामोदर पुराणिक 4470, घोलपवाडा, पंचवटी, नासिक-3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिहर- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वसुची

खुली जमीन सं० नं० 425 ए०/1, मौजे नासिक, ता० जि० नामिक मे स्थित है। जिसका क्षेत्र 2000 स्के० मी० है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 2569 जो जून, 1981 मे दुय्यम निबन्धक नासिक के दफ्तर में लिखा है।)

> आर० के० आगरवाल, स**श्म प्राधिकारी** सहायव आपकार आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 19-2-1982

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज, पूना

पूना-111004, दिनाक 19 फरवरी 1982

सं० ए० 5/एस० ग्रार० प्रलिबाग/ज्न 81/572/81-82---श्रतः, मझे, श्राप्र के० श्रागरवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-फा के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या स न० 84 (हिस्सा नं० 1, 2, 3, 85 (1), 94(3), 9,3, 94 (1, 5 & 2), 95, 96, 97, 109 है सथा जो तालागेट गांव, पो० पोयनाड जि० रायगड़ में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक आलीबाग में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून, 1981 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भागतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ण के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (। के अधीन निम्नलिखित व्यिष्टियों अर्थास्:-- 5—516GI/81

 श्री सुलतान उमर बारमारे, श्यामम् उमर बारामरे, इकबाल क्त् बारमारे, शेख उमर मुहम्मद बारमारे। पेझरी गांव, ता० प्रलीबाग, जि० रायगढ़।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रशोक कुमार राजकुमार 82, चित्रकुट, श्रल्टामाऊल, पथ, बॉम्बे-400026।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर मध्यित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

खेती की जमीन जो सं० नं० 84 (हिस्सा नं० 1, 2, 3), 85(1), 94(3), 93, 94 (1,5,2), 95, 96, 97, श्रीर 109 सालाशे गांव, पो० पोयनाड जि० राय गढ़ में स्थित है)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 336 जो ज्न, 1981 में दुय्यम निबन्धक श्रालीबाग के दफ्तर में लिखा है)

> ग्राग्० के० ग्रागरवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 19-2-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 फरवरी 1982

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० (भ्रजंन) / 2338—श्रतः सुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 761, 770 एवं 771, कृषि भूमि एक मकान है, तथा जो ग्राम बलाना, जिला उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रुप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, उज्जैन, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रीधीन विनांक 29-6-81 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाथा गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेष्ट्रेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिधित व्यक्तित्यों, अर्थातः---

1. श्री गोपालदास भारती पुत्र श्री गरुदित्तामल जी डाबर दणहरा मैदान, उज्जैन ।

(अन्तरक)

 श्रीमती राजकुमारी परिहार, पत्नी श्री राम स्वरूप जी परिहार, 23 विनोद नगर, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधेष्ठ-शाक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ग्राम दताना, जिला उज्जैन स्थित कृषि भूमि सर्वे नं ० 770, 771, एवं 761 तथा मकान ।

द्रेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 19-2-1982

प्रकृष आहूँ. टी. एम्. एस.-----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 फरवरी 1982

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/प्रर्जन/2339—प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 47/1061 है तथा जो कंपूरोड, लक्कर, ग्वालियर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 22 जून, 1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उज्ज्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्रया
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा उक्त अधिनियम की धारा 269-म की खपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियो अर्थात्:—— श्री गोलामल पुत्र श्री जुिंदयामल हास्पिटल रोड, ग्वालियर ।

(अन्तरिती)

- 2. (1) सर्वश्री श्याम सुन्दर,
 - (2) श्री गुरुप्रसाद
 - (3) श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री धन्नासिह,
 - (4) श्री धन्ना सिंह पुत्र श्री हेमराज, निवासी जब्द प्रताप श्राश्रम, भतेक्वर, रोड, ग्वालियर ।

(अन्तरक)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

मकान नं० 47/1061 कंपू रोड, लश्कर ग्वलियर का एक भाग एवं जमीन ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 17 2-1982

प्ररूप बाइ⁵. टी. एन. एस. -----

बायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भौपाल

भोपाल, दिमांक 17 फरवरी 1982

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2340—ग्रतः मुझे, देवित्रिय पन्त

आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके प्रशात 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण धृै कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सँ० म० नं० 47/1061 है, तथा जो कंपू रोड, लश्कर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण कम से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय ग्वालियर म रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनांक 17 जून, 1981

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी भून या अन्य शास्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः मन्, उकत अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-य की उपधारा (1) के नधीम निम्नलिकित व्यक्तियों स्थातः- श्री गोलूमल पुत्र जुदियामल, हास्पिटल रोड, लश्कर, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

श्रीमती जसवीर कौर पत्नी जगदीश सिंह , मोठी,
 श्रीराम कालोनी, लश्कर, ग्वालियर ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित् के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;++-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त रुबवों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

शन्स्ची

मं०नं० 47/1061, कम्पूरोड, लक्ष्कर ग्वालियर का एक भाग ।

देवप्रिय पन्स **सक्तम् प्राधिकारी** सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) **मर्ज** न रेंज, भोपाल

तारी**ख**: 17-2 1982

प्रस्प भार्ध : हो • एम • एस • ---

अध्यक्तर अश्विनियम, 1981 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 फरवरी 1982

निदेश स० आई० ए० सी०/अर्जन/2341—अतः मुझे, देवित्रिय पन्त प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चाम् 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० मे अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० म० न० 47/1061 है, तथा जो कंपूरोड, लक्ष्कर, ग्वालियर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनाक 16 जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गर्व है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखा उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पान्तीवक कर से कावन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त आधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री गोलुमल पुत्र श्री जुदीयामल, हास्पिटल रोड, लक्कर, ग्वालियर।

(अन्तरक)

श्री बलदेव सिंह सोढी पुत्र श्री मुख्तयार सिंह सोढी,
 श्रीराम कालोनी, खालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरों।

स्पष्टिकिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

न्तृत्वी

म० नं० 47/1061, कंपू रोड, लक्कर, ग्वालियर में स्थित।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-2-1982

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 फरवरी 1982

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2342—प्रत मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि/भवन है, तथा जो कम्पू रोङ, लक्ष्कर, ग्वालियर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 15-6-1981

को विकित सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की वावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने का उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

ग्रतः अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सुधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री गोलामल पुत्र जुदियामल हास्पिटल रोड, लाकर, ग्वालियर।

(अन्तरक)

श्री सुखदेव सिंह पुत्र मुख्सयार सिंह सोढी,
 श्रीराम कालोनी, झांसी रोड, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तर संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इ.स.में प्रयुक्त शब्दों और पवें का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उत्स अध्याय में दिया गमा है।

अमुसुची

कंपू रोड, लक्कर, ग्वालियर में स्थित एक मकान एवं जमीन।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-2-1982

मोहर 😉

प्रकृप शाइ". टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजं रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 17 फरवरी 1982

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/2343—म्प्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० म०नं० 47/1062 है, तथा जो कंपू रोड, लक्ष्कर, ग्यालियर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कायिलय ज्वालियर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 17 जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिटफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अंक, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:---

 श्री बानचन्द्रपुत्रश्री गंगल मल दाल बाजार, लक्कर, ग्वालियर।

(अन्तरक)

श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री मुख्तयार सिंह,
 श्रीराम कालोनी, झांसी रोड, ग्वालियर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहम्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अमृत्यी

कंपू रोड, लक्कर, ग्वालियर में स्थित म० न० 47/1062 का एक भाग।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-2-1982

मोहर 🛭

प्रक्ष बाह्रै,टी.एन्.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

जारत बडकरा

कार्यासय, सहायक बायकार बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 फरवरी 1982

निदेश मं० भ्राई० ए० सी०/अर्जन/2344--श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

वायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो कंपूरोड, लक्कर, जालियर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालियर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 15 जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उर्वित बाजार मूल्य, उसके ख्र्यमान प्रतिकल से, एसे द्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक है से करण में किथा गया है---

- (क) अन्तरक सं हुन्द्र िक की बाब की बाबत , उनक विश्वतिक के अधीन कर देने के बुन्तरक के दायित्व में कभी अनुसर्वे मा उन्नते मुक्त में स्विधा के जिए; बाह्र/बा
- (क) एसी हिंकसी नाय ना किसी पन या नव्य आस्तिनों की, विन्हें भारतीय नाय-कर निर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) या उकतः अधिनियम, या धनकर निर्मित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में स्तिशा के शिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त बाँधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के बधीन निम्मसित्रिक व्यक्तियों नथीं कः

श्री खानसन्द पुत्र गंगलमल,
 दास बाजार, लक्कर, खालियर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनजीत कौर, पत्नी श्री श्रमरजीत किंह सोढी श्रीराम कालोनी, झासी रोड, ग्वालियर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां काउता हों।)

अन्त सम्मृतित् के मुर्जन के सम्बन्ध में काहे भी बाहोप्र--

- (क) इस् स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की सबक्षि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से कि जी व्यक्ति वृताराः
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर अकत स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी बन्ध व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए का संकीं।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कपूरोड, लश्कर स्थित एक मकान, ग्वालियर।

देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज , भोपाल

तारीख 17-2-1982 मोहर:

प्रकप आई० टी• प्रव• एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुषना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 17 फरवरी 1982

निदेण स० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/2345—श्रन मुझे देविश्रय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी स० म०न० 47/1062 है, तथा जो क्पू रोड लक्कर, ग्वालियर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजम्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जुन, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक दृष्य से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सृविधा के लिए,

जत अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—— 6—516G1/81

- 1 श्री खान चन्द पुत्र श्री गगलमल कासिम खान का बाडा, दाल बाजार, लभ्कर ग्वालियर। (श्रन्तरक)
- 2 श्री अप्रजायव सिंह सोढी पुत्र श्री यम सिंह सोढी, निवासी श्रीराम कालानी, झामी राड लण्कर, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा मक³गे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० न० 47/1062 का एक भाग π पू रोड, लक्ष्कर खालियर ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेज, भोपाल

तारीखाः 17-2-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 फरवरी 1982

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/2346—श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० क्या० नं० 56 है, तथा जो खैरापित कालोनी, लग्कर ग्वालियर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम 5-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिक्क्य, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िल्पाने में सुविधा के लिए;

 श्री चन्द्र स्वरूप भटनागर, भ्रात्मज हरपतराय भटनागर, खैरापित कालोनी, लक्ष्कर, खालियर ।

(अन्तरक)

 श्री शानस्वरूप पुत्र श्री हरपत राय जी, निवासी खैरापति कालोनी, लक्कर, ग्यालियर। (श्रन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ला व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

असस ची

क्वार्टर नं० 56, खैरापति कालोनी, लण्कर, ग्वालियर ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख: 17-2-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 फरवरी 1982

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/2347—श्रतः मुझे, वेबप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० क्वा० नं० 55 है, तथा जो खैरापति कालोनी, लक्कर, ग्वालियर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्प से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन 5-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री ज्ञान स्वरूप, भट्नागर पुत्र श्री हरपतराय भटनागर, निवासी खैरापति कालोनी, लक्कर, ग्वालियर ।

(अन्तरक)

 श्री चन्द्रस्वरूप भ्रात्मज श्री हरपत राय, खैरापति कालोनी, लक्कर, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपत्ति में हिातबस्थ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

क्वार्टर नं० 55, खैरापति कालोनी, लश्कर, ग्वालियर ।

देवप्रिय पन्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल.

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

तारीख: 17-2-1982

प्ररूप पाईं । टी • एम • एस •----

आयकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोगाल, दिनांक 19 फरवरी 1982 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्वी०/2348--श्रत: मुझे,

देवप्रिय पन्त भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उ**क्त मधिनियम' कहा** की घारा 269-ख के भ्रषीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इपये से प्रधिक है, ग्रौर जिसकी सं० भूमि/शेड है तथा जो ग्वालियर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक 4-6-1981 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक **है और प्रग्त**रक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिश्चित्यम के अग्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के कियो; और/या

उहेरव से उनत प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित

नहीं पिया गया है:--

(ख) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए।

जतः अध, उक्त अधिनियम् की धारा 269-म की, अनुसरण में, में, उक्त जिधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. (1) श्री जन्द्र सेन राव
 - (2) भिवाजी रावः
 - (3) सम्भाजी राव
 - (4) म्रंबाजी राय पुत्र भ्रानन्द राव एव श्रीमती कचन पत्नी श्री ग्रंबारजी राव फलके नि० कृष्णा मंडी, फाल्के, बाजार, लक्कर ग्वालियर ।

(अन्तरक)

- (1) श्रीमती माधुरी देवी मुखरैंद्रया पत्नी श्री राजेन्द्रकुमार मुखरैया, चीक बाजार, ब्यावरा
 - (2) श्रीमती मीरा गुष्ता, पत्नी प्रेमचन्द गुष्ता चौक बाजार, बांदा

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकर सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (खा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किये जासकेंगे।

स्पन्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अबं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

अमुसुची

भूमि एवं टीन मोड, कृष्णा टाकीज, के पास, लक्कर ग्वालियर।

देवप्रिय पन्त स**क्षम प्राभिकारी** स**हा**यक आयकर आयुक्त (निर**क्षिण)** श्रर्जन रेंज, भोपाल

तार्खाः 19-2-82

प्ररूप आहूँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनाक 17 फरवरी 1982

निदेश स० III 543/ग्रर्जन/81-82---ग्रत मुझे, हृदय नारायण आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से प्रधिक हैं ग्रीर जिसकी स० प्लाट सं० 34 है, तथा जो पाटली पुत्रा कालोनी (मैनपुरा) पटना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्णक्प से वीणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 1-6-1981

को पूर्वोंक्स सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के उपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बायत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

श्री विशिष्ट नारायण चौधरी, ग्रिधिवक्ता वल्द स्व० हरिनारायण चौधरी, वर्तमान निवासी पुरानी सराय, नाथ नगर, भागलपुर एव निवासी 34 पाटलीपुता, थाना पाटलीपुता, जिला पटना ।

(अन्तरक)

2 (1) श्री प्रमोद सिंह, वल्द स्व० गोपाल प्रमाद सिंह (2) श्रीमती राम झरी देवी, जौजे श्री नन्द कुमार सिंह निवामी वरनाब पत्रालय : वरनाब, थाना जगदीशपूर, जिला भोजपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीह्यताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुस्ची

जमीन का रकबा 3 कृट्ठा, 19 घर, 15 धुरकी, मौजा पाटलीपुत्ना, जिला पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप में विभिक्ता म० 4048, दिनांक 1-6-1981 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला प्रवर निबन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुमा है।

हृदय नारायण स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),** श्रर्जन रेंज, पटना

नारीख: 17-2-1982

प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 18 फरवरी 1982

निदेण सं० III/545/म्रर्जन/81-82--म्रतः मुझे, हृदय नारायण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० थाना मं० 236, खसरा सं० 812 है, तथा जो मोहल्ला पकड़ी, श्रारा शहर, जिला भोजपुर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भौजपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 30-6-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह निश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रांतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नालिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उन्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ब्रोर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्मलिसिस क्युक्तिकों, अधीस् :—— श्रीमती श्रानन्दमयी देवी जौजे बाबू भनेश्वर प्रसाद सिंह निवासी गजीयापुर, थाना बड़हरा परगना ग्रारा जिला भोजपुर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राम प्रताप सिंह बल्द श्री राम नरेण सिंह निवासी बखोरापुर, थाना बड़हरा, परगना श्राप्ता, जिला भोजपुर ।

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवा**हियां करता हु**ं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबिन या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंते 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

जमीन का रकबा 7 कटठा 5 धुरकी मकान एवं वार-दीवारी सहित मोहल्वा पकड़ी परगता द्यारा, थाना द्यारा नवादा, जिला भोजपुर में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसिका सं० 4704 दिनांक 30-6-81 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला द्यार निबन्धक पदाधिकारी भोजपुर द्वारा सम्पन्न हुंद्या है।

> हृदय नारायण समम प्रा**धिकारी** सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

तारी**व**: 18-2-1982

मो**ह**र ;

प्ररूप आर्ड टी. एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 18 फरवरी 1982

निदेश सं । III/546/प्रार्जन/81-82---प्रतः मुझे, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 327, 330, 331, 350, 343, 345, 262, 258 पार्ट, 263 पार्ट, 328, 244, 263 पार्ट, 258 पार्ट, 264, 265, 266, 322, 355, 352, 257, 254, 259 पार्ट, 255 पार्ट, 346, 347, 261, 251, 353, 329, 333 पार्ट, 340, 341, 342, 339 पार्ट, 274 पार्ट, 256, 348 पार्ट, 260, 359 पार्ट, 357 पार्ट है तथा जो चन्द्राबाद श्रीर जासनाला जिला धनबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 13-6-1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रम्मह प्रतिषात अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की साबत, उक्त अभिनियत के अभीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय गा किसी गा या पाण प्राप्तित की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अधीम, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 श्री रमाणंकर प्रसाद बल्द स्व०भगवान दास निकासी नम्बर 52/1, डा० श्रवनी दल रोड, हाबना ।

(श्रन्तरक)

मैसर्स पर्ल प्रोजेक्ट एण्ड स्टील लिमिटेड,
 रिजस्टर्ड कार्यालय नम्बर 23-०, नेताजी सुभाष रोड,
 कलकता ।

(अन्तरिती)

- 3. (1) राधा कृष्ण प्रसाद
 - (2) श्री केदार नाथ आयसवाल
 - (3) श्री जगन्नाथ प्रसाद श्रौर
 - (4) मुरेश प्रसाद सभी बस्द श्री रमाशंकार प्रसाद निवासी नं० 52/1, डा० श्रवनी दत्त रोड हाबड। । (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अजन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंब- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्वष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त अध्या और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

जमीन का रकवा 9 बीधा कुछ बनावट एवं मशीन सहित मौजा चन्द्राबाद ग्रीर चासनाना थाना जोरापोखर, जिला धनबाद में स्थित है तथा बसिका सं० 1 4937, दिनांक 13-6-1981 के प्रथम एवं द्वितीय अनुसूची में विणित है एवं जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रार श्राफ ऐष्योरेन्स कलकत्ता द्वारा सम्पन्त हुग्ना है।

> हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहामक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

तारी**ख**ः 18-2-1982

प्ररूप भाई० टी• एन• एस•----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-I, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनाक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (एसयू०/1/एस०ग्रार० 3/6-81/418—प्रत सुझे, एस० ग्रार० गुप्ना ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधोर सज़म प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से ग्रिधक है

भ्रौर जिसकी सं० सी-22 है, तथा जो चिराग इन्क्लेब, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण स्प से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक जुन 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ह्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाधूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के एंसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छदेग्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीम, निम्निलिसित व्यक्तियों, नथीत् :---

श्री एम० के० महता, सुपुत्र श्री जी० एल० नन्दा प्रदोरनी द्वारा श्री डी० पी० महता, सुपुत्र स्वर्गीय श्री जे० पी० मेहता, निवासी ई-66, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्रीमती गीता बाधानी पृत्नी श्री एस० टी० बाधानी निवासी बी-22, मेफेयर गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कों यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियों करना हूं।

उक्त सम्यन्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त प्रवि नियम के अध्याय 20-क्त में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जी उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मजिला मकान न० सी-22, चिराग इन्क्लेव, नई दिल्ली जिसकी माप 500 वर्ग गज है ।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नारीख: 10-2-82

प्ररूप आईं, दी. एन. एस, -----

ग्रायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०ा/एस०ग्रार० 3/6-81/467—श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० में प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० ए-457 है, तथा जो डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1981

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पख्ड प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (आ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था, छिपाने में मुखिधा के लिए;

भत: प्रव, उन्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त श्रिधिनियम की उपधारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए— 7—516GI/81 निस० मालती तलवार पत्नी श्री एस०डी तलवार, बारा हर एट्रोनी सुधीर कपूर नं० 7, बिरवर्ल रोड, जंगपुरा एन्पटेंगन, नई दिल्ली: ।

(अन्तरक)

2 मिस० कमाल भाटिया पत्नी श्री निष्ट्य सिंह भल्ला, निवासी ए-457, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह स्वाना जारी करके पृवाँकत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए अर्थवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित इतरा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के धीतर उका स्थावर सर्पान में हिंद बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सहेंगे।

स्वब्दीकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

मकान नं० ए-457, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, एरिया 217 गज है ।

> एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नारीख: 10-2-1982

प्ररूप आई. दी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वें (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस०भ्रार०-3/6-81/430—यतः, मुझे, एस० भ्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 129 है. तथा जो बस्ती हजरत निजासुद्दीन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुन 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल है और भन्तरक (अन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तिक कप से किश्वन नहीं किया गया है। ----

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, सक्त क्षिक नियम, के अधीन कर देने के बन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; खौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अध्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर पश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः धन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के धनु-सरण में, में, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ध्रधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों; ध्रथीत :--- हकीम सैयद हुसैन देहलवी, निवासी लाल महल, बस्ती हजरत निजामुद्दीन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री फजल इनायत खान, निवासी सी-42, जंगपुरा एक्सटेन्शन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विंग की प्रविध या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना
 की सामील से 30 विंग की अविध जो भी सर्विध
 व द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों
 में से किसी क्यक्ति शहरा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 दितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इसमें अयुक्त भग्वों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में प्रिमाणित हैं, वही धर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद बियरिंग रजिस्ट्रेशन नं० 129, बस्ती हजरत निजासुद्दीन, नई विल्ली ।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 10-2-1982

प्ररूप कार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाक 10 फरवरी 1982

निर्देश संब्रिश्चर्ड ए० सीव/एक्यू०/1/एसव्झार० -3/6-81/431---यत:, मुझे, एसव आरव गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० 129 है, तथा जो बस्ती हजरत निजामुद्दीन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याक्षय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुन 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपाल से, एसे दृश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रति-पाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रति-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीड/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के, बनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-मृकी उपभारा (1) के गुभीन निम्मितिसित व्यक्तिस्यों, अभीत् हे—-- हकीम सैयव हसैन देहलवी, निवासी लाल मह्ल, बस्ती हजरत निजामुदीन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री फजल इनायत खान, भियासी सीं-42, जंगपुरा एक्सटेन्मन, नई विल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (त) इस मृचना के राजपत्र मा प्रकाशन का तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिंत-वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आयदाद नं० 129, बस्ती हजरत निजामुद्दीन, नई दिल्ली।

> एस० भ्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सङ्खायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेज-I, नई दिल्ली

तारीख: 10-2-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०श्रार०-3/6-81/432--यत:, मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 129 है, तथा जो बस्ती हजरत निजामुद्दीन, मई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1981

को पूर्वित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल् निम्निलिशत उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण संहुई किसी भाय की वाबत, उक्त अभिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वासित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— हकीम सैयद हुसैन देहलबी, निवासी लाल महल, बस्ती हजरत निजामुदीन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्री फजल इनायस खान, निवासी सी-42, जंगपुरा एक्सटेन्शन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी संसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा खधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 129, बस्ती हजरत निजामुद्दीन, नई विल्ली।

> एस॰ म्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीखा 10-2-1982 'मोहर:

(अन्तरक)

प्रक्ष वार्ड ही पुन पुर ,-----

भायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

शारत परकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 फरवरी, 1982

निदश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आ४०-3/6-81 433--यत ,मझे, एस० आ४० गप्ता,

वायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह निष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्वित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी में 129 है, तथा को बस्ती हजरत निजामुद्दीन नई विल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जन 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्विषय से उसत अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कृशित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए, और/या
- (थ) एरेसी किसी बाब वा किसी धन या बन्य आहिस्तयों को, विन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया चना वा किया वाना वाहिए था जियाने में सुद्धा के विष्टु

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त बाँधनियम काँ धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिश्वित व्यक्तियाँ अर्थातः—

- तुं हकीम सैयद हुसैन देहलवी,
 नियासी शाल महुल, बस्ती हजरत निजामुद्दीन,
 नई विल्ली।
- 2 श्री फजल इनायत खान, निवास। संत-42 जंगपुरा एक्सटेन्शन,

नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के मुर्चन के सम्बन्ध में कोई सी बासोप्ध---

- (क) इस स्वान के ट्रावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अगिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वन्धि, को भी वन्धि नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स म्युक्तियों में से किसी व्यक्तिय इपाराः
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बवृध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषिर हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गर है।

अनुसूची

जायदाद, न० 129, बस्ती हजरत निजामुद्दीन, नई दिल्ली ।

> एस० भ्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, नई विल्ली

तारीख: 10-2-1982

प्ररूप बार्च.टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकप्रर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० श्रार०-3/6-81/ 434--श्रतः मुझे; एस० श्रार० गुप्ता,

अप्राक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात जिसे अधिनियम कहा गया है), की धारा 2,69- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारफ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं । 129 है, तथा जो बस्ती हजरन निजामुद्दीन, नयी दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1981

को भूवेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग.की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित्:—

 इकीम सँयद हुसैन देहलबी, निवासी लाल महल, हजरत निजामुद्दीन, नयी दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्री फजल इनामत खान, सी-42, जंगपुरा एक्सटेंशन, नयी फिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्रारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

जायदाव नं 129, बस्ती हजरत निजामुद्दीन, नयी विल्ली ।

> एस० ग्राप्त गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

तारीख: 10-2-82

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फ नवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० श्रार०-3/6-81/534—श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस/62 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जन 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्तित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक हुए में वर्ष्य नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित श्रयिक्तयों, अर्थात '-- 1. श्रीमती मध्रुधग्रवाल, पत्नी श्री सुवर्शन ध्रग्रवाल निवासी ई-467, ग्रेटर कैलाश-2, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स वाजिद सम्स एक्सपोर्ट लिमिटेड, एस/62, ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथा कित सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहिष्ट करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास तिसित में किए जा सकोगे।

स्पंध्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अर्थन अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिंभोषित हैं यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्री

सम्पत्ति नं० एस/62, ग्रेटर केलाश-2, नई विल्ली क्षेत्रंफल 300 वर्ग गज।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली

तारीख: 10-2-82

मोह्नर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

धारा 269-घ (1) के अधीन मृद्यना . कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०-1/एस०श्रार०-3/6-81/ 523—श्रत: मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी-436 है, तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विज्ञत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक हम के कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंमी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- ले० क० जयदेव साह सिंह सुपुत्र एस० अर्जुन सिंह, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी नेशनल स्पोर्ट्म कल्य आफ इंडिया, मथुरा रोड, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 डा० एल० एस० माथुर मुपुत्र स्वर्गीय श्री श्रार० एस० माथुर निवासी सी-436, डिफेंस कालोनी, नई विल्ली । (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितस्य्थ किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रौक्त एब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

श्रद्धाई मंजिल मकान सं० सी०-436, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, माप 325 वर्ग गज है।

> एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 10-2-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संघना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 फरवरी 1982

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम०न्नार०-3/6-81/ 518--न्नतः मुझे एस० म्रार० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्दर्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह निक्नास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रा. रो अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बी-26 है, तथा जो साउथ एक्सटेंग्रन-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग-के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीम रिम्निनिषित व्यक्तियों, अर्थात् :---8--516GI/81 डा० टेक जन्द सोनी
 बी-26, पाउथ एक्सटेंगन,-2, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. मैंसर्स सुप्रीम प्रिन्टर (प्रा०) लि० 36, नेताजी सुभाष मार्ग, दिखागंज, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हिातबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं ० बी-26, माउथ एक्सटेंशन पार्ट-2, नई दिल्ली।

एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (रिरोक्षण) प्रजंत रेंज-I, नई दिल्ली

नारीख: 10-2-1982

प्ररूप आहर् .टी , एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन म्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रंज-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०-1/एम०श्राप्ठ-3/6-81/445---श्रतः मुझे, एस० श्राप्ठ गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी मं० ए-439 है तथा जो डिफोस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्लो में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन विमांक जुन, 1981

को एवोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, ति की गई है और मूफे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्तों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फत, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है....

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम की अधीन कर दोने के अनारक क दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विध। के लिए, और/या
- (का) एसी किन्नी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान भी सृविभा के लिए;

 मेजर गुरवचन मिह चीमा सुपुत श्री गोपाल सिंह चीमा, निवासी 3021, सैक्टर 19-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

 श्री भ्रब्दुल मुजीब मुपुत श्री हाजी भ्रब्दुल वजीद, निवासी ईदगाह रोड, मुरादाबाद (यू०पी०) । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित को अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काई भी साक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्य्भ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्ट्रीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं ० ए-439, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली।

एस० द्यार० गुप्ता सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित का किरायों, अर्थात :--

नारी**ख** : 10-2-1982

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०म्रार०-3/6-81/435---म्रतः मुझे, एस० म्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समानि, जिसका उनित जाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जी-10 है, तथा जो साउथ एक्सटेंशन-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिक्षिन्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिवीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सिक के रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ने. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपभारा (1) के अधीन निम्निसिवत व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- श्री एस० बी० संपूरन सिंह चावला चार्टी ट्रस्ट इसके कार्यालय के साथ 5-ए, कोर्ट लेन, सिविल लाइन, विल्ली, इनमे से एक ट्रस्टी श्री इकबाल सिंह चावला पुत्र श्री एस० बी० संपूरन सिंह चावला के ढारा। (अन्तरक)
- 2. बलूजा चेरीटेबल, ट्रस्ट, ई-1, झण्डेवालान, एक्सटेशन, नई विल्ली इसके ट्रस्टी श्री सी० ए० बलूजा मुपुल श्री श्रिज लाल बलूजा, निवासी सी-182, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मित्स के अर्जन के लिए आर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुस्त्री

ढाई मंजिली इमारत नं० जी-10, साउथ एक्सटेंशन-1 नई दिल्ली।

> एस० म्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 10-2-82

मोहरः

प्ररूप आई टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)
ग्रजंन रेज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 10 फरवरी 1982
निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०ग्रार०-3/6-81/
529—श्रत. मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपीस, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० यू०-11 है, तथा जा भ्रीन पार्क, एक्सटेशन, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनाक जुन, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ——

- श्रीमती राजेश्वरी देवी, पन्नी श्री उमा शकर गोयल निवःसी 283-ई, करोल बाग, नई दिल्ली।
 - (अन्तरक)
- श्री प्रेमनाथ सुपुत्र श्री हस राज श्रीय यू०-11, ग्रीन पार्क, एक्सटेशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्^चना जारा कारके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सपत्ति के अर्जन क सब्ध मा काई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना कराजपण्ण मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियां पर सूचना की तारीमल से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पप्टीकरण —-इसम् प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं ३ हाना, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति स० यू-11, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली जिसकी भाप 500 गज है।

> एसं० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

सारी**ख: 10-2-8**2

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रजेन रंज-], नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक ४०-1/एस० ग्रार०-3/6-81/423---ग्रतः मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

न्नौर जिसकी संब्कृषि भूमि है तथा जो गांव शोरपुर. महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्स्ट्राकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक जुन, 1981

को पूर्विक्स संपत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी कर्ने या उससे वच्ने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

 सर्वश्री: चाह्रत, तेजपाल, राम चन्द और महीपाल सुपुत श्री दलैल निवासी गांव फतेहपुर, महरोली, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. डिबाइन औरगेन। इजेशन, श्री सन्त योगाश्रम, हंम मार्ग, ब्रहरोली, नई दिल्ली, द्वारा इसके कोषाध्यक्ष-श्री वेदप्रकाश एवं जनरल ग्रटोरनी सम्पूर्णानन्द, डी० यू० ग्रो० के श्रष्टयक्ष ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनुसूची

कृषि भूमि जिसकी माप 21 बीघा 10 बिस्वा जोकि गांव शोरपूर, महरोली, नई बिल्ली में है।

> एस० ग्रार॰ गुप्ता सक्षम प्राभिकारी स**हायक** आयक र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, एक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के भ्धीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थील हि—

तारीच ! 10-2-82

प्रक्य वार्ड. टी. एत्. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०न्नार०-3/6-81/ 421—स्रत: मुझे, एस० स्रार० गुप्ता,

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० 4196 (भाग) भगवती भवन है तथा जो पहाड़ गंज, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र जिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में र जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1981

मत्र पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्कृष्ठ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिश्वत उक्षेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे मुचने में सुविधा के लिये और√या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्रो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अस्य, उस्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—- श्री मुरारी लाल एण्ड किशन लाल निवासी 4196, भगवती भवन, पहाड़ गुंज, तेल मण्डी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

श्रीमती सुषमा देवी,
 133, घी मण्डी पहाड़ गंज, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:--६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 4196 (भाग) भगवती भवन, पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

> एस० आर० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

मारी**ख**: 10-2-82

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर मिश्रिनियम, 1961 (1981 का 43) को आरा 269-च (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं श्याई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०आर०-3/6-81-535—आतः मुझे, एस० आर० ग्रता,

भ्रायंकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत पश्चम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ७० में प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० ई-544 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जन, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य प्रास्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनाथ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थां, छिपान प्र सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री मेहना राम भ्रास्मा राम मिर्चन्दानी

 मृपुत श्री दीवान श्रात्मा राम श्रीर श्रन्थ
 केयर श्राफ ई-544, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली।

 (अन्तरक)
- मैसर्स ग्रमर हाउस बिल्डर्म,
 42, टालस्टाय लेन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह युवना जारी करके पृत्रीकत सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां चरका हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रका ल की तारी था से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारम;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 विन के भीतर उदन स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में कि जा सकेंगे।

स्वक्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, ओ उक्त प्रवित्यम के प्रश्वाय 20-ह में यया परिभाषित हैं, वहां प्रयं होगा, तो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

एक मंजिला नं० ई-544, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है। जिसकी माप 562 स्क्बायर गज है।

> एस० भ्रार० गृ'ता मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकप आय्क्स (निरीक्षण) म्रजन रेंज-I, नई दिल्ली

तारी**ख**: 10-2-82

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

अत्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एनयू०-1/एस०श्रार०-3/6-81/525—श्रतः मुक्षे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 'ए' है तथा जो (एफ० एफ०) एस-13, ग्रेटर किलाण-I, नई दिल्ली में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1981

को मूर्वों क्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की छपधारा (1) के अधीक निम्मृलि<u>ष</u>्क अ<u>मुक्तियों स्था</u>ति ह— 1. मैसर्स साउथ दिल्ली बिल्डर्स (प्रा०) लि० 23/2, यूसुफ सराय, नई दिल्ली द्वारा डारेक्टर श्री कमल न रायण कौल

(अन्तरक)

2. श्रीमती वीभा पंशी पुत्री श्री एस० एस० भगत निवासी पलैट नं० 'ए' (एफ० एफ०), एस 13, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एत्व्ववारा कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बह्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का आं उत्कर अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 'ए' पहली मंजिल माप 821.5 वर्ग गज जो सम्पत्ति, मं० एस-13, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली का हिस्सा है।

> एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) -श्रर्जन रेंज-I, नई विल्ली

तारीख: 10-2-1982

गहुर

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कां धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 फरवरी 1982

निर्देण मं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०म्बार०-1/ 381—म्बन: मुझे, एस० भ्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसवा उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ष्प्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव सतवाडी नर्ड दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नर्ड दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जुन, 1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दूष्यमान की प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उराके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कि भित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अधितः :——
9—516GI/81

 श्रीमती बनारसी दास चड्ढा एण्ड बादर्स डी-18, लाजपत नगर-3, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. हनैम्प प्रापर्टी (प्रा०) लिमिटेड, जी-12, एन० डी० एस०ई०-1, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह मुचना आरो करके प्वतिकत सम्पत्ति के अर्जन क ालए ~'यजहिया करता हु"।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

कृषि भूमि 13 बीधा, 15 बिस्वा गांव सतवाडो, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई विल्ली

तारीष् : 10−2-82

प्ररूप आर्च .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज । नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू ०-I/एस०ग्रार०-3/6-81/ 378—म्रातः मुले, एस० ग्रार० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अधि भूमि है तथा जो गांव सत्तवाडी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्मूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रून, 1981

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उष्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में धास्तरिक रूप से किया गया है:—

- (क्र) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधित् :—— 1. श्रीमती बनारसी दास चड्छ। एण्ड ब्रादर्स, डी-18, लाजपत नगर-3, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2 निरन्द्र सिंह धुग्गल, कंवलजील कौर दुग्गल, निवासी 128-ए, ब्लाक जी, फ्लैट नं० 5, न्यू ग्रह्लीपोडा, कलकत्ता-53

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोल मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 बीघाँ 9 बिस्वा, गांव सतवाड़ी, तहमील महरौली, नई दिल्ली।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज- , नई दिल्ली

तारीख: 10-2-82

प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज I, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनाक 10 फरवरी, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस०म्रार०-3/6-81/ 379—म्म्रत मुझे, एस० म्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सणीत जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रंग से अधिक है

श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो गाव सतवाड़ी, नई दिल्ली में स्थित है श्रीर उसमें उपावद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधवारी के वार्यालय नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनाक जून, 1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का नारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उमक छन्मान प्रतिफल मं, एमे दश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रात्यान संविक्त है अर अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तर्विंग) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक हम में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्ह ें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

जत[.] ञ्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-**ग की उप्धारा (1)** जो अधीन, निस्त**ियत स्पक्तियों, स्थतिड-**- 1. श्री मती बनारसी दास चड्टा एण्ड कादर्स डी-18, लाजपत नगर-3, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री रिवन्द्र नाथ सुपुत्र स्वर्गीय लाला ईम्बरियास मानन्द निवासी डब्ल्यू-154, ग्रेटर कैलाम-1, नई बिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाद्धा,
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्ते स्थावर सपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ऑधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

कृषि भूमि 8 बीघा श्रौर 12 बिस्वा, गांव सतवाडी, तहसील महरौली, नई दिस्ली

> एस० म्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

हितारीय: 10-2-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर प्रधितियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर् आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 10 फरवरी 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सूं० एफ नं० 5 (एफ एफ) ए-30 से ए-33 है, तथा जो कनाट प्लेस, नई विस्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मे हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के बल्तरक के दायिस्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी याय या किसी धन या अन्य आस्तियों जो जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस स्यक्तियों अर्थातः --

- 1.मैं ० एमका कन्स्ट्रक्शन कम्पनी
 24/24, श्रंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली
 (श्रन्तरक)
- 2. श्री भीम सैन सचदेवा सुपुत्र श्री मतवाल चन्द सचदेवा ग्रीर ग्रन्थ निवासी, 65/40, रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपन समाति ह प्रजेन के पम्बन्य में कोई भी खाक्षेपी ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूबना के राजपन में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य अपनित द्वारा श्रिधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:-- इसमे प्रयुक्त शब्दों घीर पदा का जो जबत अधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रष्टें होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 5 सम्पत्ति का पहली मंजिल जिसका म्युनिसिपल नं० ए-30 से ए-33. कनाट प्लेस, नई दिल्ली

> एस० श्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

तारीख : 10~2-82

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज 1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 फरवरी, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०श्रार०-3/6-81/ 153—श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० नं० 9 है, तथा जो गाव चन्द्रावल, राज बलाक, जी० टी० रोष, शाहदरा में स्थित है (श्रीर इससे उपा- बड़ श्रनुसूची में पूर्ण क्या में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय शाहदरा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक ज्न, 1981 को पूर्वीक्स संपर्ति के उचित माजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रिक्तिफल से, एसे दश्यमान श्रिक्तिक का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरको) आर अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल, निम्नुलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किश्वत नहीं किया गया है.--

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री बलवीर सिंह सुपुत्र श्री तेजा सिंह, 402, हीरा भवन, भोला नाथ नगर, शाहदरा, दिस्स्ती ।

(अन्सरक)

श्री नरेन्द्र सिह सुपुत्त श्री बलबीर सिह,
 राज ब्लाक, जी० टी० रोड, शाह्यरा,
 दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना जे राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितसव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित मा किए जा सके गे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिः ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, नं० 9, क्षेत्रफल 125 वर्ग गज, गांव **खन्द्रावल** राज ब्लाक, जो० टी० रोड, शाहदश ।

> एस० ग्राप्त गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नारी**ख** 10-2-1982

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शास्त तरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० म्नाई० ए० सी०/एक्यू०-ा/एस०म्नार०-3/6-81/ 146---म्रतः मुझे, एस० भ्रार० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च क अधीन सदा प्राधिकारी को गर विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अस्पति, जिसका उचित बागर मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 30 है तथा जो ब्लाक-बी, ज्योति नगर (पूर्व) शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में पूर्ण ध्या से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय शाहदरा, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया, गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किमी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य, में कभी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिंसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अधितः :---

 श्री विनोद कुमार मित्तल, सुपुत्त श्री बनवारी लाल अग्रवाल, 1/10, शालीमार पार्क, भोला नाथ नगर, शाह्यरा ।

(श्रन्तरक)

2 श्री श्रनिल कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री केशो राम गुप्ता मिवासी एच-34, नवीन शाहदरा, विस्ली-32 श्रौर इसरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयूक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनल भी

ज्योति नगर (पूर्व) शाह्बरा, दिल्ली-32 में स्थित भूभाग संख्या 30, ब्लाक-बी, माण 537.3 वर्ग गज।

> एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नारी**क** 10-2-1982 मोहरः

प्रथम ग्राई • टी • एन • एस • —— भायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त 269-म (1) के अवीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 10 फरवरी 1982

निर्वेण सं० ब्रिइं० ए० सी०/एक्यू०-I/एस०ब्रार०-4/6-81/ 154—श्तः मृक्षे, एस०ब्रार० गृप्ता,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 9 है, तथा जो गांव चन्द्रायल, राज ब्लाक, जी बटी बरोड, णाहदरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याल्य, शाहदरा में जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास कश्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिभात से प्रधिक है और घम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उच्त अन्तरक लिखिन में नास्तविक छप में कथि। नी किया मया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रक्रितयम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिस्व में समी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षितियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए;

 श्री छम्बर सिंह सुपृत्र श्री बलबीर सिंह 402, हीरा भवन, भोला नाथ नगर, गाहदरा, दिल्ली

(अन्तरक)

श्री नरेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री बलबीर सिंह,
 गु, राज ब्लाक, जी०टी० रोड, णाहदरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन में अकाशन की ताराख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसा अन्य स्थावन द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी क
 पाम लिखित में किए जा सकोंगे

स्परदीकरण:--६समें प्रयुक्त शब्दों और गदी का, जी जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ैं!

जगताची

सम्पत्ति नं० 9, क्षेत्रफल 125 वर्ग गज, गांव चन्द्रावल, राज ब्लाक, जी० टी० रोड, शाहदरा, दिल्ली ।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राभिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रक्षिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात:—

ता**रीखा**: 10-2-82

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 स् (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी, 1982

निर्देश सं० प्राई० ए०सी०/एक्यू०-1 /एस०प्रार०~4/6~81/ 137---श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 है के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० जे-5/15, है तथा जो कुष्णा नगर, विल्ली में स्थित है (ध्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विमाक जुन, 1981

को पृथांकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से एसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री ज्ञान सिंह सुपुत्र श्री मन्या सिंह श्रीर श्रन्य निवासी जे-5/15, कृष्णा नगर, दिल्ली
 - (अन्तरक)

माग ।। --खण्ड ।

3 श्रीमती पुष्पा देवी गर्ग पत्नी श्री विष्णु गुष्ता, निवासी बी-66 ए, पूर्वी श्राजाद नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वींक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्यब्द्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20 कं में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ं सम्पत्ति संख्या जै-5/15, माप 256.13/20 वर्ग गज का पश्चिमी भाग, कृष्णा नगर, दिल्ली की म्राबादी गांव घोंडली में अवस्थित ।

एस० भ्राप्त गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई विल्ली

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अन्सरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्नीसिंखतं व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारीख: 10-2-82

ज

मोहर 🛭

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी, 1982

निर्देश सं० भाई० ए०सी०/एवय०-1/एस०म्रार०-4/6-81/ 125--म्बतः मुझे, एस० म्रार० गुप्ता,

आयकर घितियम, 19*1 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्जात जिस्त घितियम कहा स्था है), की घारा 26% खं के अधीन मक्षम पाधिकारों की, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000 - २० में शिवक है

ग्रौर जिसकी स० बी-13 है तथा जो ज्योति नगर, णाहदरा, विल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्मूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिकृत है, ऐपे दूष्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐथे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलियिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिबक रूप से फियान नहीं किया गया है '--

- (क) प्रस्तरण से हुई सिमी श्राय की बाबत, उक्त श्रक्षिक नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उनके बचने में तुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

ं अति अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---10--510GI/81

 श्रीमती केसर देशी पत्नी लक्ष्मी नारायण, श्रौर निवासी 5-लासर रोष्ट, बनारसी दास एस्टे दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री मुशील कुमार ध्रनीलि कुमार, प्रमोद कुमार, मुपुत्र श्री प्रेम चन्द, श्रीर भ्रन्य निवासी 2-3, खुरेजी खास, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस प्चना के राजपन में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त . अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हरू, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतसर्ची

प्लाट सं० बी-13, ज्योति नगर, णाहवरा, दिल्ली 800 वर्ग गज की माप का ।

> एस० भ्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,नई दिल्ली

तारीख: 10-2-82

मोहरुः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज], नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांभ 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० श्राप्-0-4/6-81/ 118—- श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रोर जिसकी सं० 31 (सम्पत्ति का एक भाग) जो कि गांव खुरेजी खास दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपावड़ श्रनुसूची में पूर्ण स्प से वर्णित है) र्जिस्ट्रीकर्ता श्रिदिकारी के वर्णित है। र्जिस्ट्रीकर्ता श्रिदिकारी के वर्णित है। रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिक कर्प से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रीमती राज कुमारी ढींगरा, विधवा साई दसा मल ढीगरा, निवासी म० नं० 31, सिलवर पार्क, शिवपुरी के पीछे पटपड़गंज रोड, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री महेश कुमार श्रग्रवाल सुपुत्न श्री गनेश दास, निवासी 2525, नाई वाड़ा, श्रावड़ी बाजार, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित. हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सिलवर पार्क दिल्ली की श्राबादी गांव खुरेजी खास में स्थित सम्पत्ति सं० 31 के एक भाग पर एक मंजिल सम्पत्ति बनाई।

> ग्स० भ्रार०गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज़ I, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्नरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारीखा: 10-2-82

प्रकण आई० टी० एत० एस०---

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सबीत सुचता

बारत सरकार

कर्ष्यालय, महायक प्रायकर नायुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

निर्देण सं० श्राई० ए०सी०/एक्य्०-J/एस०ग्नार०-3/6-81/513—श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर श्रिधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के बधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका अधित बाजार नूस्य 25,000/-द वे साधिक है

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं 154 है तथा जो म्युनिसिपल मार्केट, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिश्वकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांफ जुन, 1981

को पर्वोक्त गंपलि के उचित बाजार मूल्य में कम क स्थ्यपान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है पोर मुझे यह जिल्हाए करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मन्त्र, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पछ्ड प्रतिशत से मधिक है और यगारक (यन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखन छहेश्य से उच्च यग्यण लिखिल में बागावित हो से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; खोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्तः अज, उक्त जिमितियम की भारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— श्री किशन लाल बबलानी सुपुत्र श्री बेतन दास, निवासी 154, म्युनिसिपल मार्केट, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री नरिन्द्र सिंह सुपुत्न श्री सुरिन्दर सिंह निवासी स्टाल नं० 6, गफार मार्केट, करोल बाग, नई दिस्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोकन सम्पर्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंबे ।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वशें का, जो खबत अधि-निवस के अध्याय 20-क में परिवादित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान न० 154, म्युनिसिपल मार्केट, करोल बाग, नई दिस्ली ।

> एस० भार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज I, नई विल्ली

तारीख: 11-2-1982

प्रकृप जाई० ही • एन • एस •~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एसयू०-1/एस०आर०-3/6-81/524—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्ष्मात् 'उनत प्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है किस्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है और जिसकी सं० 4-डी/55 है, तथा जो पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनांक जून, 198।

क प्रधान दिनाक जून, 198।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम वृष्यमान
प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवान
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिक्षल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिक्षल का परद्रह
पतिष्ठत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से किथा नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जनसे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसो प्राथ या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को. जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधित्यम, या धत-कर श्रिधित्यम, या धत-कर श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्नुलिसित व्यक्तियों अर्थात्ः—

श्री वेतन वास सुपुत्र श्री चमन लाल निवासी
 3-डी/42 बगलो रोड, एन० श्राई० टी० फरीदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री एस० टीकम दास सुपुत्र श्री मुलचन्द

(2) गिरधारी लाल सुपुत्र मुलचन्द दोनों निवासी 4-डी/53, पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिश के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई, भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की स्रवाध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीख से 30 दिन की स्रवधि, जो भी स्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीणत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितथ अ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिविनयम, के भ्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्टं होगा, जो उस भ्रष्टपाय में विया गया है।

अनसची

सरकारी क्वाटर नं० 4-डी/35, पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

> एस० म्रार० गुप्ता सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नारीख: 11-2-82

मोहर 🛭

प्ररूप आहूर.टी.एन एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 11 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू-1/एस०श्रार०-/6-81--/

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि हैतथा जो गांव बजवासन, नई विल्ली मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरण से हुई फिसी जाय की बाब्त, उक्त, अपित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; शौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के सनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री सूरत सिह, रती राम भौर रामिक सम मुपुत श्री धारमा, निवासी गाव, भजवान, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2 श्रीमती णकुन्तला पत्नी श्री संतराम, श्रीमती जीतो पत्नी श्री राठी राम मुक्तीयारी, पत्नी राम किशन निवासी गाव भजवासन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पृवाकत सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20 क मे परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मन्स्ची

क्रुंषि भूमि एरिया 19 बीघा श्रीर 11 बिसवा गांव भिजवासन, नई दिल्ली ।

> एस० भ्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 11-2-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०म्रार०-3/6-81/ 527—श्रतः मुझे, एस०म्रार० गुप्ता,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० चार-सी/बारह है तथा जो पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के अधीन, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्च देय से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविक्था के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्रीमती तारावती नरूला,
 - (2) श्री राजन नरूला,
 - (3) श्री जी० सी० निष्ला सभी निवासी फरीदाबाद के हैं सं० 1411/सै०.15

(अन्तरक)

 स्वर्गीय श्री लाला राम सुपुत्र श्री खोदा राम निवासी 4-सी/12, पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली (भन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कर क्यां क्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया गुवा है।

अमुस्ची

पुराना खपरई के छत्तवाला सरकारी क्वाटर नं० 4सी/12, पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली जिसकी माप 85.9 वर्गे गज है।

> एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

सारीख: 11-2-1982

मीहर ः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1982

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०श्रार०-3/6-81/459 श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 101 है प्रथा जो बस्ती रैंगड़पुरा करोल बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के टश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों अधीन:——

1. सर्वश्ची सुधीर कपूर, राम कपूर, शर्व कपूर, श्रौर श्रीमती मधु महरोत्ना, निवासी मैंसर्स रॉनसन टेलर-34, बीडोन पुरा, करोल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2 सर्वश्री कुमार गांधर्व, सागर कुमार, दीपक कुमार एण्ड करुना सहगल, 2893, बस्ती रैगर, करोल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण. --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्जी

प्लाट सं०-101; क्षेत्र फल 100 वर्ग गण, बस्ती रैगड़पुरा, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित ।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-1, नई दिल्ली

तारीख 11-2-1982 मोहर :

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस ------

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/6-81/ 458— न्नतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 16/6171 है, तथा जो रैगडपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण भौ, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ३ श्री राम नारायण खुराना, एक्स-वाई-17, सरोजनी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री बाल कृष्णन 61/4258 रैंगड़पुरा, करोल बाग, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण १--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

16/6171 (75 वर्ग गज), रैगड़पुरा, करोल बाग, नई दिल्ली ।

एस० भ्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नारीख: 11-2-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1982

निर्वेश सं० भाई०ए० मी०/एक्यू०/1/एस०भार०-3/6-81/ 515—श्रत: मुझे, एस० भार० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव बिजवामन, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जून 1981

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बक्ने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयक्तर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना भाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निस्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री सूरण भान सुपुत्र श्री राम सरूप, निवासी गांव बिन्दापुर, विल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैं सर्स सी० लायल एण्ड कम्पनी (कन्स्ट्रक्शन) प्रा० लि० 115, श्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवित व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा-जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

58 बीघा और 11 बिस्या कृषि भूमि का आधा भाग जो गांव बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० श्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीब : 15-2-1982

प्रस्प आई॰ टी॰ एनं॰ एस॰----

भायकर समियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 268-भ (1) के अभीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 फरवरी 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०म्रार०-3/6-81/516---म्रत: सुझे, एस० म्रार० गुप्ता,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रक्रिक है श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव बिजवासन, नई विस्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विस्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रम् प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियी) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाचा गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपनत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/वा
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस्, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के अनुसरेण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात-- 1. श्री चन्द्रभान, सुपुत्र श्री राम सरूप निवासी गांव बिन्दापुर, पिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स सी० लायल एण्ड कम्पनी (कंस्ट्रक्शन) प्रा० लि० .115, प्रम्मल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह भूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वेत के जिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सन्यत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप'---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की धवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 विन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाध्न होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तव ब किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा, घड़ोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्योक्तरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, की उक्त भिव्यानयम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही सबं होगा, जो उस अध्याय में दिया वया है।

नपूज्यी

58 बीमा और 11 बिस्वा, कृषि भूमि का भाषा भाग जो गांव बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० भ्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

तारीच : 15-2-82

नोहुन्द ः

प्ररूप आर्फ्ट टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभिन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1982

निर्देश सं० प्राई० ए०सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-3/6-81/512—आतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्भाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भक्त जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- द॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी-112-बी है, तथा जो कालकाजी, नई दिस्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कायलिय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुन, 1981

करें पूर्वोक्त सम्पर्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विद्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल का मिम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक स्थ से क्रिथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुन्दी किसी जान की जानत, उपत जीय-नियम के सजीत कर देने के सन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे वजने में सुविका के जिए। सीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी क्षम का अन्य आहितकों की किन्हुं भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयो- अनार्थ क्षम्तिरित व्हारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री इंदर लाल उप्पल सुपुत्र राम श्रारण उप्पल निवासी नीलकमल, पीछे श्रमूल डायरी श्रानन्द (गुजरात) द्वारा जेनरल एटोंनी जे० डी० कोहली, जे० डी० कोहली सुपुत्र एफ० सी० कोहली, जी-1बी, कालकाजी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

 श्रीमती ललीता सेकरन, पत्नी बी० सी० चन्दरा सेकाना निवासी सी-112-बी, कालकाजी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यकाहियां करता है।

उरत सम्पत्ति ने भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, भी भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पव्यक्तिकचन :---इसमें प्रयुक्त सन्दों घीर पटों का, जो उक्त प्रक्रिनियम के घड़्याय 20-क में परिमाधित हैं •कही अर्थ होगा जी उस अवयाय में दिया गया है।

मन्स्यी

सी-112-बी, कारकाजी, नई विल्ली । (170 गज है)।

एस० म्रोर० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज ^I, नई दिल्ली

तारीच : 15-2-1982

महितः

प्रकष आहे.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० मार०/3/6/81--502—श्रत: मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं एच-1/20 है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जन, 1981

की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेन्न प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण में सिखित बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ण को, अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः ---

- (1) एस० ग्रमर सिंह सुपुत्र स्वर्गीय एस० प्रेम सिंह निवासी 1-एस/20 लाजपत नगर, नई बिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती ग्राणा रानी पत्नी श्री हर गोपाल निवासी 1--एफ/153 लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँ कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्षित्रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० एच-1/20 लाजपतं नगर, नई दिल्ली ।

एस० भार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज्¹-, नई विख्ली

दिनांक: 15-2-1982

प्रकप माई० टी० एन० एस०----

न्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/6-81/427--- श्रत: मुझे एसँ० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या एफ०/10-2 है तथा जो बसन्त बिहार, नई दिस्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है पीर अन्तरिक (अन्तरिकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच नेमे प्रन्तरिण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित महीं किया प्रया है:—

- (का) जनतरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दीयित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने मं सुविधा के लिए;

अतः अयु उक्तः अभिनियमः की भार 269 ग को अनुसरण में मैं, उक्तः अभिनियमः, की भार 269-ण की उपेभारा (1) क अभिन निम्नलिखित व्यक्तियों अभितु:-- (1) श्री बी० एल० सभरवाल सुपुत्र श्री महेश दास निवासी सी-1/ए/85-सी जनकपुरी, नई दिल्ली।

(झन्सरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार एण्ड राजकुमार सुपुत्र श्री जगदीश मित्र, निवासी 68/69, सत्य निकेसन, मोती बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिय़ा करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाम निक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्होकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० एफ-10/2, बसस्त बिहार, नई विस्ली।

एस० म्रार० गुप्सा, सक्षम प्राधिकारी सहायक_, आयकार आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज–I, नई दिल्ली

विमोक: 15-2-1982

मोहर 🔢

प्रकृप खाई० टीक एत० एस०----

म्रामशर प्रधिनिवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के प्रमीत सूचना

भारत सरकार

कार्यानय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-J, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1982

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० 3/6-81/526—आतः स्झो, एस० आर० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमे इसके परवात् 'जनन अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्याधर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 9 बी है तथा जो नं० 27, नई रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूर्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ट उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रितान प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) घौर प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीव ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन निम्नलिकिन उद्देश्य से उश्व प्रस्तरण निखित बास्तविक हर । किया पत्री किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधि-नियम के प्रधीन कर देने के अक्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भ्रम्य खास्तिथों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की रूपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकरू---

- (1) श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री राम दास लुयरा निवासी 27-वी/9, नई रोहतक रोड़, नई दिल्ली।
- (2) मैं सर्स अग्रवाल पेपर भिल 16 न्यू मंकी मुज्जफरनगर, उत्तर प्रदेश द्वारा पार्टनर श्री अनील कुमार अग्रवाल पुत लाला राधा भेल ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिको प्रजैन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खः) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को नारीज से 45 दिव के भीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्ष के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीक्षण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिक्षि नियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सुपरएशटलर बिल्डिंग प्लाट नं० 9 ब्लाक नं० बी०-27 माप 253.33 वर्ग गण, मई रोहतक रोड़, मई दिल्ली पर स्थित ।

> एस० **धार० गुप्ता,** सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-^I, नई दिल्ली

विमोक : 15-2-1962

मोहर ः

प्रकप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) कं अधीन सूचनः

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 फरवरी 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० म्रार०-3/6-81/456---म्रतः मुझे, एस० भ्रार० गुप्ता,

श्रायकर प्राधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे दिसमें इसके प्रकात् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित वाजार मृष्ट्य 25,000/- इपये से श्रीक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 95 वी है तथा जो नं० 8-ए बब्ल्यू० ई० ए० करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीम दिनांक जून, 1981

1908 (1908 का 16) के श्रधान घरनाक जून, 1981 कि पूर्वित्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्धमान प्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पूर्यमान अतिफल थे, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरित के लिए तम भाषा ग्रा अतिफत, निम्नलिवित उद्देश्य से उच्त अन्तरिता लिचित में बास्त विक रूप से कवत अन्तरिता लिचित में बास्त विक रूप से कवत अन्तरिता विक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रग्तरण मे हुई किसी भाग की बावत उपत भीध-नियम के प्रधीन कर देने के सन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किमी प्राय या किमी धन या अभ्य पास्तियों को, जिम्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 कः 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कि ।। गया था या किया जाना चाहिए था, खिएने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उनत प्रक्षितियम को धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उनत अधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) केप्रभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्रे:— (1) श्रीमती मेलावी देवी, एम/84 ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अस्तरक)

(2) श्री रमेण लाल भाटिया निवासी 37/14, पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

- (अम्तरिती)

को य**ह सूचना बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के मि**ए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तांक्षरी के नास स्थितित में किए जा सकोंगे।

स्थंबद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्वो का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हर्म, बही अर्थ होगा जो उस मध्याय में विका गया है।

नन्त्र्ची

प्लाट नं० 95 ब्लाक नं० 8-ए डब्स्यू० ई० ए० करौल बाग, नई दिल्ली ।

> एस॰ भार॰ गुप्ता; सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजैंन रेंज—I, नई दिल्ली

विमांक: 15-2-1982

प्ररूप आहा. टी. एन. एस.---

आयवं र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I. नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 फरवरी 1982

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वांकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्करक के दायित्व में कभी करने या उस्से बच्ने में सुविधा के लिए जर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) .के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में उक्त ऑधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री सुखदेव सिंह गंभीर सुपुन्न श्री थान सिंह बी-8/4 पूर्वी मार्ग, नई विस्ली।

(अन्तरक)

(2) बाबा विरसा सिंह फाउन्डेशन नं०-33, सैक्टर-4 चण्डीगढ़ तौर बीबी निरलैप कौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखिस में किए जा सकरो।

म्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्र्यी

कृषि भूमि 5 बीघा और 13 बिश्वा, गांव जोना पुर, नई दिल्ली।

> एस० श्राप्त गुप्ता; सक्षम मिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, नई दिल्ली

दिनांक: 15-2-1982

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

· आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, धिनांभ 15 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-]/एस० श्रार०-3/6-81/ 375---श्रत: मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकक्ती श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जुन, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत आधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अतर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :-12--516GI/81

(1) श्री सुखदेव सिंह गंभीर सुपुत्र श्री थान सिंह, बी-8/4 पूर्वी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) बाबा विरसा सिंह फाउन्डेशन नं० 33, सैक्टर-4, चण्डीगढ तौर, बीबी निरलेप कौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाक्तित सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धरसंची

कृषि भूमि 5 बीघा श्रीर 15 बिश्वा, गांव जोना पुर, नई दिल्ली।

> एस० झार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 15-2-1982

मोह्र 🕄

प्रराप आहाँ . टी . एन . एस . ------

आयक्तर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 फण्वरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० श्रार०-3/6-81/376-श्रत: मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूस्य 25.000/- दे० से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव जोना पुर नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुन, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत ल्लात अधिनियम के ग्रशीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या बससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/या,
- (व) ऐसो किसो आप या किसी धन या अध्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रतिनयम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-म के प्रनुसरण में, में, उन्तर अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--- (1) राजिन्द्र कुमार हंस एण्ड विरेन्द्र कुमार हंस सुपुत श्री राम लाल हंस निवासी प्रताप गली, पहाड़ भूगंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) बाबा विरसा सिंह फाउन्डेशन मकान न० 33, सैक्टर-4, चण्डीगढ़ तौर बीबी, निरलेप कौर।

(अन्तुरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की घवछि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी कार्ये 30 दिन की घवछि, जी भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इम मूत्रना के राजात में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उन्न स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मधीकरण:--इसमें प्रयुक्त गाव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसची

कृषि भूमि 4 वीघा भौर 4 विश्वा, गांव जोना पुर महरोली, नई दिल्ली।

> एस० भ्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–I, नई दिल्ली

दिनांक: 15-2-1982

प्ररूप वार्दः टी. एन. एस. ------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1982 निर्वेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० भ्रार०-3/6-81/ 452—भ्रत:, मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गाव विजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्पैत्रध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री मनोहर लाल पुत्र स्वरूप सिंह, निवासी—गांव विजवासन, तहसील महरौली, नई विल्ली ।

(अन्तरक)

(2) जी ० एस० कणयप एण्ड सन्स (प्रा०) लिमिटेड, 5, ईस्टर्न एवेन्यू, महारानी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कृतारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ह्स किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्त में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, औ उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 17 बीघा 14 विश्वा, गांव विजवासन, नर्ष दिल्ली।

> एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

धिनांक : 15-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1982 निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० धार०-3/6-81/ 453----धत:, मुझे, एस० भ्रार० गुप्ता,

कायकर श्रिधिनियम, (1961 का 1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से मिधिक है

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव-विजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित काजार मून्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनक अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय प्रान-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ळिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मनोहर लाल पुत्र स्वरूप सिंह निवासी'-गांव विजयासन, तहसील महरौली, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) जी० एस० कशयप एण्ड सन्स (प्रा०) लि०, 5, ईस्टर्न एवेन्यू, महारानी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भ्रत्य ब्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रयं होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 17 बीघा, 14 विश्वा, गांव-विजवासन, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

> एस० द्यार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-, नई दिल्ली

दिनांक: 15-2-1982

प्ररूप आइ. टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० एस-3 है तथा जो घोंडली, किशन नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जन, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई कियी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती सरोज पटनी, पत्नी ग्रानन्द प्रकाश एस-31, किशन नगर दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांति देवी सूरी पत्नी धर्मवीर सूरी, डी-5, किशन नगर, दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

भृतुसूची

प्लाट सं० एस-31 के भाग-गाव घोंडली किशन नगर दिल्ली।

> एस० भ्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 15-2-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **269-स (1) के प्रधीन सूचना**

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० म्रार०-2/6-81/4645—म्रत: मुझे, विमल विशिष्ट,

प्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि श्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी मंख्या जे-13/10 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख जून, 1981

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रान्तरण लिखत में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है !---

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत खकत अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी बन या अस्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्थिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविद्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिख व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री बलबीर सिंह श्रीर श्रीमती घरणजीत कौर निवासी-जे--13/10, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) डा॰ इकबाल सिंह श्रीर श्रीमती जगमीत कौर निवासी जैंड-4, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या वत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकोंगे ।

स्पब्बीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो छक्त धिविषम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ऋं होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

अमृसुची

मकान का निर्माण, प्लाट नं० 10, ब्लाक जे-13, राजौरी गार्श्वन, नई दिल्ली ।

> श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम् प्रा<u>प्</u>रिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निर्**क्षिण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक: 11-2-1982

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1982

निर्देश मं० भ्राई० ए० मी०/एक्यू०-Ш/एस० श्रार०-1/6-81/7997---श्रत मुझे. विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं एल/101 है तथा जो कीर्ति नगर, गांव बसाई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजेस्ट्रीकर्ता ष्ट्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन नारीख जुन, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण निसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के मिए; बीर√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) स॰ वेंत सिंह सुपुत जेमत सिंह, डी०-19, प्रजय इनक्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम वाधवा पत्नी स्रशोक कुमार वाधवा, ए-75 ए, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भगुस्ची

मकान नं० एल/101, कीर्ति नगर, गांवंबसाई दारापुर, दिल्ली।

श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, नई दिल्ली

विनांक: 15-2-1982

भोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज-II, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० श्रार०-I/6-81/8074—श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है); की घारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द॰ से अधिक है और जिसकी सं० 4883, 4884 है तथा जो वार्ड 6 कूचा उस्ताद बाग दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कियथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृण्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से खकत प्रसरण जिल्लित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रान्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त भिन्न नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (सा) एसी किसी झाय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां अर्थात्ः-- (1) श्री राधा किशन मेहरा सुपुत्र श्री बाल किशन दास, 60/7, रामजस रोड, कें बी विल्ली, कर्ता एच० यू० एफ०

(अग्तरक)

(2) इन्डो यूरोपियन मणीनरी कम्पनी प्रा० लि० 20 सर पी० एम० मेहता रोड, फोर्ट, बम्बई, द्वारा ग्रजीत राज सरना

(अन्त(प्रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 4883, 4884, वार्ड-6, कूचा उस्ताद बाग, चांदनी चौक, दिल्ली ।

> श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक: 15-2-1982

प्ररूप धाई•टी•एन•एस•----

मायकर थिंबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के श्रंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस०श्चार०-1/6-81/7983--श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

न्नायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भिधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 8ए/3 है तथा जो श्री राम रोड, दिल्ली-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालम, दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) थें श्रधीन तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमा
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह
प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल
निम्चलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक
क्य से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उका ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसा घन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुबिधा के लिए;

अतः प्रव, उनत श्रधिनियम ही घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, एकत श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नितिकत व्यक्तियों. अर्थात :——
13—516GI/81

(1) श्रीमती उमा साहनी पत्नी श्री के॰ पी॰ साहनी 8,श्री राम रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राज क्रंप्ता सुपुत्र स्व० श्री बनवारी लाल, 8ए/3,श्री राम रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

भो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राह्मेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाक्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण 1—इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पटों का, जो छक्त प्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 8ए/3, श्री राम रोड, दिल्ली।

श्रीमती विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, सहायक **गायकर आयुक्त (निरीक्षण)** प्रजैन रेंज-II, नई विल्ली

दिनांक: 15-2-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आइं.टी.एन.एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रर्जन रेंज- 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० ग्रार०-1/6-81/ 7985—श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-,रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 18/4 है तथा जो बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन तारीख जून, 1981।

को पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तुक्त औं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चरहिए था छिपान में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~—

- (1) श्रीमती ह्नी बाई पत्नी श्री जिलोक चन्छ शिकार पुरी, निवासी--18/4, प० पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री विपुल मलिक सुपुत्र श्री जी० एल० मलिक निवासी-4डी/26, पुराना राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृवां क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकार द्वारा निर्मित क्वार्टर नं० 18/4, प० पटेल नगर, नई दिल्ली ।

श्रीमती विमल विशिष्ट स**क्षम प्राधिकारी** महायक श्रायकर **ग्रामुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-II, नई .दल्ली

विनांक: 15-2-1982

प्रस्प आई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०--2/एस० म्रार०-1/6-81/4672---मृत: मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० तं० 49/ए, रोड नं० 41, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्ति बाजार मून्य में कम के दृश्यभान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यनान प्रतिफल है, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से विश्वित नहीं किया गया हैं:---

- (क) प्रन्तरण से दुई किया धाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐमी किसी पाप या फिसी धन या प्रन्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर घ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घ्रधिनियम, या बन कर घ्रिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रंब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण मं, मं, उक्त आधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती हरबंस कौर पत्नी श्री हरवंश सिंह (2)
 प्रिविन्द्र बीर सिंह (3) थरिवन्द्र बीर सिंह
 शाहपुरी सुपुत्न (सभी) हरवंश सिंह शाहपुरी
 निवासी-डी-1/5 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।
 (अन्तरक)
- (2) मैं ० जनक स्टील ट्यूब (प्रा०) लिमि ०, दिल्ली-हिसार रोड, द्वारा-निदेशक श्री जनक राज जिन्दल ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:--इसमे प्रयुक्त गन्दां और पदो का, जो उक्त अधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्लाट नं॰ 49/ए(निमॉंग) रोड नं॰ 41, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (2106 वर्ग गज)।

> श्रीमती विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 12-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरिक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी \circ /एक्यू \circ /2/एस० श्रार \circ -2/6-81/8005---श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 712 है तथा जो नई बस्ती, कटरा नील, चांधनी चौक, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधन्न अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, (1908 का 16) के म्रधीन तारीख, जून, 1981

को पूर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक कप से किथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर देने के बन्तुरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधि। यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः--

- (1) श्रीमती क्रिज रानी पत्नी श्री नवल किशोर निवासी कूचा चासी राम, चांदनी चौक, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) अगर चन्द जैन पुत्र श्री राम चन्द्र, निवासी 291 कूचा घासी राम, चांदनी चौक, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:~

- (क) इस स्थाना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

 $2^{\frac{1}{2}}$ मंजिला मकान नं० 712 जो नई बस्ती, कटरा नील, चांदनी भौक, दिल्ली में स्थित है।

श्रीमती विमल वशिष्ट , सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक: 12-2-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई० टी• एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर सी० भ्रार० बिलिडग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 12 फरवर्र 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्य०/2/एस० म्रार०-1/6-81/8034—म्रत: मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

स्रौर जिसकी सं० 27-28 है तथा जो धीरपुर, दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबड अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जन, 1981।

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिरिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री दिलबाग राय मलहोता, निवासी 35-डी मकान नं ० 3290 चंडीगढ़ (हरियाणा)

(अन्तरक)

(2) श्री जी एन सिगल पुत्र श्री सूरज मल तथा श्रीमती पुष्पा पत्नी श्री जी एन सिगल निवासी 45/1 माल रोड, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिणों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) ध्रस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है तथा प्लाट नं० 27-28 है और धीरपुर, दिल्ली में स्थित है।

> विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 12-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर सुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देण स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/5-2/एस० श्रार०-1/6-81/8018-श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सपरित जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एफ०-2 (राईट विग) जायदाद न० ई०-2/16, है तथा जो दरिया गंज, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्तां श्रिधकारी के कार्यौलय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जन, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्षित्र नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री सतीश सेठ सुपुत्र आर० सी० सेठ एम० जी० हिस्सेदार मैं० सरस्वती विल्डर्स, जी 1/16, दरिया गंज, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मिसेज संध्या एन० चवरिया निवासी-9 जी, विश्वा एपार्टमेंट, सिविल लाईन, दिल्ली

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्पित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कागे।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कमरा वियरिंग जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है जो पहली मंजिल वियरिंग प्रा॰ नं॰ एफ-2 (राईट विंग) जायजाद नं॰ ई०-216, दरिया गंज, नई दिल्ली और 1/3 भाग जो कि बांटा भाग नहीं है का रेट्रिंग क्षेत्रफल 120 वर्ग फीट है।

श्रीमती विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 12-2-1982

प्रकृप धाई• टी• एन•एस•------

न्नावरूर प्रवित्तियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प (1) के प्रवीत सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजेन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 फरवरी 1982

निर्देश स० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० भ्रार०—1/6/81— 8010—भ्रत मुझे, विमल विशिष्ट,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन समन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ए०-28, है तथा जो डा० मुखर्जी नगर सामाजिक केन्द्र, है तथा जो दिल्ली-9 मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जून, 1981।

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अर-रण में हुई कि तो प्राय का बावन, उस्ने प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तिकों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सूबिधा के लिए;

भतः सन, उनन प्रविनियम को प्रारा 269न के प्रनुपरण मे, मे,, प्रवत प्रधिनियम की धारा 269न की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) मि० चन्द्र पी० भगत पुक्त डा० बाल मुकुन्द भगत ग्रौर डा० (सेज)मि बीना भगत पत्नी मि० चन्द्र पी० भगत, 18, राजेन्द्र पार्क, गई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाण गोयल सुपुत्र स्वं० श्री शकर लाल उनके दो पुत्र (नाक्षालिंग) मास्टर रोहित पी० गोयल श्रीर राहुल पी० गोयल श्रीर श्रीमती उषा गोयल पत्नी श्री वेद प्रकाण गोयल निवासी—45/2, मा ल रोड, दिल्ली 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके एवाँका सम्मति के प्रवंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भावाप:---

- (क) इ.स. सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को नामीन ने 30 दिन को भविष्ठ, जा भी प्रविधि बाद में नमाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीका व्यक्तियों सुस कियी व्यक्ति द्वारा,
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख स 45 दिए के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रा व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो घीर पदो का, को उनत घडि-नियम, के अध्याय 20क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ह।

अनुसूची

ए-28, डाक्टर मुखर्जी नगर सामाजिक केन्द्र, दिल्ली-91

श्रीमती विमल विशिष्ट, सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

दिनाक 15-2-1982 भाहर प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० श्रार०-1/6-81/ 8095—श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जायदाद नं 105, है तथा जो धीरपुर दिल्ली कालौनी, पेणावर नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुमूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सारीख जून, 1981।

को गूर्वों क्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमाना प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रन्तुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती धपाल कौर पत्नी स्वं हरनाम सिंह का 4/105, निरंकारी कालौनी दिल्ली-9

(भ्रन्तरल)

(2) श्री श्रनिल कुमार सिंघल पुत्र श्री चन्द्रभान सिंघल पदम चन्द जिंदल पुत्र श्री भगवत चरण जिंदल श्रीमती राकेश कुमारी शर्मा पत्नी श्री राजीव शर्मा श्रीर श्रीमती कमलेश कुमारी शर्मा पत्नी श्री रामेश्वर प्रसाद शर्मा जैमे हिस्सेदार का मैं विपाठी डिसट्री-ब्युस्स, फिरोजाबाद, श्रागरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायजाद नं० 105, क्षेत्र-139 वर्ग गज जो कि धीरपुर दिल्ली कालौनी के नाम से जाना जाता है। पेशावर नगर, खसरा नं० 163, दिल्ली।

> श्रीमती विमल विणिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रुजंन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 12-2-1982

मोहर ः

प्ररूप भाई० टी० एत० एस०---

पामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन गूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

श्रायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 31, ब्लाक डी है, तथा जो पृथ्वी राज रोड़, आदर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1981

को १ वेक्ति गंपिस के खिन बाजार मूल्य से कम के दृष्यधान प्रतिफल के निए प्रस्तिति की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रनिशन से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गथा अनिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबिन में शस्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी स्नाय की वाश्वत, इक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के संस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घ्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) संतोष कद पत्नी श्री तिलक राज कद निवासी-99, उडलैंड, इंगलैंड द्वारा एटौर्नी श्री णणी लाल तलवार सुपुत्र श्रीककूमत राय, तलवार, निवासी-बी-2/4, राना प्रताप बाग, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) इन्द्रा गुप्ता पत्नी श्री तकेश कुमार (2) ग्ररचला ग्रग्नवाल पत्नी श्री मुदर्शनकुमार (3) श्रीमती ग्रादर्श ग्रग्नवाल पत्नी श्री इन्द्रजीत निवासी – 1/7, डाक्टर लेन, गोल मार्कीट, दिल्ली

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर
 म्चना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तिनयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी खन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के प्रद्याय-20क में परिभाषित है, वही प्रजंहोगा जो उस प्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 31, ब्लाक डी०, पृथ्वी राज रोड, भ्रादर्श नगर, दिल्ली क्षेत्रफल-150 वर्ग गज।

श्रीमती विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 12-2-1982

प्रख्य भाई • टॉ • एव • एस • ----

পাসকং স্থিনিওম, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देश सं० स्राई० ए० मी०/एक्य्०/2/एस० स्नार०-1/6-81/7960—स्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने क्समें इसके परवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी की यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25.000/- दें से प्रधिक है और जिसकी सं ज्लाट नं क्सी ज्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण कप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1981

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए पन्तरित की वह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रक्षित्रत से प्रधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिये तब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उन्त प्रम्तरण कि खित में शम्नविक कर से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत सकत अधिनियम के अधीन कर देने के भक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अध्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर आंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त चिवित्रम का १८६ २८०-० के अनुसरण में मैं, उक्त चिवित्रम को पास २६९-व की उर्द्धारा (1) को अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती सुशील कुमारी पत्नी श्रोम प्रकाण, निवासी— डी०-62, लार्ड कुष्णा रोड, ग्रादर्ण नगर, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुषमा कुमारो पत्नी श्री चन्द गर्ग (2) किशन चन्द ग्रीर (3) रमेश चन्द सुपुत्र (सभी) बाबू राम निवासी भी ग्रीर पी० पनाहना, जिला गुड़गांव। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को ई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहरूशब्दश के पास सिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पयों ता, जो छक्त अधिनियम के ग्रह्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो छस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायणी मकान, प्लाट नं० सी०-3/18, एम० जी० 247.95 वर्ग गज, माडल टाउन, दिल्ली ।

> श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दनांक : 1 2-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्वेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भ्रार०-1/6/81/8047—श्रतः सुभे, विमल विशिष्ट.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 583 है तथा जो गांव भरोला;, मजिलस पार्क, ब्लाक 'सी' दिल्ली में स्थित है (थ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख जुन, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (†) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- (1) श्री वेद प्रकाश सुपुत्र श्री नाथू राम डी-3, सी० सी० कालौनी, जी० टी० रोड्, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रनिल कुमार गुप्ता सुपुत्र शिव कुमार गुप्ता निवासी – 21/47, शिक्त नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अजेन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में शितस्व्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्यय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 583, क्षेत्रफल—III वर्गगज, खसरा नं ० 262/258/ 217/4 गांव-भरौला, मजलिस पार्क, ब्लाक 'सी' दिल्ली ।

> श्रीमती विमल निणिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

दिनांक: 12-2-1982

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एन्यू०/2/एस०म्रार०-1/6-81/8030—मृतः मुझे, विमल विभिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारा को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 28 है तथा जो ब्लाक 'ए' गांव-भरौला, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुन, 1981

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकिन में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कमला देवी पत्नी केवल कृष्ण श्रग्रवाल, निवासी-126ए, रेलवे कालोनी, श्रार्थ नगर, गाजिया-बाद, उ० प्र०

(अन्तरक)

(2) दयानन्द सुपुत्र श्री रामपत निवासी डी०-53, हकीयत राय रोड़, श्रादर्श नगर, दिल्ली-33

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांर्ड भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए का स्थागे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन सची

प्लाट नं० 28, ब्लाक "ए" भूमि का क्षेत्रफल 200 वर्ग गज, गांव—भरौला दिल्ली ईस्टेंट, मोती लाल रोड़, म्रादर्श नगर, दिल्ली—33।

> श्रीमती विमल विशिष्ट, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, विल्ली

दिनांक : 12-2-1982

भोहर 🍻

प्ररूप भाइ³. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 फरवरी 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/6-81 8019—श्रतः मझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बी०1, जायजाद नं० ई०-2/16, है तथा जो दिरयागंज नई दिल्ली में स्थित है (श्रींग इससे उपाबद श्रनुस्ची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुन, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य म कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उध्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) मैं ॰ मरस्वती बिल्डर्स, जी ॰ 1/16, दरियागंज, नई दिल्ली-1।

(बन्तरक)

(2) श्री एम० जी० लोनियाल मुपुत्र साहिब राम लोनियाल, निवासी-एफ-10/1, माडल टाउन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर मूचना की तमील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सतह का पूर्वी भाग विर्यारंग प्राइवेट नं०बी०-1, जायजाद नं० ई०-2/16 दिरयागंज, नई दिल्ली, क्षेत्र 496 वर्ग फीट।

श्रीमती विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 12-2-1982

प्रकप काई०टी० एव० एस०-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/6-81/7976—-श्रत: मुझे, विभल विशिष्ट,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या $\xi-2/16$, है तथा जो फ्लैंट एस-1, द्वितीय मंजिल, दिखागंज, नई दिल्ली में ास्थत है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जुन, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कयी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मै॰ सरस्वर्ता बिल्डर्स फौज-2, जी॰-1/16, दिरयागंज,
 नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) मिसेज सुनीला गोयल, ए०-6, माडल टाउन, दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

फ्लट एस०-1, 431 वर्ग फीट, द्वितीय मंजिल, $\hat{\xi}$ -2/16, विरयागंज, न $\hat{\xi}$ दिल्ली ।

श्रीमती विमल विभिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 12-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देश सं ० ग्राई० ए० सी ०/एक्यू ०/2/एस०ग्रार०-1/6-81/8051--श्रमः मुझे, विमल विशिष्टि,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के यशीन सजम पाक्षिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिनका उचित्र वाचार मूल्य 25,000/- कुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 36-सी है तथा जो ब्लाक नं० 20 पुराना बाजार, प० पटेल नगर, नई दिल्ली-2 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के। प्रत्यह प्रतिशत श्रीष्ठक है और अन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरितो (शन्तरितियों) के बोच ऐंडे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कर मे कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रक्षि-निर्में के अधीत कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/गा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन या ग्रन्स ग्रास्तियीं को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अप्तः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उत्तत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:—— (1) श्री जमन दाम सुपुत श्रो जुगला राम, निवासी— 22/124, प० पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रमन कुमार ग्रीर मामी कुमार सुपुत श्री तारा चन्द निजामी-65/73, रोहतक रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीस सम्पत्ति के प्रकृत के लिए **कार्येवाहियां** करता है।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दित की स्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों श्रीर पदों का, जो उम्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही अयें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुक्तान नं ० 3 6-सी, ब्लाक नं ० 20, पुराना बाजार, प० पटेल नगर, नई दिल्ली ।

> श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) प्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 12-2-1982

मो**ह**ुरः

प्ररूप आई० टी • एन० एस •--

भ्रांमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/णस० श्रा२०-2/6-81/8057---श्रतः मझे, विसल विशिष्ट,

भायकथ अधितियम, 1981 (1961 का 43) (जिये इसमें इसके पश्चात् 'उपत अधितियम' कहा गया है), की घाए। 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 14 है तथा जोकि-की०, शंकर श्राचार्य रोड़, ग्राव्यं नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपा बद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधि कारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्टित्यम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1981 ।

को पूर्वोधत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के वृश्यमान अति-फल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिन्ति बाजार मूख्य, उसके वृश्यमान प्रांतफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से पश्चिम है और भग्तरक (यग्तरकों)और अन्तरिती (यग्तरितयों) के बीच ऐसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त अन्तरण निखित में वाम्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है ---

- (क) अग्तरम से हुई किसी आय की बाबत खबत आखि-नियम के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अन्सरण में, में, उक्त अधिनिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री लक्ष्मण दास सुपुत्र धर्मदास निवासी-5558, गली नं० 4, न्यू चन्द्रावल, क्लौक टावर, दिल्ली ।

(अन्सरक)

(2) श्री बसन्त कुमार चावता मुपुत्र श्री दरया लाल चावता निवासी—सी—73/ए गली नं० 6 प्रजलिस पार्क, दिल्ली।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वेक्ति संपर्तित के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 1--

- (क) इस सूचना के राजपत में श्रकाशन की सारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, घष्टोहस्ताक्षरी
 के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं । 14, ब्लाक बी, शंकर श्राचार्य रोड़, श्रादर्श नगर, नई दिल्ली, क्षेत्रफल 253 वर्ग गज ।

> श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज2, नई दिल्ली

दिनांक: 12-2-1982

प्रकृप पाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज 2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरधरी 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/ःस० ग्रार०-1/6-81/8056—-श्रतः मुझे, विमल विशिष्टि,

श्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की पारा 269-ख अं अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ▼ • से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 8, है तथा जो णहगल कालौनी, कार्ट लेन, सिथिल लाईन, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुन, 1981।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उकत अग्नियम के अग्नीम कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रिधिनियम, को धारा 269-ए के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ए की उपधारम् (1) के अभीन, निम्निलिमित व्यक्तियों, अर्थात .---15--516GI/81 (1) श्रीमती सुभाष हुमारी पत्नी स्वं० श्री बलंदेव सहाय पालीबाल 2 विराट ततीवाल 3 मिस श्रमण्य पालीवाल श्रीर 4 डी० के०पी० पालीवाल, (नवासी--8, सहगल कालौनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज चोपड़ा पत्नो ईश्वर कुमार चोपड़ा 2. ईश्वर कुमार निवासी-8, सहगल कालौनी कार्ट लेन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह मृजना जार। करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर यूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विया गया है।

अनुसूची

(666 वर्ग गज) जायदाद नं० 8, णहगल कालीनी, कोर्ट लेन सिविल लाईन, नई दिल्ली ।

> श्रीमती विभाव विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

विनांक 12-2-1982

प्ररूप बाहै, दी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1981

निर्देण सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/6-81/ 8066--श्रनः मझे, विमल विशिष्ट,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 27/16 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में रजिस्ट्रीकर्ण श्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के श्रधीन तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिपल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए:

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती बीरा देवी पत्नी स्वं० छा० रोम चन्द्र निवासी-4/37, डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री भाग सिंह 2. हरनेक सिंह 3. हरवंण सिंह निवासी--1/19, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्त**़रती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

एक मंजला श्रध्रा सकान, प्लाट नं० 27/16, एम० जी० 279. 55 वर्ग गज, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

> श्रीमतो विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नारीखाः 12-2-1982

प्रकप आई० टी० एन० एस०------

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1)के ग्रिधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० ग्रार०→1/6→81/8092——-श्रत: मुझे, विभल विशिष्ट,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 6 है तथा जो ब्लाक नं० 1, कीर्ति नगर, वेयरहाउसिंग स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुन, 1981।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्लरण स हुई किसी भाग को बाबस, उक्त भ्राध-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:-- (1) श्रो बी॰ एस॰ मैनी सुपुत्र स्वं॰ श्री भीम सैन साही निवासी-ए॰ डी॰/49, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली का मै॰ हिन्दुस्तान फरनीसर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० एल० खुराना 2. श्री ए० एल० खुराना 3. श्री ग्रार० जी० खुराना पुत्र सभी ग्रार० एल० खुराना पुत्र सभी ग्रार० एल० खुराना 4. श्रीभती मंजू खुराना पत्नी श्री क्रण्ण लाल खुराना ग्रीर 5 श्रीभनी कीश्यला खुराना पत्नी श्री रामनाथ खुराना निवासी एच-56, कीर्ति नगर, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इन मूबना के राजाल ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूजना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य अथित द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

प्लाट नं० 6, ब्लाक नं० 1, कीर्ति नगर, वेयरहाउसिंग स्कीम, नई विख्ली, भूमि का क्षेत्रफल-1200 वर्ग गज।

> श्रीमती त्रिमन विशिष्टि, सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

विनांक: 12~2~1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ब्रार-2/6/81/4692—अत: मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपिति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रि. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 11 बीघा 6 विश्वा है तथा जो गांव निजासपुर, रशीदपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जुन, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए असिर की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिक नहीं किया गया है:——

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्थल अणिधनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दरयाम्रो सिंह पुच्च श्री गोरधन जाट, नियासी गांव निजामपुर, रशीदपुर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रोम प्रकाश पुत्र श्री दरयाश्रो सिंह निवासी गांव निजाभपुर, रशीदपुर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार्यन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 11 बीघा 6 विश्वा है तथा खसरा नं० 62/22, 23, 64/3/1, 499, 501 गांव निजामपुर रशीदपुर, दिल्ली में स्थित है।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 11-2-1982

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्**य**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेन 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाव 11 फरवरी 1982

निर्धेण स० आर्ड० ए० मी०/एकप्र०/2/एम० आरर--2/6-81/4691--प्रत मझे. विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी स० 8 बीधा 15 विश्वा है तथा जा गाय तिजास-पुर, रणीदपुर, दिल्ली में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबक स्रत्मूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के वार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन दिनाक जन, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्य कित भपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कसी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री दरयाश्रा सिंह पुत्र श्री गोरधन जाट, निवासी गाद निजामपुर, रणीदपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रांस प्रभाग पुत्र श्री बार राम 2 श्री धर्मपाल पुत्र श्री लखी राम, निवासी सी-21 शिवाजी पार्क, दिल्ली (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थायर सम्पस्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 8 बीघा 15 बिग्वा है तथा खसरा त० 53/1/2, 53/2/2, 53/1/2, 53/1/2, 53/1/2, 53/1/2, निजामपुर, रणीदपुर, दिल्ली में स्थित है।

श्रीमती विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 11-2-1982

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

माय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 86 है तथा जो ईस्ट एवेन्यू रोड़, पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण स्थाप ने विणत है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन तारीख जुन, 1981।

का पूर्वोक्त मम्पतित के उचित बाजार मूल्य मं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तों रित्या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसते अधने में सूर्विधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय् या किसी भन या अन्य आस्सियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री चमन लाल व राम प्रकाश पुत्र श्री दरगई राम, निवासी एन० ब्लाक, 4-मी, डी० डी० ए० फ्लैटस सकत, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री श्रोम प्रकाश व विनोद कुमार पुत्र श्री बलबत राय, 1022, गली वाबूक साबार, लाल कुंग्रा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जनुको सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीं हु से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्ष्री के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उनस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस कध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

एक मकान जोकि प्लाट नं० 86, ईस्ट ऐवेन्यू रोड़, पंजाधी बाग, दिल्ली पर बना है तथा गांव बसई धारापुर, दिल्ली में स्थित है।

श्रीमती विमल विधिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजैन रेंज 2, नई दिल्ली

विनोक: 15-2-·1982

मोहर :

अस: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तितुयों, अधीत्:—

प्ररूप आहु², टी. एन , एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1982

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/6~81/ 4804--श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या एच-97 है तथा जो शिवाजी पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक के निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात .--- (1) श्री महाराज किणन दुग्गल पुत्र श्री राश्चा किणन दुग्गल निवासी एच-97, शिवाजी पार्क, नई टिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जुगल किशोर कालिया ग्रौर श्री इन्ट जीत कालिया पुत्र (सभी) श्री मनोहर लाल कालिया, निवासी एच-92/1, शिवाजी पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यसाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में में कि मी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यख्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक मकान का निर्माण जो कि प्लाट पर बना है जिसका क्षेत्रफल 324. 10 वर्ग गज, शिवाजी पार्क, नई दिल्ली ।

> श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीखा : 17-2-1982.

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1982 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० श्रार०-1/6--81/ 8076:----श्रतः सुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी-22, है तथा जो सत्यावती तगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पृथेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रश्यमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषोंक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके रश्यमान प्रित्तफल तो, ऐसे रश्यमान प्रित्तफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसिस उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुक्ती बाबत, उक्त अश्वीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसत व्यक्तियों, अर्थात् हः— (1) श्री तनिफिकर रेहमान किदबई पुत्र श्री शिफिकर रेहमान किदबई मार्फत-एस० ग्रार० किदबई, जैमिया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) (i) श्री नैम चन्द जैन, (ii) श्री सुनील कुमार जैन, (iii) श्री ग्रनिल कुमार जैन, (iv) नश्रीन कुमार जैन, नियासी- 2501, नयी वाडा, दिल्ली-6.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट का क्षेत्रकल 200 वर्ग गज बियरिंग नं० सी-22, सत्यावती नगर, दिल्ली।

> र्था मिनी विसल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 17-2-1982.

माह्य 🖫

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूच्ना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०-2/एस० श्रार०-1/6-81/ 8059:---श्रत: मभे, विमल विभिन्ट,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन प्रजिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उवित वाजार मूल्य 25,000/- इ० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6/16 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है प्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) प्रोर प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण म हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उनमें बचन में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आथ या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उकत् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---16--516G1/81

- (1) श्री सुशील कुमार श्रीर रमेण कुमार पुत्र श्री जय किशन दाम श्रग्नवाल, निवासी-7/11, रूप नगर, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री घनश्याम दास सरौगी (2) गोपाल प्रसाद सरौगी (3) स्रशोक चुमार सरौगी निवासी छी-10, स्रशोक विहार, फेज-1, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियाँ करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप : - -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गमा है

अनुसूची

श्राधा हिस्सा श्रवंटा जायवाद नं० 6/16, म्युनिसिपल नं० 11275, वार्ड 12, रूप नगर, दिल्ली ।

> श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी महायक आयक र आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख: 17—2—1982.

माहर

प्ररूप आई .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य०/-II/एस० श्रार०-1/6-81/8081:--श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000 / रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 920 है तथा जो छिपी बाड़ा खुर्व, चावड़ी, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रजिस्ट्रीकर्ण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के लिए अंतरित की गई है और मुफें यह जिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (वः) अन्तरण भं ह दे िकसी आग की बाउत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिशित व्यक्तियमे अर्थात् :—— (1) श्रीमती चांदी देवी पत्नी श्री सालिग राम, श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री भवानी राम, निवासी 920 छिपी बाडा खर्द, चावडी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० मेला राम प्रोपरटीज प्रा० लि०, 454/55, चीतला गेंट, चावड़ी, दिल्ली डारेक्टर के ढारा।

(अन्तरिनी)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यदिसयों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 920 (नया) तथा 321 (पुराना) जोकि 153 वर्ग गज भूमि पर बनी है तथा छिपी बा ड़ा खुर्द, चादड़ी बाजार, दिस्सी में है।

श्रीमती विमान विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तारीख : 17-2-1982.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 फरवरी 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० सं।०/एस्य०/2/एस० ग्रार०-1/6-81/8007---श्रम मुझे, विभन विधार्ट,

मायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख वें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

यौर जिसकी स० 4846 से 49 हैं तथा जो 24 दरया गंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करग अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून,

को पूर्वोक्न सम्पन्ति के जीवत वाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त मंपन्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वत में वास्तविक ल्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्कं) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिंध-नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियो, अर्थातः :--- (1) श्री कुशहाल किशोर पुत्र श्री नवल किशोर, 4839, गोविन्द लेन, 24 दरया गंज, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीवी० के० जैन एण्ड संस (एच० यू० एफ०) 839, कुचा पाती राम, बाजार सीता राम, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान न० 4846 से 4849 का 1/4 हिस्सा जोिक 24, दरया गंज, दिल्ली में स्थित है।

श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, नई दिल्ली 110002

ारीख . 12-2-1982 । मोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 फरवरी 1982

निर्देश म० ग्राटै० ए० मी०/एक्यू०/2/एम० ग्रार०-1/6-81/8006---यत ,मुझे,विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमा इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा में अधिक है

ग्रौर जिसकी स० 4846 से 49 है तथा जो दरया गज, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रश्चिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजर्स्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1981

को पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित, व्यक्तियों अर्थात:--

(1) श्री विजय किशोर माथुर, 4839, गाविन्द लेन, 24 दरया गज, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा जैन पत्नी श्री बी० के० जैन, निवासी 839, क्चा पानी राम, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पोत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 4846 से 4849 का 1/4 हिस्सा जोिक 24, दरया गज, दिल्ली में स्थित है।

श्रीमती विमल विभिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-II, नई दिस्ली

तारीख : 12-2-1982 मोहार प्ररूप आई टी.एन एस -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाव 12 फरवरी 1982

निर्देश म० ग्राई० ए० सी०/एस्यू०/2/एस० ग्रार०/-1/6-81/8022--यत मुझे, श्रिमल विशिष्ट,

म्रायंकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से म्रिधिक है

स्रौर जिसकी स० 4846 में 49 हैं तथा जो दरया गंज, दिल्ली में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-करण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ज्न, 1981

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स कथिन नहीं गया है:—

- (क) भन्तरण में हुई किमी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रष्ठिनियम के श्रधीन कर देने के श्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात्:—— (1) श्री भारत माथुर 4839 गाविन्द लेन, 24 दश्या गज दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उपा जैन पत्नी श्री बी० के० जैन, निवासी 839, कुचा पाती राम, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के भ्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :→-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्न में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारः, प्रशाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पड्टोक्स्ग :--इसमें प्रयुक्त जन्दों ग्रीर पदो का, जो उक्त प्रवितियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, कही ग्रथ होगा, जा उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान न० 4846 से 4849 का 1/4 हिस्सा जोिक 24, दग्या गंज, दिल्ली में स्थित है।

श्रीमती ब्रिमल विणिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नारीख 12-2-1982 **मोहर**ः प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०--1/6--81/8023---यत:, मुझे, विमल विशिष्ट,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 4846 से 49 है तथा जो 24 दरया गंज, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, जून 1981

कां पूर्वा किन संपत्ति के उचिन वाजार मृत्य स' कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से सकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिशयों अर्थात्:—— (1) श्री कुमहाल किणोर पुत्र श्री नवल किशोर, 4839, गोबिन्द लेन 24, दरया गंज, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री वी ० के० जैन एण्ड संस (एच० यु० एफू०), 839, कुचा पाती राम, बाजार सीना राम, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ेंस्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्तत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 4846 से 4849 का 1/4 हिस्सा जोकि 24, दरया गंज, दिल्ली में स्थित है। जो 194 वर्ग गंज भूमि पर बना हुआ है तथा एक गोधाम जोकि ग्राउंड फ्लोर पर 94 वर्ग गंज भूमि पर बना है।

श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज-II, नई दिल्ली

नारीख: 12-2-1982

माहर :

प्राचप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध(1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज- , नई दिल्ली नई दिल्ली, तिनाक 17 फरवरी 1982

निर्देण सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भ्रार०-1/6-81/7962—्यनः, मुझे, विमल विधिष्ट,

आय हर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/र रा. से अधिक है

घोर जिसकी सं० 37 (मौध) है तथा जो बस्ती हरफुल मिह, सदर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुन 1981

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल्ट के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्त्रह् प्रतिगत से प्रथिक है और मन्तरक (मन्तरको) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए य पाया गया प्रतिकृत तिम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तिक का से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) भग्तरण ने हुई किसी स्राय की बाबत जनत , प्रक्रिनियम के पंधीत कर देत के प्रत्नरक के दायित्व में अपनी करने या उससे बचने में मृविधा के बिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टान्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टान्यम, या धन-कर घिष्टान्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भृतः अब, उन्त प्रविनियम को धारा 269-ए के घनुसरण में, मैं, क्क्त पश्चिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती लीला बेरी निवासी ए-ाड. प्रणोक विहार, फेज-2, नई दिल्ली और दूसरे।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमला रानी पत्नी श्री धर्म पाल भाटिया, 6 पुर्वी, सदर श्राना रेड दिल्ली।

(श्रन्मिरती)

को यह मूचना जारी सरक पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त मम्यत्ति के अर्जन के भवंत्र में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्य जा में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन की अविधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज्यत स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी धन्य स्थित द्वारा पधीहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीतरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 5587--5589, 5629, 5630, प्लाट नं० 37 दक्षिणी, बस्ती हरफुल सिंह, सदर याना रोड, दिल्ली--6.

> श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारो महायुक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेज-IJ, नई दिल्ली

नारीख: 17-2-1982

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

धायकर मधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्रार्ष० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/6-81/8067---यतः, मुक्षे, विमल विणिष्ट,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3/3 है तथा जो श्रीद्योगिक क्षेत्र, नजफगढ़ रोड, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जून 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिभल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिभल से, एसे दृश्यमान प्रतिभल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतस्को और अन्तरित अन्तरित अन्तरित में अन्तरित में निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए त्य पाया गया प्रतिभल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में मास्तिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी अग्रं या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनां झारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए।

अतः प्रज्ञ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्चित व्यक्तियों, व्यक्ति :-- श्रीमती जसबीर कौर पत्नी श्री हरचरण सिंह,निवासी 40/15 पूर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली स्वयं और जी० ए० का (1) श्रीमती देविन्द्र जीत कौर श्रीर श्री भूषिन्द्र राज सिंह ।

(अन्तरक)

 (1) श्री कुन्दन लाल बतरा, (2) यण पाल बतरा, (3) श्री कुणहाल कुमार घई श्रीर (4) श्री श्रीम प्रकाण गांधी, निवासी 3/3, श्रीद्योगिक क्षेत्र, नजफ गढ़ रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजैन के लिए का<mark>यबाहियां कर</mark>ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस पूजना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष्ठ, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे!

स्वच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त र्घाध-नियम, के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वही भ्रयें होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अतसची

जायदाद नं० 3/3, श्रौद्योगिक क्षेत्र, नजफ गढ़ रोड, दिल्ली

श्रीमती निमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-II, नई दिल्ली

नारीख : 17-2-1982

प्ररूप अपर्वेटी एन.एस.-----

आएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-11, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 17 फरवरी 1982

18 (4.01), (4.114) 17 40 47 1 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० भ्राप०-1/6-81/7966—यत. मझे, विमल विशिष्ट,

अायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एम्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की थारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० 3029-30 है तथा जो काजी वाडा गली, फैज बाजार, दरया गंज, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, जुन 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्मिल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्स का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक एए में किथान नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हर्ष्ट्रिक्सी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बबने पें सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने मो मृतिधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——
17—516 GI/81

 (1) श्री नूर इलाहरी, (2)श्रीमती रसीदा खातम, (3) सैयद शाह नसर हुमैन के लिए स्वयं श्रीर जी०ए० श्रीमती रैमा वेगम सावरी, निवासी दरगाह सावरी, दरियागज, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. (1) मैं० के० एम० बी० इन्टरप्राइजज, पालिका बाजार, नई दिल्ली द्वारा श्री कुलदीप सिंह जैन, निवासी 2079, कटरा रोभन उदौला, किनारी, बाजार; दिल्ली, (2) सुनील भारती मितल, निवासी 33, लोधी इस्टेंट, नई दिल्ली, (3) श्री विजय चन्द जैन, निवासी 2676, गली श्रनार किनारी बाजार, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रची

जायदाद नं० 3029-3030, वार्ड नं० ११, क्षत्रफल-उपण् वर्ग गज, गली काजी वाड़ा, फैज बाजार, दरिया गंज, नई दिल्ली ।

> श्रीमती विमल विणिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज- , नई दिल्ली

तारीख: 17-2-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

अत्य कर समितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 , नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० ग्रार०-1/6-81/8077--्यतः, मुझे, विमल विशिष्ट,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गण्दात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर तंपत्ति जिसका अवित बाजार मुख्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2, रोड़ 22 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जून 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि जयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत:, श्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म,में, चक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नम्नलिखित क्यक्तियों, श्रवीत:--- (1) श्री प्रकाश चन्द भयाना पुत्र श्री लक्ष्मी द्रास निवार्ता 102, श्रानन्द लोक, नई दिल्ली जैंमे जी०ए० का (1) पी० सी० भयाना श्रीर श्री बी० के० नारंग।

(अन्तरक)

(2) मैं ० दि० मह्म बिल्डर्स प्रा० लिमि० हारा प्रौमोटर्स, सी-37, भ्रात्मा राम हाऊस, कनाट प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजान के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रशासन की तारीख से 45 विन को अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बक्क किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्पदशिकरण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट का क्षेत्रफल 659.72 वर्ग गज बियरिंग नं० 2, रोड़ नं० 22 क्लास "सी", पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

> श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख: 17-2-1982

माहुरु:

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

अधिकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ([नरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/6-81/7987—्यतः, मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित शाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं ए ए-- 2 है तथा जो 45, माल रोड़, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1981

को पूर्वांक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पित्त की उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के तीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिख नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वायत, उक्छ जभिनियम की अभीन कर धेने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे व्यने में सूबि्धा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) रेन्टियरस श्रौर फिनान्सीयर्स (प्रा०) लिमि०, 10 हैली रोड़, नई दिल्ली द्वारा इसका निदेशक श्री बन्द्र पी० चौधरी ,निवासी 45, माल रोड़, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश गोयल पुत्र श्री शंकर लाल निवासी ए-2, 45, माल रोड, दिल्ली-7.

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिरियम के अब्बाय 20-टा गा परिशाधित ही, वहीं अर्थ होंगा जा उन्हें अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं॰ ए॰-2, 45, माल रोड, दिल्ली--क्षेन्न 1200 वर्ग फिट।

> श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख: 17-2-1982

मोहर 🖰

प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/6-81/8061----पनः, मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० इनटायर ग्राउन्ड फर्ण बी०-52, सी० सी० कालौनी, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में यार पूर्ण एप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन, 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ये यह विश्वाम इरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उत्थत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री कृष्ण चन्द्र मित्तल और श्रीमती शान्ती मित्तल, निवासी बी-52, सी० सी० कालौनी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मुभाप चन्द्र पुत्र श्री बलदेव सरन दास, निवासी ए-88, कमला नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

1_ %

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यवितया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इनटायर गाउन्ड फर्श, जायदाद नं० बी०-52, सी० सी० कालौनी, दिल्ली

> श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, नई दिल्ली

नारीख : 17-2-1982

प्ररूप **बाइ<u>ं</u>.टी.एन्.एब्.**------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-11, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 17 फरवरी 1982

निर्देश प० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० ग्रार०-1/6-81/4812--यन , मझे, विमल ,विशप्ट,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उन्ति साजार मृस्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी में 2 है तथा जो बानना सिह पार्क, दिल्ली कैन्टोन्मेट बोर्ड में स्थित है (ग्री इसमें उपायक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में यणित है), र्राजस्ट्रीक्ती ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रोजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जन 1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कस मंपतित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के टायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अस्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उन्धादा (1) के अधीन निम्मलिक्ति व्यक्तियों नुभाविः—

- (1) चौधरी सूरज मल पुत्र श्री बाली राम, निवासी गांव-टौडापुर, पी० श्रो० पूसा इन्स्टीट्यूट, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री राधे कुष्ण ग्ररोड़ा श्रीर श्री जगन नाथ श्ररोड़ा पुन्न श्री राम प्रकाश श्ररोड़ा, निवासी जी० 3/20, मालवीय नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 वित्र को भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध . किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थळके हरण: — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पयों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

मकान का निर्माण प्लाट नं० 2 बियरिंग नं० 2, चानन सिह पार्क, दिल्ली कैन्टोन्मेन्ट बोर्ड, दिल्ली ।

> श्रीमती विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^{II}, नई दिल्ली

नारीख: 17-2-1982

प्रकप भाई० टी॰ एन० एस०---

आथकर प्रधिनियम, 19**6**1 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के प्रधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर रायुक्स (निरीक्षण) श्रजन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०ग्रार०-1/6-81/8001--यतः, मुझे, विमल विशिष्ट,

पायकर ग्रिश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रिश्चित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिश्चीन सक्षम प्राधिकारीको, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये मे ग्रिश्चिक है श्रौर जिसकी सं० ई-70 है तथा जमोती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावछ श्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।, रिजस्ट्री कर्ता ग्रिश्चकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिश्चीन जून 1981

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (फ) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्ने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः, भन, उम्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अभु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीय, तमनतिखित व्यक्तियों, भ्रवति:--- (1) श्री जगन नाथ पुत्र श्री इशहर दास, ई-70, मोती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री भ्रो॰ पी॰ मल्होत्ना, पुत्र श्री बी॰ एन॰ मल्होत्ना, निवासी ई-70, मोती नगर, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गन्दों श्रीर पर्वो का, जो उक्त ग्रिक्षित नियम के ग्रध्याय 20-रु में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

सरकार द्वारा निर्माण, क्याटर नं॰ ई-70, मोती नगर, नई दिल्ली।

श्रीमती विमल विभिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)] श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख: 17-2-1982

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी, 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एऋयू०-2/एस० श्रार०-1/6-81/8060:—श्रतः मुझ, विमल विणिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-इ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

श्रौर जिसकी मं० प्रथम मंजिल है तथा जो बी०-52, सी० सी० कालौनी, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत भ्राधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया अतिफल, निम्निश्वित उद्देश्य न उक्त अन्तरण निव्वित में वास्तिक रूप से किन्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण । हुई किसो आप की वाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सक्ता कि लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिख्त व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री फुष्ण चन्द्र मित्तल श्रीर श्रीमती शान्ती मित्तल निवासी-बी०-52, सी० सी० कालौनी, दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री मती शकुन्तला देवी पत्नी श्री सुभाष चन्द्र निवासी-ए०- 88, कमला नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धी हरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ख्रौर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिमा गया है।

यग्सूची

प्रथम मंजिल श्रोर बरसाती, जायदाद नं० बी०~52, सी० सी० कालौनी, दिल्ली।

श्रीमती विमल विशिष्ट, तक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, नई विस्सी।

तारीख: 17-2-1982.

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० ग्रार०-1/6-81/8026:—-श्रत. मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० के० 1/2 है तथा जो माइल टाउन, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुन, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गायत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृविधा के लिये; शीर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) है अभीन निम्मृलिसित व्यक्तियों अर्थात :-- (1) श्री तेज राम बंसल पुत्र श्री लाल जिसल वसल निवासी सी०--3/6, साङ्ल टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी गुप्ता पत्नी श्री प्रीतम कुमार गुप्ता निवामी सी ०-1/5, माङल टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सृचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्पारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकेरी।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसुची

एक मकान जो 282 वर्ग गज पर बना जिसका प्लाट नं० 2 श्रीर ब्लाक नं० के-1 है तथा माडल टाउन दिल्ली में स्थित है।

> श्रीमती विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 17-2-1982.

मीहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ची

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० श्रार०-1/6-81/4759:—श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 13/5 बी० है तथा जो तिलक नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त मंपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिस्ति उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अधिनयम को, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 1 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में सिक्शा के लिए:

अत: अब, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिसित व्यक्तियों, अथीत्:--18—516 GI/81

(1) श्रीमती कौशस्या द्वारा एटोर्नी नं० 62, कीर्ति नगर, नई विल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री स्नानन्द स्वरूप श्रीर श्रीमती मुधा शर्मा निवासी के-111, कीर्नि नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्मं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाकर सम्पक्ति में हित- बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सरकार द्वारा निर्माण, क्वाटर नं० 13/5 बी० निलक नगर, नई दिल्ली, क्षेत्रफल 200 वर्ग गज ।

श्रीमती विमल विणिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 17-2-1982.

प्रारूप गाई.टी.एन.एस.------

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जनरेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1982

लिर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०--2/एस० भ्रार०-1/6--81/7973---भ्रत: मुझे, विमल विशिष्ट,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), को धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं 0 182-186 है तथा जो गली रुई वाली, पुल मिटाई, तेलीवाडा, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1808 का 16) के श्रधीन, तारीख जन, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य से कम दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे दश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निक्तर्य पर्वत पहलाय से अक्त अन्तरण कि बिक् में बास्तिवक क्य रे प्रभाव नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (म) एसी किसी अप पा किसी धन या अस्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितो व्वारा प्रकट नहां किया गया था ना किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

यत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) क अर्थान निम्नोलिखित व्यक्तियों अर्थान् न (1) श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री फौन्डू मल निवासी-1029, तिलक बाजार; त्रिलयान गली, दिल्ली ग्रीर 8 दूसरे।

(अन्तरक)

(2) श्री राम गोपाल पुत्र श्री दिलीप निवासी-186, गली रुई वाली, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख में 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

जनुसूची

जायदाध का निर्माण प्लाट के उपर भूमि का क्षेत्रफल 369 वर्ग गज वियोरिंग नं० 182-186 जो कि गली रुई वाली पुल मिटाई, नेलीवाडा, दिल्ली में स्थित है।

> श्रीमती विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली ।

नारीख ' 17-2-1982. मोहर . प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1982

निर्बेश सं० श्राई०ए० सी०/एक्यू०-2/एस० श्रार०-1/6-81/7978 :--श्रतः मझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1 है तथा जो श्रंसारी रोड़ दरिया गंज, नई दिल्ली मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जन, 1981

का पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेंश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रीमती राज रानी फैमिली ट्रस्ट द्वारा श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता पुत्र श्री श्याम लाल, निवासी—16/बी/4, श्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्याम लाल चैरीटीटेबल ट्रस्ट द्वारा श्री श्याम लाल गुप्ता चेयर मैन, निवासी 16बी/4, श्रासफ श्रली रोड़, नई दिल्ली ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रीक्षत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 1, श्रंसारी रोड़, दरिया गंज, नई दिल्ली, क्षेत्रफल 195.77 वर्ग गज।

> श्रीमती विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 17-2-1982

प्रहर्भ आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 फरवरी 1982

निदेश सं० रिवाड़ी/13/81-82:---श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 1737 नई बस्ती है तथा जो रिवाड़ी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, रिवाड़ी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य सं उक्त अन्तरण मिकित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे सचने मो सुत्रिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् ः---

(1) श्री वीन दयाल भ्रेंड्रा पुत्र श्री शिम्भु दयाल पुत्र श्री मूल चन्द नि० गोकल बाजार, रिवाड़ी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज गुप्ता पत्नी श्री शिश भूषण गुप्ता द्वारा श्री नाथू राम नि० गोकल बाजार, रिवाड़ी जि० महेन्द्रगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरे~ भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

सम्पत्ति मकान नं ० 1737, नई बस्ती रिवाड़ी में स्थित है। जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रिवाड़ी में रजिस्ट्री संख्या 1194 दिनांक 27-6-1981 तक दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एम. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 17 फरवरी 1982

निदेश सं० हिसार/40/80-81.---श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 1/2 भाग, फैक्ट्री बिल्डिंग है तथा जो बालसमन्द रोड़, हिसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाब के ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कर्ं का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिक्त निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्यारण से हुई किसी जाय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सृविधा के लिए; बीग्र/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियी को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——

(1) श्री राम कुमार पुत्र शिव चन्द राथ नि० पुरानी ग्रनाज मण्डी, हिसार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित माया देवी पत्नी श्री महावीर प्रसाद नि० पूरानी श्रनाज मण्डी, हिसार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिल्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्य में 45 विन की अवधि या तस्सम्बधी अंदिनत्यों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकारो।

स्पटिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वां का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ द्रोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति फैक्ट्री बिल्डिंग नं० बी०-16/2/80 का 1/2 भाग बालसमन्द रोड़ हिसार में स्थित है जिसका श्रिधक विवरण रिजस्ट्री-कर्ती के कार्यालय हिसार में रिजस्ट्री मं० 1651 दिनांक 19-6-81 पर दिया है ।

गो० सि० गोपास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-2-1982

मायकर अभिनियम, 1.961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 17 फरवरी 1982

निवेश सं ि हिसार/42/81-82:--म्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन समाम शिधियारी 🗇 गहाबि आस करन का कारण है कि स्थावर समिति । जराका उत्पाद का वाकार **म्**ल्य 25,000/ रत स अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फैक्ट्री बिल्डिंग स० बी०-16-2/80 है तथा जो बाल समन्द रोड़, हिसार में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिसी कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जून, 1981

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विख्यास **अफ्**ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ए) एसी किसी आये या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधाके लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रीमित बिमला देवी पत्नी श्री महाबीर प्रसाद नि० पुरानी श्रनाज मण्डी, हिसार ।

(अन्सरक)

(2) श्री बजरंग दास पुन्न श्री जय नारायण नि० बरवाला मन्डी, तहसील भौर जिला-हिसार।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रवर्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि यातरसम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्चनाकी तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त परिभाषित अधिनियम, के अध्याय 20-क मे है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

संपरित फैक्ट्री बिल्डिंग नं. बी-16-2/80 का 2 बालस्मन्द रोड हिमार मो स्थित है जिसका अधिक विवरण रजि-स्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार के रिजस्ट्री म. 1720 विनांक 23-3-81 पर दिया है।

> गे. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) वर्जन रोज, राहतक

तारीख : 17-2-1982

प्ररूप आहें. दी. एन. एस. ------

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1982

निदेश सं० ग्रम्बाला/5/81-82:—श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल.

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 5356/9, पंजाब मौहल्ला, शिव भवन है तथा जो श्रम्बाला कैंट में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन, 1981

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रश्तरक (प्रश्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) क बीव ऐसे ग्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्तितियों होण्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरक से हुई किया प्राय को बाबत, उक्त अधि नियम में अधीय कर देन के अन्तरक के दायित्व में कभी करत या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घट या अन्य धास्तियों को जिन्हे भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, क्रियाने में मुविधा के लिए;

बतः भव, उक्त श्रिष्ठिनियम को भ्रारा 269-ग के श्रन्सरण में, में, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ को उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री मनमोहन जौली पुत्र श्री रामरिखा मल नि० राम विला विचित्रनगर, पटियाला ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्तेहलता पत्नी श्री पवन कुमार म० नं० 5356/9, पंजाबी मौहरूला, णिय निवास, श्रम्बाला कैंट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन मं किए जा सकेंगे।

हाइटो कर गः—हमने प्रपृक्ष शब्दां पौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क ने परिभाषित हैं, वही अर्थ हीगा जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

सम्पत्ति मकान नं० 5356/9, पंजाब मौहल्ला, शिवनिवास श्रम्बाला कैंट में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रम्बाला में, रजिस्ट्री संख्या 1157 दिनांक 5-6-81 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-2-1982

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ---- ...

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के घडीन मूचनाः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 फरवरी 1982

निदेश सं० पानीपत/56/81-82:--श्रतः मूझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उश्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्वावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- ६० से आधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि 2 बीघा है तथा जो तरफ इन्सार, पानीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज्ज अनुसूची मे और पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य कम में कम के दृश्यमान प्रात्मक के लिए प्रस्ति की गई है और मुझे यह विभवास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (मन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) है बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किन निम्नलिथित उत्तेष्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किन नहीं किया गया है।——

- (क) ग्रन्तरण म हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिष्ट नियम क ग्रिष्टीन कर देने क ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिंग, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) ये उकत अधिनियम, या धनकर अधि-नियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना नाहिए था, फिपाने में स्वेष्टा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधि। नप्रन की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्बलिखित व्यक्तियों, प्रथित्:—

- (1) श्री श्रमोक कुमार गुप्ता पुत्र श्री ज्वाला प्रसाद नि० ई०/18, माङल टाउन, देहली ।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री सुषील कुमार गुप्ता पुत्र श्री लाल चन्द, प्रदीप जैन पुत्र श्री बिमल जैन, नि० पानीपत ।

(अन्तरिती)

को यद सूचना जारी करके पूर्वीबनपम्यत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रर्जन क सम्बन्ध न कोई भी प्राक्षेप:→-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी काकिनयो पर सूचना को तामील पे 30 दिए को पाण्य, तो भी प्रयक्षि बाद में समाप्त होता ठा, क नाए पूर्वाका व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपल में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ते में हिनबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा सबोड्स्नाक्षण के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रष्टिनियम के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है वही श्रयं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 2 बीघा, तरफ इन्सार, पानीपत मे स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत मे, रजिस्ट्रीसंख्या 2068, दिनांक 16-6-81 पर दिया है ।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-2-1982

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन स्**चना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 15 फरवरी 1982

निदेश सं० पानीपत/60/81-82:—म्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 2 बीधा 19 बिस्वा है तथा जो तरफ इन्सार, पानीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1981

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्झ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रति-पल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय काँ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्सित व्यक्तियों, अर्थात् :--19-516GI/81

- (1) श्री लाल चन्द पुत्र श्री नवल किशोर निवासी पानीपत। (अन्तरक)
- (2) श्री सुणील कुमार जैन पुत्र श्री कपूर चन्द जैन, निवासी गन्नौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

अनुसुची

सम्पत्ति, भूमि 2 बीघा, 19 बिस्वा, तरफ इन्सार में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 2348, दिनांक 26-6-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल; सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, रोहनक ।

नारीख: 15-2-1982

प्ररूप आहूर.टी.एन्.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 फरवरी 1982

निदेश सं० पानीपत/58/81-82:—ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 2 बीघा 17 विस्वा है तथा जो पानीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे रुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंत्रकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्लय से किथतु नृहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री लाल चन्द पुत्र श्री नवल किशोर निवासी—— पानीपत।

(अन्तरक)

(2) श्री सुशील कुमार जैन पुत्र श्री कपूर चन्द जैन, निवासी, गन्नौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवािंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों क्य प्रातित यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया **ह**ै।

अनुसूची

सम्पत्ति, भूमि 2 बीघे 17 बिस्वे, तहसील कैम्प पानीपत के समीप स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 2349, दिनांक 26-6-1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल,

सक्तम प्राधिकारी सहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-2-1982

प्ररूप चाई० टी० एन० एस०---

प्रायक्तर धिवनियम, 1961 (1961 का 43) को घारा 269-म (1) के धिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1982

निदेश सं० रोहतक/26/81-82:----श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- स्पर्य से अधिक है

भौर जिसकी सं० 643, 644 एवं 646, ए/2, वार्ड नं० 16 है तथा जो रेलवे रोड़, रोहतक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रमृह प्रतिशत से श्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्त्य से उक्त भन्तरण निखित में वास्तविक रूप से क्वित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण म हुई किसी आय की बाबत उक्त भवि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ यान्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतुः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री सुदर्शन कुमार पुत्र श्री बुद्ध राम जाट गांव व डा० संघी त० -∤-जि० रोहतक ।

(जन्तरक)

(2) श्री चांद सिंह पुत्र श्री केवल सिंह दुकान नं० 643, 644 व 646, रेलवे रोड़, रोहतक।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;--

- (क) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख मे 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विचित में किए जा सकेंगे।

स्पक्शीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदो का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रयं होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं ० 643, 644 व 646/ए/2, वार्ड नं ० 16, रोहतक में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 1226 दिनांक 2-6-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारोः सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज, रोहसक

तारीख: 16-2-1982

प्ररूप आई.टी एन एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 17 फरवरी 1982

निदेश सं० श्रम्बाला/39/81-82 —श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० कोठी न० 1 (पुराना) नया न० ए० एम० सी० 432 बनाक न० 7, मोहाली हाउस है तथा जो सिविल लाईन्ज, भ्रम्बाला शहर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1981।

को पूर्वीक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा केलिए, और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निटिखित व्यक्तियों अर्थात् .--

- (1) श्री सितन्दर सिंह पुत्र श्री उमराव सिंह पुत्र श्री श्रवतार सिंह, कोठी न० 90, सेक्टर-8 ए०, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) 1. सर्वश्रो सुख देव सिह पुत्र प्रीतम सिह 2, कमलेश देवी पत्नी दीदार सिह 3, नन्द रानी पुत्र वरयाम सिह, 4. कौशल्या देवी पत्नी मन मोहन कृष्ण, 5 चम्पा वती पत्नी हिताबलाशी, 6 शान्ति देवी पुत्री देवी दयाल, 7. सुभाष चन्द्र पुत्र कल्याण दास, 8 सुरेन्द्र कुमार पुत्र राम लुभाया, 9 तिलोक चन्द पुत्र हेम राज, 10. राधा कृष्ण पुत्र झागी राम, 11 हरसक्ष्प पुत्र केदार नाथ, 12. श्रष्ठण कुमार पुत्र हर सक्ष्प सभी निवासीगण, श्रम्बाला शहर।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध म कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्किंग।

स्पष्टीकरण — इसम प्रोंबत रूब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति कोठी न० 1 (पुराना) नया न० ए० एम० सी०-432, ब्लाक नं० 7, मोहाली हाउस मियिल लाईन्ज, भ्रम्बाला गहर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजम्ट्रीकर्ता के कार्यालय, भ्रम्बाला में, रिजस्ट्री संख्या 2933 दिनाक 30-7-1981 पर दिया है।

> गा० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक ।

नारी**ख** : 17-2-1982.

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस,------

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 फरवरी 1982

निदेश सं० श्रम्बाला/38/81-82:--श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पाचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी संव कोठी नंव 2 (पुराना) नया नंव एव एमव सीव/ 431/ब्लाक सिविल लाइन्ज ए , है तथा जो अम्बाला महर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्टलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससंबचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निटिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री सितन्दर सिंह पुत्र श्री उमराव सिंह कोठी नं० 90, सेक्टर 8 ए, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री 1. सुखदेव पुत्र प्रीतम सिंह, 2. कमलेण देवी पत्नी दीदार सिंह, 3. नन्द रानी पत्नी वरयाम सिंह, 4. कौणल्या देवी पत्नी मनमोहन कृष्ण, 5. चम्पावती पत्नी हिताबलाशी, 6. शान्ति रानी पुत्री देवी दयाल, 7. सुभाष चन्द्र पुत्र कल्याण दास, 8. मुरेन्द्र कुमार पुत्र राम लुभाया, 9 जिलोक चन्द्र पुत्र हेम राज, 10. राधा कृष्ण पुत्र झागी राम, 11. हर सक्ष्प पुत्र केदार नाथ, 12. श्रदण कुमार पुत्र हर सक्ष्प सभी निवासीगण अम्बाला शहर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त मंपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजधत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या त्त्यांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रौक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति कोठी नं० 2 (पुराना) नया नं० ए० एम० सी०/ 431/ब्लाक सिविल लाईन्ज, अम्बाला शहर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला में रिजस्ट्री संख्या 2056, दिनांक 19-6-81 पर दिया है।

गो० मी० गोपाल, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-2-1982.

मोहर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, महायक आयकार आय्कत (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1982

निदेश सं० ब्रहादुरगढ़/4/81-82:---श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि, फैक्ट्री बिल्डिंग सहित है तथा जो स्रौद्योगिक क्षेत्र. बहादुरगढ़ में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में द्यौर पूणें रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बहादुर-गढ़ में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वेक्ति संपिति के उचित बाजार म्ल्य में कम के दश्यमान प्रितिफ'ल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित्त का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल सो, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से अधिक नहीं किया गया है:--

- (क) बलरण से हुई िकसी जाय की बाबत , सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसरो अधने में स्वीवधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी पन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अनुकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया व्या वा या किया जाना जाहिए वा कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात:——

- (1) श्री पाल सिंह पुत्र श्री ठाकुर सिंह नेहरु पार्क, बहादुरगढ़।
- (2) श्री किरनपाल सिंह पुत्र श्री गुरबचन सिंह नि० ई०/277, डिफैंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृतित के वर्षम के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वता के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस स्वना के राषपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तर।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति, श्रौद्योगिक प्नाट सं० 36/1, एम० श्राई० ई०, बहादुरगढ़ में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बहादुरगढ़ में रिजस्ट्री सं० 867 दिनांक 20-6-81 पर श्रीकत है।

गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयळार आयक्त (निरीक्षण) फ्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-2-82.

पक्रम आर्क भी एन.एस -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1982

निदेश मं० करनाल/43/81-82:—-ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीचन बाजार मन्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० भूमि है तथा जो गांव—दहा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रेकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुन, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफाल से, एसे ध्रयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एने नित्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्मलिक्ति उद्दाद से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तियक छप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की दाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री कृत्दन पुत्र श्री श्राणा, श्री नन्हा, राम किणन श्रौर चरनजीत सिंह पुत्रान, श्री मृन्गी, नि० गांत्र— दहा, जिला—करनाल।

(अन्तरक)

(2) मैंसमं बन्सल पेपर मिल्ज, जी० टी० रोड, क रनाल द्वारा श्रीमित विद्यावती पत्नी श्री ज्ञान चन्द श्रीमित मीना कुमारी पत्नी श्री परवीण कुमार प्रदीप कुमार, प्रेम चन्द पुतान श्री ग्राणा राम नि० करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा!
- (व) इस सूवना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख़ से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवाद्स्ताक्षरी के पास निक्रित में किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति, भूमि, दहा में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्त्ता के कार्यालय करनाल के रजिस्ट्री सं० 2239 दिनांक 15 जून, 1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-2-1982.

प्ररूप आई० टो० एन० एन०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) बारा की

269-घ ं1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर श्रामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी, 1982

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र• से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 13 बीघा 4 बिस्वा है तथा जो करनाल में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के नार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख जून, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई ही और मुरु यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असो दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रम्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण मे हुई किसी खाय की बाबत, उक्त ग्रिजियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) सर्व श्री गुरबचन सिंह पुत्र श्री मुन्दर सिंह, धरम सिंह नि० श्रन्धारिया बाग, करनाल ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्ज सतपाल राइस एण्ड जनरल मिल्ज, करनाल । (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के रावान में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिसबब किसी भन्य स्थानित हारा, भंधोइस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण।—इसमें प्रमुक्त शब्दों मोर पर्वो का, जो सक्स मिश्वित्यम के ग्रन्थाय 20क में परिशाधित है, बढ़ी मर्च होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, भृमि 13 बीघा 4 बिस्वे करनाल में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 2287 दिनांक 16-6-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीखा ' 16~2—1982

मोहर 🔉

प्ररूप गाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 फरवरी, 1982

निदेश सं० जगाधरी/34/81--82---ग्रतः, मुझे, गो० सि० गोपाल,

भागकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मान, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ग्रौद्योगिक प्लाट है तथा जो ग्रौद्योगिक क्षेत्र, यमुनानगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस ग्रनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारोख जन, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्ति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (त) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसन व्यक्तियों, अर्थात् :--- 20--516 GI/81

(1) श्री रिवदत्त ठाकुर पुत्र श्री परदना राम नि० श्रीद्योगिक क्षेत्र, वर्कशाप रोड, यमुनानगर ।

(अन्तरफ)

(2) सर्वश्री श्रोम प्रकाण शर्मा, ब्रह्मसम्हप गर्मा, शादी राम शर्मा श्रौर जगमोहन गर्मा पुत्रान श्री लाहोरी राम शर्मा, नि०-ई/68, वर्कणाप इन्डस्ट्रीयल एरिया, यमुनानगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकतः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, श्रौद्योगिक प्लाट, श्रौद्योगिक क्षेत्र यमुनानगर में स्थित है जिसका श्रिधिक विश्वरण रजिस्ट्रीकर्सा के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 1773, दिनांक 10-6-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-2-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी, 1982 निदेश सं० पानीपत/90/81~82:—-श्रतः मुझे, गो० सि०

गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

 $arepsilon^2$ िक स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-

रु. से अधिक हैं।

स्नीर जिनकी मं० भूमि 3 एक इ है तथा जो पानीपत में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, पानीपत में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अन्तर्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तरिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों., मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत्:-- (1) श्री लाल चन्द्र, नि० पानीपत् ।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वे श्री बीर भान, रमेण कुमार व राकेण कुमार नि० 645, माडल टाउन, पानीपत ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा श्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समापा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधिस हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

गम्पत्ति भूपि 3 एकड्ड, पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के बार्यालय, पानीपत में, रिजस्ट्री संख्या दिनांक 8-6-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-2-1982.

भोहरः ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, रोहलक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1982

निदेश स० गुड़गांव/35/81-82--श्रतः, मुझे, गो० सि० गोपान,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्वास करन का कारण हैं जि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. स अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० भूमि 5 बीघा 16 बिस्सा है तथा जो सिकन्दरपुर घोसी (गुडगांव) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गुड़गाव में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुन, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एस दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल किल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित स्थितियों मुर्थातः—

(1) श्री भाई राम पुत्र श्री उदमी राम, निवासी सिकन्दर पुर घोसी (गुडगांव)।

(अन्तरक)

(2) मैं मर्स अजय इन्टरप्राईजिज, 108, पंचणील पार्क, नई विल्ली, द्वारा श्री अजय पाथी डिया पुत्र श्री वेदकी नन्दन, 108, पंचणील पार्क, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य अधिन द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

अन्सूची

सम्पत्ति, भृमि 5 बीघा 16 बिल्या, सिकन्दर पुर घोसी में स्थित है जिसका ग्राधिक विवरण रिजस्ट्रीवर्ता के कार्यालय, गृङ्गांव में रिजस्ट्री संख्या---1232 दिनांक 12-6--1981 पर दिया है।

गो० मि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मर्राक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

नारीख: 16--2--1982.

प्ररूप आह. टी. एन. एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1982

निदेश सं० डबवाली/3/81--82---श्रतः, मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक द्कान है तथा जो डबवाली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डब्वाली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिधात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नुलिखित जुद्देश्य से अस्त अस्तरण निम्नुलिखित जुद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नुलिखित जुद्देश्य से अस्त अस्तरण निम्नुलिखित स्था स्था है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री संजय कुमार पुत्र श्री ग्रीम प्रकाण पुत्र श्री केशो राभ, कमीशन एजेन्ट, सिकरी बाजार, भटिडा। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमर्ता मालन देवी पत्नी सेट रामधन दास पुत्न श्री हुकम चन्द, भटिङा बिल्डिंग, डबवाली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरा है।

अनुसूची

सम्परित एक ब्कान मन्डी डबवाली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय डबवाली में रिज्स्ट्री संख्या 985 विनांक 15-6-1981 पर दिया है।

> गो. सी. गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, रोहेतक

तारीख़ : 16-2-1982 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन∙ एस०—

श्रायकर श्रिवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1982

निदेश सं० डबवाली/4/81--82---ग्रतः, मुझे, गो० सि० गोपाल,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० एक दुकान है तथा जो उबबाली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, उबवाली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जुन, 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, अगेर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य न उच्च अन्तरण लिखन में वास्तविक अर से कियन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरग में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, अयं, उक्त भ्रमिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः —

- (1) श्री मंजय कुमार पुत्र श्री श्रीम प्रकाश पुत्र श्री केशो राम, कमीशन एजेन्ट, सिकरी बाजार, भटिन्डा। (अन्तरक)
- (2) श्री हरबंस लाल, कृष्ण लाल, सुभाष चन्दर, मोहिन्दर कुमार पुत्रान रामधन सेठ, पुत्र श्री हुकम चन्द भटिन्डा बिल्डिंग, डबवाली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोतन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है !

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान डबवाली में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, डबवाली में रिजस्ट्री संख्या 986 दिनांक 15--6--81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-2-1982

प्ररूप आईं, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 16 फरवरी 1982

निदेश सं० डबवाली/5/81-82--श्रतः, मुझे, गो० सि० गोपाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० एक दुकान है तथा जो मन्डी डववार्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डबवाली में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन, 1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के जाचित बाजार मूल्य से कम के टर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) क बीज एसे अन्तरण के जिए तम एाया गया प्रतिफल निम्निलिसत उद्वेश्य से जवत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्री संजय कुमार पुत्र श्री श्रौम प्रकाश पुत्र श्री केशो राम, कमीशन एजेन्ट, मिकरी बाजार, भटिडा।

(अन्तरक)

(2) श्री परशोत्तम कुमार, दर्शन कुमार, श्रशोक कुमार, राकेश कुमार, परवीन कुमार पुत्रान श्री हाकम,राय नि॰ दुकान भटिडा बिल्डिंग, डबवाली ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दगरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान मन्डी डबवाली में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ना के कार्याचय डबवाली में रजिस्ट्री संख्या 987 दिनांक 15-6-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज, रोहतक

नारीख: 16-2-1982.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अधीन म्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 16 फरवरी 1982

निदेश मं० डबवाली/6/81-82---श्रतः, मुझ, गो० सि॰ गोपाल.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. मे अधिक है

श्रीर जिसकी मं० दुकान है तथा जो मन्डी डबवाली से स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डबवाली में, राजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) में भ्रधीन, निर्मेख जून, 1981 को पूर्वोक्त गर्यात्त के उचित वाजार मून्य में क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिंग की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त मंगित्त का जिस्त बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतियत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिमित में वाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, भारत कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिया के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री संजय कुमार पुत्र श्री श्रीम प्रकाश पुत्र श्री ^{रांहे} राम, कमीशन एजेन्ट, सिकरी बाजार, भटिन्डा। (अन्तरक)
- (2) श्री हरबन्स लाल गर्मा पुत श्री सृखरामदास पुत काहना राम नि० दुकान भटिन्डा बिन्डिंग, डबवाली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या त्रिसम्बन्धी व्यक्तिया पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुं।

अनुसुची

सम्पत्ति दुकान मन्डी डबवाली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ना के कार्यालय, इबवाली में रजिस्ट्री संख्या 988 दिनांक 15-6-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) स्रजन रेंज, रोहतक

तारीखः 16-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-।, अहमवाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

निवरेश नं. पी. आर. नं. 1621 एक्यु./23-1/81-82--यतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी मं. प्लाट नं. 603 हैं, तथा जो कृष्णनगर,

और जिसकी सं. प्लाट नं. 603 है, तथा जो कृष्णनगर, भावनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-6-1981

की पूर्वीकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाव की बावत , उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; बाँद/या
- (च) एसी किसी नाम या किसी पून या नन्य नास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुंसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बलबन्तराय करुनाशंकर पंड्या, दिद्यागौरी बलवंतराय पड्या, शाह पंड्या एड कम्पनी, 7, चकला स्ट्रीट, सफरीया बिल्डिंग, ब्म्बई-3।

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्री सोनी रजनीकान्त जमनादास क्काडीया, (2) श्री अनंतराय जमनादास क्काडीया, (3) श्री अमृत-लाल जमनादास क्काडीया, वडवा चौरा के नजवीक सोनी फलीया, भावनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त वृधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वृहीं वृधि होगा को उस वृध्याय में दिया ग्या है।

अमुस्ची

मकान मिलकत जो कृष्णनगर, भावनगर में स्थित है, प्लाट नं. 603-ए/1, जिसको पूर्ण वर्णन भावनगर रिजस्ट्रीकर्ता बिकी-सत नं. 827, 828, 829/25-6-81 में दिया गया है।

जी. मी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीख : 3-2-1982

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निविश नं पी. आर. नं, 1622 23-1/81-82--यतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका** उच्चित **बाजार मृस्य** 25,000/- रत. से अधिक है^{*}

और जिसकी सं. टी. पी. एस. 3, एफ. पी. नं. 101, एस. पी. नं. 1 से 3 ही, तथा जो नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 4-6-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके रूपमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक भप में किथत नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--1-516GI/81

1. भीमती बीरबाला कान्सीलाल पटोल, 5, प्रति सोमा-यंटी, मेमनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मे. श्री हाउसींग कार्पोरोशन, भागीदार-श्री रसिक-लाल कांतीलाल (एच यू.एफ.), और अन्य, त्रीवंनी एपार्टमेन्ट, मीठाखली के नजदीक, नवरंगपरा, छह रास्ता, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी घवधि याः में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस यूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शक्ति-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कत जो शेखपुर, खानपुर में स्थित है, टी. पी. एस. नं. 3, एफ. पी. नं. 101, पैकी एस. पी. नं. 1 से 3, पैकी पहली मंजील ओफिस नं 32 और 33, क्षेत्रफल 245 \pm 245 वर्ग फीट, जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाव रिजस्ट्रोकर्ता बिक्रीयत नं. 6456/4-6-81 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारी**व**ः 1-2-1982

प्ररूप आई^{*}.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निद्येश नं. पी. आर. नं. 1623/23-1/81-82--यतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. पी. एस. 3, एफ. पी. 347, एस. पी. 5, प्लाट नं. 5/ए. ही, तथा जो अहमदाबाद में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (वं) अन्तरण से हुई फिल्सी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन् या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, तक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री अरवीन्य उत्सवलाल शाह, जतीन फ्लंट, ला कालंज को नजदीक, अहमवाबाद-6।

(अन्तरक)

 राधाकृष्ण अपार्टमेन्ट ओनर्स एसोसिएशन, चयरभेन-वर्षा रमेश शाह, 6-गीता आग सोसायटी, पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किंसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

जमीन जो चंगीसपूर में स्थित है, टी. पी. एस. नं. 3, एफ. पी. नं. 347, एस. पी. नं. 5, प्लाट नं. 5/ए, क्षेत्रफल 320 वर्ग यार्ड, जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्री-कर्ता विकीसत नं. $6594/81-6\cdot6\cdot81$ में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, अहमदाबोद

तारीव : 1-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

करपकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निव श नं. पी. आर. नं. 1624/23-1/81-82—यतः, मूझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी मं. मर्वे नं. 136 पैकी टी. पी. एस. 19, एस. पी. नं. 148 हैं, तथा जो पैकी शंखपूर, खानपूर, अहमदाबाद में स्थित हीं (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप मे वर्णित हीं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-6-1981 को पूर्वीक्त सम्पर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गर्श हों और मूभ्मे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वीक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह

प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उददेदय से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- श्री मनुभाई भोगीलाल पटोल, (एच.यू.एफ.) की ओर से पी. ए. एच. श्री नारनभाई इश्वरभाई पटोल, श्री जीवाभाई अमथाराम पटोल। (अन्तरक)
- 2 श्रीमती दीवालीबेन इश्वरभाई पटोल, 3, कल्पना कालोनी, नवरंगपूरा, अहमदाबाद। (अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राज्यश्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध या भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्ची

मिल्कत जो शिखपूर, खानपुर में स्थित है, टी. पी. एस. नं. 19, प्लाट नं. 148, एस. पी. नं. 11-बी, क्षेत्रफल 676 वर्ग गज है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्री-कर्ता बिकीसत नं. 6511, 6512 और 6513/4-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)√ अर्जन र^{*}ज-।, अहमवाबाद

तारीख : 1-2-1982

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निदंश नं पी आर नं 1625/23-1/81-82—यतः मुझे, जी सी गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण हुँदिः स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- भारता से अधिक हैं।

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 242, हिस्सा नं. 2 है, तथा जो ताल्का दसकी, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 8-6-1081

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्क्त में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तराक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- श्रीमती मंजुलाबेन दिनेशचंद्र दंसाई, जगदीप हीरा-कं ज सोसायटी संन्ट भौवियर्स के नजदीक, अहमदाबाद-9।

(ग्रन्तरक)

2 श्री भूपेन्द्र जयिकशनदास भावसार, 1410, नवां रास्ता के सामने, सुधारवाडाकी पोल, आस्टांडीया रंगाटी कापड बाजार, अहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाष्ट्रियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिलित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण.--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकात जो तालुका दसकाई, सीम में स्थित है, रोवन्यू सर्वे नं. 242, हिस्सा नं. 2, क्षेत्रफल 847 वर्ग गण तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद मो रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 6608/ 8-6-81 मो दिया गया है।

> जी . सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमबाबाव

तारील : 1-2-1982

प्ररूप आर्डा, टी एन एस -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अभीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 1 फरवरी 1982

निदेश न पी आर न 1626/23-1/81-82--यन, मुझे, जी सी गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह से अधिक हैं और जिसकी संसर्वन 284-1 पैकी है, तथा जो भालतेज तालुका दासकाई, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजम्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-6-1981 को पर्याक्त सपत्नि के उचित बाजार मृल्य स कम के रहयमान प्रतिफार के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने के। कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल स, एस दश्यमान प्रतिफाल का

पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिशी

(अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

यास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन वर दोने के अन्तरक के दायित्य भा कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो कर्ते, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्.—

शार्क्ष नर्मदा, सोडाभाई त्रिभूबनदास की पत्नी, गाव शालतज, तालुका दसकोई, शातीलाल त्रिभूबनदास और अन्य।

(भ्रन्तरक)

श्री गोपालभाई अर्जनभाई और अन्य, अकल्ना, तालुका बायड, जिला साबरकाडा, अभी जय अम्बे नगर, एन आर पटेल पार्क, नवा वाडज, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (क) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हित- धव्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा स्ट्रिंग।

स्पद्धीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदने का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया है।

अनुसूची

ं जमीन जो थालतेज में स्थित है, मर्वान 284/1 पैकी क्षत्रफल एकड 0-38½, हर एक का, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीसत न 6487 और 6486 4-6-81 में दिया गया है।

जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीस 1-2-1982 मोहर प्ररूप गाई. टी. एन. एस.-----

बाक्फर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निद्धेश नं पी. आर. नं 1627/23-।/81-82--अतः, मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000 रा

से अधिक हैं और जिसकी सं. टी. पी. एस. 3, एफ.,पी. नं. 100 पैकी हैं तथा जो नवरंगपुरा, अहमवाबाद में स्थित हैं (और इससे उपावंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहसदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, 9-6-1981 को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

शीमती रामाबन, भारलाल बुलाखीदास की पृत्री, 8, विद्यानगर सोसायटी उस्मानपृत्रा, अहमदाबाद श्री भुपेन्द्रभाई हरमनभाई पटील की ओर में श्री हर-मनभाई मरधाभाई

(अन्तरक)

7-ए, अमुलख सोसायटी, रानीप, अहमदाबाद।
2. विजय डिवलोमेन्ट कारपोरोशन भागीदार श्री रामभाई
छनाभाई चंद्रालय अपार्टमेन्ट, नारनपुरा, अहमदा
बाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

आंफिस जो नवरंगपुरा से स्थित है एफ. पी. नं. 100 पैकी टी. पी. एस. 3, ओफिस नं. 25 और 26 पहली मंजिल पर, क्षेत्रफल 247⁺247[—]494 वर्ग फीट तथा जिसका पूर्ण वर्णन उहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं. 6653 और 6650/ दिनांक 9-6-81 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारील : 1-2-1982

मोहरः

प्ररूप शाई० टी॰ एन० एस०--

श्रायकर मिनियम, 1961 (19**61 का 43) की** धारा 269-च (1) के श्रिधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमवाबाद अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निदोश नं. पी. आर. नं. 1628/23-1/81-82--अतः मुभ्के, जी. सी. गर्ग,

- प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु से प्रधिक है,
- और जिसकी सं. सर्वों नं. 113/5 टी. पी. एस. 23, एफ. पी. 78, है तथा जो अचीर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-6-1081

1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 10-6-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विक्तन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में नास्तरिक कर के हिया नहीं किया गया है:--

- (क) प्रग्नरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त प्रिधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (खं) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, निन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, ढिगाने में सविधा के लिए;

अतः भन, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजि**खित व्यक्तियों, अर्थात:—**— श्री जीवनलाल पांपटलाल शाह 9-बी श्रंयम कालांनी, नवरगपुरा, अहमदाबाद-9।

(अन्तरक)

 अर्वादगीरी विकास मंडल साबरमती के/ओ चंद्रलाल हरीदास पटल, 13 नंवा प्रभ्नगर, असारवा अहमदा-वाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पन्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो **एक्त** श्रिष्ठितियम के भ्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहां शर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो अचीर सीटी तालुक में स्थित है, सबें नं .113/5, टी. पी. एस. .23, एफ. पी. नं .78, क्षेत्रफ स .553 वर्ग गज जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकिश्तित नं .4672/10-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

ता**रीब** : 1-2**-**198**2**

मोद्घर 🛭

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निद्धाः नं. पी. आर. नं. 1629/23-1/81-82--अतः, मभ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं सी एस नं 50 है तथा जो फतेपूरा तालुका, सिटी अहमवाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-6-1981

को पूर्वीक्त मंपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्त के अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरिती) (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री इश्वरभार्क्ष ललु भार्क्ष पंड्या, फतेपूरा ग्राम, एलिस्बृजि, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. पारम प्लंट आंनर्स एमोसिएशन प्रांमटर श्री हसम्स जगजीवनदास शाह अम्लपार्क सांसायटी, शारदा मन्दिर रोड, एतिसब्रीज, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए आ सर्कोंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनुसूची

मिलकात जो फतोपुरा में स्थित है, सी. एस. नं. 50, क्षेत्रफल 196-81-56 वर्ग मीटर, जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकार्ता किकीसत नं. 6624/12-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज-।, अहमदाबाद

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-->

तारीच : 1-2-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज-।, अहमवाबाद अहमवाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निविध नं. पी. आर. नं. 1630/23-1/81-82--अतः मुभ्के, जी. सी. गर्ग,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 424,429 पैकी एफ. पी. नं. 342, एस. पी. नं. 2-2 है। तथा जो टी. पी. एस. नं. 22, वासना, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-6-1981

को स्वींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाना (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--22-516GI/81

श्री रामसंग लखाजी ठाकार गांव-वासना, अहमदाबाद, मेसर्स फाटेक एन्ड कम्पनी, भागीदार-अमृत एन फाटेक वासना- अहमदाबाद-7

(अन्तरक)

2. श्री मनुभाई तुलसीदास पटोल 4, गीता अपार्टमेन्ट वासना, अह्मदाबाद-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक-व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अनुसूची

मिलकत जो वासना में स्थित ही सर्वों नं. 426 और 429 पैकी टी. पी. एस 22, एफ. पी. 342, एस. पी. नं. 2-2, फ्लंट नं. 4, क्षेत्रफल वर्ग योर्ड तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीयत नं. 6875/12-6-81 में दिया गया ही।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

तारीख : 1-2-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निक्श नं पी. आर. नं 1631/23-1/81-82---अतः मुभते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य $25,000/ \ \text{ts.}$ से अधिक है और जिसकी सं. टी. पी. एस 6, एफ. पी. नं. 16 बी पैकी हैं। तथा जो एस पी. नं. 11 पैकी पाल्डी अहमवाबाद में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रीजिस्ट्री-करण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-6-81 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**च की उपधा**रा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- लतावेंन जगदीश भाई त्रिपाठी 294, डोसीवाजकी योल, कालुपुर, अहमदाबाद।
 (अन्तरक)
- 2. श्री रमशभाई नटबरलाल साह श्री नटबरलाल शकर-लाल शाह गांव-रनासन गांव हरसाल, तालुका प्रेतिज जिला साबरकांठा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जने को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति व्यक्ति हो,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकन जो पालडी सीमा में स्थित है, एफ. पी. नं. 16-बी. पैकी एस. पी. नं. 11, पैकी फ्लंट नं. 5, क्षेत्रफल 125 वर्ग यार्ड जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकी-खत नं. 6938 और 6940/15-6-81 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

ता्रीख: 1-2-1982

मोहार 🗄

प्रकप बाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक | फरवरी 1982

निदोश नं पी. आर. नं. 1632/23-।/81-82--अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उथित बाजार मृख्य 25,000/-रुपये से सिधक है

और जिसकी सं. सी एस. नं. 550 पैकी है। तथा जो रत्वेपूरा अहमवाबाद में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो प्राय या किपी छन या अन्य आस्तियौं को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, मा धनकर मिंछिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए।

अतः, अतः, अतः अधिनियम, को धारा 269-ग के भ्रानुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् !—— श्रीमती वालुवन सूमतीलाल 6, जैन सोसायटी, प्रीत्म नगर अहमवाबाद

(अन्तरक)

 केसरीयाजी घोटस और ऑपिसीज ओनर्स असोसीयंशन प्रमुख-सुबोधचंद्र कस्तुरभाई 6, जैन सोसायटी, नगर, अहमवाबाव।

(अन्तरिती)

को प्रदृष्ता गरो स्टक प्रश्नित पम्पत्ति के धर्जन के मिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेपा-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस स्चना के राजरित्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों भीर पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कत जो रोलबेपुरा मों स्थित है, सर्वों नं. 550 पैकी क्षेत्रफल 35-11-74 वर्ग मीटर तथा जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकासित नं. 6852/12-6-1981 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-।, अहमदाबाद

तारीख: 1-2-1982

मोहार 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

कलकत्ता, दिनांक 11 फरवरी 1982

निदोश नं. पी. आर. नं. 1633/23-1/81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 / रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सर्वें नं. 2270, 2278 है। तथा जो खाडीया-2 अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन 15-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया थाया कियाजाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण म्में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 2.69-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. कोपोरिशन भागीवार-श्री रजनीकान्त नारनदास येरे-डाइस पार्क, पाउल, अहमदाबाद।
 - (अन्तरक)
- 2 रयामलाल रनछाडभाई अशोक कुमार नटवरलाल और अन्य आस्टोडीया, ढालकी पोल, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क्र में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

द्कान जो खाडीया-2, अहमदाबाद में स्थित है, सी. एस.-नं 2270, 2278 पैकी नं ए-6 और ए-3, पहली मंजील पर क्षेत्रफल 200 वर्ग फीट, 140 वर्ग फीट तथा जिसका प्रण वरणन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं . 6957/15-6-81 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमवाबाद

तारीच : 1-2-1982

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस●----

षायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश नं पी. आर. नं. 1634/23-।/81-82--अतः म्भ्रे, जी. सी. गर्ग, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

के भ्रष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है।

और जिसकी सं है। तथा जो परा बजार राजकाट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्री-करण अभिनियम्, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-6-81 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से घिषक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर प्रग्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उस्त धिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिला में **क**मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

धत: अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत :---

- श्रीमती हुसेनाबाई अब्दुलहुसेन सुगराबाई युसूफ-अली मुल्ला मोदी, जामनगर (अन्तरक)
- 2. श्रीमती जुगताबेन परसोत्तम खाखर श्रीमती मुलती भूपेन्द्र खांखर प्राना पावर हाउन्स के नजदीक कनक रोड, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना∌ी तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भं≀ अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीस्त व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों हा, जो उक्त भ्रति-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

मकान जिसका क्षेत्रफल 184-3-37 वर्ग यार्ड जो परा बजार राजकाट में स्थित है तथा जिसका पूरण धरणन राजकाट राज-स्ट्रीकर्ता विकासित नं. 14/3-6-1981 में विया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीख: 4-2-1982

मोहर 🛭

प्ररूप भार टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदोश नं. पी. आर. नं. 1635/23-1/81-82—अतः मुभी, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 707/3 पैकी है। तथा जो मापपाडी अक डीपरा, जेतपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अँभीन 25-6-1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के रिल्ये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अ्थित् :---

- श्री जगतराय जेंट्ठालाल पारेख पीपला शेरी, जेतपुर (अन्तरक)
- 2. मेसर्स अमीना स्फ्रीम प्रीन्टरी रामजी मंदीर रांड जेतपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्मब्दीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

अचल संपरित जिसका वरणन रिजस्ट्रीकर्ता जेतपूर विकिश्वत नं 923/25-6-1981 में विया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

तारीख: 4-2-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहरदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी 1982

निद्देश नं. पी. आर. नं. 1636/23-1/81-82---अत:

मुभी, जी. सी. गर्ग., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करमें का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सर्वे नं. 707/3 पैकी है तथा जो माधवाडी, त्राकंडिपरा, जेतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 की 16) के अधीन, 25-6-1981

का प्रांक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उष्तित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री जगतराय जेठालाल पारेख, पीपला शेरी, जेतपुर।

(अन्तरक)

(2) अनमल मानेक खाइयिंग एन्ड प्रीन्टींग वर्कस, माध-वाडी, जेतपुर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभक्षित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुस्ची

जमीन, क्षेत्रफल 1072.22 वर्ग यार्ड, सर्वें नं. 707/3 पैकी जो जेतपुर में स्थित है, रिजिस्ट्रीकर्ता एस. आर. जेतपुर. बिक्रीस्त नं. 922/25-6-81।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

तारीस : 4-2-1982

प्ररूप आधारो . टो . एन . एस . -----

आयंकर मित्रियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मधीन सूचना

भारत मरकार

भागलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदोश नं. पी. आर. नं. 1637/23-1/81-82--अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्गः,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उन्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अप्रीत संभ्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- व्याप में प्रधिक है

और जिसकी सं सर्वों नं 707/3 पैको है तथा जो माधवाडी, वाक डीपुरा, जेतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (अ) प्रस्तरण से तुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधितियम के अभीत कर देने के भ्रम्तरक के दायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविछ। के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में मुविधा के निए;

श्रनः अब, उक्त ग्राधिनियम की धारा 269-म के श्रनुसरण में, मैं: अक्त ग्राधिनियम की शारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री जगतराय जेठालाल पारेख, पीपला घोरी, जेतपुर। (अन्सरक)
- (2) मेसर्स सरस्वती स्क्रीन प्रीन्टींग, रुपापारी रोड, णेतपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजीन के मन्यन्त्र में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी असे से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिख्यत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उच्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-कं में परिचाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 1227.77 वर्ग यार्ड, सर्वे नं नित्ति की जिसका पूर्ण वर्णन जिसका पूर्ण वर्णन जेतपुर रिजस्ट्रीकर्ता विकिश्वित नं 921/25-6-81 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आबुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज्-।, अहमदाबाद

त्रारीख : 4-2-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आर्च. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहम्याबाव, विनांक 4 फरवरी 1982

निद्येष नं पी. बार. नं 1638/23-1/81-82—अतः मुक्ते, जी. सी. गर्गः, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 122 (प्राना सर्वों नं. 34) प्लाट नं. 42 है तथा जो मान्डी, राजकोट में स्थित है (और इस्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफ ल से एसे दृश्यमान प्रतिफ ल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
23—516GI/81

(1) श्री अनुसूपा गुनवंतलाल महता, श्री ताराबेन ईशवर लाल महता, की ओर से पी. ओ. अच., श्री अनंत-राय, मगनलाल अनडकट, सांगरवा, चौक, राज-कोट।

(अन्तरक)

(2) श्री वसंत कुमार मोहनलाल दांड़ा देवजीभाई वीरजीभाई घाडेंसरा के./ओ. पटोल वी. बेल्ट कार्पोरोदेन पूजारा चेम्बर्स, गरोडिया कुवा रोड, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ज्यत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 619-7-0 वर्ग यार्ड, सर्वो नं. 122, प्लाट नं. 42, जो मंडिवी राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता विकासित नं. 5312/81/26-6-81 में विया गया है।

जी. सी. गर्ग संक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीस : 4-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-।, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनोक 4 फरदरी 1982

निद्या सं. पी. आर. नं. 1639/23-1/81-82--अत: मुक्ते, जी सी गर्गः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- र. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वों नं. 89 है, तथा जो पृथ्वीराजपुरा, मोरवी में स्थित हैं (और इससे उपादद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, मोरवी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में भृतिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

(1) मैं होरोलाजीकल ट्रेडींग कोपोरिशन की ओर से भागीदार, श्री धीरजलाल पोपटलाल भालेरा वाउदी प्लाट नं. 3, मोरभी, जिला जूनागढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री मुलजी हंसराज पटोल, गांव अमरवा, तालुका जोडीया, जिला जामनगर।

(अन्तरिती)

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

जमीन, जिसका क्षेत्रफल 3477-7-6 वर्ग फीट, प्लाट नं । 89, जो पृथ्वीराजपुरा, मोरबी में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन मोरबी रिजस्ट्रीकर्ता विकिश्वत नं . 1978/जून 1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-१, अहमदाबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, छक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन विस्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीब : 4-2-1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धार। 269-च (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदोश नं. पी. आर. नं. 1640/एक्वीं. 23-।/81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अबीत सन्नम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/= ६पये में प्रधिक है

और जिसकी सं. सर्वो नं. 129/1 है तथा जो गांव टीबा-वाडी, जिला जुनागढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जुनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृष्णमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह दिएवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृष्णमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्णमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से ध्रिष्ठक है धौर अग्तरिक (प्रन्तरकों) और अग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्येग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी ब्राय की वावत **एक्त ब्रधि**-नियम के ब्रधीन कर देने के ब्रग्तरक के दायिस्य में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए ; **और**/या
- (खा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः, ग्रवः, उक्त प्रविनियमं की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रिष्ठिनियमं की धारा 269-य की उपधारा (1) के श्रिश्रीन निम्निलिखित व्यक्तिमों, ग्रापीत्ः --

- (1) श्री लक्ष्मीदास दोवराज पहानी और अन्य, गांव टींबावाडी, जिला जुनागढ़। (अन्तरक)
- (2) श्री चंद्र्लाल भानजीभाई बछानी के /आं कृष्ण द्रेडींग कंपनी वंथाली गेट के नजदीक, जुनागढ़। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अवधि, जो भी श्रविध बाद में सभाष्त होनी हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रशेष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरों।

स्यब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त अब्दों घोर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-के न परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन, क्षेत्रफल 4 अकर 12 गुटा, सर्वो नं 129/1, जो गांव टींबावाडी, जिला जुनागढ़ में स्थित है जिसका पूर्ण वर्णन जुनागढ़ रिजस्ट्रीकर्रा विकिष्टत नं 1765/10-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीस : 4-2-1982

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269=ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 4 फरवरी 1982

निद्येश नं. पी. आर. नं. 1641/23-।/81-82--अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्गः,

प्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राचात् 'उक्त अश्रिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिन्न हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से श्रीधिक है

और जिसकी सं. सर्वं नं. 399 पैकी है तथा जो गोंडाल रांड, पश्चिमी बाजु, राजकीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकीट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) उत्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त श्रिधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों कां, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के खिए;

खत: अब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, एक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ज्यीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) गुलाइबेन वसनजी जुथानी वसाजी बृदर्स, सुदान। (अन्तरक)
- (2) श्री शरदभंद्र ओम. अजरा रायम, भिक्त नगर सब-स्टोशन को नजदीक, राजकोट, श्री रिश्मकान्त वी. बोघानी बोघानी शेरी नजदीक, बोघानी डिपो राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब है
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा धाद्योहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशकरण:---भ्रसमें प्रयुक्त गड्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के म्राध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रयं होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन कुल क्षेत्रफल 564-3-0 वर्ग यार्ड, सर्वो नं 399 पैकी जो गोंडल की पश्चिमी विशा में राषकोट में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट राजिस्ट्रीकर्ता में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जुन र्ह्ज-।, अहमदाबाद

तारीख: 4-2-1982

प्ररूप काई.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

निद्येश नं. पी. आर. नं. 1642/23-1/81-82---अतः मुक्ते, जी. सी. गर्गः,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं सर्वों नं 382-1, 383-1-2 हैं तथा जो गांव बोयल, तालुका बसक्कोरे में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-6-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रिष्ठिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ठ प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दंश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:—

- (क्क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त जिमित्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री खोडाजी मामाजी, श्री शकराजी गाभीजी और और अन्य गांव बोपल, तालुका दसकारे पी. अं. अंघ. श्री द्रमशी हीगलाल पटील मी-3, नीता अपार्टमीट, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रहलादभाई खोडीबास पटोल (अंच. यू. अंफ.) अमराइवाडी, बालीयावास, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

जमीन जो गांव बोयल में स्थित है, सर्वो नं 382-1, 383-1, 383-2, क्षेत्रफल एक 2-+-3=2-3 टोटल 6-07, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकी-सत नं 7650/25-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयु**क्त (निरीक्षण) अर्जन र[ॉ]ज-।, अहमदाबाद

तारील : 3-2-1982

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० --

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थन रंज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदोश नं. पी. आर. नं. 1643/23-1/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्गः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक ही

और जिसकी सं. टी. पी. अंस. नं. 14 अंफ. पी. 226/2-5 पैकी है तथा जो दरीयापुर - काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-6-1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का करण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नुसिखित व्यक्तियों, वर्धीत् :—

(1) इन्दुसती चैतन्य प्रसाद वीवान, इला पियुष दीवान, अरुणाक पियुष दीवान, उडाल्क पियुष दीवान, चर्च गेट, बोम्बे।

(अन्तरक)

(2) शाहीबाग रामेश्वर को .-ओ .-हा . सोसायटी लिमि-टोड , चेरमेन-नटबरलाल-मोहनलाल कोकसी , अहमहाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-शब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

अचितित संपत्ति का वर्णन रिजस्ट्रीकर्ता बिकीसत नं .6725, 6738, 6734, 6738 और 6722/10-6-81 अहमदाबाद में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीख : 3-2-1982

प्ररूप धार्षक शिक एनक एसक----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 1654/23-1/81-82—अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

अौर जिसकी सं. सर्वों नं. 332 पैकी 1/4 शेर, अम. सी. नं. 324 से 327 हैं तथा जो 327-1-2, दरीयापुर-काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हों), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-6-1981

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से यहिन्ह है और पन्तर ह (पन्तर हों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के तीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्यलिखित छड़ेश्य से उक्त पन्तरण निखित में वास्तविह स्पान में अधित नहीं किया गया है:--

- (भा) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसग बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर मिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया घा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: भव, उक्त भिधितियम की धारा 269-म के अनुसरण में,में, उक्त भिधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भिधित निम्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्री अक्रवाल कालीचरन मधुरा प्रसाद, स्टोडियम रोड, नवरंग्पूरा, शहभदाबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री अग्रवाल निराजन काुमार रामभरोसे, श्री अग्रवाल राजेश का्मार रामभरोसे, शाहप्र वरवाजा के बाहर, अहमवाबाव।
 (अन्सरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्य**गा**हियां करता हूं।

उनन पम्पत्ति हे यर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध,जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ढाइए;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास व्यक्तित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दोकरमः ---इसमें प्रयुक्त गब्दां ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के ग्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयु होता, ना उन प्रवास में दिया गया है।

अनुसूची

अचिलित संपत्ति का वर्णन सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद बिक्की-खत नं. 7114/17-6-81 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमवाबाद

त्रारील : 3-2-1982

प्ररूप आहर् . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 दत्त 43) की धारा 269-व (1) के घडीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज-।, अहमवाबाद अह≭दाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

निंदेश नं. पी. आर. नं. 1645/23-1/81-82--अतः

मुक्ते, जी. सी. गर्गः,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 **(1961 का 43)** (जिसे इसम इसफे परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की घारा 269-ख के प्रधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिचत बाजार मुख्य 25,000/-रु० से आधिक है

और जिसकी सं. अफे. पी. नं. 45, पैकी हिस्सा नं. 4, 5, टी. पी. अस. 27 है तथा जो बाग-अ-फिरवुस, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-6-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दहैं और मुफ्ते यह विश्वास करा का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार, मूल्य, उस्के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिली (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- अन्तरण में हुई किसी आय की बावत खक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के घन्तरक के वादिस्व में कमी करने या छ ६से अचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय माय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, **195**7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए:

सब, उ**न्**त अधिनियम की धारा 269-ग के **अनु**-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 289-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।---

- (1) श्री अंबलाल मोहनलाल दलवाडी, श्री चंद्रकान्त मोहनलाल दलवाङी, रायप्र, मकौरीवाड, कांभारका लाचा, अहमदाबाद।
- (अन्तरक) (2) लकी इन्डम्ट्रीयल अंस्टांट मेम्बर असोसीयशन, मयुर अभ वने, गोरधनवाडी, काकरीया, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सुम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह<u>ं</u>।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध सा कोई भी आक्ष्मेप.—*

- (क) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के र.जपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकीं।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचितत संपत्ति का वर्णन अहमदाबाद सब रिजस्ट्रार विकीसत नं 7250 और 7253/19-6-81 में विया गया है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

गरीख : 3-2-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

या**।वकर मधिनियम, 1**961 (1961 का 43) की घारा **269-प**(1) क मधीन श्रुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^{र्ज}ज-।, अहम्**दाबाद**

अहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदंश नं. पी. आर. नं. 1646/एक्वी. 23-1/81-82—अत: मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्क अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/ रत. से अधिक हैं

और जिसकी मं, सर्वं नं 436 पैकी है तथा जो ईसनप्र तालुका - सीटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजरट्रीकिती अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, 22-6-1981

को पूर्वीकत सम्पति के उक्ति बाजार मूल्य ये कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अपर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खिला कि बीच में वास्तिकत की स्तरण के लिए तिथा गया गया प्रतिकत, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खिला में वास्तिकत कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण सं हुई किसी श्राय. की बाबत उपस श्रीविनयम के श्रीत कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती औरा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

जतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269का के बनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269का की उपधारा (1) के प्रधीन निम्तनिखित क्यक्तिमों, अर्थात् :— 24—516 GI/81

(1) श्री अंबलाल चतुरभाई पटेल, इसनपुर, तालुका सीटी।

(अन्तरक)

(2) विश्वेकानंद आइस अन्ड कोल्ड स्टोरेज, भागीदार - महोशभाई हरगीविंदभाई पटोल, इसनपुर, तालुका सीटी।

(अन्तरिती)

को यह सूबना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी घविंच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'खबत श्रधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिचाधित हैं, बही श्रदें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया, है ।

अनुसूची

अचितित संपत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकरी। विकिश्वित नं. 7326 और 7345/22-6-81 में विया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहस्दाबाद

नारील : 3-2-1982

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस.-----

आगकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा **269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदंश नं. पी. आर. नं. 1647/एक्वी. 23-।/81-82-- अतः मुक्तं, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. मे अधिक **ह**ै और जिसकी सं. सर्वें नं. 24 पैकी असे. पी. नं. 11, 13, 12 पैकी है तथा जो थलतेज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-6-1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य मे कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबः, उन्नतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरण में, में, उन्नतं अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :-- (1) श्री बालकृष्ण विठ्ठलवास वांशी, श्री सवमा सोसा-यटी, नवरगपुरा अहमदाबाद, श्री ईश्वर चमनजी और अन्य रायखंड, सत्रीवाड, वैश्य सभा के पीछ, अहमदाबाद, कमलाबेन बालकृष्ण दांशी श्री सदमा सोसादटी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मनिसंह प्रतापिसंह परमार, श्री विजयसिंह लक्ष्मनिसंह परमार और अन्य, वसुधा अपार्टमेट, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीचार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाह स्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

अचितित संपत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 5758, 5747, 5746/17-6-81 में दिया गया है।

> जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीख : 3-2-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जने रॉज-।, अहमदावाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

निद्रश न . पी. आर न . 1648/एक्वी . 23-1/81-82--अह म्फ, जी मी गर्ग, क्षायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रा. सं अधिक हैं और जिसकी सं. सर्वे नं. 546, 547 पैकी अस. आर् न. 10, टी. पी. अंस 28 है तथाओं ओफ. पी. 680 पैकी अरं. पी. नं 5, वाडाज में स्थित हैं (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-6-1981 को पूर्वोक्त मपत्ति के उचित बाजार मुन्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्रे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उहश्य से उक्त भ्रम्नरण लिखिन मे बास्तिबक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों धन, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अव, उक्त ऑधनियम, को धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री मानक गुनेन्द्रभाई शेठ, कल्यान सोसायटी, अलिसब्रीज, अहमदाबाष।
 - (अन्तरक)
- (2) शीवम को .- ओ . हा . सोसायटी निर्मिटेंड की ओर से घरमेन नारनभाई ओइताराम उम्मानपारा, दरीया-पूर पटेल सोसायटी, अहमदाबाव। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न मे प्रकाशन का तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

अचलित संपत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रोकर्ता विक्रीखत न . 4633/22-6-81 में दिया गया है।

> जी . सी . गग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जर रॉज-1, अहमदाबाद

तारीख · 3-2-1982 मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र ज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 फारवरी 1982

निदंश नं. पी. आर. नं. 1649/23-1/81-82--यतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269 खं के अधान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूर्थ 25,000/- क० सं अधिक है

और जिसकी सं. टी. पी. एस. 14, एफ. पी. तं. 229/2 पैकी एस. पी तं. बी-बी-1, पैकी है, तथा जो दरीयाप्र, काजीपुर, अहमदाबाद मो स्थित है (और इससे उपायद्य अन्मदी मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्र कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 23-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पात के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन में ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिगत से प्रश्चिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितिथों) के बीब ऐसे प्रन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निनिबंत उद्ग्य म उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अग्तरण से दुई किसी आय की बाबत, एक्त अधिनियम के अबोन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायंकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए का, छिपाने में मुखिशा के सिए;

श्रतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के यनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, [मम्नलिखित व्यक्तियों प्रचीतृ:—-

(1) श्री दोपक सर्गोत्तम हाथीिमंह, दक्षात्रेन दीपकभाई, चन्नभूज अस्पताल के नजबीक, शाहीबाग, अहमदाबाद-

(अन्तरक)

2. शाहीनाग दीपक को.-अं.-हा, मांसायटी की और सं प्रमाटर, (1) श्री दशरथभाई शंकरभाई पटेल, डफनाला के नजदीक, अशोक वात्र, शाहीनाग, अहमदाबाद, (2) श्री गांविंदभाई माधवदास पटेल, मेघानीनगर, उमेशनगर को.-ओ.-हा.-सोसायटी, अमावा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (अ) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा, भ्रष्टंह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण ---इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जी अकत अधिनिधम के अध्याय 20-क में परिभाषित हं,वही पर्य होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचिलित सम्पत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकीसते नं. 7482/7484/23-6-81 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, अक्षमदाबाद

तारीख: 3-2-1982

प्ररूप धाई•टी•एन•एस•~-

ग्रायकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की घारा 269**ण (1) के घडीन सुचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज-।, अह्मदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 3 फरवरी 1982

निक्षंत्र नं. पी. आर. नं. 1650/231/81-82--यतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

कायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जन्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ४० से श्रधिक है

और जिसकी सं. ब्लोक नं. 1327 हो, तथा जो शीलज, तालुका दसकोई में स्थित हो (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब 29-6-1981

को पूर्वी कत सम्पत्ति के छिन्न बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है घौर घन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया यसा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण निखित में बास्तिबक इप से कवित किया नहीं वया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; जनत अधिनियम के अधीन कर देने क अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत व्यधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसदण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित्:--

- श्री कालाजी चेलाजी, गाव शीलज, तालुका दसकोई।
 (अन्तरक)
- श्री चीन्तन नवनीतलाल पारंख, एच. य्. एफ. श्री शक्तंतल स्वनीतलाल, डा. विक्रम माराभाई, अहमदाबाद, श्री मंज्य महोशभाई झवरी और अन्य 'शेमदीनी', गुलबाईट करा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी **करके पूर्वी**कत सम्पत्ति के **सर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ।--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्जाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हि्तबद किसी प्रन्य स्थावत द्वारा, सत्रोहस्वासरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उन्त प्रधिनियम' के शब्दाय 20-क में परिशाबित हैं, बही अर्थ होगा जो उस शब्दाय में विया गया है।

अनुसूची

अचिलत सम्पत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीसत नं. 7026/29-6-81 में दिया गया है।

> जी . सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी उहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-। , अहमदाबाद

तारील : 3-2-1982

प्रस्प आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनाक 3 फरवरी 1982

निद्शानं. पी आर नं 1651 23-1/81-82---अन म्झे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा में अधिक है

और जिसकी स. टी. पी. दस. 4, एफ पी नं 7-1, पैकी एस पी नः 2 है, तथा जो मनीनगर, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के उधीन, तारीस 30-6-1981

को पृत्रों कर संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- बिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रुविधा के लिए;

जान अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिट व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री आनंदीलाल हरीलाल एटोल, श्री भरतकामार आनंदीलाल पटोल, दानापीठ, अहमदाबाद।
- (अन्तरक)
 2. श्री रमनीकलाल अमरशी और अन्य, कांकरीया,
 अहमवाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्स में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

मिलकत जो राजपूर-हरिपूर, मनीनगर में स्थित है, टी. पी. एस. 4, एफ. पी. नं. 7-1 पैकी एस. पी. नं. 2, क्षेत्रफल 639 वर्ग यार्ड, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकालित नं. 8018/30-8-81 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायक्त श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहनदाबाद

तारील 3-2-1982 भोहर: प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रष्टीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद दिनांक 3 फरवरी 1982

निदोश नं पी. आर. नं . 1652 23-1/81-82--अतः

मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से अधिक है उचित बाजार मृत्य और जिसकी सं. ब्लोक नं. 1314 है, तथा जो गांव शीलज,

तालुका दसकोई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्ध-लय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय 30-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफन के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐस दुग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के **बी**च ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रं/तरण लिखिन में बास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्राध-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लि**ए; ग्रो**र/या
- (छा) ऐसी किसी घाय या किसी धन या प्रत्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान म भविधा के लिए;

अतः अब, उनतं मधिनियमं की धारा 269-ग के प्रनुसरण मै, उदत प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अभीन, निम्नुचित्रित् व्यक्तियों, व्यक्तिः---

- श्री हीराजी मोटाजी, गांव शीलज, तालुका दसकोई। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री चीतन नवनीतलाल पारोस (एच. स. एफ), 'शकन्तल', डा. विक्रम साराभाई राडे, अहमदा-बाद, श्री संजय महंशभाई झवेरी और अन्य, ''शेमोलीना'', गुलबार टेकरा, अहमदाबाद। (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

खनत सम्बक्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पा नरसंबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वध्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त गम्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के यध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो गांव शीलज, तालुका दसकोई में स्थित ही, ब्लोक नं. 1314, क्षेत्रफल एकड़ 10-36 तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमवाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीसत नं. 6984/30-6-81 में वियागया है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायुक बायकर बायकत (निरक्षिण) अर्जन रजे-।, अहमवाबाद

तारीख: 3-2-1982

प्रकृष धाई० ही। एन। एस०-

आधनर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदंश नं. पी. आर. न. 1653/231/81-82---यतः मुझं, जी. सी. गर्ग,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० सं प्रधिक है

और जिसकी सं टी. पी. एस. 10, एफ. पी. 10 पँकी 5-बी है, तथा जो रखीयाल, अहमदाबाद मा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मा और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीव्हर्त अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मा रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारील 25-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पक्षि के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिस्त से अधिक है भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर भग्तरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिबित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनयम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायरण में कमी करने या उससे वजने में सुविक्षा के लिए। और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घत या ग्रान्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

 श्री कान्तीलाल मातीराम रायल, ला गाडल, गहादव मंदीर के नजदीक, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. इलंक्ट्रांनीक कन्टाल्स एण्ड इन्स्ट्रामेशन की ओर से श्री कमरभाई मनहरभाई देंसाई, लीना अपार्टामेन्ट, नवर गण्रा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल के 20 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उन्नग्रक्ष्याय में दिया गया है ।

अनुसुची

अविशित सम्पत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्सा विकी-वत न. 7642/25-6-81 मे दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-ा, अहमदाबार

तारीस . 3-2-1982 मोहर : प्रकप धार्ष टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 3 फरवरी 1982

निद्देश नं. पी: आर. नं. 1654 23-1/81-82---अतः मुझे, जी. सी: गर्ग,

म्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिन्नियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृश्य 25,090/- इपये से मिन्नि है

और जिसकी सं टी. पी. एस. नं. 3, एफ. पी. नं. 214, वी., एस. पी. नं. 4, फ्लंट न. 5, 3, 6, 1, 4, 2 है, तथा जो घोषप्र-सानप्र, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संघणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद से रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तमरीख 25-6-1981

को पूर्विक्त संपत्ति के अधित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तिरत को गई है और मुमे यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थान्विक्त संपत्ति का उनित बाजार मूल्य उसके पृथ्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गा प्रतिफल, निस्तलिखन उद्देश्य में उन्त प्रस्तरण लिखित में बास्त विक इष्य से कन्त प्रस्तरण लिखित में बास्त

- (क) भ्रन्तरण से तुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्राधि-निमम के अभीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें मारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिवित्यम, या प्रतकर प्रधितियम, या प्रतकर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविध के लिए।

अतः अब, उक्त भ्रांबिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अजिनियम की भ्रारा 269-म की उपधारा (1) केश्रधीन निम्निलिखित विश्वितयों, अर्थात — 25—516 GI/81

१ श्री लालचंद आशीराम और अन्य. २-ण, तसंतनगर, भौरवनाथ राड, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री रमेशक्मार मनश्यामदार लवलानी, 14, कमला मोसायटी, स्टोडीएम, अहमदाबाद, (2) श्री मुरलीधर आत्माराम स्ख्वानी, ठक्कार वापनगर अहमदाबाद, (3) श्री महान्द्रक्मार रमनलाल दांसाई, अंकार, नारनपुरा, अहमदाबाद, (4) श्री अर्जनदास लीलाराम स्ख्वानी, 207-3, ठक्करसायानगर, अहमदाबाद, (5) श्रीमती केशाबेन चंद्रवदन परीख, शालीमार फलेट, आश्रम राड, अहमदाबाद, (6) श्री राजाराम लीलाराम स्ख्वानी, 207-3, ठक्करबायानगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्भन के नंबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

अचितित सम्पत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकी- खत नं. 7721, 7737, 7725, 7735, 7734 और 7731/25-6-81 और 26-6-82 में दिया गया है।

जी . मी गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

तारील 3-2-1982 मो**हर** :

प्ररूप आई. टी. एन. एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

ि निद्धा नं. पी. आर. नं. 1655 23-।/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269- क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. टी. पी. एस. 19, एफ. पी. न. 387 पैकी प्लाट नं. 20, 23 पैकी है, तथा जो शेलपूर-लानपूर, अहमवाबाद में स्थित है (और त्ससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-6-1981

का पूर्वा कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बच्ने में सुविधा के लिए अदि/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

शिमती सरलाबंन चतुरभाई पटेल, १११, सरदार पटेल कोलोनी की ओर से, श्री दीनेशचंद्र चंदुलाल शाह, श्री गीरीश पटेल एण्ड कम्पनी, नेहरू पार्क, वस्त्रापुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री नवनीतलाल भीखाभाई परीख (एच. यु. एफ.) 66, वालकेश्वर रोड, त्रीवेनी-र-6, तीसरी मंजील, बम्बर्ह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकारी।

न्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचिलत सम्पत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ला दिक्ती-स्त नं. 7906/29-6-81 में दिया गया है।

> जी .सी .गर्ग मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीख : 3-2-1982

प्ररूप आहूर . टी . एन . एस . -----

मायुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र ज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 3 फरवरी 1982

निद्या नं. पी. आर. नं. 1656 23-1/81-82--अतः मूझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. पी. एस. 19, एफ. पी. 387 पैकी एस. पी. नं. 20, 23 पैकी है, तथा जो शाहपूर-लानपूर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, तारील 29-6-1981

को पूर्वांक्स संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सूत्रिधा के लिएशु और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विका में जिए;

जतः अब, जकत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीग, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- श्रीमती सरलाबेन चतुरभाई पटोल, ।।।, सरदार पटोल कोलोनी, अहमदाबाद, पी. ए. एच.---श्री दिनशचद चदुलाल शाह, गीरीश पटोल एण्ड कम्पनी के भागीदार, नेहरू पार्क, वस्त्रापुर, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- 2. श्री महन्द्रभाई रतीलाल पटेल (एच. यू. एफ.), मोतीलाल भेठ की चाल, कड़ावा पोल, वरीयापूर, अहमदाबाध।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकर अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचिलत सम्पत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिका-सत नं. 7905/29-6-81में दिया गया है।

> भी .सी .गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-।, अहमदाबाव

तारीख : 3-2-1982

भोहर:

प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1982

निदांश नं. पी. आर. नं. 1657 23-1/81-82—-अतः मुझं, जी. सी. गर्ग,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी मं मर्वे नं 1984 है, तथा जो बढ़यान, जिला मुरोन्द्रनगर मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बढ़वान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-6-1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रीतिभाग के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण में लिसित वास्तविक स्प से किथत नहीं किया गया है।:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री चंद्रकान्स वर्धमान शाह और अन्य, जयहिन्द सोसायटी के नजदीक, सुरोन्द्रनगर।

(अन्तरक)

 श्री गुणवंतलाल पानाचंद शाह, जीन्तान रोड, सुरोन्द्रनगर।

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनससी

अचिलित सम्पत्ति का वर्णन बढवान रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 2540/9-6-81 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः---

तारीख : 5-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

खायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

श्रारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 5 फरवरी 1982

निदाश नं. पी. आर. नं 1658 23-1/81-82--- शतः मुझ, जी. सी. गर्ग, मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-राक्षेत्रतीतः सक्षम प्राधिकारी कः यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पात जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/ रत. स अधिक है और जिसकी सं. सर्वे न. 2008 हो, तथा जो बढ़वान, जिला स्रान्द्रनगर मो स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्यूपी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वढवान में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन, तारीच 9-6-1981 कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचिन बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उवदोश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जाधव मावसी ग हाथीभाई, वढवान सीटी, जिला सर्नेन्द्रनगर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री चद्रकान्त वर्धमान शाह और अन्य, जर्याहन्द्र सोसायटी, दोसरजी के नजदीक, सुरोन्द्रनगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

अचितित सम्पत्ति का वर्णन विर्णित रिजस्ट्रीकर्ता बिक्कीसत . . 2541/9-6-81 मे दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रज-।, अहमदाबाद

तारीय : 5-2-1982

मोहर 🛭

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1982

निदोश नं. पी. आर. नं. 1659/23-1/81-82---अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विरवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. स अधिक हैं

और जिसकी सं सर्वे नं. 1179 पैकी है, तथा जं वजंपूर, जिला मोरबी में स्थित हैं (और इसमें उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोरबी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 17-6-1981

को पुंबों क्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दशमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

- श्री सतवारा दाना देवा, गांव वजेप्र, जिला मोरबी। (अन्तरक)
- श्री भोगीलाल वृजलाल महता और अन्य, शिक्त-पोल मोरबी, जिला राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में को**ई भी आक्षोप**:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवस्त्री

जमीन जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़, 25 गुंठा, सर्वे नं 1179 जो वजेपूर, मोरबी में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन मोरबी रिजस्ट्रीकर्ता बिकालत नं 1910/17-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन र्जना, अहमवाबाव

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीस : 5-2-1982

मोहर 🕄

प्रस्त्य आर्ड . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1982

निद्रोश नं. पी. आर. नं. 1660 23-1/81-82--अतः भूमे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 287/1/2, 289, 289/जी/1, 290/1 पैकी है, तथा जो थलतेज, ताल्का वसकरोई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मं रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस 30-6-1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधिक नहा किया गया ही

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री रामभार्क आत्माराम प्रजापती, भाग्योदय सोसा-यटी, गोमनीपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

श्री रिमकलाल नागरदास शाह, काल्प्र, कम्बी-वाड, दोनीवाडा पोल, अहमदाबाद, श्री हिरा-लाल, परसोत्तमदास और अन्य, दानापीठ, नवी-वास, अहमदाबाद।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय. गया है।

अनुसूची

जमीन जो थलतेज में स्थित है, सर्वे नं 287/1/2, 289/ए-2, 289/जी/1, 290/1, क्षेत्रफल क्ल एकड़ 13-20 गुंठा, जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रोकर्ता विक्रीलत नं 7783/30-6-81 में दिया गया है।

जी. मी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) अर्जन रज-।, अहमदाबाद

तारी**स** : 5-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 1661, 23-1/81-82---अत मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 1001-2, 1000-2 हैं, तथा जो वेजलप्र, सीटी ताल्का में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिनशारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 और 29 जून, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्वर्ध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए, और या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए:

जतः ०.ब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) शी परसोत्तमवास सोमाभाई एटेल, (2) श्रीमती मेनाबन, कश्चताल सकरलाल की विधवा पत्नी, (1) श्री रमेशभाई कश्चलाल, (11) श्री नटवरलाल कश्चलाल, गाव जोधपुर, ताल्का सीटी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2 श्री द्वारकादास नरात्तमदास धावलीया, श्री जीतेन्द्र-कुमार नरात्तमदास धाबलीया, 'श्री कृष्ण दर्शन', नेताजी मार्ग, इलिसमुजि, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्ट्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अमृसूची

अचिलित सम्पत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीमत नं. 6579/6-6-81 में विया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज ।, अहमदाबाद

नारीम : 5-2-1982

प्तोहर :

प्ररूप भार्द. टी. एम्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1982

निवंश नं पी. आर. नं 1662, 23-1/81-82---अतः मुझो, जी. मी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 537-बी, एस. पी. नं. 1 है, तथा जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-6-1981

(1908 की 16) के अधान, ताराब 22-6-1981 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्यिक रूप से कश्चित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (स) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात् :——
6—516 GI/81

 श्री देवेन्द्रसी ग पूरनसीं ग धीलोन, श्री यादवेन्द्रसी ग पूरनसीं ग धीलोन और अन्य, नवा वाडज के नजदीक, राम कोलोनी, अहमदाबाव।

(अन्तरक)

 श्री वसंतलाल नानालाल, श्री विनोदकामार नानालाल, मसीदीया शेरी, हरीपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी कारक प्याक्ति मध्यति के अजंत के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन्स सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचितित सम्पत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं $7384/22^{-6}-81$ में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदादाद

तारीय: 5-2-1982

प्ररूप ग्राई० टी• एन० एस•⊶--

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-४, अहमवाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1982

निद्धानं पी आर. नं 1663, 23-1/81-82--अतः सुक्षे, जी सी गर्ग,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से प्रधिक है

और जिसकी सं. टी. पी. एस. 3, एफ. पी. नं. 860, हिस्सा नं. 15 है, तथा जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-6-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिष्ठिक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूहर, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिष्ठ है और अन्तरक्ष (अन्तरकों) भौर पन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, धीर/या]
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी वन या ग्रन्थ व्यास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर ग्रिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- श्रीमती संमलाबेन चीनुभाई सामुवाला, कोचरब, पालडी, अहमदाबाद।
- (अन्तरक)
 2. श्रीमती खतीजाबानु करमहुसेन, अब्द्र्लअली नर-सींह, मुस्ताकहुसेन करमहुसेन नरसींह, असरफ-हुसेन करमहुसेन नरसींह और अन्य, हाजी अहमद की पोल, कालपुर, अहमधाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके स्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्राधीहस्ताक्ष के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

ररब्दी करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दी धीर वर्षी का, जी उक्त प्रश्चि-नियम के प्रश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वगत्त्रची

अचितित सम्पत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रोकर्ता बिक्रीकर्त नं. 3736/24-6-81 में दिया गया है।

> जी सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

तारीब : 5-2-1982

प्रकप बाइ. टी. एन. एस.----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 1664 एक्वी. 23-1/81-82—अत: मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. टी. पी. एस. 4, एफ. पी. नं. 54 और 55, एस. पी. 11 है, तथा जो राजपुर-हिरपुर, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 17-6-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— शीमती प्रेमीलाबेन ठाकोरवास छोटालाल सोनी, श्री तानसेन ठाकोरवास सोनी, 22, रामबाग, मनी-नगर, अहमदाबाद-8, 5/3, कहान फ्लेटेस, सारगपुर, अहमदाबाव।

(अन्तरक)

2. नारायनमनी अपार्टमन्ट को -ओ -हा सोसायटी लिमिटेड, मनीनगर, चार रस्ता, अहमदाबाद-8, द्वारा चेयरमेन-श्री वीठलभाई शंकरभाई पटेल, सेक्रेटरी-श्री मगनभाई शनाभाई पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसुची

अचलित सम्पत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीसत नं. 6969/17-6-81 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीब : 5-2-1982

मोह्नर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1982

निद्धोश नं. पी. आर. नं. 1665 एक्वी. 23-।/81-82--अत: मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक है

और जिसकी सं कालुप्र वार्ड-2, नं. 4828 में 4831, 4840 से 4842 है, तथा जो अहमवाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस 23-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विभ्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृत्यमान प्रतिफल है और प्रन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भग्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी थाय की बाबत, रुक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयौजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रमु-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीम, निम्नलिखित अ्यक्तियों; श्रर्थात्:—

- श्रीमती मधुकान्ताबंन सुराभाई और अनीलभाई रमनलाल घोठ, रूपाली सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।
 - (अन्तरक)
- 2 राजेन्द्र चेम्बर्स की ओर से, श्री महोशक्मार नुरपत-लाल दोसाई, शामला की चाल, रायपुर, अदमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी प्रविध ब'द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किमी भन्न व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरों के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण: --- इसमें अयुक्त लक्कों भीर वदों का, का उक्त प्रक्षितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रधं होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

अचित सम्पत्ति का वर्णन अहमवाबाद रीजस्ट्रीकर्सा विक्रीखत नं. 6058/23-6-81 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीब : 5-2-1982

प्रकप भार्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1982

निद्येष नः पीः आरः नः 1666 एक्कीः 23-।/81-82---अतः मुक्ते, जीः सी गर्गः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- स्त. सं आधिक हं और जिसकी मं. मर्च नं. 257-1, 257-2, 257-3, पैकी है, तथा जो बोधकदंच, अहमदाबाद मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मं और पूर्ण रूप से विर्णत है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-6-1981 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्नियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

1. श्री अंबालाल शनाभाई पटोल, श्री रमनलाल शना-भाई पटोल, बोडकदाव, तालुका दसकरोई, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शारवाबेन कान्तीलाल, श्री दीपक कान्तीलाल, साधना कान्तीलाल नगीनवास की पृत्री, कल्पनाबेन श्री कान्तीलाल नगीनवास की पृत्री, लीलाबंन श्री कान्ती-लाल नगीनवास की पृत्री, आरोग्य पार्क सोसायटी, शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहम्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो बोडकदेव, अहमदाबाद में स्थित है, सर्वे नं. 257-1, 257-2, 257-3, क्षेत्रफल एकड 1-11, एकड़-11, एकड़ 1-15 गृठा है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकासत नं. 7333/22-6-81 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।. अहमदाबाद

तारीय · 5-2-1982 मो**हर** 🛭

प्ररूप जाएं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 3 फरवरी 1982

निद्धान पी आर न 1667, 23-1/81-82---अत मुझे, जी सी गर्ग,

श्रायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं सर्वे नं 257 1-2-3, पैको हैं, तथा जे बोडकदाव, जिला अहमवाबाद मं स्थित हैं (और इसम उपायद्ध अन्सूची मं और पूर्ण रूप में बिणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद मं रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 22 6-198।

को पूर्वीक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अत्तरितियो) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमिति व्यक्तियो, अर्थात ---

 श्री रमनलाल छनाभाई पटल, गाय बोडकदय, तालुका वसकरोई, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

श्रीमती शारदाबेन कान्तीलाल, श्री दीपक कान्तीलाल साधनाबन कान्तीलाल नगीनदास और अन्य, आराग्य पार्क सासायटी, शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्त**ि**रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्नाक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

अचलित सम्पत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीसत न 7341/22-6-81 मे दिया गया है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीस 3-2-1982 मो**हर**ः प्ररूप आहूर. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजे-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1982

निद्येश नं. पी. आर. नं. 1668 23-1/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. पी. एस. 3, एफ. पी. न. 634, पैकी प्राना एस. पी. नं. 13-ए, 13-बी और 13-सी है, तथा जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनू-मूची में और पूर्ण रूप स वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-6-1981

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कि थित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट न्ही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः— श्री अमृतलाल बेचरदास सोनी, श्री मनसूललाल बेचरदास सोनी, नगर शेठ, मारकेट, रतन चोल, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 वृन्दावन एपार्टभेन्ट ओनर्स एसोसीएझन, गलबाई टेकरा, इलिसवृजि, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्व
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिल्कत को कोचरब में स्थित है, टी. पी. एस. नं. 3, एफ. पी. नं. 632 चकी पूराना एस. पी. नं. 13-ए, 13-बी और 13-सी नया एस. पी. नं. 12, काल क्षेत्रफल 1095 वर्ग यार्ड, जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीलत नं. 7301/20-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

नारीय : 5-2-1982

प्रकप् वार्षः, दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^नज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1982

निदोश नं. पी. आर. नं. 1669/23-1/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं. कालुपूर वोर्ड 1 एस. पी. नं. 2421, सर्वे न. 337 है तथा जो कालपुर अहमदाबाद मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची मो और पूर्ण में वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मो रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1981

नियम, 1908 (1908 का 16) के अधान जुन 1981 का, पूर्वां कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्देह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- कि स कि श्रीत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

श्रतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 260-म के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसिति व्यक्तियों, अर्थातः——

- 1. श्रीमती रवीया बीबी अब्दुलतलीफ मोहम्मद हवीब सफारी कालुपुर, दबालिया चोक, अहम्दाबाद। (अन्तरक)
- 2 श्री रोमजीभाइ इब्राहीसभाइ हाजी ह्वीबभाइ हनाफ-भाई गुलामह्सेन् हाजी इबीबभाई कालुपुर नजदीक जफरीया मस्जिद, रलीफ रोड, हैदरी मजील, अहस्दाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचलित सम्पत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकी-खत नं. 1145/4, जन 1981 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, अहमदाबाद

तारीब : 5-2-1982

प्ररूप् आइं.टी. एत्. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-।, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1982

निदोश नं भी आर. नं 1670 ∕23-। ∕81-82——अतः

म्भूके, जी. सी. गर्ग, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. पी. एस. 4, एफ. पी. न. 11-ए. पैकी हिस्सा न. 1 है तथा जो वानी लीमडा, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25.6-1981

को पूर्वेक्ति सम्पति के उचित बाजार मल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर्वेक्ति संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप में किथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कसी करने या उससे बचने मो स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी फिसी आग या किसी थन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था छिपाने में स्थिभ के स्मिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखित व्यक्तियों अर्थातः—
27—715 31/31

हरी ओप कार्पोरोशन भागीसर-शंकरलाय मोरीनाल मिस्त्री दीपकभाई नटबरलाल और अन्य अगरदीप जगाभाई पार्क, मनीनगर, अहमदाबाद-8

(अन्तरक)

2 वृह्म अपार्टमेन्ट को -ओ.-सोगायटो निधि , चयरमेन-प्रवीनाबेन महोन्द्राभाई शाह सेकेटरी प्रकाश-भाई ल्लुभाई मजीदारा क/शो वी सी दोसी 6 मजील, सफयोग बील्डीग, लाल दरवाजा, अहमदा-बाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुई।।]

उक्त सुम्पृत्ति के वर्षन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:---

- (क) इस स्वान के ट्रावपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, धो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां द्वाराष्ट्र
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी?

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय हो दिया गर हैं।

अनुसूची

अचिलित सम्पत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता निक्री-सत नं. 7623/25-6-81 में दिया गया है।

> जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अहमदाबाद

तारीख : 5-2-1982

प्ररूप आहूं. टी. एन्. एस. ----

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदश नं. पी. आर. नं. 1671/23 - 1/81 - 82 --- अतः सुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिता, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको स प्लाट न 17 बी पैकी है तथा जो भूज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भूज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-6-1981

को मूर्वों कत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के उहरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घाष्ट्रिण था, छिपाने में सविधा के लिए.

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिसित व्यक्तियों अधित १--- श्री जयतीलाल नारनजी को/अ/ 17-ए भीड ड बलाप-मन्ट रोड, भूज।

(अन्तरक)

2. श्री शाह लक्ष्मीचद चापसीभाई गांव-नाना भडीया, तालुका-माडणी, कच्छा।

(अन्तरिसी)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए एस्ट्रुवारा कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख थें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो थें अविध बाह्म में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी ।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का जां उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो वानीया वाज नाका भूज में स्थित है, जिसका वर्णन भूज रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीस्त न 818/20-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, अहमबाबाद

त**्रीख** · 9-2-1982

प्ररूप आर्द्दः टी. एन. एस.------

आ**मकर अधिनियम**, 1961 (19**6**1 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन र ज-।, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निद्धेश नं. पी. आर. नं. 1672 / 23-। √81-82---अतः। मुभ्के, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पुराना सर्वों नं. 987, नया सर्वों नं. 305 है तथा जो प्लाट नं. 10-बी वानीयावाडनाका, भूज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स्विणित है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भूज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का प्रदूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और वन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से काथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्युने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के हिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, एक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सुधीन निमन्तिस्त व्यक्तियों, अर्थास् ६---

(1) श्री हरीशचंद्र वेलुजी ठक्कर सरास्र नाका, बोडींग रालीया अंजार, कच्छ।

(अन्तरक)

2 श्री गंगाधर ठाकोरदास लालचंदानी, विजयनगर एरिया भूज, कच्छ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पौत्त के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की सार्तीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में डि्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं.।

अनुसूची

अर्चालत सम्पत्ति का वर्णन भूज रिजस्ट्रीकर्ता विकिश्वत नं. 1538/9-6-1981 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण) अर्जन रेज, अहमदाबाद

तारीख: 9-2-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. +-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-।, अहमवाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निबंश नं पी आर. नं 1673/23-1/81-82--अत: मुभ्दे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **क** इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे न.776/3 है, तथा जो बोटाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाटाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-6-1981 को पूर्वोक्त सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के अधीन, प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करनं का कारण है कि यभाप्नोंक्त संपति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यहर्पातक्षत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिश्वया) कं बीप एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निःनिर्लिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विंश के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित स्योक्तयों, अथित :-- 1. श्री शाह जयंतीलाल दामोदरदास मोहन वीरजीनी शरी, बोटाद।

(अन्तरक)

 जनता गीनीं ग और प्रेसींग फैक्टरी की ओर से भागी-दार हाजी पीराधाई हाजी अलसीभाई, मोहम्मद हाजी गफ्रभाई, हबीबभाई इसारभाई बवालीया, बोटाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुरा है।

अनुस्ची

अचितित संपितित का व्रणन बांटान रिजस्ट्रीकर्ता विकीसत नं. 729/2-6-81 में दिया गया है।

अचलित सम्पत्ति का वर्णन बोटान रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीस्त नं. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रौज, अहम्वाबाद

तारीब : 9-2-1982

प्ररूप आई., टी. एन. एस.---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-।, अङ्भदाबाव

अहमदाबाब, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदंश नं. पी. आर. नं. 1674//23-।√81-82--अतः मुभ्दे, जी. सी. गर्ग,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संगीति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 1927-ए-1, ए-2 है तथा जो भावनगर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-6-1981

को पूर्वोचित सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनारित की गई है और मुक्ते बहु विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोचित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक कप मे किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा का सिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, भिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- श्री महोन्द्र कुमार नरोत्सम दास पटोल वृध्धाश्रम के नजदीक, घोषा सकौल, भावनगर।
 श्री हीरालाल भगवानजी भाई पटोल सागवाडी, साहोर जिला-भावनगर
 (अन्तरक)
- 2. श्री शाह गुलाबभाई जमीयतराय नागरानी जमीयत कुटीर, क्वार्टर्स, भावनगर-2। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्प्रित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारोल से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभागित हैं. नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

यन्स्ची

अचिलत संपत्ति का वरणन भावनगर रिजस्ट्रीकर्ता बिकिश्वत नं. 1465 और 1466/19-6-81 में दिया गया है।

> र्जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अहमवाबाद

तारीख: 9-2-1982

मोह~रः

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 1675/23-1/81-82--अत. म्भद्रे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इ"सके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुतः से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. सर्वों नं. 41-1 और 42-2 पैकी प्लांट न 1 से 61, है। तथा जो भावनगर में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-6-1981 को पूर्वोक्स संपरित को उचित बाजार मुल्य में कम को इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दर्भय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

 दीवालीबेन ओधवजी माधवजी हरीलाल ओधवजी त्रीभोवनदास ओधवजी और अन्य शामलदास कोलेजके नजदीक वाधवाडी रोड, वाडी, भावनगर।

(अन्तरक)

2. शीवनारायण को -ओ -हा सोमायटी लिमिटेड, प्रमुख-चतुर्वेदी शीवलाल मोहनलाल देवजी भगत की धर्मशाला के नजदीक, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उत्सत अधिनियम, के अध्याय 20 कं में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा गया है।

अमुसुची

अचिलित संपिति का वरणन भावनगर रिष्ट्रिकर्ता विक्रीसत न 1499/23-6-81 मे विया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजि-।, अहमधाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) से अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

तारीख : 9-2-1982

मोहर

प्ररूप आर्ड्ड. टी. एन एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधिन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निद्येष नं पी. आर. नं 1676 ∕|23-। ∕81-82——अतः मभ्दे, जी. सी. गर्ग,

बायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- म॰ से अधिक है

और जिसकी सं. सवें नं. 4730 ए-2, शीट नं. 136 प्लाट नं. 937-सीं +2 हैं। तथा जो गीता मुके, भावनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का मिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-जियम के धान्नीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उनमें बचने में शुक्तिया के निए। घौर/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- शीमती मथुरीबेन छाटालाल कवा पी. ए. एच.-छाटालाल मगनलाल कवा प्लोट नं. 937-सी-1-2, गीता चौक कृष्णनगर, डोन, भावनगर।
 - (अन्तरक)
- 2. श्री किशारेभाई भानजीभाई मकवाना श्री नरन्द्र भानजीभाई मकवाना और अन्य एल/एच भानजीभाई वीशरामभाई मकवाना 'इफीया' बाथ मेन्शन, चोथी मंजील, एम नं. 123 और 124, स्टे. मेरी रोड, गजगांव, बांग्बे-10

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पू**र्वोक्**त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त ग्रधिनियम के भ्रष्टयाथ 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचिलित संपत्ति का वरणन भावनगर रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीकृत नं 1566/29-6-81 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन रज-।, अद्यमदाबाद

तारीव : 9-2-1982

मोहर ः

प्रकार पाईक दी र एन । एक ० ० ० ० ० -- --

आयकर विधितिमल, 1961 (1981 हा 43) की एक 369-च (1) के गांव सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्णन रंज-।, अहमदाबाद अहमवाबाध, दिनांक 9 फरवरी 1982

निविश नं. पी. आर. नं. 1677/23-1/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि अधार सम्यक्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,00 //- ६० से अधिक है

और जिसकी सं. प्लोट नं. 687-बी है तथा जो कृष्णनगर भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्मान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रम्तरकों) और प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में कार्या र न म किया नहीं किया गया है ---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की शवत उक्त अधिनियम के भधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या प्रसंग बचने में सुविधा के जिए; और/ग्रा
- (व) ऐपो िहनो आप पा िकसी धन या अग्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय सायकर धिंछनियम, 1922 (1942 का 11) या छवन अधिनियम, 11 धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता चाहिए था, छिताने में मुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन - निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- श्री पोपटभाई गनेशभाई जुसानी हरीयाना प्लोट नं.
 25-वी डांन के नजदीक, भावनगर।

(अन्तरक)

2. श्री गोडा्डील इधरलाल नरोत्तमदास बल्लभदास नरोत्तमदास और अन्य अमीयरा मावतवाला रवांचा भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पर्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मक्वत्यी व्यक्तियों पर सूचना को तामील ने 30 दिन की प्रविद्य, जो भी अवधि का मनगत हो हो हो, के भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पश्चीहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

अचिलित संपत्ति का वरणन भावनगर रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीलत नं. 1084/जून 1981 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदावाद

तारीख: 9-2-1982

मोहरू 🖫

प्ररूप आई'. टी. एस एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदेश न पी. आर न 1678/23-1/81-82--अत. मुभ्से, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सर्गत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रु से अधिक हैं

और जिसकी सं है। तथा जो भावनगर में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्तर वाजार मृल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्तर का उन्तर का उन्तर की अप अन्तर की अप अप अन्तर की अन्तर क

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की श्राबा किस अधि नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कारियल के कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अप हा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, न्त्रिपान में सिवधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीर जिल्लाकित स्विक्तियों अधार - 28-516GI/81

 श्री हिरालाल लागमल सरदारनगर, प्लोट न 1791-ए भावनगर।

(अन्तरक)

2 श्री तारामल दयामल सरदारनगर भावनगर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया अरू करता हा।

तस्त सम्मात् ता राजन का सम्बन्ध मी काई भा भाक्षय -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तालीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्ति । पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा,
- (स) इस सृचना के राजपत्र स प्रकाशन की तारीकार कि 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर स्पृत्ति स हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरना नर्ग के पास लिखिन स किए जा सकेग।

सार्ष्टीकरण.—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीन्मापित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

मिल्कत जो भावनगर मो स्थित है, क्षेत्रफल 1080 वर्ग यार्ड, वर्णन भावनगर रिजस्ट्रीकृती बिकीयत न 823/जून 1981 मे विया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्माक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

मोहर :

तारीख: 9-2-1982

प्ररूप आहु².टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाव

अहमवाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

मभ्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत से अधिक है और जिसकी सं सर्वों नं 27 पैकी हैं। तथा जो वरतेज सीम भावनगर में स्थित हैं (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भाव-नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981 को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नेलिखित उददोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; आरे/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन. निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात:——

- श्री पटोल जीवराज हरजीवनभाई कच्छीवाड, राज्यायरी, दरवाजा, भावनगर।
 (अन्तरक)
- 2. वेस्टर्न इन्डीया स्टील इन्डस्ट्रीज ओनर्स मेसर्स वेस्टर्न ग-जरात स्टील मेन्यू. कम्पनी की ओर से सवारलाल म्गनलाल मोदी वरतेज, भावनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्तरों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाश निविद्त में किए जा सकेंगे।

स्थव्होकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

अचिलित संपित्ति का वरणन भावनगर रिजस्ट्रीकर्ता विकासित नं. 1101/जून, 1981 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमबाबाव

तारील : 9-2-1982

प्ररूप आई.टी.एव.एस्.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)** ग्रर्जन रेज-J, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनाक 9 फरवरी, 1982

निदेश न० पी० प्रार० न० 1680—एसीक्यू 23-I 81-82 प्रत मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25 000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० ए०/ 5/ 95 है तथा जो जामनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-6-81

को पूर्वोक्त सपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यो क्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इदयमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का प्रन्कह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हप में किथत नहीं किया गया हैं---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री खोलीद हाजी श्रोसमान मकसूद हाजी दारुन पी० ए० एच०-याक्ब श्रब्दुलकरीम पानीवाला, 151, काजी सैयद स्ट्रीट, बोम्बे।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीलावतीबेन मोहनलाल , हसुमतीबेन मगनलाल कोटेचा गाव—रावल, तालुका—कल्यानपुर, जिला—जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपीत्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षणी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

श्रचलित संचत्ति का वर्णन जामनगर रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत न० 2325/29-6-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-∫, श्रद्वमदाना<

तारीख: 9-2-82

भोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 9 फरवरी, 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी स० सर्वे न० 322/1 है। तथा जो महुवा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय महुवा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 2-6-81

करे विकित नपरित के उचित बाजार मूल्य स कम के दहनमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिंखत उद्दर्भ्य म उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या द्रांच आस्तियां कर, जिन्हा भारतीय अय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अध्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मो स्विधा के लिए;

भ्रत अब, उक्त अधिनियम को बारा 269-म के अतमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:- (1) श्री खारक फरसनभाई शीवाभाई और श्रन्य महुवा, जिला, भावनगर

(अन्तरक)

(2) श्री गायत्नीनगर को-म्रो-हा० सोसायटी लिमिटेड की स्रोर से प्रमख—पढीयार रामसीगभाई मनुभाई, महुठ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पारत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जो महुवा में स्थित है, सर्वे न० 322/1, क्षेत्रफल एकर 2-00, जिसका वर्णन महुवा रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत न० 1014/2-6-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेज-^I, श्रहमदाबाद

तारीख . 9--2-82 मोहर ⊌ प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—-23-1/81-82 श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरनरी 1982

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1682—श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीप सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 297 पैकी है। तथा जो वरतेज सीम भावनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 9-6-81

को। पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई ही जोर मुफें यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) क बांच एसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल किनानिवित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्ष) एसो दिसं राय वर्षे कसी धर या अध्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरेण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीम, निम्मतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जोहीले गंभीर्रासह दादभाई गांव-क्रतेज, भावनगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजपूत दीपसंगभाई जादवभाई गांव—वरतेज, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पीत्त के अजन के ज़िए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अवधि या उत्सम्बन्धा न्योत्नामा पर सूचरा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो समाप्त हाती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारी क स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

ह्ण्यस्तीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्की

जमीन जो वरतेज सीमभे स्थित है, सर्वे नं० 297 पैकी क्षेत्रफल एकर 6-25 चिसका वर्णन भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 1230/9-6-81 में दिया गया है।

> जी० मी० गर्ग सक्तम प्राप्तिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 9-6-81

भोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना
कोर्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज—23-I/81-82 ग्रहमदाबाद
ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदेश नं॰ पी॰ धार नं॰ 1683—श्रतः मुझे, जी॰ सी॰ गर्गे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो बोटाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बोटाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक ही और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गथा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री शाह हिम्मतलाल मनसुखलाल बोटाद। (भन्तरक)
- (2) श्री शाह श्रनोपचन्द्र हरीलाल परामे, छत्नीके नजदीक, बोटाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रोजित शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसूची

एच० पी० जो मस्तरामजी के नजदीक बोटाद में स्थित है, क्षेत्रफल 250 वर्ग यार्ड हर एक मंजिला तथा जिसका पूर्ण बोटाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 854/79 दिनांक 30-6-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-1, श्रष्टमवाबाद

तारीख: 9-2-82

प्ररूप धाः 🕹 टा॰ एन॰ एस॰--

अध्यकर अधिनिषम, 1961 (1981 का 43) की खारा 269-घ (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

भहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदेश नं ०पी ०ग्नार ० नं ० 1684 एक्वी 23-1/81-82— ग्रतः मुझे जी ० सी ० गर्गे ग्रायकर पश्चित्त्यम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

मौर जिसकी सं ० प्लोट नं ० 36-ए-6, 7, 2, 3, 5, 1, 8, 4 है। तथा जो भनंतवाड़ी भावनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 22, 19, 18, जून, 1981 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री माधवन प्रमोदराय भट्ट भरतकुर्मार प्रमोदराय भट्ट पी०ए०एच०श्री प्रमोदराय श्रांषावाडी, भावनगर ।

- (2) (1) चन्द्रकान्त बंधफलाल मेहता
 - (2) किरीटकुमार रत्तीलाल <mark>शाह</mark> स्टेट बैंक कालोनी, कल्पना, भावनगर
 - (3) रामजीभाई दुर्लभजी पटेल--गांव-नारी, चैन्य
 - (4) राजुमा जीजुमा जाडेजा— चर्च के सामने, ग्रनन्तवाडी, भावनगर,
 - (5) मनसुखलाल कानजीभाई जगानी, कोर्मर्स कालेज के सामने, विद्यानगर, भावनगर
 - (6) श्रीमती शारदाबेन परवतभाई पटेल,
 - (7) जयंतीसाल नटवरलाल बारोट, स्वास्तिक सोसायटी, ग्रांषावाड़ी, भावनगर
 - (8) बालिकम भाई परसोत्तमवास नगानी, श्रादर्श डेरी सोसायटी, भावनगर

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

भनुत्त्री

जमीन जो अनंतवाडी भावनगर में स्थित प्लोट नं ० 36— ए ०/6, 7, 2, 3, 5, 1, 8 और 4 क्षेत्रफल 184.32+184.32+193.52+193.52+187.37+186.02, वर्ग मीटर तथा जिसका पूर्ण विवरण भावनगर रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत, नं ० 1481, 1480/22-6-81 1476, 1475/20-6-81 1464, 1463/19-6-81, 1456, 1455/18-6-81 में दिया गया है।

जी ० सी ० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, ग्रहमवाबाद

तारीख : 9-2-82

सोहर 🕙

(अन्तरक)

प्ररूप आर्ड टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, _{विनाक} 9 फरवरी 1982

निदेश नं ०पी ०श्रार ०नं ० 1685 एक्वी 23—ॉ/81--82—— श्रनः मुझे, जी ०सी ० गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० एफ ० पी ० नं ० 109-1-ए ०पैकी टी ०पी ० एस ० 4 है। तथा जो राजपुर-हीरपुर ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 12-6-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या जन्य आस्तियां क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें प्रधीन निम्निजि**सित व्यक्तियाँ सर्थातः**- (1) श्री हीराराम संवलदास गोल लीमडा, मनीनगर, श्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री गीता एपार्टमेट श्रोनसं एसोसियेणन प्रमुख—परसराम हीरानन्द हीरा पैलेस, गोल लीमडा, मनीनगर, श्रह्मदाबाद मेक्रेटरी—लेख्मल बूलचन्द ब्लोक नं० 79, रूम नं० 1243, कृष्णनगर, साहिजपुर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना टर राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्य होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसा व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सके गे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त रबदों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे पिरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

ग्रचलित संपत्ति का वर्णन भ्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं ० 6884/12-6-81 में दिया गया है ।

> जी०मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-, श्रह्मदाबाद

तारीख: 9-2-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाकः 9 फरवरी 1982

निदेश नं ० पी ० श्रार ० नं ० 1686 एक शी 23—I/81—82—— श्रतः मुझे, जी ० सी ० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में अधिक है

श्रीर जिसकी स० टी०पी०एग० 4, एफ०पी० नं० 109, एम०पी०नं० 1—बी०है। नथा जो राजपुर—हीरपुर श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रिश्वकारी के बार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिशित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन 12—6—81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रांतफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रिकल में, ऐसे दृश्यमान श्रिकल का पन्द्रह श्रितशत श्रिष्ठक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर्*वा*
- (ख) ऐसी किसी प्राय पा किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: प्रब, उन्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की उपधारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्याक्तयों, अर्थात् ::—— 29 --516GI/81 (1) श्री केबलराम वरन्दमल बम्बई

(अम्तरक)

(2) श्री दीपा एपार्टमेन्ट ग्रोनर्स एसोसिएशन, प्रमुख--- किशनचन्द तोलाराम गोल लीमड़ा, सनीतगर, ग्रहमदाबाद सेकेटरी---हरीण जमनादास, ब्लाक नं० 107 रूम 1862 रखीयाल रोड, ग्रहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथाँक्त सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन का श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के पीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास निखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत ग्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्रचलित संपत्ति का वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकी-खन नं ० 6893/12-6-81 में दिया गया है।

> जी ० सी ० गर्ग सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज- , श्रहमदाबाद

तारीख: 9-2-82

मोहर 😗

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन स्चना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 10 फरवरी 1982

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 1687/vक्वी० 23-I/81-82-- श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात 'उकत श्रिवितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षा प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 92, जी-1 है तथा जो जामनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधि-

नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 8 जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिल्लाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण सं इर्ड़ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में साज्या क लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, मुधीन:--

(1) श्रीमती जेतुनबेन चन्द्रदास दवे
कुमारी स्पनीबेन चन्द्रदास दवे
3-शारबाग, चौथी मजिल,
केडबरी हाऊम के सामने
पोदार रोड, बोम्बे-26।
यी० ए० एच०---नरेन्द्रकुमार नानालाल भट्ट
'व्यास निवास' एम० टी० ब्रम स्टेन्ड के सामने,
मानापदर।

(अन्तरक)

(2) श्री जय भवानी एस्टेट की श्रोर से
हेमन्त धरमशी भायानी एन्ड श्रदर्स
को-श्रोनर्स—हेमन्तलाल धरमशी भायानी
जगदीशचन्द्र एगजी भायानी श्रौर श्रन्य
भायानी मेन्शन,
पांच बंगला
जामनगर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के 'लए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

श्रचलित संपत्ति का वर्णन जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखन नं० 2097/8–6–81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमक्षाबाद

तारीख: 10-2-82

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर ग्रिधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदेण न० पी० श्रार० न० 1688 एक्बी 23-I/81-82 ----श्रतः मुझे, जी० मी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इस के पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 1117-1 पैकी है। तथा जो नरोडा अहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदा-वाद मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-6-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्व त करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरिक (अन्तरिकों) को बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, हिल्पाने में स्विधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धार 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) नीतीनकुमार वृजलाल पटेल नानी सालवीवाड, सरसपुर, श्रहमदाबाद

(श्रन्तरक)

(2) क्रुष्ना गोकुलनगर को-श्रो- हा० मोसायटी लिमिटेड चेयरमैन—गोपालभाई बबलवास पटेल 6-11, क्रुष्ना नगर कोलोनी, सहीजपुर बोधा, अहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभापत हाती हा, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समिति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20 - क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो नरोडा सीमा में स्थित हैं, सर्वे नं० 1117-1 पकी क्षेत्रफल 9559 वर्ग यार्ड हैं, जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकरण बित्रीखत नं० 5078 स्नौर 5079/9-6-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 9-2-82

29 जुन 1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

क्रायकर सम्बिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 299-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—23-I-81-82 श्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 10फरवरी 1982

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 1689--ग्रत: मझे, जी० मी० गर्ग श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-रुपये से प्रधिक है बाजार मुल्य श्रौर जिसकी सं० प्लोट नं० 441, 372, 373, 324 श्रौर श्रन्य है । तथा जो गांब-लयफामन तालुका-उसकोई, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्टी करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 26 भौर

कां पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित्री (अन्तरित्रों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (म) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को उपभारा (1) को अभीन निम्निसित व्यक्तियों अधितः-

- (1) श्री नारनभाई जोरताराम पटेल लक्ष्मीबेन, चीमानी मालाजीकी पत्नी गांव—लयकामन, नालुका—दसफोटे
 - (1) सुबोध रमजीकलाल
 - (2) बंसी मनुप्रसाद
 - (3) राजन अनुप्रसाद
 - (4) सुमनचन्द्रा स्नीकमलाल
 - (5) प्रहलादजी चंथाजी
 - (6) जमाजी बबाजी
 - (7) नरसीबाई बेचरदास
 - (8) गिरीण रमनीकलाल की ध्रोर से पी० ए० एच० श्री दीपक मदुकान्त पटेल, श्री श्री कंज पंचावटी,

पहली लाइन ग्रहमदाबाद-6

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बेलेव्य एसोसियेशन की श्रोर में चेयरमैन नीकुंज एने पटेल, वसन्तवाग, ऐलिसक्रिज, ग्रहमदाबाद, 6 सक्रेटरी—नैमीश यदुकान्त पटेल ग्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति क मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूत्रना के राजपत में प्रकाशन की तारीज में 45 दिन की धविध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीका क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वाराः
- (श्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकामन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्र किसी भ्रम्य स्थक्ति द्वारा, मधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो गांव लकामन तालुका दसकोई, में स्थित है, ब्लाक नं० 441, क्षेत्रफल एकर 10-31 है तथा जिसका पूर्ण वर्णन प्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखाता नं० 7867, 7874, 7709, 7713, 7714, 7715, 7710, 7718, 7851 और 7740, 7742, 7753, 7757, 7733/26-6-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

नारीख: 10-2-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

<mark>श्रहमदाबाद, दिनांक 11 फरवरी 198</mark>2

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 499 है। तथा जो सुरेन्द्रनगर स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय वधवान में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 22-6-81 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फप्त, निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तिवक स्था से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अरिस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था हिल्पाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन शिम्नलिक्त व्यक्तियों अर्थातः:--

(1) श्री करमशी लवजीभाई मुराला उर्फ श्री रामभाई लवजीभाई सरदार वल्लभभाई पटेल रोड, मुरेन्द्रनगर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीरंग को-म्रो-हा ० सोसायटी लिमिटेड कें/म्रो ० श्री जे ० बी ० धनेशा, 3, पंचवटी पार्क, सुरेन्द्रनगर।

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मों दिया गया है।

अनुसूची

जुमीन जिसका क्षेत्रफल 2086-3, सर्वे नं०499, जो सुरेन्द्रनगर स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन वधवान रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 2753/22-6-81 में दिया गया है।

जी ० सी ० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

तारीख: 11-2-82

मोल्लर 1

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

फ्रजंन रेंज-1, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 फरवरी 1982

निदेश नं ० पी ० ग्रार ० नं ० 1691/एक्बी ० – 23 – 1/81 – 82 – जिल: मुझे जी ० सी ० गर्ग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित दाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० खुली प्रमीन है तथा जो बधावान, जिला मुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय बधावान में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-6-81

को पूर्वोक्त रांपतित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाग करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का अचित याजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) श्री रोइदास को-भ्रो-हा० मोमायटी की श्रोर से सेकेटरी— श्री जीवाभाई धनाभाई सोलंकी शाहपुर दरवाजा बाहर, दामरवाली चाली, णाहपुर, श्रहमदाबाद प्रमुख—-रनछोड़भाई नाथुभाई चावला, जोशवरनगर, जिला—-सुरेन्द्रनगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामकृष्त को-श्रो-हा ० सोसायटी की ग्रोर से सेक्रेटरी—— श्री ग्रर्जुनभाई मोहनभाई मकवाना जोणवरनगर, स्रेन्द्रनगर।

(अन्तरिती)

का रह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्या ध्वनितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअइध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 1938.8 वर्ग यार्ड, जो वठवान जिला मुरेन्द्रनगर में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन वठवान रिजस्ट्री-कर्ता बिक्रीखत नं ० 2539/9-6-81 में दिया गया है।

जी ० सी ० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख : 11—2—1982

प्ररूप आई .टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अर्थान मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदावाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 11 फरवरी 1982

निदेश नं० पी० ग्रार०नं० 1692/एउपी०/23—1/81—82 ——ग्रत. मुझे, जी०सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संवसी विष्युस्त विषय ।, नोध न व 3878 है। तथा जो चना का भाठा मुरेन्द्रनगर में रिथन है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रृनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विष्यत है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय बधावान में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 17-6-81

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्फे रह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निचित उद्दृश्य स उक्त अन्तरण कि विद्या पाया के कुप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) ज़न्नरण में हुई शिशी बाय को बाबत, उक्त अधिनियम, को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उनमें बचने में सूविधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निनिषिति व्यक्तियो, अर्थात — (1) श्री जीवरात्र रामजीभाई ग्रींर श्रत्य दूधरेज, मुरेन्द्रनगर।

(अन्तरक)

(2) भेसमं शास्त्री कस्ट्रक्शन कम्पनी श्री मानेकलाल त्रवक्तलाल शुक्ल दूधरेज रोड, मुरेन्द्रनगर

(अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वा</mark>क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 785.17 वर्ग मीटर, सी० एस० वोर्ड नं०1, नोंधन० 3878, जो चनाका भाठ सुरेन्द्रनगर में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन वधादान रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 2666/17-6-81 में दिया गया है।

> जी ० सी ० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गंनरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीखः : 11-2-1982

प्रारूप आई. टी. एन. एस. --

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 फरवरी 1982

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 297 श्रीर 298 है। तथा जो सोसायटी एरिया वधावान में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय वधावान में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 3~6-81

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से एसे रूरयमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कीथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का', जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वास, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त किधिगियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) श्री महेन्द्रकुमार जटाशकर श्रीर श्रन्य 14, राजकमल पार्क सोसायटी, सेंट मेवियर्स स्कूल रोड, नवजीवन, ग्रहमदाबाद-14।

(अन्तरक)

(2) मोहवत्तिसंह देवुभाई परमार सोसायटो अरीया, पढवान, जिला - सुरोन्द्रनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का जो आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान, जिसका सर्वे नं० 297 श्रीर 298, क्षेत्रफल 74.97 वर्ग मीटर + 379.63 वर्ग मीटर, जो वधावान सोसायटी एरिया जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन वधावान रजिस्ट्री-कर्ता बिकीखत नं० 2462/3-6-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आग्र्क (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-ा, श्रहमदाबाद

तारीख: 11-2-82

मोहर 🖫

प्ररूप ग्राई० टी० एग० एस०---भायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I, प्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 11 फरवरी 1982

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- षपये से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० सर्वे नं० 37-एफ० 4, सी० 2 है। तथा जो जामनगर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय जामनगर में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 29-6-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक । लाग्नेत में वास्तविक रूप से कथिन नहां किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम के श्रष्टीन कर देने के ग्रन्टरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविश्वा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अप या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के (लए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निश्मतिख्त क्यक्तियों. अथितः :—— 30--516GI/81 (1) श्री नरभेराम कल्यानजी मांडलीया रतनबाई मस्जिद के नजदीक, जामनगर

(अन्तरक)

(2) श्री मंजुलाबेन मधुरदास इन्द्रदीप सोसायटी, जामनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जा उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही झर्च होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है। है

अनुसूची

भ्रचलित संपत्ति का वर्णन जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत ! नं० 2310 29-6-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी महायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-ा. श्रहमदाबाद

तारीखा: 11-2-82

यांहर:

प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस्.-----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सुचना

भारत सरकार

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 12 फरवरी 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एफ पी० नं० 86, टी० पी० एस० 30 है। तथा जो श्रसारवा, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन 22-6-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ने हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रिष्ठीन कर देने के अन्तरक के दायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिकत व्यक्तियों सथितः --

- मै० जशवन्त ग्रायनं एन्ड टेक्सटाइल वर्कस
 मधुभाई मिल कम्पाउन्ड,
 सारंगपुर, ग्रहमवाबाद-18 की ग्रोर से भागीवार
 - (1) निरंजनकुमार असुभाई णाह— नवरंगपुरा पोस्ट श्रोफिस के पीछे, अहमदाबाद

- (2) ग्रशोककुमार जसुभाई शाह— पोस्ट ग्रोफिस के पीछे नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद
- (3) लालजीभाई वरजीवनदास शाह श्रीर श्रन्थ श्रहमदाबाद, सरदार पटेल कोलोनी, नवरंगपुरा।

(ग्रन्तरक)

 श्री ग्रादिनाथ इन्डस्ट्रीयल एस्टेट को-ग्रो० सोसायटी की ग्रोर से प्रमोटर—— श्री गांडालाल केशवलाल पटेल न्यू सिविल अस्पताल के पीछे पारमेन्धर पार्क, ग्रहमवाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीका सम्यक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्यत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त अग्नि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही पर्य होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

बन्स्ची

भ्रचलित संपत्ति का वर्णन भ्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकी-खत नं० 6671/22-6-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 12-2-82

प्रहरप बाइ .टी. एन्. एस. ------

आध्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन स्मृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमवाबाद, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देश नं० पी० आर० नं० 1696 एसीक्यू-23-1/81-82---अतः मुझे जी० सी० गर्ग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 15, पैकी एस० पी० 4 है तथा जो राजपुर- हीरपुर, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध कारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6-6-81

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्हयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अनं, उन्त अधिनियम कौ धारा 269-ग को, अनुसरण भें, भैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1, को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः-- (1) धनवाई नवरोजी हसन्तपालनो बानुबाई नवरोजी हसनटपालनो 'सीम्फानी' केम्प रोड, णाहीबाग, श्रहमदाबाद

(ग्रन्सरक)

(2) श्री किरत कुमार-मोहनलाल पटेल श्री हर्षदकुमार मोहनलाल पटेल श्री ग्ररिवन्द कुमार मोहनलाल पटेल श्री महेन्द्रकुमार मोहनलाल पटेल भी महेन्द्रकुमार मोहनलाल पटेल मधुबन कोलोनी, णाहश्चालम, पुराना श्रोकट्रोय नाका के नजदीक, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

कार्यह स्वना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, को अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

श्रचलित संपत्ति का वर्णन श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 6559 6-6-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

तारीख: 12-2-82

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) $% \sqrt{2} = 3 - \frac{1}{8} = 1 - 82 = 1 - 82$ श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 12 फरवरी 1982

निदेश नं० पी० भार० नं० 1697—- श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० ए ०पी० 109 पैकी एस० पी० 1-6 टी०पी एस० 4 है। तथा जो राजपुर-हीरापुर ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 12-6-81

क्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान 12-6-81 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) बक्षराम केवलराम मनीनगर, गोल लीमड़ा, म्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) दीपक एपार्टमेन्ट श्रोनर्स एसोसियेशन की श्रोर से प्रमुख—गोवर्धनदास निहालचन्द 137-ए-3, ठाकर वापा नगर, श्रहमदाबाद, सेकेटरी—जयप्रकाण रोचीराम ब्लोक नं 0 15, रूम नं 0 358, न्यू क्वाट्सं, खोखराम श्रहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, अर्थी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितबब्ध फिसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया हैं।

अमृस्ची

अचिलत संपत्ति का वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं ० 6882/81/12-6-1981 में दिया गया है ।

> जी ० सी ० गर्ग स**क्षम प्राधिकारी** महायक श्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 12-2-82

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज—23-1/81-82 श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 12 फरवरी 1982

निदेश नं० पी० धार०नं० 1698——श्रतः मुझे, जी०सी० गर्ग

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 84 हिस्सा नं ० 4, टी ०पी ०एम ० 6, एफ ०पी ० 146 है। तथा जो पैकी पालडी अहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रहमाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-6-81 को विकास संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सक प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के सिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविभा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिमित व्यक्तियों अधीत:——

(1) श्री हरेशकुमार नग्हरीप्रसाद त्रिवेदी "नग्हरी भुवन" पालडी, ग्रहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री हरीश श्रपार्टमेन्ट लालडी को-श्रो-हा ० मोसायटी की श्रोर में प्रमोटर—श्री घनश्यामलाल जे ० पंडिया रायखण्ड गर्ल्स स्कूल नं ० 5, टोफरशाकी चोल जमालपुर, श्रहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारो करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

श्रचलित संपत्ति का वर्णन श्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकी-खत नं ० 6617/15-6-81 मे दिया गया है।

> जी ० मी ० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-I, श्रहमदाबाद

नारीख: 12-2-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 फरवरी 1982

निर्देश सं० 5/जून/ 81 यत: मुझे, श्रार० रिवचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 32 ग्रीर 33, हाल्स रोड, मद्रास-8 है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण ह्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जें० एस० ग्रार०-1, मद्रास माउथ, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक 17 जुन, 1981

(डाकुमेट स० 1603/81) I

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् .--

(1) श्री सी० एस० राजवेलन ग्रौर श्रदस । (अन्तरक)

(2) श्री के० पोन्नुसमी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कांई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर संपत्ति में हिातबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अमुसूची

भूमि श्रीर निर्माण—डोर सं० 32 श्रीर 33 हाल्स रोड, मद्रास-8—डाक्सेंट मं० 1603/81) ।

> भ्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-I मद्रास

तारी**खं** : 16-2-1982

प्ररूप आई . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ष्प्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 फरवरी, 1982

निर्देण सं० 15/जन/81—प्रत: मुझे, श्रार० रिवचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एस० सं० 51/30~64, मेययानूर गांव है, जो सेलम तालूक सेलम डिस्ट्रीकट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे०एस०श्रार०-I, मेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908~(1908~81~16) के श्रिधीन दिनांक 11~जून 1981~।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्श है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवाकत संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके रश्यमान प्रतिफल सं, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सी० सुब्रमणयम और श्रद्रस

(अन्तरक)

(2) श्री जी० वरतराजन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्में बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि—एस० मं \circ 51/30 श्रीर 64 मेययानूर गांव, सेलम तालूक, सेलम डिस्ट्रिक्ट डाक्सेंट मं \circ 4130/81)

ग्रार. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-ा मद्रास

तारीखा .16—2—82 सोहर: प्ररूप आइ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-र्, मद्रास

मद्रास दिनांक 16 फरवरी 1982

निर्देश सं०151/जून/81-ग्रत: भृष्टी, ग्रार० रविचन्द्रन जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित क्षाजार मृल्य 25,000 ∕-रऽ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० सं० 51/31 श्रीर 51/32 64, मेययानुर गांव, सेलम है, जो तालुक, सेलम डिस्ट्क्ट में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबन्द्ध में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०-ा सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 11 जून, 1981

(डाक्मेंट सं० 4131/81)

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दश्यमान कतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापुर्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके करयमान प्रतिफाल सी, एसे करयमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिपतियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल. फिस्नसिवित उद्यव्हेंब से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्सरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री सी सुन्नमणयम ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० वरतराज ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर म्चना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीत्र उक्त स्थाव्य सम्परित में हितक्व्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विका गया है।

अनुसूची

(भूमि--एस० मं० 51/31 ग्रीर 51/32, 64 मेययानूर गांव सेलम ताल्क सेलम, डिस्ट्रिकट--डाक्मेंट सं० 4131/81)

> श्रार० रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I. महास

तारीख : 16-2-82 मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II महास

मद्रास, दिनांक 15 फरवरी, 82

निर्देश सं० 11511---यत: मुझे, श्रार० रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वें 584/1, 584/3, 585/2 है, जो भ्रोडनतुरै (डाक्मेंट सं० 1806, 1807/81) में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेट्रुपालयम में भार-तीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 81

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देव हैय से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं- किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर पोधानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण भाया किया जाता चाहिए था, छिपान मो मुविभाके लिए;

जरू: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:--31--516GI/81

(1) श्री श्रबदुल्ला मैमन बीबी

(अन्तरक)

(2) टान इंडिया बाद्रिल एकस्ट्रकटस कम्पनी । (अन्सरिती)

को महस्वना जारी करके प्वाक्तिस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप "--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि सर्वे मं० 584/1, 584/3, 585/2 श्रोडनतुरै (डाकुमेंट सं० 1806, 1807/81)

> भ्रार० रियचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) म्रर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 15-2-82

प्रूप आहे. टी. एन. एस ------

(1) पी० भुतुस्वामि घौडर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख़ (1) के अधीन सूचना

(2) भार० वेंकटाचलम और भ्रदरस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज -II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 फरवरी 1982

निर्देश सं० 11463-यत: मुझे, श्रार० रिवचन्द्रन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे 150/2, 153/2, 154/2, 155, 162/v, 163, है जो चेट्टिपालयम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, किननुकड्यु, (डाक्स्मेंट सं० 654/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून, 81

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के जिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रितिफल से, एसे द्रयमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (उन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर/शा
- (स) ऐसी किसी खाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नील्लित व्यक्तियों, अर्थात् — को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखिस मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शस्त्रां और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि श्रौर निर्माण—सरवे 150/2, 153/2, 154/2, 155, 162/1ए, 163, चेट्टिपालयम (डाक्मेंट सं० 654/81)

श्रार० रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 16-2-82

प्रस्त्य आदः. टी. एन. एस.-----

आयकर मित्रिनियन, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यातय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 16 फरवरी 1982

निर्देश स० 11451—यत:, मुझे, ग्रार० रविचन्द्रन श्रायकर ग्रीमिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनन ग्रीमिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रमीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावन संपत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रमिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे स० 420/2, 454/2, 453/3, 420/1, 3,4,5, 421/1, 422/1,2,3,4, 423, 424, 425 है जो पेरुचेट्टिपालयम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय कायम्बट्ट्र (डाक् मेंट सं० 3086, 3087/81) मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून 81

को पूर्वोक्त संपित के उचिन वाजार मूस्य ये कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एम्बर्ड प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इस से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त पश्चि-नियम के अधीन कर देने के भ्रग्तरक के वावित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्टिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिमियम की धारा 269-ग के अनुसन्त्य में, में, उक्त अधिमियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम, निम्मीसृष्ठित व्यक्तियों, अधीस् :---

- (1) श्री के० भ्रार० वेनकटेसन भ्रीर रामस्वामी । (अन्तरक)
- (2) जयलक्ष्मी ।

(अन्तरिली)

को यह मूचना जारी करके पूर्वातन सम्पत्ति के भाजेत के लिए कार्यवाद्वियों करका है।

उक्त सम्बत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्ष प :---

- (क) इन मुक्ता के राजपत्र मं प्रकाश रंकी तारीख से 45 विन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुजना की उपनील से 30 विन की प्रतिष्ठ, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इम मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक से 45 दिन के भीतर अन्न स्थावर लगाति में हिनवद्ध किसी भाष्य व्यक्ति इस्ता, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा स्कीर ।

स्वव्होक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा श्रीर पदों का, मा उक्त ग्रीधितियम के ग्रध्याय 20-रू में यथा परिमाणित हैं, बहु: ग्रार्थ शोगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

वन्स्थी

भूमि भौर निर्माण सरव 420/2, 454/2, 454/3, 420/1, 3,4,5, 421/1, 422/1, 2,3,4, 423, 424, 425, पेरुचेट्टिपालयम (डाक्मेंट सं० 3086, 3087/81)

ग्नार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखा:16-2-82

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 फरवरी 1982

निर्देश सं० 16459—यत: मुझे, श्रार० रविचन्द्रन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० 51, चामियरस रोड है जो, मब्रास 28 में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास साऊथ (डाकू-मेंट सं० 1669/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितेयों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से अक्त कन्तरण लिखित में वास्तीवक स्प से अधित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृष्टिया के लिए; और/या
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री पी० चंदरैया चेट्टि भीर ग्रदरस । (अन्तरक)
- (2) श्री प्रहलाद राय, विनोद कुमार । (अन्त्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हुंगरा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

भूमि-51, चामियरस रोड मद्रास-28 (डाक्मेंट सं० 1669/81)

श्चार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज-II, मद्रास

तारी**ख**: 17-2-82

मोहर ः

प्ररूप आह . टी , एन , एस , -----

आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी, 82

निर्देश सं० 11442--यत: मुझे, ग्रार० रविचन्द्रन वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रह. से अधिक **ह**ै

भौर जिसकी सं० सरवे 180, जो मुरियमपालयम मे स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बवानि (डाक्मेट सं० 1597-1600/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जून, 1981

को पूर्वो क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम, के सुधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति , अर्थात् :--

(1) श्री शेयक मोहिदीन साहिब।

(अन्तरक)

(2) श्री नागराजन।

(अन्सरिती)

क्ये यह सम्मना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सुचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी केपास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि---सरवे 180, सूरियमपालयम (डाक्मेंट सं० 1597-1600/81)

> ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 4-2-82

मोद्धर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी 1982

निर्देण मं० 9395—यतः, मुझे, ग्रारं रिवचन्द्रन गायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उच्ति बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० टी० एम० सं० 9962 मौर 9953/2 है, जो तिरुमयम रोड पृडुको हैं संस्थित है (मौर इससे उपाय अनुसूची में भ्रीर पूर्ण व्य से विण्त है), रिजस्ट्रीवार्ती भ्रधिकारी के कार्यात्म, पुडको हैं (डाक् मेंड सं० 1675—1677/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधितियन, 1908 (1908 का 16) के मधीन 16 जुन 81

को पूर्विकत संपित्त के जीचत बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रितिष्य के लिए अन्तरित को गई ही और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वाकत संपित्त का उधित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल सं एसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह् प्रतिशत में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी थन वा अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्रीमती राजकुमारी कमलामबाल राजायी । (अन्तरक)
- (2) श्री सनटियागु, मीचैल देवदास । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सा बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीजर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रय्क्त सक्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वाही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि—टी॰ एस॰ सं॰ 9962, 9953/2 तिरुमयम रोड, पुडुकोट्टै (डाक्मेंट सं॰ 1677, 1676, 1675/81)

> श्रार० रविघन्द्रन सं<mark>क्षम प्राधिकारी</mark> सहायक आयक्तर आश्वत (निर्माक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 4-2-82

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-ग्रा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी, 1982

निर्देश सं० 11444—यत: मुझे, श्रारं० रिवचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुभए से अधिक है

ष्रौर जिसकी मं० जी० एस० 417/2 ष्रौर 418, है, जो मसुमिश्चमपट्टी कोयम्बटूर में स्थित है (प्रौर इससे उपाबड़ स्रमुस्ची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट मं० 3184/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून 81

को पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का लिखत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (मा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में साँवधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री नटराजन चेट्टियार ।

(अन्तरक)

(2) श्री द्वार० सुमन्त ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षोप:--

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी कवीं वाद में समप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में दरिभाषित ह*, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि—जी० एस० 417/2 श्रौर 418, मलुमिच्चमपट्टी (डाक्मेंट सं० 3184/81)

भ्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मदास

तारीख:8-2-82

प्ररूप बार्ड, टी. एन्., एस.,-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11 मदास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी, 1982

निर्देण सं० 11444—यत: मुझे, न्नार० रिवचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जी० एस० 414, है, जो मलुमिच्चमपट्टी में स्थित हैं (ग्रीर इससे उगाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक्सेंट मं० 3183/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून 81

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिनिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितफल से, एसे दश्यमान प्रितफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंधिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: कथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (१) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों व्यक्ति र~~~ (1) श्री नटराजन चेट्टियार ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० सुदर्शन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—जी० एस० 414, मलुमिच्चमपट्टी (डाक्मेंट 3183/81)

श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 8-2-82 मोहर: प्ररूप आई. टी एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, धिनाक 4 फरवरी, 1982

निर्देश सं० 11505—यत: मुझे, ग्रार० रविचन्द्रन

आयफर प्रधितियम, 1931 (1951 新 (जिसे इसमें इनके गण्यात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्मावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000'- र० से मधिक है श्रौर जिसकी सं० जी० एस० स० 229/2 है, जो कुनियमुतुर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक्-मेट स० 3482-3484/81 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके बुग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिंशत से प्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखिन

(क) अन्तरण सहूई िहमी आन की बाबत, उक्त अधि-ायम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने में सुविधा के लिए; और/या

में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

जत अस्म , उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--32 -- 516GI/81

- (1) एस० वेलमुरुगन श्रौर भदरस । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्रकुमार जैन धौर ग्रदरस । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भौर निर्माण--जी० एस० सं० 229/2, कुनियमुत्र (ढाकूमेंट सं० 3482, 3483, 3484/81)

श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 4-2-82

प्ररूप आइ , टी. एम. एस्.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त, (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी, 1982

निर्देश सं० 11549— यत: मुझे, आर० रविचन्द्रन आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनयम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० 7/64, है, जो वेनकटकुष्ण रोड, श्रार० एस० पुरम, कोयम्बदूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बदूर (डाक्सेंट सं० 3917/81) म भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचारे म गृथिशा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) श्री के० सेलवराज।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री विजयराज श्रीर कम्पनी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाक्ति हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि-टी०एस० 7/64, वेनकटकृष्ण रोड, कोयम्बट्र (डाक्मेंट सं० 3917/81)

> ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मितिसित व्यक्तियों, अर्थात :--

तारीख: 4-2-82

प्ररूप आई.टी. एन. एस. -----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर माय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, विनांक 4 फरवरी, 1982

निर्देश सं० 11549—यत: मुझे, श्रार० रिवचन्द्रन श्रायकर श्रिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६ पक्ष्में पक्ष्में (उक्त श्रिष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अश्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिष्टिक है और जिसकी सं० टी० एस० 7/64, है, जो वेनकटकुष्ण रोड, कोयम्बदूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय कोयम्बदूर (डाकूमेंट सं० 3918/81 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्टिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 16 जुलाई 81

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्म्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्ममान प्रतिफल का चेन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ज़सरण से हुई जिस्सी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के वायिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृके अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री कें जयरामन ।

(भन्तरक)

(2) मैसर्स विजयराज श्रौर कम्पनी ।

(ग्रन्तरिती)

को मह सूचना चारी कर्क पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जून के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खे 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहृष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोक्क्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्युक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त वक्कों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हु¹, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भिम—टी॰ एस॰ 7/64, वेनकटफ्रुङण रोड, कोयम्बदूर, (डाकूमेंट सं० 3918/81)

भार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहावक भावकर ग्रामुक्त (निरीकाण), श्रर्जन रेंज मद्रास

तारीख: 4-2-82

प्ररूप आई० टी• एन• एस•-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज मद्रास

मब्रास, दिनाक 4 फरवरी, 1982

निर्देश सं० 11549—यत: मुझे आर० रिवचन्द्रन आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संक्षित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं० टी०एस० 7/64, है, जो वेनकटकुष्ण रोड, कोयम्बद्दर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुभूची में भौर पूर्ण एप मे वर्णित है), र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीत 16 जुलाई 81

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास फरा का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूद्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फन कि कि नहीं किया गया है:---

- (क) पन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीत कर देने के प्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या
- (ख) एसी किया न्नाय या किसो धन या मन्य भास्तियों को. जिन्हें भारतीय न्नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टियाने में सुविधा के लिए;

(1) भीमती लक्षमी भ्रम्माल

(ग्रन्तरक)

(2) मैं सर्स विजयाराजा श्रौर कम्पनी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पिश के ग्रजँन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की श्रवाध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि टी॰ एस॰ 7/64, वेनकट क्रु॰ना रोङ, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं॰ 3919/81)

श्चार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज महास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के मुधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अधितः;—

तारीख . 4-2-82 मोहर ा प्ररूप आहर .टी. एन . एस . -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी, 1982

निर्देश सं० 11549—यत: मुझे, श्रार० रिवचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधि हैं श्रीर जिसकी सं० टी० एस० 7/64, हैं, जो वेनकटकुष्ण रोड, कोयम्बदूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावज्र श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिस हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बदूर (डाक्मेंट सं० 3920/81 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई 81 ।

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) बी० विजयकुमारी ।

(अन्तरक)

(2) मैं सर्स विजयराजा और कम्पनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हि।तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि—टी॰ एस॰ 7/64, वेनकटकुष्ना रोड कोयम्बट्टर (डाक्मेंट सं॰ 3920/81)

द्यार० रविचन्द्र^न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज मद्रास

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अभीन रिम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :----

तारीख: 4-2**-**82

प्ररूप आई ० टी ० एन ० एस ० = - -

भ्रायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुचना

मारत सरकार

कार्याल*ा*, सहायक <mark>श्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी, 1982

निर्देश सं० 11549— यत: मुझे श्रार० रिवचन्द्रन श्रायकर ग्रिजियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गण्वात् 'उका ग्रिधिनियम' कहा गणा है), की छारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/-र० से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० 7/64, है, जो वेनकटकूष्नारोड, कोयम्बटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाक्मेंट सं० 3931/81) में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16 ज्लाई 81

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भविक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निन्नलिखित छद्देश्य से उस्त पन्तरण लिखिन में बास्त्रिक रूप से किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त आधि-नियम के मधीन कर वैमें के धन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या छम्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविद्या के लिए;

कतः शव, उकत अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा(1) के अधीन निम्नृलिखिल व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्रीमती एन० ध्रनजली ।

(अन्तर्

(2) विजयराजा ग्रौर कम्पनी ।

(अन्तरितीम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भाषोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचका की तामील से 30 दिन की व्यवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी अग्य स्थानत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंद्रे ।

स्पर्दी करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पर्वो का, औ खक्त अघि-निवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि—टी०एस० 7/64, वेनकटकृष्टा रोड, कोयम्बटूर (अक्मेंट सं० 3921/81)

श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, मद्रास

नारीख: 4-2-82

मोहर ः

प्रकप बाद . टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

शास्त्र सरकार

कार्यां सप्, सहायक नायक र नायुक्त (निर्देशियण)

श्चर्जन रेज-II, मद्राम

मद्रास, दिनाक 4 फरवरी, 1982

निर्देश सं० 11549—यत मुझे, श्रार० रविचन्द्रन नायफर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिशिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मति, जिस्का उपित वाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक हैं

श्रौर जिसकी म० टी० एम० 7/64 है, जो वेनकटकुष्ना रोड कोयम्बट्टर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूच में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाक्ट्रमेट सं० 3922/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई 81

को पूर्वेक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्निलिसत उप्रदेश से उक्त अन्तरण निम्तित में वास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है---

- (क) नलरक से हुई किसी बाय की बावत , उक्ता विक्रियम के बधीन कर दोने के ब्लाटक के दायित्य में कभी करने वा उससे ब्यने में स्विधा के सिए; बाह्र/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भून या नत्य आस्तिनों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चनकर नायानियम, या चनकर नायानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्वित्या की स्थिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नतियित व्यक्तियाँ नवातः— (1) श्री जे॰ बागयम ।

(अन्तरक)

(2) विजयराजा श्रीर कम्पना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पृतित के वर्षन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी जन्म स्थावत वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पासु लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दी और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अमुसुची

भूमि—टी ० एस० 7/64, वेनकटकुष्ना रोड, कोयम्बट्र (डाक्मेट स० 3922/81)

भ्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्स (निरक्षिण) भ्रजीन रेज-II, मद्रास

नारीख: 4-2-82

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 फरवरी, 1982

सं० जी० म्राई० ग्रार० बी०-54/ग्रर्जन रेंज--ग्रत : मुहे विनोद कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त आधिनियम कहा गया है), की धारा 269-खं के अयोग सजन मधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर समात्ति जिसका उचित चाजार पूरुष 25,000/- क्पर्ये से समिक है

ग्रीर जिसकी संख्या बी०-9 है तथा जो जे० रोड महानगर एक्सटेंशन स्कीम महानगर लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिअस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 27-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है भीर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बोच ऐम प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उच्चत अभि-नियम के अधीन कर धने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, भे ,उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती धर्मवती देवी द्वारा उनके मुखतार पारसनाथ सिंह

(अन्तरक)

(2) श्री मेज्र विजय पाल सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर रूपूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्तरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित के, वहीं अर्थ दोना, जो उन ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लीज होल्ड भू खण्ड संख्या बी०-9 स्थित महानगर एक्सटेंगन स्कीम महानगर लखनऊ क्षेत्रफल 9960 वर्ग फीट तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37-जी० संख्या 4371 में विणित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 27-6-1981 को किया जा चुका है।

विनोद कुमार **सक्षम प्राधिकारी** सहायक आयकार आयुक्त (निरी**क्षण**) श्रर्जन रेंज, ल**खन**ऊ

नारीख: 17-2-1982

प्रकप आई० टी• एन• एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मखनक

लखनऊ, दिनांक 17 फरवरी 1982

सं० जी० ग्राई० ग्रार० ए०-106/ग्रर्जन—श्रात: मुझे विनोद कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 2343/4 है तथा जो भदेंनी तुलसीमानस मन्दिर दुर्गाकुन्ड रोड वाराणसी में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वाराणमी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 24-6-1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मं, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ह) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अस, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निर्लिखत व्यक्तियों, अर्थात :—— 33—516GI/81

- (1) श्री शिवकुमार सिंह विनोद कुमार सिंह, राजेश कुमार सिंह (नाबालिग) द्वारा विधिक मंरक्षक, श्रीमती श्रनुराधा देवी व, श्रीमती श्रनुराधा देवी, (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स म्रासाम बंगाल कैरियर्स लिमिटेड, फन्सी बाजार गोहाटी द्वारा इसके मनेजर श्री श्रोमप्रकाण ग्रग्नवाल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) धस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममस्ची

वन्दोबस्त भूखण्ड संख्या 2343/4 स्थित भदैनी परगना देहात श्रमानत तुलसीमानस मन्दिर दुर्गाकुन्ड बोर्ड भेलूपुर शहर वाराणसी तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड श्रौर फार्म 37-जी० संख्या 47 जो० संख्या 4798 में विणित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 24-6-1981 को किया जा चुका है।

विनोत कुमार यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज लखनक

तारी**ख** 17-2-1982 सोहर .

प्रस्प भाई• टी• एन॰ एस•---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 फरवरी, 1982

सं० जी० ध्राई० ध्रार०एस०-226/ध्रजैन—ध्रत: मुझे विनोद कुमार

बायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- इपये से ध्रधिक है, भ्रौर जिसकी संख्या मकान है तथा जो बरेलीरोड हल्दवानी नैनीताल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हल्दानी मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 17-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनह दृश्यमान प्रतिकत में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उन्नेष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के असीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिय; और/या
- (ख) ऐसा किसी अप्य या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर शिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 260-भ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखिस व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री बलवन्तसिंह गानिक सिंह

(अन्तरक)

(2) मेसर्स स्वामीदास ऋर्जुनदास द्वारा इनके पार्टनर श्री यभपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्तेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतंर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जासकोंगे।

स्रब्दीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अमृसुची

एक मकान जो बरेली रोड हल्दानी जिला नैनीताल पर स्थिन है तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 1920 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार हल्दानी के कार्यालय में दिनांक 17-6-1981 को पंजीकृत किया जा चुका है।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज *लख*नक

तारीख: 17-2-1982

मोहर 🕄

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर ब्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के ब्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 18 फरवरी 1982

मं० जी०म्राई० म्रार० टी०-28/म्रर्जन—म्प्रतः मुझे विनोद कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीत पश्चन सिविकारी की, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उदित बाजार मूल्प 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूखण्ड स० 240 है तथा जो चांदपुर परगना देहात श्रमानत वाराणसी में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 30-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत अधिक हे और भन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) क बोच ऐसे अन्तरण के लिए तथापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप संकथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियण के यधीन कर देते के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए, शीर/या.
- (ख) ऐसी किसो आध म किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने मे सुविधा के लिए।

अतः खब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों, पर्यात :--

(1) श्री तयन कुमार मित्रा द्वारा मुखनार श्री संतोष कुमार मित्रा

(अन्सरक)

(2) मेसर्न द्रान्मपोर्ट कारपोरेणन म्नाफ इण्डिया लि० वाराणसी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उका सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षी :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

हराष्ट्री करण: -- इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होता, जो उप श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राराजी भूखण्ड मंख्या 240 पयमाइसी 15022 वर्ग-फीट स्थित चांदपुर परगना देहान श्रमानन, शहर वाराणसी तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड श्रौर फार्म 37-जी० संख्या 4832 में वर्णित हैं जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 30-6-1981 को किया जा चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 18-2-1982

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 15 फरवरी 1982

निर्देश सं० 1008/एक्की ०/रेंज-^{III}/81-82—अत: मुझे एम० श्रहमद

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विहवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रीर जमीन है तथा जो मौजा-वणदरानी, जिला-24 परगना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में विणत है,) रिजस्ट्रीक्ती श्रीधकारी के कायौलय श्रालपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख 19-6-1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने से सुनिशा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६-- (1) रमेश चन्द्र सरकार ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती खुकुरानी करमाकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भ्राजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबयुभ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्तीकरी के पास लिखित में किए,जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमं प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया हैं।

अनुसूची

मीजा-वंशदरानी जिला-24 परगना, जे० एल० सं०-45 3 के० 15 एच० 30 वर्ग फुट जमीन पर मकान ।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

नारीख: 15-2-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1982

तिर्देश सं० 1009/एक्की०/रेंज /81-82—यतः मुझे एम**ः भ्रहम**क

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रठ. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 108 हैं तथा जो राजा एस० सी० मिल्लिक रोड, कलकत्ता में स्थित है। ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रालिपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 24-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथिय नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना धाहिए था छिपान में सर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ॥— (1) प्रोनब कुमार बनर्जी

(अन्तरक)

(2) महानिथंम का प्रेजीडेण्ट श्री दीपक कुमार मुखर्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सुम्पृत्ति, को अर्थन, को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्म्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण । --- इसमे प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुसूची

108, राजा एस० सि० मिन्यिक रोड, कलकत्ता। 4 के० 15 छटांक० 18 वर्ग फुट जमीन ।

> एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज-III, 54, रफी श्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

नारीख: 15-2-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आह^र.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज-JII, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 15 फरवरी, 1982

निर्वेण स० 1010/एक्षी०/ग्रार-।।।/81-82--यतः, मुझे एम० ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रा स अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० 108 है तथा जो राजा एम०सी० मिल्लक रोड, कलकता में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय अलीपुर में, र्राजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रियीन, दिनाक 24-6-1981

को पूर्वेक्त सपित के उिक्त बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

1. श्री प्रमाद कुमार बनर्जी

(ग्रन्तरक)

 "महातीर्थम" का प्रेमीडेन्ट श्री दीपक कुमार मुखर्जी। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपित के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मृचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सपित में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विष्णु जा स्कांगे।

स्पट्टीकरण — इसम प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाष्टित है, बही अर्थ होगा, जा उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

108, राजा एस० मी० मिल्लक रोड, कलकत्ता । 4 के०–15 सी०एच०–18 स्क्वेयर फीट जमीन ।

> एम० ब्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आयकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥। र 54, रकी श्रहमद किंदबाई रोड, कलकत्ता-16

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :---

दिनाक 15-2-1982 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-ाा, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 15 फरवरी, 1982

निर्देश मं० 1011/एक्बी० श्रार—<math>|||/81-82-—यत मुझे, एम० श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 108 है तथा जो राजा एस० मी० मिल्लिक रोड. कल हत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर, पूर्ण रूप में विणित है), रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधिन री के कार्यालय श्रलीपुर में. रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 24-6-1981

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आग्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री प्रबीर कुमार बनर्जी

(भ्रन्तरक)

 "फिसरीज डेबलपमेट का चेयरमैन श्री दीपक कुमार मुखर्जी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कपता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपश मा प्रकाशन की तारी से से 45 बिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर संपत्ति में ह्यितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में लिए जा सकरें।

स्पष्टीकरण ----इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषिल ह³, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

108, राजा एस० सी० मल्लिक रोड, कलकत्ता । 4 के०-15 सी०एच०-18 स्क्वेयर फीट जमीन ।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी म**हायक** आयकार आय्क्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज, 54. रफी ग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता—16

दिनाक 15-2-1982 -

मांहर:

प्ररूप आर्इ.टो.एन.एस.------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्राजन रेंज-JII, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1982

निर्देश मं० 1012/एक्बी० ग्रार- $\Pi/81-82$ —यतः मुझे. एम० श्रहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 0 108 है तथा जो राजा एस ० सी० मिलक रोड, कलकत्ता में स्थित है) श्रीर इसमें उपावद्ध अनुमूची में, श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिध गरी के वार्यालय श्रिलीप में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्मम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान, दिनांक 24-6-1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अनरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई िकमी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्ठिधा के लिये; और/या
- (स) एगेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- प्रशान्त कुमार वनर्जी।

(अन्तरक)

 "मह।निर्थग" का प्रेसीडेट र्श्व। दीणक कृमार मुखर्जी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति की अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्वन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोक्करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

108, राजा एस्रा० सी० मिल्लिक रोड, कलकत्ता । 4 के०,-15 सी०एच०-18 स्क्वेयर फीट जमीन ।

एम**० अहमद** सं<mark>क्षम प्राधिकारी</mark> अहायक आयक^{्र} अध्यक्त (निरक्षिण) भ्रर्जन रेज—III 54, रफी झहमद किदवाई रोड, कक्षकत्ता—16

दिनांक 15-2 1983 । महिर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारा भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-ा।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी, 1982

निर्देश सं० 1013/एक्वी० भ्रार०-।।।/81-82---थनः मुझे, एम० श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 108 है तथा जो राजा एस० सी० मिल्लिक रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्णारूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीपुर में. रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-6-1981

को पूर्वाक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित ज्व्येष्य से जक्त अन्तरण कि सित्य में बास्तविक रूप से किया गया है:——

- (क) प्रनारण में हुई किसी आर्थ की बाबत, उक्क ग्रिश्चित किया के प्रयोग कर देने के प्रन्तरक के द्रायित्य में कमी करने या उपये बचा में मुखिस के लिए; श्रीर/था
- (ख) ऐंमी किसी ग्रायं या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था क्रियाने में मुविधा के लिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनूसरण में भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 34—516GI/8[1. श्री प्रदीप कुमार बनर्जी।

(भ्रन्तरक)

 "मुखर्जी कन्स्ट्रक्शन" का डाइरेक्टर श्री दीपक कुमार मुखर्जी ।

(श्रन्तरिती 🕽

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि भाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितथब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणाः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गरा है।

अमुस्ची

108, राजा एस० सी० मिल्लक रोड, कलकत्ता । 4 के०-15 सी०एच०-18 स्क्वेयर फीट जमीन ।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--।।। 54 रफी ग्रहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

दिनांक 15-2-1982 मा**ह**र: प्ररूप आहें. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **269-स (1) के मंधीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक, 15 फरवरी 1982

निर्देश सं०ए० सी० क्यू० ग्रार०-JJI/81-82—यतः मुझे एम० ग्रहमद

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-इपए से बाधिक है

श्रीर जिसकी सं० 180 है तथा जो राजा एस० सि० मिल्लिक रोड, कलकत्ता स्थित में है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रलीपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 19-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास सरने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से भाषक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में वास्तिक का मे कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक में वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी छन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नति खित व्यक्तियों, अधित ः...-

(1) श्री वासुदेव मान्ना भौर दूसरी

(अन्तरक)

(2) श्री मुखर्जी कनसद्राकसन (प्रा) लि० । (अन्सरिती)

को यह सुचना जारी **चरके** पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां चरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजॅन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ■यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए ज मकेंगे।

हप**ंडोकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाणित हैं, वही धर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

180 राजा एस० सि० मिल्लिक रोड, कलकत्ता 6 के० 3 सी० एच० 11 स्कवेयर फीट जर्मान।

एम० ग्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, 54 रफी ग्रहमद किदवई रोड,कलकत्ता-16

तारीख: 15-2-1982

प्रकृष् आहे .टी .एन .एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेजि-111, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 15 फरवरी, 1982

निर्वेश सं० 1015ए०सी०क्यू०म्रार-III/81-82--यतः मुसे एम० म्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 180 है तथा जो राजा एस० सि० मिल्लक रोड, कलकत्ता स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रालिपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख 19-6-1981 ।

को पूर्वोक्त संपित्त के उषित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथान नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निभनितिस्त व्यक्तियों, अधीन निभनितिस्त

- (1) श्रीमती मेनका मान्ना ग्रौर दूसरा ।
 - (अन्तरक) राज्या
- (2) श्री मदुनिर्थम का मानेजिंग डायरेक्टर श्री दीपक कुमार मृ**खर्जी** ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ड) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सम्बां शाँउ पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

180, राजा एस० सि० मिल्लिक रोड, कलकत्ता । 6 के०-3सी० एच०-11 स्कबेयर फीट जिमन ।

एस० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, 54 रफी श्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 15-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी, 1982

निर्देश सं० 1016 ए०सी०क्यू०म्रार०-III/81-82---यत. मुझे एम० म्रहमद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र के से अधिक है और जिसकी सं 180 है तथा जो राजा एस० सी० मिल्लिक रोड, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और, पूर्णरूप में विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-6-1981 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के वृण्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कियथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रासरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धर्धि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) एसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण क्रीं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- (1) श्री वामदेब माश्रा और दूसरी । (अन्तरक)
- (2) श्री मुखर्जी कन्सट्रक्णन (प्रा०) लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

180, राजा एस० सी० मिल्लक रोड, कलकत्ता । 6 के०-3सी० एच०-11 स्कवेयर फीट जमीन ।

> एम० भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-III, 54, रफी श्रहमव किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 15-2-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 फरवरी 1982

सं० राज/सहा आ० अर्जन/1141:——यतः मुझे एम० एल० चौहान,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के प्रधीन सक्तम प्राधिकारों को, पह विक्वास कर्र का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूहब 25,000/- २० म प्रथिक है

ष्मौर जिसकी सं० मकान नं० 33/ए० एच बी०-14 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 जून, 1981,

का 16) के अधान, ताराख 26 जून, 1981, को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविष्ठ हम में कथिन नहीं किया गया है:—-

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीक्षितयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यत: अब, उनत जिनित्य का वारः 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारः 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती गौरा देवी, विधवा स्व० श्री बी० सी० मुकर्जी, हाथीबाबू का बाग, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्र[†] घेवर चन्द जैन पुत्र श्री माधोसिह साँखला, निवासी कबीरराम बनीपार्क, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत में प्रकाशन को तारीख, में 45 दिन को प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस मूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध फिसी भन्य स्थावत द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त ग्रम्दों प्रीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम, के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ तीना जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अभूत्वी

मकान नं० 53/ए एच० बी०-14 (पूर्वी भाग), ह्वाली शहर, झोटवाड़ा रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1586 दिनांक 26-6-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप विवरणित है।

एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 15-2-1982

भोहर :

SUPREME COURT OF INDIA New Delhi, the 2nd March 1982

No. F. 6/82-SCA(I):--The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed the following officers and members of staff of this Registry to the post mentioned against each, with effect from the forenoon of March 1, 1982, until further orders;

S. No.	Name & Designat	ion			Post to which promoted
1.	Shri P. N Likhyani P. S. to Hon'ble Jud	ge	•	•	Offg. Assistant Registrar.
2.	Shri J. K. Rawal . P.S. to Hon'ble Judg	œ.		•	Offg. Assistant Registrar
	Shri M. V. Rao . Assistant.		•	-	Offg. Section Officer.
4.	Shri Raj Pal . Assistant.		•	•	Offg. Section Officer.
				D	H. S. MUNJRAL eputy Registrar (Admn-J).

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINIS-TRATIVE REFORMS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 6th March 1982

No. A-19036/20/79-AD.V.-On attaining the age of superannuation, Shri S. R. Bishnot, Dy. Superintendent of Police, CBI relinquished charge of the Office of Dy. Superintendent of Police, CBI with effect from the afternoon of 28-2-1982.

HERO A. SHAHANEY Administrative Office (E) Central Bureau of Investigation.

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE, New Delhi-110022, the 27th January 1982

No. O.II-1481/80-Estt.—Shri R. N. Sheopory, IPS (UP-1948), Director General, C.R.P. Force has expired on the afternoon of the 31st December, 1981. He is struck off from the strength of the Force from 1-1-82.

> A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 27th February 1982

No. E-16013(2)/1/81-Pers.—On transfer on deputation, Shri S. S. Mann, IPS (Punjab: :67) assumed the charge of the post of Group Commandant, CISF, Bombay, with effect from the forenoon of 27th January 1982.

> SURENDRA NATH, Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 6th March 1982

No. 10/30/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint by promotion, Shri N. C. Sengupta, Senior Geographer in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Research Officer (Map), in the same office, on a purely temperature of the control of the same of the control of the same of the control of the same o porary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the afternoon of the 27th February, 1982 or till the post is filled in on a regular basis whichever period is shorter.

The headquarters of Shri Sengupta will be at New Delhi.

The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon the officials concerned any claim to regular appointment to the post of Research Officer (Map). The services rendered by him on *ud-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

No. 11/44/81-Ad. I—The President is pleased to appoin on deputation, the under-mentioned officials working in the offices of the Director of Census Operations in State as mentioned against each to the post of Asssitant Director (Data Processing) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the date(s) as mentioned against each or till the post is filled on a regular basis whichever period is shorter:

S. Name of the No. Official	Designation	Office in which working	Date of appoint- ment
1. Shri N.K. Purohit .	Investigator	Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur.	4-2-1982 (FN)
2. Shri K.B. Lakhan Pal	Senior Supervisor	Director of Census Operations, U.T. Chandigarh.	2-2-1982 (FN)

- 2. The appointment, on deputation, of the above-mentioned officials to the posts of Assistant Director (Data Processing) will be governed under the terms and conditions of deputation as contained in the Ministry of Finance O. M. No. F. 1(11)E. Ш(В)/75 dated 7-11-1975.
- 3. The head-quarters of S/Shri Purohit and Lakhan Pal will be at Jaipur and Chandigarh respectively.

P. PADMANABHA, Registrar General, India.

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 28th February 1982

F. No. BNP/C/5/82:-In continuation of this Department's Notification of number BNP/C/5/81 dated 30-9-81, the ad-hoc appointment of following officers are hereby extended upto 30-9-82 or till the posts are restored to the grade of Assistant Works Manager and are filled on a regular basis, whichever is earlier.

S. No.	Name			Post to which adhoc appointment is made
S/S	Shri			
1, V .	Vonkataramani	•	•	Technical Officer (Printing & Plate-making)
2. R.	C. Agrawal			Do.
3. As	hok Joshi			Do.
4. A.	D. Deshpande	•		Do.
		-		M. V. CHAR General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 5th March 1982

No. CA,I/105-81.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to Auditor General (Commercial) has been pleased to order that after completion of his tenure in the office of the Director of Audit, Indian Accounts, Washington and return to India Shri Ishwar Das Section Officer (Commercial) be promoted to officiate as Audit Officer (Commercial) and posted to the office of the Accountant General, Himachal Pradesh & Chandigarh, Simla with effect from 29-8-81.

The 6th March 1982 CORRIGENDUM

No. 2/CA.I/81.—In partial modification of Notification No. 1172-CA.I/1-81 dated 13th May 1981 appearing in Part III Section t of Gazette of India of Tune 6, 1981 under the heading "INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT" the date of promotion of Shri Bhola Nath Bhattachariee as officiating Audit Officer (Commercial) indicated as 21-1-1981 (AN), in column 5 of the said notification may be read as 17-1-1981.

M. A. SOMESWARA RΛO, Deputy Director (Commercial).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 27th February 1982

No. Admn.I/PF-NG/450.—Shri N. Ganeshan, a permanent, Accounts Officer of this office is deemed to have retired from Central Government Service w.e.f. 1-6-1981 (FN), on his permanent absorption in Bharat Heavy Flectricals Limited.

(Authority: Orders of AG.I, M.P. Gwalior dated 26-2-82).

D. C. SAHOO,

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT POSTS AND TELEGRAPHS Delhi-110054, the 5th March 1982

No. Admn. III-500/23(A)(2)Notification.—The following Audit Officers of the P & T Audit Organisation has retired from service on superannuation/voluntarily w.o.f. the dates from the P & T Branch Audit Offices noted against each:—

SI. No.	Name of the Officer		P & T Br. Audit Office from which retired.	Date of retire- ment.
S	/Sbri	-		
	ubodh Ranjan		Calcutta	31-7-81
	hakraborty Bhagat Ram		Kapurthala	(Superannuation) 30-9-81
3. G	lopal Rao Rama Rao		Madras	(Superannuation) 30-11-81
		•	Madras	(Superannuation)
	hinta Haran hattacharjee-I	•	Calcutta	31-10-81 (Superannuation)
	hanmugam Papaiyan		Hyderahad	31-12-81
6. T	. R. Subramania Rao		Delhi	(Superannuation) 31-12-81
7 6	lovomo man II		70. 1	(Superannuation)
7. 3	. Jayaraman-II .	•	Bangalore	30-11-81 (Voluntarily)

K. K. THAPAR, Asstt. Director of Audit (HQ)

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD

DGOF HORS CIVIL SFRVICE

Calcutta-700069, the 24th February 1982

No. 2/82/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Natesh Chandra Sen, Permanent Assistant, as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted), on ad-hoc basis, in an existing vacancy, from 20-11-81 until further orders.

C. S. GOURISHANKARAN
Addl. DGOF/Member/Per.
for Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 2nd March 1982

No $^{10}/_{\odot}/8^{3}$ - On ottaining the age of superannuation, Shii Benov Bhusan Chowdhury, Offg. S.O. (Subst. & Permt. Asstt.) refried from Service w.e.f. 31st January 1982 (AN).

The 3rd March 1982

No. 10/82/G.— The President is pleased to accept the resignation of Shi Prem Narayan, Assistant Manager (Prob.) with effect from 4th August 1980.

V. K. MEHTA

Assistant Director General, Ordnance Factorics

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 1st March 1982 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1381/82-ADMN(G)/1449.—The President is pleased to appoint Shri V. Seshan, Joint Development Commissioner, Office of Development Commissioner (Handlerafts), New Delhi as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the period from 15th February, 1982 (FN) to 31st March, 1982.

MANI NARAYANSWAMI
Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 3rd March 1982

No. 5(2)/82-CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 4(2) read with clause 9 of the Art Silk - Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 5(2)/81-CLB.II, dated the 23rd November 1981, namely:—

In the said Notification—

- (1) In sub-para (1) of paragraph II, item (b) shall be deleted.
- (2) In sub-para (2) of paragraph II, items (b). and (e) shall be deleted.
- (3) The existing Note below paragraph II shall be numbered as Note (1), and immediately thereafter, the following shall be inserted as Note (2), namely:—
 "Note (2)—In the case of Art Silk Yarn (Filament) on cone/cop, the net weight in kilograms as per item (c) of sub-paragraph (2) above may be marked only each carton and not on each cone/cop."
- (4) In paragraph III, item (b) shall be deleted.

The 11th March 1982

No. CER/17/82/1.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 and Sub-Clause (5) of Clause 21 of the Ottor Textiles (Control) Order, 1948, I hereby direct that all the directions contained in the Notification No. CFR/17/79 dated 29th Tune, 1979 (as amended from time to time), shall continue in operation beyond the date specified therein namely 31st Match, 1982, for a further period of three years that is from 1-4-1982 to 31-3-1985.

No. 5(2)82-CLB.II/2.—In exercise of the powers conferred on me by clause 3B of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962, I hereby direct that all the directions contained in the Notification No. 5(2)79.CLB.II dated the 12th July 1979 (as amended from time to time),

shall continue in operation beyond the date specified therein namely 31st March 1982, for a further period of three years that is from 1-4-1982 to 31-3-1985.

SURESH KUMAR
Additional Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

(DFPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 2nd February 1982

No. A.19018(504)/80-Admn.(G).—The President is pleased to rermit Shri Raghuvansh Bahadur, Deputy Director in the office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from afternoon of 31-1-1982.

The 2nd March 1982

No. A-31013/21/77-Admn. (G):—The President is pleased to appoint the following officers to the post of Assistant Director (Gr. 1) (Industrial Management & Training) in the Small Industries Development Organisation in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each:—

SI. No.	Name of t	he of	ficer			Date from which appointed in a substantive capacity
1	2			. —	 	3
	S/Shri				 	
1.	MS Hameed .					1-1-1966
2.	SB Srivastava	4				1-5-1966
3.	KK Kapoor .					27-9-1967
4.	KA Krishnan					19-8-1968
5.	AL Khaneja .					16-11-196
6.	SN Sharma					1-2-197
7.	PN Bancrice					23-5-197
8.	BK Shenoy					23-5-1973
9.	RK Soni .					23-5-197
10.	SK Issac .					13-12-197
11.	NK Majumdar					28-11-197
12.	JC Patel .					28-11-197

The 3rd March 1982

No. 12(158)/61-Admn.(G)Vol.IV.—The President is pleased to permit Shri H. P. Gaur, Director (Gr. II) (Metallurgy), Small Industries Service Institute, Agra to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31-12-81.

No. A.19018(537)/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. Shanmugham as Assistant Director (Gr.I) (Mechanical) at Bronch Small Industries Service Institute, Imphal (under SISI, Gauhati) with effect from the forenoon of 30-12-81 until further orders.

The 6th March 1982

No. 12(96)/61-Admn₄(G).—Consequent on his reversion from deputation with the Central Tool Room, Ludhiana, as Administrative Manager, Shri S. B. Sengupta, assumed charge of the post of Assistant Director (Gr.I) (General Administrative Division) at Small Industries Service Institute, Ludhiana on the forenoon of 1-1-1982.

No. A.19018(208)/75-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri V. D. Narang, Assistant Director (Gr. I)

(Mechanical), Small Industries Service Institute, Jaipur as Deputy Director (Mechanical) on *ad-hoc* basis at Small Industries Service Institute, Agra with effect from the forenoon of 23-1-1982 until further orders.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 6th March 1982

No. A-1/1(680).—The President is pleased to appoint Shri R. W. Suryawanshi, Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Director of Supplies (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 1-3-1982 and until further orders.

2. Shri Suryawanshi relinquished charge of the post of Dy. Director of Supplies and assumed charge of the post of Director of Supplies in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 1-3-1982.

S. L. KAPOOR Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GFOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 1st March 1982

No. 1963B/A-32013(AO)/78-80-19A.—The following superintendents, Geological Survey of India are appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

SI. No.			Date of appoint- ment
1.	Shri S. B. Sengupta .		 8-2-1982 (FN)
2.	Shri B. D. Chakraborty .		5-2-1982 (FN)
3.	Shri K. Roy Choudhury		6-2-1982 (FN)
4.	Shri D. K. Mitra		5-2-1982 (FN)
5.	Shri N. G. Mukherjee .		6-2-1982 (FN)
6.	Shri S. K. Roy		6-2-1982 (FN)

J. SWAMI NATH, Director Genera

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 2nd March 1982

No. C-5797/579-A.—Shri S. C. Agarwal is appointed as Works Manager (GCS Group 'B' post) in a substantive capacity with effect from 23rd January 1982.

G. C. AGARWAL Brigadier Surveyor General of India

DIRECTORATE GFNERAL: ALL INDIA RADIO New Delhi-1, the 4th March 1982

No. 4(48)/81-St.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Dr. Satish Kumar Grover as Programme Executive, All India Radio, Varanasi in a temporary capa-

city with effect from the 12th January 1982 and until further orders.

H. C. JAYAL

Dy. Director of Administration

for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 2nd March 1982

No. A-19020/10/80(HQ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Smt. Suchitra Bhasin, Senior Dietician, Directorate General of Health Services, New Delhi from Government service with effect from the forenoon of the 1st March 1982.

The 4th March 1982

F. No. A.19019/4/79-Admn.I.—The President is pleased to accept the resignation of Dr. Sharanjit Singh, Deputy Assistant Director (Microbiology) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from the 29th January 1982 (AN).

T. C. JAIN Deputy Director Administration (O&M)

TRACTOR TRAINING CENTRE

Hissar-125001, the 16th January 1982

No. 2-1/82-PF.—Shri D. P. Bains a regular Assistant in the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Cooperation), New Delhi is appointed on deputation to the temporary post of Administrative Officer, Tractor Training Centre, Hissar (Haryana) w.e.f. 7-1-1982 (FN).

K. S. YADAV Director

MINISTRY OF IRRIGATION OFFICE OF THE GENERAL MANAGER FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka, the 25th January 1982

No. E/P-140/97 (10),—The undermentioned Officers (Group-B) of the Farakka Barrage Project, Ministry of Irrigation are hereby appointed to the posts in a substantive capacity as shown against each with effect from 18th January, 1982.

SI. No.	Name & Designation	Grade to which appointed substantively
	Sri B. C. Biswas (S/C) Workshop Superintendent.	Assistant Engineer (Mechanical)
	Sri Ajoy Kumar Saha (S/C) Asstt. Ex. Engr. (Ad-hoc)	Do.
	Sri Bhanu Pratap Sinha . Asstt, Ex. Engr. (Ad-hoc)	Do.

R. V. RANTHIDEVAN General Manager, Farakka Barrage Project.

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 25th February 1982

No A-31014/3/81-A.I.—The Agricultural Marketing Adviser is pleased to appoint the following officers substantively to the permanent posts of Assistant Marketing 35—516GI/81

Officer (Gr. II) in the Directorate of Marketing and Inspection, w.e.f. the dates indicated against each:—

- (1) Shri Mohd. Nazmul Haque—16-11-79.
- (2) Shri B. P. Patnaik-31-5-80.
- 2. The lien of the above-mentioned officers in the lower post, if any, stends terminated with effect from the date of their substantive appointment in the post of Asstt. Marketing Officer (Group II).

B. L. MANIHAR · Director of Administration

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 2nd March 1982

No. PA/34(2)80/R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Shree Chand Bhagashra, permanent Assistant Security Officer in Rajasthan Atomic Power Project, Department of Atomic Energy, Rajasthan to officiate as Security Officer in this Research Centre at Bombay with effect from the forenoon of February 25, 1982 until further orders.

No. PA/79(4)/80-RIII.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Karandikar Prabhakar Balwant, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad hoc basis for the period from 11-1-1982 (FN) to 20-2-1982 (AN).

The 3rd March 1982

No. PA/76(3)/80-R-III(I).—Controller Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Hari Sunderdes Bhatia officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accountant Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of February 9, 1982 until further orders,

No. PA/76(3)/80-R-III(I).—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Prabhakar Baburao Kalanko as Assistant Accounts Officer on regular basis with effect from February 9, 1982 until further orders.

The 4th March 1982

No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Moti Udheram Jagasia, Assistant Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 18-11-81 to 26-2-1982 (AN).

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Fstablishment Officer

Bombay-400 085, the 3rd March 1982

No. W-12/Fstt.II/816.—Shri Waman Wasudeo Waishampayan, a permanent Asstt. Security Officer and officiating Security Officer in this Research Centre, voluntarily retired from Government service on the afternoon of December 31, 1981.

Kum, H. B. VIJAYAKAR Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 26th February 1982

No. PPED/3(282)/81-Fstt,1/2796.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri S. G. Mustafa permanent Section Officer (A), in the office of the Controller General of Defence Accounts, Ahmednavar on deputation basis in this Division as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960

with effect from the forenoon of February 16, 1982 until further orders.

> R. V. BAJPAl General Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 3rd March 1982

No. NAPP/Adm./26(1)/82-S/3456.—Project Director, Narora Atomic Power Project appoints Shri R. N. Shukla, a substantive Personal Assistant of Rajasthan Atomic Power Station and officiating Assistant Personnel Officer of the said office to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of February 25, 1982 until further orders.

A, D. BHATIA Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600006, the 27th February 1982

No. MRPU/200(14)/81Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores appoints Shri H. Ganapathy a permunent Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ud-hoc basis in the Reactor Research Centre Stores, Kalpakkam of the same Directorate with effect from Merch 1, 1982 to March 31, 1982 Afternoon.

T. S. V. AIYAR Administrative Officer II

Bombay-400001, the 5th March 1982

No. DPS/2/1(3)/82-Adm./5732.—The Director Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Lakayil Unnikrishnan Nair, a permanent Upper Division Clerk in Civil Eng. Division, Department of Atomic Energy to officiate as an Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in this Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of February 18, 1982 until further orders.

> K. P. JOSEPH Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 4th March 1982

AMD/16/5/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri R. S. Gosain, permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant, Atomic Minerals Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in an officiating capacity with effect from the afternoon of February 11, 1982, until further orders.

> M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th February 1982

No. A-32014/5/81-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the Ad-bcc appointment of the following Assistant Aerodrome Officers upto 31st July 1982 :-

Name æ Sl. No.

- 1. Shri O. P. Malhotra.

- Shri Onkar Singh.
 Shri M. Goary.
 Shri A. K. Dhuper.
 Shri S. K. Deswal.
 Shri K. G. Sharma.

- Shri A. C. Srivastava.
 Shri P. R. Patwardhan.
- Shri K. D. Uthaya.
 Shri K. B. Raghuwanshi.
- 11. Shri Kuldeep Singh.
- 12. Shri M. Chandrashekhar.
 - 13.
 - 13. Shri J. Shivraj, 14. Shri S. N. Chanda,

The 24th February 1982

No. A-31013/3/81-EI.—The President is pleased to appoint Shri K. B. Ganesan as Deputy Director General of Civil Aviation in a substantive capacity with effect from 16th February 1981.

> S. GUPTA Deputy Director of Administration.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Nagpur, the 5th February 1982

No. 2/82.—Shri D. G. Kali, Superintendent of Central Fxcise, Group-B of this Collectorate having attained age of superannuation has retired from Govt. service in the afternoon of the 31st Jan. 1982.

K. SANKARARAMAN

Collector

Patna, the 4th March 1982

No. II(7)2-ET/79/2522.—In pursuance of this office Establishment Order Nos. 298/81, dated 31-10-81, 326/81, dated 2-12-81, and 12/82, dated 13-1-82, the following Office Superintendents on promotion to officiate as Administrative Officer/ Assistant Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts, Central Excise and Customs, Group 'B' have assumed charge as Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules at the places and with effect from the date and hour as indicated below against each:-

SI. No.	Name of officer		Place of posting	Date of assump- tion of charge
	S/Shri			
1. G	opalji Sahai .		Assistant Chief Accounts Officer, Central Excise, Patna,	2-11-81 (F.N.)
2. N	Aatlu Oroan .	•	Administrative Officer, Central Excise Division, Ranchi.	23-11-81 (F.N.)
3. Ja	agnarain Paswan		Administrative Officer, Central Excise Division, Muzastarpur.	10-12-81 (F.N.)
4. A	. Razzaque .		Administrative Officer, Central Excise, P. tro Hqro.	3-12-81 (F.N.)
5. L	alit Mohan Sahay	•	Administrative Officer, (Hqrs.), Ceutral Excise, Patna.	2-2-82 (F.N.)

SURJIT SINGH.

Collector.

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 6th March 1982

No. 5/82.—Shri V. Ramachandran, lately posted as Assistant Collector Customs Madras on transfer to the South Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise vide Ministry of Finance, Department of Revenue Order No. 14/82 (F. No. A-22012/10/82-Ad.II) dated 6th February 1982 took over charge of the post of Assistant Director from Shri J. M. Shah w.e.f. 10th February 1982 (A.N.).

S. B. SARKAR Director of Inspection.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 15th February 1982

No. A-42016/1/80-Adm.IV/E.I.—Chairman, CWC extends the ad-hoc appointment of the following officers to the post of EAD (Hydromet) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/for a further period of 6 months beyond 31st August 1981 i.e. upto 28th February 1982 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:—

- 1. Sh. D. S. Madaan
- 2. Sh. A. P. Khanna
- 3. Sh. Vinod Kaul
- 4. Sh. S. Venkataraman
- 5. Sh. Ravinder Saxena
- 6 Sh. L. P. Bhuyan

The 1st March 1982

No. A-19012/978/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri I. C. Tyagi, Supervisor to officiate in the giade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the afternoon of 21st May, 1981.

K. L. BHANDULA
Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 3rd March 1982

No. 22/1/81-Adm-I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri N. S. Tanwar, Supervisor, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority, in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 1st February, 1982, until further orders.

No. 22/6/81-Adm.-1 (B)—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints the undermentioned Technical Assistants and Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority, in an

officiating capacity, with effect from the dates indicated against each, until further orders:—

SI. No.	Name of the officer			Date of taking over charge		
1,	Shri S. S. Bains .			28-1-82	(F.N.)	
2.	Shri S. C. Maheshwa	ıri		30-1-82	(F.N.)	
3.	Shri Basudeva Guha			2-2-82	(F.N.)	
4.	Shri S. K. Vij			2-2-82	(F.N.)	
5.	Shrı C. S. Saha .			9-2-82	(F.N.)	
6.	Shri D. G. Datta			15-2-82	(F.N.)	
7.	Shri P. K. Bhadra			19-2-82	(F.N.)	

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Hotel Pallavi Private Ltd.

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 3104/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Hotel Pallavi Private Ltd. unless cause a shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Electroweigh Private Limited

Bangalore, the 5th March 1982

No 5:20/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (b) of Section 560 of the Companies Act, 1956 and at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Electroweigh Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore.

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 4th March 1982

No. F. 48-Ad(AT)/82,—Shri S. V. Narayanan, Sr. Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad hoc basis in a temporary capacity for a period of tax months from 1st December 1980 to 31st May 1981 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/80, dated 6th March, 1981, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Lombay Benches, Bombay for a further period of one year with effect from 1st June 1981 to 31st May 1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for cligibility for promotion to next higher grade.

B. B. PALEKAR, President

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th February 1982

Ref. No. 1142.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. A-2, B-1 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transserred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Man Mohan Chand Bhandari N5/35, Shastri Nagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Ranjectmal Kastiya, 194, Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-2, B-1, SMS Highway Ex-Scheme, Bajaj Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 1294 dated 6-6-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-2-1982

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-FAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Japur, the 15th February 1982

Ref No 1139—Whereas I M I CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/-and bearing No

No A-6 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jappu on 15-6-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than giteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said A7, to the following persons, namely:—

(1) Shu Puiushottamdas Poddar, S/o 'atc Sh Deokilil Poddar, R o Lijpat Marg Jaipur

(Transferor)

(2) Shri Kundanlal Gupta S/o Shri Bhagwandas Gupta R/o L 2B Kiishna Marg, C-Scheme, Jaipur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No A-6 situated at Chomu House (Bhagiiath Colony, Sardar Patel Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by SR Jaipur vide No 1449 dated 15-6-1981

M L CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date 15-2-1982 Seal:

FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th February 1982

Ref. No. 1140.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Plot No. 17 situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 8-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sudesh Kohli W/o Shri Kewal Prakash Kohli House No. 129, Gumanpura, Kota.

(Transferor)

(2) Shri Desh Raj Madan S/o Shri Bhoja Ram Nada, New Colony, Gumanpura,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17, Vallabh Nagar Kota and more fully described in the sale deed registered by S.R. Kota vide No. 1223 dated 8-6-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-2-1982

seal

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDS,", ANAND BAZAR. COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 23rd February 1982

Ref. L.C. No 561/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₃. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Changanacherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Changanacherry on 22-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Kalyani Amma Pawathil Paipad.

(Transferor)

(2) Smt. Sulaika, S/o K. A. Latif, Vadakeparambil, Pernora, Changanacherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

26.376 cents of land as per schedule attached to doc. No 2020/81.

T. Z. MANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Emakulam

Date: 23-2-1982

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS." ANAND BAZAR COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 25th February 1982

Ref. L.C. No. 563/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Kottayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanjirappally on 26-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Travancore Rubbers Ltd., Kottayam.

(Transferor)

(2) Shri Roy Mathew, Kadooparambil, Baker Hill, Kottayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

18.25 acres of rubber estate and building as per schedule to doc. No. 2819/81 of SRI, Kanjirappally.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 25-2-1982

FORM I.T.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Maj Partap Singh, A-41/E D.D.A. Flat Munirka, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. S. Lamba, I.P.S., 238, Kidwai Nagar West, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th February 1982

Ref. No. CHD/75/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1068, situated at Sector 36C, Chandigarh

Plot No. 1068, situated at Sector 36C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of he property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36--516GI/81

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1068, Sec. 36C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 5 of June, 1981 of hte Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-2-1982

FORM ITNS ---

(1) Shri Harnam Singh Kalsi S/o S Wadhawa Singh Kalsi R/o 29/26 Fast Patel Nagar, New Delhi-8

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs Kusum Mohan & Mrs Ashish Mohan R/o 508, Sector 8B, Chaudigarh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th February 1982

Rel No CHD/76/81 82—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No 161, situated at Sector 27A Chandigarh sand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in June, 1981

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 161, Sector 27A Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No 508 of fune, 81 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 20-2-1982

Soal:

FORM NO. I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th February 1982

Rei. No. CHD/66/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

Plot No .1681, situated at Sector 33D, Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Lt. Col. S. L. Puri S/o Shri Mohan Lal Puri. Military Dental Centre, Jullundur Cantt. (Pb).

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Chand Lodha S/o Shri Chaman Singh & Smt. Leela Lodha W/o Shri Mahesh Chand Lodha, R/o House No. 1281, Sec. 34C. Chandigarh.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1681, Sec .33D, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 417 of June, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-2-1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF JNCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th February 1982

Ref. No. CHD/65/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 1742 situated at Sector 34D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ianstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Baldev Singh S/o Shri Shankar Singh, Warrant Officer, Air Force Station, Barnala,

(Transferor)

(2) Dr. Gurbax Rai Aggarwal S/o Shri Hans Raj R/o House No. 1270, Sec. 22B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1742, Sector 34D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 414 of June, 81 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-2-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th February 1982

Ref. No. CHD/70/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

SCO No. 268, Sector 35-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesoid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:-

(1) Shri Prahlad Arora S/o Shri Jawahar Lal Arora through General Attorney Sh. H. K. Arora S/o Shri Ramal Dass R/o 2142, Sector 21-C, Chandigarh. (Transferor)

(2) Smt. Veena Arora W/o Shri H. K. Arora, Executive Engineer H. No. 6 Type II, Canal Colony, Khajoori Road, Yamuna Nagar. (ii) Shri Ram Saran Dass and sons (HUF) through Shri Ram Saran Dass S/o Shri Dhool Chand R/o H. No. 212, Sector 18-A, Chandigarh.

(Transferce)

(i) M/s. Raj Studios Prop. Shri Rajinder Singh.(ii) M/s Shaukat Ali Tailors Prop. Shri Shaukat Ali.

(iii) M/s Friends Co. Agency and Enterprises.
(iv) M/s R. B. Bedi Associates.
all R/o SCO No. 268, Sector 35-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO No. 268, situated in Sector 35-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 459 of June, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-2-1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th February 1982

Ref. No. CHD/81/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. H. No. 1474, Sector 22B. situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Budh Singh S/o Shri Arura Mal R/o Santpura, Yamuna Nagar.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Kartar Kaur W/o Shri Harbans Singh Oberoi Shri Tajinder Jit Singh 3. Raminderjit Singh Ss/o Shri Harbans Singh R/o 2584, Sector 22-C, Chandigarh. (Transferce)
- (3) Shri S. Raghuvan, Asstt. Manager, Punjab National Bank, Shri B. K. Chhabra Shri Jagdev Sharma all R/o H. No. 1474, Sector 22-B, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H No. 1474 situated in Sector 22-B, Chandigarb. (The property as mentioned in the Registered deed No. 523 of June, 81 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-2-1982

Scal: -

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

fudhiana, the 20th February 1982

Ref. No. CHD 72/81-82.—Whereas, I, SUKHDI-V CHAND. Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- nn. bearing No.

II. No. 2708, Sector 22-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair mark it value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Ram Singh s/o Shii Raja Ram R/o Village P.O. Raipur, Teh. Kharar, Distt. Ropar.

(Transferor)

(2) Shri Beant Ram s/o Shri Charongi I al R/o H. No. 2708, Sector 22-C, Chandigarh.

(Transferce)

(3) Shri Malkiat Singh Shri S. P. Aggarwal Shri B. S. Bakshi All r/o H. No. 2708, Sector 22-C, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2708 situated in Sector 22-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 480 of lune, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20th February 1982

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th February 1982

Ref. No. CHD/74/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 2568, situated at Sector 35C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lt. Col. Krishan Lal Kheterpal through Shri Harjit Singh, R/o 1670, Sector 22B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Jagdarshan Singh and Mrs. Harinder Kaur SCO No. 1092/93, Sector 22B, Chandigarh. Now c/o Delite Theatre, Mandi Dabwali, Distt. Sirsa (Haryana).

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2568, Sector 35-C, Chandigarh (The property as mentioned in the registered deed No. 497 of June, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20th Pebruary 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th February 1982

Ref. No. LDH/123/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Factory Building measuring 14 Kanals 10 Marlas situated at Sherpur Kalan Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—
37—516GI/81

(1) 1. Shri Hamir Singh s/o Shri Rattan Singh and behalf of Shri Jagir Singh s/o Shri Rattan Singh & Shri Surjit Singh S/o Shri Rattan Singh & R/o B-XX-III-377, Dashmesh Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Gagan Khanna s/o Shri Kewal Khanna 10-D, Sarabha Nagar, Ludhjana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interest in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Building measuring 14 Kanals 10 Marlas (8772 Sq. yds.) situated in Giaspura Teh. Ludhiana, (The property as mentioned in the registered deed No. 3978 of June, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20th February 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAI, REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th February 1982

Ref. No. LDH/122/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 14 Kanals 16 Marlas situated at V. Giaspura Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana, in June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shera s/o Shri Lalu R/o B-XXIX-165, Giaspura Teh. & Distt. Ludhiana. (Transferor)
- (2) M/s. O. P. K. Woollen Mills Pvt. Ltd. G.T. Road (Dhandari) Ludhiana Through Shri Jatinder Khanna s o Shri Om Parkash Khanna R/o 185/1, GT Road, Dhandari Kalan, Teh. Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 Kanals 16 Marlas situated in Village Giaspura Teh. Ludhiana. (The property as mentioned in the registered deed No. 3934 of June, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20th February 1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th February 1982

Ref. No. 1 DH/139/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 10 Kanals 74 Marlas situated at Dhandari Kalan, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. R. N. Gupta & Co. 484/487, Industrial Area-B, Ludhiana Through Local Commissioner Shri Mohinder Lal Duggal, Reader, Court of Shri H. P. Handa, Sub Judge, Ludhiana. (Transferor)
- (2) M/s. Steel Structural Fabricators, Miller Ganj, G.T. Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 10 Kanal 7½ Marlas at Dhandari Kalan, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5521 of June, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlanz

Date: 20th February 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th February 1982

Ref. No. LDH/134/81 82 - Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

SCF No 21, measuring 110 Sq yards situated at Bhadaur House, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana, in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bel'eve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt Mannt Kaur w/o Sh Mohinder Singh and Shri Daljit Singh and Satwant Singh Sa/o Shri Mohinder Singh R/o Village Isewal Teh & Distt Ludhiana (Transferor)
- (2) Smt Tejinder Kaur w/o Shri Devinder Singh R/o 71 D, Saibha Nagar, Ludhiana (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No 21, measuring 110 Sq yds situated in Bhadaui

House, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No 5040 of June, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhlana

20th February 1982 Dat : Seal.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th February 1982

Ref. No. LDH/145/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, - and bearing No.

Plot No. 16-17-18, Bharat Nagar Extention situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at 1 udhiana, in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the tail market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Chaman Lal s/o Shri Gurditta Mal R/o 206-A, Sarabha Nagar, Ludhiana and Shri Madan Mohan and Harish Chander Ss/o Shri Ram Lal R/o Gulmarg Hotel, near Jagraon Bridge, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal Dhingra C/o J. P. Soda Factory, Near Laxmi Cinema, Ludhiana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16-17-18, situated at Bharat Nagar, Extention, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 5955 of June, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-2-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OI FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISOF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 27th February 1982

Ref. No. CHD/68/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000'- and bearing

Plot No. 334 situated at Sector 37A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesail property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurbachan Singh s/o Shri Dulla Singh R/o S.C.F. No. 2, Sector 15C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Kulwinderjit Singh & Harinderjit Singh Ss/o S. Jatinder Singh through their attorney S. Jatinder Singh R/o 2019, Sector 27C, Chandigarh.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 334, Sector 37A, Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 440 of June, 1981 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 27-2-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 27th February 1982

Ref. No. CHD/81/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 1(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Residential lease hold plot No. 1548, situated at Sector 38B, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri C. K. Khosla S/o Late Dewan Hari Kishan Khosla R/o 5591/1, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal Goyal S/o Shri Manohar Lal Goyal Shri Rakesh Kumar Goyal S/o Shri Krishan I al Goyal, R/o House No. 218, Sector 19A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential lease hold Plot No. 1548, Sector 38B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 476 of June, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I udhiana

Date: 27-2-1982

Scal:

FORM NO. I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Abdul Majid & Ors.

(Transferor)

(2) Smt. Anjali Ghosh.

(Transferee)

(3) Rum Chandra Prosad Jadav & Ors., Tenants.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1982

Ref. No. TR-52/81-82/SI. 601/IAC/Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, M. ΛΗΜΑD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

8/1 situated at Ismail Street, P.S. Entally, Calcutta-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 22-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed brick built building at premises No. 8/1, Ismail Street, Calcutta, land measuring 6K 5Ch 31 sft registered vide Deed No. 5223 dt. 22-6-81 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Date : 15-2-1982

LORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-1 AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

Pune the 17th February 1982

Ref No IAC/CA5 SR Shiii impur June 81 570 81-82 — Whereas I R K AGGARWAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No.

and bearing No Gat No 114 116 86 115B 1, 115B/2 115A situated at Monje I chognon Til Shinampui Dist Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Shritamour on lune 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to section (1) of Section 269D of the sud Act to the following instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

38-516GI/81

(1) Shri Pandurang Ramchandia Patil, Liquidator of the Piavara Agricultural & Industrial Development Co operative Society (Abolished) Ltd At Piavara Nagar Tal Shinampur

(Transferor)

(2) Shii Mutand Tiimbak Dhaimadhikati, Assistant Managei of Pravara Sahakut Sakhar Karkhana Ltd , Pravarnagar, Tal Shiirimpui

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUIT

(Property bearing Gat No. 114, 116, 86, 115B/1, 115B/2, 115A situated at Mouja Lohogaon, Tal Shinampui, Dist Ahmedaagai)

(Property as described in the sale deed registered under document No 1339 in the office of the Sub-Registrar, Shirtampur in the month of June 1981)

R K AGGARWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Pune

Date 17-2-1982 Sen1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th February 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Nasik/June 81/571/81-82.—Whereas I, R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 425-A/I situated at Mouje Nasik, Tal & Dist. Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Nasik on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhajandas B. Kukareja, Bhagyavridhi, Naikwadi, Ambedkar Chowk, Godbole Road, Thane-400602.

(Transferor)

(2) Shri Ravindra Domodhar Puranik, 4470, Cholapwada, Panchwati, Nasik-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property bearing S. No. 425-A/I situated at Mouje Nasik, Tal. & Dist, Nasik admn. 2,000 sq. mtrs.)
(Property as described in the sale deed registered under document No. 2569 in the Office of the Sub Registrar, Nasik in the month of June 1981.

R. K. AGGARWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune

Date: 19-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th February 1982

Ref., No. IAC CA5/SR.Alibag/June 81/572/81-82.—Whereas I, R K. AGGARWAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. Nos. 84, (Hissa No. 1, 2 & 3), 85 (1), 94 (3) 93, 94 1, 5 & 2), 95, 96), 97 & 109 situated at Village Talashet Post Poinad, Dist. Paigad

situated at Village Talashet Post Poinad, Dist. Paigad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Alibag on June 1981

for in apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than illiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Sultan Umar Barmare, 2. Shamsu Umar Barmare,

3. Iqbal Qadr Barmare and 4 Sheikh Umar Sheikh Mohamed Barmare,

At Village Pezari, Tal. Alibag, Dist. Raigad.

(Transferors)

(2) Shii Ashokkumar Rajkumar, 82, Chitrakoot Altamount Road, Bombay-400026.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing \$ Nos 84 (Hissa No. 1, 2, 3), 85 (1), 94 (3), 93, 94 (1, 5, 2) 95, 96, 97, 109 situated at Village Lalashet, Post Poinad, Dist. Paigad.

Property as described in the sale deed registered under document No 336 in the office of the Sub-Registrar, Alibag in June, 1981).

D. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pune

Date: 19-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAI, M.P.

Bhopal, the 19th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2558.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 761, 770, 771 (Agrl. land) & House situated at Village Datana, Dist. Ujjain

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 29th June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than intega per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shu Gopaldus Bharti
 S o Guru Dittamalji Dabar,
 Dusehra Maidan, Ujjain.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari Parihai W/o Ram Swaroop Singh Parihai, 23, Vinod Nagar, Ujjan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land survey No 761, 770 & 771 and house at Village Datana, Dist. Ujjain.

D P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 19-2-1982

FORM I.T.N S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF THE OME TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, MP

Bhopal, the 17th February 1982

Ref. No. IAC ACQ BPL 2339 -- Whereas I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No

47 1061 situated at Kampoo Road Tashkar Gwaliot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwaliot on 22 6 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to besieve that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefore by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: —

(1) Shri Golamai S/o Judiyamal R/o Hospital Road, Lashkai, Gwalior

(Transferor)

(Transferces)

(2) I Shii Dhanna Singh Soo Shii Hemraj
 2 Shii Shyam Sundei Soo Shii Dhanna Singh
 3 Shii Giiiupiasad Soo Shii Dhanna Singh
 4 Shii Mahendra Kumar Soo Shii Dhanna Singh
 Roo Shabdapratap Ashiam, Bhuteshwar Road,
 Giwalior

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No 47/1061 Kampoo Road, Lashkar and Land

ID P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floor Gangotii Building
T T Nagai Bhopal

Date 17 2-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP

Bhopal the 17th February 1982

Ref No 14C ACQ BPL/2340—Whereas I D P PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

House No 47/1061 (Part situated at Kampoo Road, Lishkai, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalioi on 17 6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lan market value of the property as adores ad said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

(1) Shri Golomal S/o Judiyamal, Hospital Road, Lashkar, Gwallor

(Transferor)

(2) Smt. Jasvit Kalli, W. o. Jagdish Singh Sodhi, Sritam Colony, Jhansi Rond, Lashkar, Gwalior

(Transferec)

Objections, if any, to the acquiistion of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

LXPIANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Part of House No. 47/1061 situated at Kampoo Road Lashkar, Gwalioi

D P PANTA
Competent Authority
Inspecting \(\)\text{Ssist int Commissioner of Income-tax} \(\)
Acquisition Range
4th Floor Gangotii Building
T T Nagai. Bhopal

Date 17-2-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME 1AV AC1, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Golomal S/o Judiyamal, Hospital Road, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh Sodhi S/o Shri Mukhtyar Singh Sodhi, Shriram Colony, Ihansi Road, Crwalior.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th February 1982

Ref. No. IAC'ACQ BPL/2341.—Whereas I, D.P. PANTA being the Competnet Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 47/1061 (Part situated at Kampoo Road, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gwalior on 16-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

House No. 47/1061 situated at Kampoo Road, Lashkar, Gwalior

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floot, Gangotti Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-2-1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th February 1982

Ref No IAC ACQ BPL, 2342 - Whereas I, D P PANTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

house with land situated at

Kampoo Road, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 15-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely:—

(1) Shri Golamal S/o Shri Indivamal Hospital Road, Lashkar, Gwahor

(Tiansferor)

(2) Shii Sukhdev Singh S/o Shii Mukhtyar Singh Sodhi, Shiiram Colony, Ihansi Road, Lashkar, Gwaliot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meang as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Kampoo Road, Lashkar, Gwalior

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotti Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date 17-2-1982

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2343.—Whereas I, D.P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 47/1062

situated at Kampoo Road, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Gwalior on 17-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Esteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-39—516GI/81

 Shri Khan Chand S/o Shri Gangalmal Dal Bazar, I ashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh S o Shri Mukhtyar Singh, Shriram Colony, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No 47/1061, situated at Kampoo Road, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal.

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 17th February 1982

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/2344.—Whereas I, D.P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one house at Kampoo Road, Lashkar situated at Kampoo Road, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 15-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khan Chand S/o Shri Gangalmal Dal Bazar, Lashkai, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Manjeet Kaur W/o Shri Amarjeet Singh Sodhi R/o Shriram Colony, Jhansi Road, Lashkar, Gwalior. Shriram Colony, Lashkar, Gwalior.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house situated at Kampoo Road, Lashkar, Gwalior.

D. P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 17-2-1982 Seal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2345.—Whereas I, D.P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 47/1062 situated at Kampoo Road, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gradier on 16-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Khan Chand S/o Shri Gangalmal, Kasimka Bada, Dal Bazar, Lashkar, Gwalior.
- (2) Ajayab Singh Sodhi S/o Shri Dharam Singh Sodhi, R/o Shriram Colony, Jhansi Road, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 47/1062 and Land situated at Kampoo Road, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangoti Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-2-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2346.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Quarter No. 56 situated at Kherapati Colony, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 5-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Chandra Swaroop Bhatnagar
 S/o Shri Harpatral Bhatnagar,
 Kherapati Colony, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Gyan Swaroop
 S/o Shri Harpatrai Bhatnagar,
 R/o Kherapati Colony, Lashkar, Gwalior.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herela as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Quarter No. 56, situated at Kherapati Colony, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal,

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th February 1982

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/2347.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Quarter No. 56 situated at Kherapati Colony, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 5-6-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gyan Swaloop Bhatnagar S/o Shri Harpatral Bhatnagar, R/o Kherapati Colony, Lashkar, Gwalior.
 (Transferor)
- (2) Shri Chandra Swaroop
 S/o Shri Harpatrai Bhatnagar,
 R'o Kherapati Colony, Lashkar, Gwalior.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Quarter No. 56, situated at Kherapati Colony, Lashkar, Gwallor.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Naga1, Bhopal

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M P.

Bhopal, the 17th February 1982

Ref No IAC/ACQ/BPL/2348 —Whereas, I, D P PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Open Land & Tin Shed situated at Adjoining Krishna Theatre, Lashkin, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 5-6 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

- (1) 1. Chandra Sen Rao
 - 2. Shivaji Rao 3 Shambhajirao
 - 4 Abaji Rao S/o Anand Rao and Smi Kanchan w/o Sri Abajirao Phalke R/o Krishna Mandi Phalke Bazar, Lashkar, Gwalior

(Transferors)

(2) Smt Madhuri Devi Mukharia W/o Sri Rajendra Kumar Mukhariya Chowk Bazar, Beora 2, Smt Meera Gupta w/p Prem Chand Gupta Chowk Bazar, Banda

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land and Tin Shed adjoining Krishna Theatre, Lashkar, Gwalior

D. P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Foor, Gangotti Building,
T T Nagar, Bhopal

Date 17 2-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 17th February 1982

Ref. No. III-543/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 34 situated at Patliputra Colony (Mainpura) Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Patna on 1-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Bashisth Narain Choudhary, Advocate S o Late Hari Narain Choudhary R/o 34, Patliputra P.S. Patliputra Dist. Patna Present Address:— Puranisarai, Nath Nagar, Bhagalpur.

(Transferor)

Shri Pramod Singh S/o Late Gopal Prasad Singh
 Shrimati Ramjhari Devi
 W/o Sri Nand Kumar Singh
 R/o Village-Barao P.O. Barnao P.S. Jagdishpur,
 Dist. Bhojpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kathas 19 dhurs and 15 dhurkies situated at Patliputra Colony in the District of Patna more fully described in deed No. 4048 dated 1-6-81 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 18th February 1982

Ref No. III-545/Acq/81-82—Whereas, I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Thana No 236 Khesara No. 812 situated at
Mohalla Paken, Airah Town, Distt. Bhojpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bhojpur on 30-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilit of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfe., and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- (1) Smt Anand Mai Devi Wo Babu Dhaneshwar Pd. Singh Resident of Gajiaput, PS Barharah Pragna Arrah Distt Bhojour.
- (2) Shri Ram Piatap Singh S/o Ram Naresh Singh Resident of Bakhorapui, P.S. Barharah Pragna Airah Distt. Bhojpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 7 Katha 5 dhurki with building with compound Wall situated at Mohalla Pakeri Pragna Arrah Nawadah Disti Bhojpur more fully described in deed No 4704 dated 30-6-81 registered with D.S.R. Bhojpur.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date: 18-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GÓVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 18th February 1982

Ref. No. III-546/Acq/81-82.—Whereus, I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot Nos. 327, 330, 331, 350, 343, 345, 262, 258 Part, 263 Part. 328, 344, 264, 265 266, 322, 355, 252, 257, 254, 259 Part 255 Part. 346, 347, 261, 251, 353, 329, 333 Part, 340, 341, 342, 339 Part, 274 Part. 256, 348 Part, 260, 359 Part, 357 Part.

situated at Chandrabed and Chasnala Dist. Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 26°C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—516G1/81

 Shri Rma Shanker Prasad S/o Late Bhagwan Das Resident of No. 52/1, Dr. Abani Dutt Road, Howrah.

(Transferor)

(2) Peatl Projects and Steels Ltd. Having its registered office at No. 23-A, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferee)

(3) 1. Shri Radha Krishna Pd.2. Kedarnath Jaiswal

3. Jagannath Prasad and

Suresh Prasad,
 All sons of Rama Shanker Prasad,

Resident of No. 52/1, Dr. Abani Dutt Road, Howigh.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring about 9 bigh with some constructions and Machineries situated at Chandrabad and Chasnala P.S. Jorapokar, Dist. Dhanbad as described in the FIRST and SECOND schedule of the deed No. I-4937 dated 13-6-81 registered with the registrar of Assurance Calcutta

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date: 18-2-82

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/ Λ cq-I/SR-III/6-81/418 —Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No.

C-22, situated at Chiragh Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. M. K. Mehta s/o Sh. G. L. Nanda through attorney Sh. D. P. Mehta s/o L. Sh. J. P. Mehta r/o E-66, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

 Smt. Geeta Vachani d/o Sh. S. T. Vachani τ/o B-22, Mayfair Gardens, ND.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house No C-22, Chiragh Enclave, New Delhi measuring 500 sq. yd.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range I, New Delhi.

Dated: 10-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III 6-81/467.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

A-457, satuated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more them fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Malti Talwar w/o Sh. S. D. Talwar through her Attorney Sudhir Kapoor, No. 7 Birbal Road, Jangputa Extn., New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Kamal Bhalla w/o Sh. Narinder Singh Bhalla r/o A-457, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. A-457, Defence Colony, New Delhi Area 217 sq. vd.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 10-2-1982

FORM I.T.N.S.-

(1) Sh. Hakim Syed Hussain Dehvil r/o Lal Mehal Basti Hazrat Nizamuddin, N. Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Fazal Inayat Khan r/o C-42, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC Acq-1/SR-III/6-81/430.—Whereas, I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 129 situated at Basti Hazrat Nizamuddin, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on June 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal registration No. 129, situated at Basti Hazrat Nizamuddin, New Delhi.

S. R. GUPTA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 10-2-82

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sh Hakim Syed Hussain Dehlvi r/o Lal Mahal. Basti Hazrat Nizamuddin, New Delbi.

(2) Sh. Fazal Inavat Khan, C-42, Langpura Extension, New Delhi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DFLHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-81/431.—Whereas, I, S. R. GUPIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

129, situated at Basti Hazrat Nizamuddin, New Delhi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Mpl. registration No. 129, Basti Hazrat Nizamuddin, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 10-2-82

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

\CQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No IAC/Acq I/SR-III/6-81/432.— ψ hereas, 1, 5. R GUP Γ A,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

129, situated at Bash Basha Nizamuddin, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftee nper cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh Bukim Syed Hussain Dehlvi 1/o Lal Mahal, Basti Haziat Nizamuddin, New Delhi,

(Transferor)

(2) Fazal Inayat Khan r/o C-42, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing Mpl. Registration No 129, Basti Hazrat Nizamuddin, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delha

Dated: 10-2-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, NEW DITTH New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-81/433.—Whereas, I. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

129, situated at Basti Hazrat Nizamuddin, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hakim Syed Hussain Dehlvi r/o Lal Muhal, Basti Hazrat Nizamuddin, New Delhi.

(Transferor)

(2) Fazal Inavat Khan, C-42, Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Mpl. Registration No. 129, Basti Hazrat Nizamuddin, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 10-2-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Hakim Syed Hussain Dehlvi r/o Lal Mahal, Basti Hozrat Nizamuddin, New Delhi.

(Transferor)

(2) Fozal Inayat Khan, C-42, Jangpura Extn., N. Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DFLHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-81/434.--Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 129, situated at Basti Hazrat Nizamuddin, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property Mpl. Registration No. 129, Basti Hazrat Nizamuddin, N. Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

persons, namely:-

Dated: 10-2-82

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION R OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGF-I, NFW DELHI New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-81/534.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S62, situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

transfer with the object of :--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at New Delhi on June 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—41—516GI/81

(1) Snit. Madhu Aggarwal w/o Sh. Sudershan Aggrawal r/o E/467, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Wajidsons Exports Ltd. S/62 Greater Kailash-II, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. S/62, Greater Kailosh-II, New Delhi area 300 sq. yds.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 10-2-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, NFW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-81/523. -Whereas, I, S. R. GUPUTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C-436 situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Au, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Lt. Col. Jaidev Shah Singh s/o S. Arjun Singh, Chief Administrative Officer, National Sports Club of India, Mathura Rd. New Delhi.

(Transferor)

Dr. I. S. Mathur s/o late Shri R. S. Mathur r/o C-436, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

2] storeyed house No. C-436, Defence Colony, New Delhi measuring 325 sq. yds.

> S. R. GUPTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 10-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DFLHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-1 SR-III, 6-81/518.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269D, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-26, situated at South Extension-II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Dr. Tek Chand Soni, B-26, South Extension-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Supreme Printers (P) Ltd., 36, Netai Subash Marg, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-26, South Extension Part-II, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhl

Dated: 10-2-82

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-81/445,—Whereas, I,

S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. A-439, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of instrument with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major Gurbachan Singh Cheema s/o Gopal Singh Cheema r/o 3021, Sector 19-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Abdul Mujeeb s/o Haji Abdul Wajid r/o Idgaba Road, Moradabad (UP).

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-439, Defence Colony, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/new Delhi

Dated: 10-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D₍₁₎ OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELIII

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-81/435.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. G-10, situated at South Extension-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16-of 1908) in the Office of the Registering Officer at in June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. S. B. Sapuran Singh Chawla Charity Trust with its office at 5-A, Court Lane, Civil Lines, Delhi through its one of the Trustees S. Iqbal Singh Chawla s/o S. B. Sapuran Singh Chawla.

 (Transferor)
- (2) Baluja Charitable Trust, E-1, Jhandewalan Extn., New Delhi through its Trustee Sh. C. A. Baluja s/o Sh. Brij Lal Baluja r/o C-182, Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 storeyed building No. G-10, South Extension-I, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 10-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-81/529.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. U-11, situated at Green Park Extension, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afinesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Rajeshwari Devi w/o Sh. Uma Shanker Goel r/o 283, E. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Prem Nath s/o Sh. Hans Raj r/o U-11, Green Park Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. U-11, Green Park Extn., New Delhi measuring 500 sq. yds.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 10-2-82

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.I 'SR-III'6-81/423 -- Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Village Shaurpur, Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trunsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Sh. Chahat, Tej Pal, Ram Chand and Mahi Pal ss/o late Dalel r/o Vill. Fotehpur, Mchrauli, New Delhi, (Transferor)
- (2) Divine United Organisation, Sh. Sant Yogashram, Hans Marg Mehrauli, New Delhi through Ved Parkash its Treasurer and G/A of Sampurna Nand, President of DUF.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 21 bighas 10 biswas in village Shaupur, Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 10-2-82

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-81/421.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4196 (Part) Bhagwati Bhawan situated at Paharganj, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Murari Lal & Krishan Lal r/o 4196, Bhagwati Bhawan, Paharganj, Tel Mandi, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sushma Devi, 133 Ghee Mandi Paharganj, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4196 (Part) Bhagwati Bhawan, Paharganj, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 10-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DEI HI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-81/535.—Whereas, I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. E-544, situated at Greater Kailash-II, New Delhi,
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
in June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 pf the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—516GI/81

(1) Mr. Mehta Ram Atmaram Mirchandani s/o Sh Dewan Atma Ram and others r/o E-544, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Amar House Builders, 42, I olste, Lane, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house No. E-544, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 562 sq. yds.

S. R. GUPTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I. New Delhi

Dated: 10-2-82

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-III/6-81/525.—Whereas, I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 'A' (FF) S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s South Delhi Builders (P) Ltd., 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal Narain Kaul.

(Transferor)

(2) Mrs. Vibha Pandhi d/o S. S. Bhagat r/o Flat No. 'A' (FF) S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 'A' First Floor measuring 821.5 sq. yd. its part of Property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated: 10-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s Banarsi Das Chadha & Bros. D-18, Lajpat Nagar-III, New Delhi.

(Transferor)

(2) Hanemp Properties (P) Ltd., G-12, N.D.S.E.I., New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-UI/6-81/381.—Whereas, I, S. R. GUPTA

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Village Satbari, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the initial act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl, land measuring 13 bighas and 15 biswas in village Satbari, Teh, Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 10-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref No IAC/Acq I/SR III/6 81 378 - Whereas J S R GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No Agri land situated at Village Sathari, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in trument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the areresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Banarsı Das Chadha & Bros D-18, Lajpat Nagar-III, New Delhi

(Transferor)

(2) Sh Narinder Singh Dugal, Kawaljit Kaur Dugal r/o 128-A, Block-G, Flat No 5, New Alipore, Calcutta-53

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agrl land mensuring 9 bigbas and 9 biswas in village Satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, New Delhi

Dated 10 2 82 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I. NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR III/6 81/379 —Whereas. I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No Agrl land situated at Village Satbari New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Pure 81.

for an apparent consideration which is

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) M/s Banarsı Das Chadha & Bros D-18, Lappat Nagai III, New Delhi

(Transferor)

(2) Sh Ravindra Nath s/o Late Lala Ishwar Das Anand r/o W-154 Greater Kailash-I, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

LXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agrl land measuring 8 bighas and 12 biswas in village Satbaii Teh Meh New Delhi

S R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1, New Delhi

Dated 10-2-82 Seal

FORM FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DFLHI

New Delhi, the 10th February 1982

Rcf. No. IAC/Acq./ISR-III/6-81/532,---Whereas, I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 5 (FF) A-30 to A-33, situated at Connaught Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Emca Construction Company, 24/24, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Bhim Sain Sachdeva s/o Matwal Chand Sachdeva and others r/o 65/40, Rohtak Road, K. Bagh. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on first floor out of property bearing Mpl. No. A-30 to A-33, Connaught Place, New Delhi.

S. K. GUPTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 10-2-82

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/ Λ cq.I/SR-IV/6-81/153.—Wholeas, I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9, situated at Vill. Chandrawal, Raj Block, G.T. Road Shahdara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the murposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Balbir Singh s/o Sh. Teja Singh, 402, Hua Bhawan, Bhola Nath Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferor)

(2) S. Narender Singh S o S. Balbir Singh 9, Raj Block, G T. Road Shahdara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 9, area 125 sq. yd. Vill. Chandrawal, Raj Block, G.T. Road, Shahdara.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 10-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-IV/6-81/154.—Whereas, I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9, situated at Vill. Chandrawal Raj Block,

G.T. Road, Shahdara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

In June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Chhabar Singh s/o Sh. Balbir Singh, 402, Hira Bhawan, Bhola Nath Nagar Shahdara.

(Transferor)

(2) S. Narender Singh s/o S. Balbir Singh 9, Raj Block, G.T. Road Shahdara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 9, area 125 sq. yds. Vill. Chandrawal, Raj Block, G.T. Road, Shahdara, Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 10-2-82

Seal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NI W DELIII

New Delhi the 10th February 1982

Ref. No. IAC Acq.1/\$R-IV/6-81/146.--Whereas, I, S. R. GUP1A

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 30 Block-B, situated at Iyoti Nagar (Fast) Shahdara, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforessaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
43—516GI/81

(1) Sh. Vinod Kumar Mittal s/o Sh. Banwari Lal Aggarwal 1/10, Shalimar Park, Bhola Nath Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh Anil Kumai Gupta 5/0 Sh. Kesho Ram Gupta r o H-34, Naveen Shahdara, Delhi-32 and others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No 30 Block-B mg. 537.3 sq. yds. Iyoti Nagar (East) Shahdain, Delhi-32.

S. R. GUPTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I, New Delhi.

Scal:

Date: 10-2-82

(1) Sh. Gian Singh s/o Sh. Munsha Singh and others r/o J-5/15, Krishan Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi Garg w/o Sh. Vishnu Gupta r/o B-66A, East Azad Nagar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/6-81/137.—Whereas, I,

S. R. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-5/15, situated at Krishan Nagar, Delhi

and more fully described in the Schedule annexed hereto). nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Western portion of property No. J-5/15, mg. 256.13/20 sq. yd. Vill. Ghondli, in the abadi of Krishan Nagar, Delhi.

> S. R. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-82

Banarsi

(1) Smt. Kesar Devi w/o Laxmi Narain and others r/o 5 Lancer Road Banarsi Dass Estate, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sushil Kumar Anil Kumar, Parmod Kumar ss/o Prem Chand and others r/o 2-3, Khureji Khas, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-IV/6-81/125,---Whereas, I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-13, situated at Jyoti Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-13, Jyoti Nagar, Shahdara, Delhi mg. 800 sq. yds.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 10-2-82

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D\((1)\) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1982

Ref. No. JAC/Acq.-I SR-IV, 6-81/118.—Whereas, I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Portion of Prop. No. 31 situated at Village Khureji Khas, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- (1) Smt. Raj Kumari Dhingra wd/o Sh. Sain Datta Mal Dhingra r/o House No. 31. Silver Park, Behind Shiv Puri, Patparganj Road Delhi. (Transfeior)
- (2) Sh. Mahesh Kumar Agarwal s/o Shri Ganesh Dass r/o 2525, Nai Waral, Chawri Bazar, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up single storcy property, bearing portion of Property No. 31, Village Khureji Khas, abadi of Silvei Park, Delhi.

> S. R. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 10-2-82

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELIII

New Delhi, the 1!th rebruary 1982

Ref. No. IAC Acq-ISR-III/6-81/513.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Shop No. 154 situated at Mpl. Market, Karol Bagh,

New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at New Delhi on June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exce its the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

- (1) Sh. Kishan Lal Bablavi s/o Chetan Dass R/o 154, Mpl. Market Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Narinder Singh S/o Sunder Singh R 'o Stall No. 6 Chaffar Market, Karol Bagh. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 154 Mpl. Mkt. Karol Bagh, New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-f. Delhi/New Delhi

Dated: 11-2-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/6-81/524.—Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4D/35 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1998) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

- (1) Sh. Chetan Dass S/o Chaman Lal R/o 3D-42 Banglow Road, N.I.T. Faridabad. (Transferor)
- (2) Sh. S. Tikamdass 5/0 Mulchand (2) Girdhari Lal 5/0 Mulchand Both r/0 4D/53 Old Rajinder Nagar

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built quarter No. 4D/35 Old Rajinder Nagar, New

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-, Delhi/New Delhi

Dated: 11-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sh. Surat Singh, Ratti Ram & Ram Kishan Sons of Sh. Dharma, R/o Village Bijwasan New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala w/o Sh. Sant Ram Smt. Jito w/o Sh. Ratti Rant Mukhtiari W/o Ram Kishan R/o Village Bijwasan, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-81/675.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at Village Bijwasan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land area 19 bighas and 11 biswas village Bijwasan, New Delhi.

S R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated: 11-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. 1AC / Acq.-I/SR-III 6 81 / 527 --- Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4C/12 situated at

Old Rajinder Nagor, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Tara Wati Narula (2) Sh. Rajan Narula
 Sh. G. C. Naruala all Residence of 1411/Sec. 15 Fandobad
 - (Transferor)
- (2) Sh. S. Lafa Ram's o Sh. Khoda Ram Polidence 1: 4C/12 Ola Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Original asbestos toollag Govt, built quarter beating No. 4C/12, Old Rajinder Nagar New Delhi 85.9 sq. yds,

S R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Dated: 11-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELH!

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-81/459.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 101 situated at Basti Renger, Karol Bagh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforespid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

44--516GI '81

(1) Sh. Sudhir Kapoor, Ram Kapoor, Shurd Kapoor & Smt. Madhu Malhotta, R/o M/s Ronson Tailors— 34, Beadonpura, K. Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kumai Gandheiv, Sagai Kumai. Deepak Kumai & Karuna Schgal 2893, Basti Rehgar, K. Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built Property on Plot No. 101, Area 100 Sq. yds. situated at Basti Rehgar, Kurol Bagh. New Delhi.

S R. GUPTA
Competent Authority
Unspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Dated: 11-2-1982

FORM I.T.N.S.-

(1) Sh. Ram Narain Khurana XY-17, Saroini Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Bal Krishan 61/4258 Rahger Pura Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.I SR-III/6-81/458.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 16/6171 situated at Rehgan Pura, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16/6171—(75 Sq. Yds.) Rahger Pura, Karol Bagh, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-, Delhi/New Delhu

Dated: 11-2-1982

(Transferor)

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1982

Ref. No. 1AC/Acq.-I/SR-ΠI/6-81/515.—Whereas, I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agrl. Land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Suraj Bhan S/o Shri Ram Saroop, R/o Village Bindapur. Delhi.
- (2) M/s C. Lyall & Co. (Construction) (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agil. Land 3 share in 58 bighas and 11 biswas in Village Bijwasan, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rage-I, New Delhu

Date: 15-2-1982

Soal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNAMENTS OF REPLA

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/6-81/516.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. I and situated at Vill. Bijwasan, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initaite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chander Bhan S/o Shri Ram Saroop, R/o Vill. Bindapur, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s C. Lyall & Co. (Construction) (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land 2 share in 58 bighas and 11 biswas in Village Bijwasan, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rage-I, New Delhi

Date: 15-2-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTIC COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGET, G-12 INCOME TAX BIJAWAN TP ESTATE

New Dellii, the 15th February 1982

Ref. No. IAC Acq. I/SR II/6 81/512 —Whereas I S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No G 112-B situated at Kalkaji, New Deihi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June 1981

for an apparent consideration which is less than the tail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforecard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Inder I al Uppal S/o Ram Saran Uppal R/o Neelkamal Opp Amul Dairy Anand (Gujarat) Thi General Attoiney J D Kohli
 - (Transferor)
- (2) Shi I D Kohli S/o F C Kohli R/o G IB Kalka ji New Delhi

(Transferee)

(3) Smt I alita Sekaran W/o V C Chander Ram Saran R/o C 112 B Kalkaji, New Delhi (Person in occupation of the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (5) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FYPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-112-B, Kalkan, New Delhi (170 Sq. yds.).

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date 15 2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S. Amar Singh S/o Late S. Prem Singh r/o I-H/ 20 Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Asha Rani W/o Shri Har Gopal R/o I-F/ 153 Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-12, INCOME TAX BHAVAN, I.P. ESTATE

New Delhi, the 15th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-[/SR-III/6-81/502,---Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H-I/20 situated at Lajpat Nagar, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. H/I/20 Lajpat Nagar, New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1982

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGF G 12 INCOMF TAX BHAVAN IP ESTATE

New Delhi, the 15th February 1982

Ref No IAC/Λcq-I/SR-III/6-81/427 —Whereas I, S R GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No F/10-2 situated at Vasant Vihai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri B L Sabharwal S/o Shri Mahesh Dass R/o G-I/A 85-C Janakpuri New Delhi (Transferoi)
- (2) Shii Kiishan Kumar and Raj Kumar S/o Shii Jagdish Mittar R/o 68 69 Satva Neketan Motibagh New Delhi (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No F-10/2 Vasant Vihar New Delhi

S R GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date 15-2-1982 Seal

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE

New Delhi, the 15th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III '6-81/526.—Whereas I,

S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 9 B. No. 27 situated at New Rohtak Road, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kaushalya Devi W/o Shri Ram Dass Luthra R/o 27-B/9 New Rohtak Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Aggarwal Paper Mills 16-A New Mandi, Muzafiai Nagai, U.P. Thi its partner Shii Anil Kumar Aggarwal S/o Lala Rudha Mal. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building superstructure Plot No. 9 Block No. B-27 measuring 253.33 sq. yds at New Rohtak Road, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 15th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-JII/6-81/456.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 95 Block No 8A situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—516GI/81

(1) Smt. Melawi Devi M/84 Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Lal Bhatia R/o 37/14 old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Plot No. 95 Block No. 8-A W.F.A. Karol Bagh, New Delhi.

S. R. GUPTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 15th February 1982

Ref. No. IAC 'Acq-I 'SR-III/6-81/374.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. Land situated at Vill. Jonapur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi in June 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reisons, namely:—

- (1) Shri Sukh Dev Singh Ghambir S/o Than Singh B-8/4 Poorvi Marg, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Baba Virsa Singh Foundation N. No. 33 Sec. 4 Chandigarh Thr. Bibi Nirlap Kaur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. Land 5 bighas & 13 biswas, village Jonapur, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1982

FORM LT.N.S.-

(1) Shiimati Surjit Kaui W/o Hajbajan Singh I-D/22 Tagoic Garden, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Baba Viisa Singh Foundation House H No 33 Scc 4 Chandigath, Thi Nitlap Kaur (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G 13 GROUND FLOOR CR BUILDING IP ESTATE
New Delhi, the 15th February 1982

Ref No IAC/Acq-I/SR-III/6-81/375 —Whereas I, S R GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

No Agrl I and situated at Vill Jona Pur New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said institution of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl land 5 bighas 15 biswas Village Jonapur, New Delhi

S R GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 15-2 1982 Seal

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 15th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-81/376.--Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. Land situated at Vill. Jona Pur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajinder Kumar Hans & Virinder Kumar Hans S/o Ram Lal Hans R/o Partap Street, Pahar Ganj New Delhi.

(Transferor)

(2) Baba Virsa Singh Foundation House H, No. 3 Sec. 4, Chandigarh Thr. Bibi Nirlap Kaur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land 4 bighas 4 biswas, Village Jonapur, Marouali, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Manohar I al s/o Sarup Singh R/o Vill. Bijwasan, New Delhi thr his mother Sint Ram Kaur (Transferor)

(2) Shri G S Kashyap & Sons (P) Ltd 5 Faster Avenue Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G 12, INCOME TAX BHAVAN, I.P. ESTATE
New Delhi, the 15th February 1982

Ref No IAC/Acq I/SR-III/6-81/452 —Whereas I, S R GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Agrl land situated at Vill Vijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparat consideration therefor by more that fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (d) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

l XPI ANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agrl land measuring 17 bighas, 14 biswas Bijwasan, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date 15-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMESIONER OF INCOMESIAX

ACQUISITION RANGE-I. G-12, INCOME TAX BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th Teoritary 1982

Ref. No. IAC/Acq-I SR-III/6-81/453.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to reduce that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. Land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value or the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manohar Lal Minor S/o Sarup Singh R/o Village Bijwasan Tehsil Mehrauli, New Delhi. (Transferor)
- (2) G. S. Kashyap & Sons (P) Ltd. 5, Eastern Avenue Maharani Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Agrl. Land measuring 17 bigha 14 biswas Vill. Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DEFHI

New Delhi, the 15th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-I SR-IV/6-81 133.—Whereas I, S R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. S-31 situated at Ghondli Kishan Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

New Delhi in June 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that hie fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shirmati Saroj Patni W/o Anand Parkash S-31 Kishan Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Shrimati Shinti Devi Suri W o Dharam Vir Suri D-5, Kishan Nagar, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portions of plot No S 31 Village Ghondli Kishan Nagar, Delhi.

S R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1982

(1)

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

10 Rajouri Garden, New Delhi.

Shri Balbir Singh & Smt. Charanjit Kaur r/o J-13/

(2) Dr. Iqbal Singh Chhabra & Smt. Jagmit Kaur r/o Z-4, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-11 H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

> > New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR.II/4645/6-81.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. J-13/10 situated at Rajouri Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on plot No. 10 in Block J-13 situated at Rajouri Garden, New Delhi,

> SMT._VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il H-Block, Vikas Bhavan I. P. ESTATE, New Delhi

Date: 11-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II II-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATI , NEW DELIH

New Delhi, the 15th February 1982

Ref No IAC/Acq-II/SR-I/6-81/7997,---Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. L/101, situated at Kirti Nagar, Vill. Bassai Darapur,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit on of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
46—516GI/81

(1) S. Beant Singh s/o Jamiat Singh D-19, Ajay Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Neelam Wadhwa w/o Ashok Kumar Wadhwa, A-75A, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. L/101, Kirti Nagar, Vill. Bassai Darapur, Delbi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I. P. Fstate, New Delhi

Date: 15-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, IP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1982

Ref. No. 1AC/ Λ cq-II/SR-I/6-81/8074.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

4883, 4884, Ward VI situated at Kucha Ustad Bagh, Chandni Chowk, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Radha Kıshan Mehra s/o Shri Bal Krishan Dass 60/7, Ramjas Road, K.B. Delhi, Karta of H.U.F.

(Transferor)

(2) Indo European Machinery Co. P. Ltd 20 Sir P. M. Mehta Road, Fort, Bombay, Through Ajit Raj Surana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4883, 4884, etc. Ward VI Kucha Ustad Bagh, Chandni Chowk, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I. P. Estate, New Delhi

Date: 15-2-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-Π/SR-Π/6-81/7983.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8A/3, situated at Sri Ram Road, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Uma Sahni w/o Sh. K. P. Sahni 8, Sri Ram Road, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Raj Krishan S/o Late Shri Banwari Lal 8A/3, Sri Ram Road, Delhi.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 8A/3, Sri Ram Road, Delhi,

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
H-Block, Vikas Bhavan
I. P. Estate, New Delhi

Date: 15-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-81/7985.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

18/4, situated at West Patel Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act of the following persons, namely:—-

- (1) Smt. Hannibai Wd/o Shri Trilok Chand Shikarpuri R/o 18/4, West Patel Nagar, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) Shri Vipul Malik S/o Shri G. L. Malik r/o 4D/26, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Government built Qr. No. 18/4, West Patel Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I. P. ESTATE, New Delhi

Dated: 12-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II II-BI OCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1982 Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/6-81/4672.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 49/A, situated at Road No. 41, Punjabi Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1981,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Harbans Kaur W/o Harbans Singh. Parvinder Bir Singh and Tharvinder Bir Singh Shahpuri Se/o Harbans Singh Shahpuri r/o D-1/5, Rajouri Garden New Delhi.
- (Transferor)
 (2) M/s. Janak Steel Tubes (P) Ltd., Hissar Road, through its director Shri Janak Raj Jindle.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 49/A (Built) Road No. 41, Punjabi Bagh, New Delhi (2106 sq. vds.).

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I. P. ESTATE, New Delhi

Date: 12-2-1982

- (1) Smt. Brij Rani W/o Sh. Naval Kishore r/o Kucha Gasi Ram, Chandni Chowk, Delhi-6. (Transferor)
- (2) Shri Agar Chand Jain s/o Sh. Ram Chander r/o 291, Kucha Ghasi Ram, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/6-81/8005.—Whereas, J. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 712 situated at Nai Basti Katra Neel, Chandni Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One 21 Storeyed Building No. 712 situated at Nai Basti Katra Neel, Chandni Chowk, Delhi.

VIMAL VASISHT Competent Authroity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-82.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. JAC/Acq-II/SR-I/6-81/8034.—Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 27, 28 situated at Dhirpur Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Savitri Devi W/o Dilbagh Rai Malhotra r/o 35-D, Chandigarh, Haryana.

(Transferor)

(2) Shri G. N. Singhal 9/0 Suraj Mal & Pushpa w/o G. N. Singhal r/0 45/1, Mall Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 300 sq. yds. plot No. 27.28 Dhirpur, Delhi.

MRS. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-82.

Scal;

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATF, NEW DELHL

New Delbi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-81/8018.—Whereas I VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-2 (Right Wing) Property No. E-2/16 situated at Darya Ganj, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Satish Seth S/o R. C. Seth Mg. Partner M/s. Saraswati Builders, G 1/16, Daryaganj, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sandhya N. Chhabria R/o 9G, Vishwa Apartment, Civil Lines, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One room bearing an area of 460 sq ft. of the first floor bearing Private No. F-2 (Right Wing) in Property No. E-2/16, Daryaganj, N. Delhi & 1/3rd share of undivided portion of toilet having area of 120 sq. ft.

MRS. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-82.

FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, IP ESTATE, NEW DELHI

New Delho, the 15th February 1982

Ref. No. IAC/Acq- Π /SR-I'6-81'8010.—Whereas, J, VIMAI VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the baid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. A-28, situated at Dr. Mukerji Nagar Community Centre, Delhi-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any nicome or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax or 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

47—516GI 81

 M1. Chander P. Bhagat S/o Dr. Bal Bhagat and Dr. (M1s.) Veena Bhagat W/o Mr. Chander P. Bhagat, 18, Rajindra Park, New Delhi.

(Fransferor)

(2) Sh. Ved Prakash Goyal s.o late Sh. Shankar Lal his two sons (minor) Masters Rohit P. Goyal & Rahul P. Goyal & Smt. Usha Goyal w/o Sh. Ved Prakash Goyal r/o 45/2, Mall Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires tater:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Λ-28, Dr. Mukherji Nagar Community Centre, Delhi-9.

MRS. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delbt.

Date: 12-2-82.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Λcq-Π/SR-I/6-81/8095.—Whereas I VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referrde to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 25,000/- and bearing

Property No. 105 situated at Dhirpur Delhi Colony Peshawar Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) Smt. Ghapal Kaur W/o Late Harnam Singh of 4/105, Nirankari Colony, Delhi-9. (Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar Sinhal S/o. Sh. Chandrabhan Singhal, Padam Chand Zindal S/o. Sh. Bhagwat Charan Zindal, Smt. Rakesh Kumari Sharma W/o Sh. Rajiv Sharma and Smt. Kamlesh Kumari Sharma W/o Sh. Rameshwar Prasad Sharma as partners of M/s Tirputi Distributors, Firozabad, Agra. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 105, Area 139 Sq. yds. situated in the colony known as Dhirpur Delhi Colony Peshawar Nagar, Part of Khasra No. 163, Delhi,

MRS. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-82,

FORM IINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. LAC/Acq-II/SR-1/6-81/8035.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 31, Block D situated at Prithvi Raj Road, Adarsh Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Santosh Kad W/o Sh. Tilak Raj Kad r/o 99, Woodlands Roads, England through his attorney Sh. Shasi Lal Talwar s/o Sh. Kakumat Rai, Talwar r/o B-2/4, Rana Partap Bagh, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Indra Gupta W/o Sh. Takesh Kumar (2) Smt. Archala Aggarwal W/o Sh. Sudershan Kumar (3) Smt. Adarsh Aggarwal W/o Sh. Inderjit r/o 1/7, Doctor's Lane, Gole Market, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 31, Block D, Prithvi Raj Road, Adarsh Nagar, Delhi measuring 150 Sq. yds.

VIMAL VASISH'I Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-81/7960.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. C-3/18 situated at Mg. 247.95 sq. yds, at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deihi on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sushil Kumari W/o Om Parkash r/o D-62, Lord Krishna Road, Adarsh Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Sushmu Kumari W/o Siri Chand Garg 2, Kishan Chand and 3. Ramesh Chand Ss/o Babu Ram R/o V&P O. Punahana, Distt, Gurgaon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House, built on plot No. C-3/18, Mg. 247.95 Sq. yds. at Model Town, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-81/8047.—Whereas I VIMAL VASISITT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 583 situated at Vill. Bharola in the abadi of Majlis Park Block 'C', Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to taking that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ved Parkash S/o Sh. Nathu Ram D-3, C. C. Colony, G.T. Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Gupta S/o Sh. Shiv Kumar Gupta r/o 21/47, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 583, measuring 111 sq. yds. out of Khasra No. 262/258/217/4 situated in the area of Vill. Bhatola in the abadi of Majlis Park Block 'C', Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I. P. Estate, New Delhi

Date: 12-2-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. FSTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-81/8030.---Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 28 Block 'A' situated at Vill. Bharola Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on June, 1981

for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kamla Devi W/o Sh. Kewal Krishan Aggarwal R/o 126-A, Railway Colony Arya Nagar, Ghaziabad, U.P.

(Transferor)

(2) Shri Daya Nand S/o Sh. Ram Pat R/o D-53, Hakikat Rai Road, Adarsh Nagar, Delhi-33

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 28 in Block 'A' land measuring 200 sq. yds. situated at Vill. Bharola Delhi State abadi known as Moti Lal Road, Adarash Nagar, Delhi-33 free hold.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block. Vikas Bhavan,
I.P. Fstate, New Delhi.

Date: 12-2-1982.

---- ... -- ---**---** wigoir

G-1/16, Darya Ganj, New Delhi.

(1) M/s. Saraswati Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) (2) Sh. M. G. Lonial S/o Sahib Ram Lonial R/o F-10/1, Model Town, Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, LP. FSTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-81/8019.--Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-I, Property No. E-2/16 situated at Datya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer rwith the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern Portion of the Basement floor bearing private No. B-I in property No. E-2/16, Darya Ganj, New Delhi having an area of 496.00 sq. ft.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Pange-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-1982.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

4096

(1) M/s Saraswati Builders Phase-II, G-1/16, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sunila Goel, A-6, Model Town, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-81/7976.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-2/16, situated at Flat S-1, 2nd floor at E-2/16, Darya Ganj, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officers at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat S-1, 431 Sq. ft. 2nd floor, at E-2/16, Darya Ganj, Delhi

MRS. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1982.

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-81/8051.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 36-C situated at Block No. 20, Old Market, West Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair maret value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

persons. namely - 48—516GI/81

- (1) Shri Jaman Dass S/o Sh. Jugla Ram R/o 22/124, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Raman Kumar and Sh. Shammi Kumar Ss/o Sh. Tara Chand R/o 65/73, Rohtak Road, N. Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 36-C. Block No. 20, Old Market, West Patel Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, LP. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/6-81/8087.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 14, Block-B situated at Shanker Achariya Road, Adarsh Nagar, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Laxman Dass s/o Dharam Das r/o 5558, Gali No. 4, New Chandrawal, Clock Tower, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Basant Kumar Chawla s/o Sh. Daryai Lal Chawla r/o C-73/A Gali No. 6, Majlis Park, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this rotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14, Block B on Shanker Achariya Road, Adarsh Nagar, Delhi measuring 253 sq. yds.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-1982.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D₀(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, IP ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No IAC/Acq-II/SR-I/6-81/8056.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 8, Sehgal Colony, situated at Court Lane, Civil Line Area, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt Subhash Kumarı w/o Late Sh Baldev Sahai Paliwal 2 Virat Paliway 3 Miss Anrudh Paliwal & 4. D. K. Paliwal r/o 8, Sebgal Colony, Court Lane, Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Chopia w/o Ishwar Kumar Chopra 2 Ishwar Kumar R/o 8, Sehgal Colony, Court Lane, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(666 Sq. yds) Property No 8, Sehgal Colony, Court Lane, Civil Line Area, Delhi.

VIMAL VASISHT.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delbl.

Date: 12-2-1982

Scal.

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Veera Devi w/o Late Dr. Ram Chander r/o 4/37, W.E.A. Karol Bagh, Now Delhi. (Transferor)

(2) 1. Sh. Bhag Singh 2. Harnek Singh, 3. Harbans Singh R/o 1/19, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, J.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

IAC/Acq-II/SR-J/6-81/8066.—Whereas VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 27/16 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thanfifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed incomplete house, built on plot No. 27/16, Mg. 279.55 sq. yds. situated at Punjabi Bagh, New Delhi.

> VIMAL VASISHT, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-1982,

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, 1.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-81/8092.—Whereas 1. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 6, Block No. I situated at Kirti Nagar Warehousing Scheme, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. S. Sani S/o Late Sh. Bhim Sain Sahi R/o AD/9, Tagore Garden, N. Delhi of M/s. Hindustan Furnishers.

(Transferor)

(2) (1) Sh. H. L. Khurana (2) Sh. A. L. Khurana (3) Sh. R. C. Khurana Ss/o Sh. R. L. Khurana (4) Smt. Manju Khurana W/o Sh. Krishan Lal Khurana and (5) Smt. Kaushalya Khurana W/o Sh. Ram Nath Khurana R/o H-56, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6, Block No. 1 situated in Kirti Nagar Warehousing Scheme, New Delhi with lease hold rights of the land measuring 1200 sq. yds.

VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-1982.

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/6-81/4692.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11 Bighas 6 Biswas situated at K. No. 62/22, 23, 64/3/1, 499, 501, Vill. Nazampur, Rashidpur, D.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuing of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Daryao Singh s/o Sh. Gordhan Vill Nazampur Rashidpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash s/o Sh. Daryao Singh Vill Nazampur, Rashidpur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 Bighas 6 Biswas, K No. 62/22, 23, 64/3/1, 499, 501 Vill. Nizampur, Rashidpur. Delhi.

VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-1982.

FORM NO. I.T.N.S.-

NO. I.T.N.S.—— (1) Sh. Daryao Singh s/o Sh. Gordhan Vill. Nizampur, Rashidpur, Delhi.

Park, Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Rcf. No. IAC/Acq-II/SR-II/6-81/4691.—Whereas I VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No .8 Bighas 15 Biswas, situated at K. No. 53/1/2, 53/2/2, 53/12, 53/27, Nazampur, Rashidpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shrì Om Parkash s/o Sh. Baru Ram, Shivaji Park,

C-21, Sh. Dharam Pal s/o Lakhi Ram, C-21, Shivaji

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Bighas 15 Biswas, K. No. 53/1/2, 53/2/2, 53/12, 53/27 Vill Nizampur, Rashidpur, Delhi.

VIMAL VASISHT;
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-1982.

FORM NO. 1.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II H-BLOCK. VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-81/8063.—Whereas I. VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 86, situated at East Avenue Road Punjabi Bagh, Area of Vill. Bassai Darapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. (herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Chaman Lal & Ram Parkash 5/0 Sh. Dargahi Ram, N-Block, 4-C, D.D.A. Flats, Satek, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Om Parkash & Sh. Vinod Kumar s/o Balwant Rai, 1022, Gali Chabuk Sawar, Lal Kuan. Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the αate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 86, East Avenue Road, Punjabi Bagh, Area of vill. Bassai Darapur, Delhi.

VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-1982.

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jugal Kishore Kalia and Shri Inderjit Kalia Ss/o

Duggal r/o H-97, Shivaji Park, New Delhi.

Sh. Manohar Lal Kalia 1/0 H-92/1, Shivaji Park, New Delhi.

(1) Shri Maharaj Kishan Duggal s/o Sh. Radha Kishan

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-JL/SMT. VIMAL VASISHT, IAC/Acq-JI/SR-II/6-81/4804.—Whereas I,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H-97 situated at Shivaji Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely 49-516GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House constructed on a plot of land measuring 324.4/10 sq. yds. situated at Shivaji Park, New Delhi.

> SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate, New Delhi.

Date: 17-2-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II II-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR,I/6-81/8076.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. C-22 situated at Satyawati Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 260°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the assersaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Tanfiqur Rehman Kidwai s/o Shri Shafiqur Rehman Kidwai C/o S. R. Kidwai, Jamia Nagar, N. Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Nem Chand Jain 2. Sh. Sunil Kumar Jain 3. Sh. Anil Kumar Jain 4. Navin Kumar Jain r/o 2501, Nai Wara, Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 200 sq. yds. bearing No. C-22 situated at Satyawati Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan.
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 17-2-1982.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-81/8059.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6/16 situated at Roop Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sushil Kumar & Ramesh Kumar Ss/o Shri Jai Kishan Dass Agarwal, r/o 7/11; Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ghanshyam Dass Saraogi (2) Gopal Prusad Saraogi (3) Ashok Kumar Saraogi r/o D-10 Ashok Vihar, Phase I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of property No. 6/16, Municipal No. 11275, ward XII, Roop Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 17-2-1982.

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR.I/6-81/8081.—Whereas I SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 920 (New) situated at Chippiward Khurd, Chawri Bazar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fairmarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chando Devi w/o Saliq Ram
 (2) Smt. Kamla Devi w/o Bhawani Ram
 r/o 920 Chipiwara Bazar, Chawri, Delhi.
 (Transferor)
- (2) M/s Mela Ram Properties Pvt Ltd. 454/55, Chitla Gate, Chawri Bazar, Delhi through director. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 920 (New) and 321 (old) constructed on a plot of land measuring 153 sq. yds. situated at Chhipi Wara Khurd, Chawri Bazar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 17-2-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, (.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-81/8007,—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

4846 to 4849 situated at 24, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kaushal Kishore, 4839, Govind Lane, 24, Darya Ganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri V, K. Jain & Sons (HUF) karta V. K. Jain, 839, Kucha Pati Ram, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

¹ share in House No. 4846 to 4849, 24, Darya Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

T, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGF-II H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-81/8006.—Whereas SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4846 to 4849 situated at 24, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeset! property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vijay Kishore Mathur, 4839, Govind Lane, 24, Darya Ganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Usha Jain w/o V. K. Jain, 839, Kucha Pati Ram, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[‡] share in House No. 4846 to 4849, 24, Darya Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-1982,

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. 1AC/Acq-II/SR-I/6-81/8022,—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4846 to 4849 situated at 24, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other- assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bharat Mathur, 4839, Govind Lane, 24, Darya Ganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Usha Jain w/o V. K. Jain, 839, Kucha Pati Ram, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

‡ share in House No. 4846 to 4849, 24, Darya Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-2-1982.

NUTTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-J/6-81/8023,—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under

Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4846 to 4849 situated at Kothi No. 24, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce far the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Kaushal Kishore S/o late Sh. Naval Kishore 1/0 4839, Govind Lane,
 Darya Ganj, Ansari Road, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shri V. K. Jain & Sons (HUF), 839, Kucha Pati Ram, Bazar Sita Ram, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Godown on Ground floor measuring 94 sq. yds. with Miyani Half Western Portion of Property No. 4846 to 4849 & undivided 1/4th Share out of land measuring 194 sq. yds. part of plot No. 17, Khevat No. 3 Khatoni No. 108 Khasra No. 51 out of Property No. 4846 to 4849 at Kothi No. 24, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1982

FORM NO. I.T.N.S. ---

(1) Smt. Lilla Beri r/o A-35 Ashok Vihai Phase-II, New Delhi & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bimla Rani w/o Sh. Dharam Paul Bhatia, 6 Erst, Sadar Thana Road, Delhi (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FI OOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th February 1982

Ref. No. 1AC/Acq. II/SR. I/6-81/7962.—Whereas I, SMT. VIMAL VASIŠHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 37 (Sought) situated at Basti Harphool Singh, Sadar. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on June, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

50-516GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5587-5589, 5629, 5630, Plot No. 37 South, Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road, Delhi-6.

SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 17-2-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE II, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DEI HI.

> > New Delhi, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. I/6-81/8067,--Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

3/3 situated at Ind. Area, Najafgarh Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jasbir Kaur w/o Sh. Harcharan Singh r/o 40/15 East Patel Nagar, New Delhi herself and G.A. of (1) Smt. Devinderjit Kaur & Sh. Bhupinder Raj Singh
(Transferor)

(2) 1. Shri Kundan Lal Batra 2. Shri Yash Pal,

3. Sh. Kaushal Kumar Ghai &

 Sh. Om Parkesh Gandhi r/o 3/3 Ind. Area, Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3/3 situated in Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi.

SMT. VIMAI. VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 17-2-1982

FORM J.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATH, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/7966/6-81.—Whereas I, SMT, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3029-30 situated at Qazi Wora Gali, Faiz Bazar, Darya Ganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi pm June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Λct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Nur Ilahri
 - Smt. Rasida Khatam
 Syed Shah Nasar Hussain for self & GA Smt. Raisa Begum Savari r/o Dargah Sabri, Darya Ganj, New Delhi, (Transferor)
- (2) M/s. K. S. V. Enterprises, Palika Bazar, New Delhi through Sh. Kuldip Singh Jain r/o 2079, Katra Roshan Uddolla, Kinari Bazar, Delhi. 2. Sunil Bharti Mittal r/o 33, Lodhi Estate, New Delhi 3. Sh. Vijay Chand Jain r/o 2676, Gali Anar Kinari Bazar, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3029-3030 in Ward No. 11 measuring 300 sq. yds. at Gali Qazi Wara, Faiz Bazar, Darya Ganj, New Delhi,

SMT. VJMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, H-BI OCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th February 1982

Ref. No. IAC Acq. II/SR-I/6-81/8077.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 2 Road 22 situated at Punjabi Bagh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that this consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prakash Chander Bhayana s/o Sh. Lakhmi Dass r/o 102, Anand Lok, New Delhi as G/A of I. P. C. Bhayana and Sh. V. K. Narang. (Transferor)
- (2) M/s, The Brahma Builders Pvt. Ltd. through promotors, C-37, Atma Ram House, Connaught Place, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication, of this notice in the Official Gazette.

FNPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 659.72 sq. yds. bearing No. 2 Road No. 22 in Class 'C' Punjabi Bagh, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, LP. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. I/6-81/7987.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. A-2 situated at 45, Mall Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexe)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on June, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Rentiers & Financiers Pvt Ltd.
 Hailey Road, New Delhi through Its director Sh. Inder P. Choudhrie r/o 45, Mall Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash Goyal s'o Shri Shanker Lal r/o A-2/45, Mall Road, Delhi-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-2, 45 Mall Road, Delbi area 1200 sq. ft.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
Delhi/New Delhi

Date: 17-2-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE II. H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, IP. ESTATE, NEW DELHI.

> > New Delhi, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR I/6-81/8061.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

entire ground floor situated at B 52 CC Colony, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delh. on June, 1981,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Krishan Chandra Mittal and Smt. Shanti Mittal 1/0 B. 52, C. C. Colony, Delhi,

(Transferor)

(2) Shii Subhash Chandei s o Sh. Baldey Saran Dass r/o A-88, Kamla Nagar, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chupter

THE SCHEDULE

Fintire ground floor of property No. B-52 situated at C. C. Colony, Delhi.

> SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II H-Block, Vikas Bhavan, 1 P. Estate, Delhi/New Delhi

Date: 17 2-1982 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAN AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP ESTAFF,
NEW DFLHI

New Delhi, the 17th February 1982

Ref No IAC/Acq II SR II 681/4812—Whereas I, SMT VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No 2 situated at Chanan Singh Park Delhi Cantonment Board Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on lune, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Ch Suraj Mal s/o Sh Balley Ram, 1/o Vill Todapui, PO Pusa Institute, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Radhey Krashan Arora & Shri Jagan Nath Arora s/o Sh. Ram Patkash Arora, r/o G-3 20 Malvia Nagar New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House built on portion of plot No 2 bearing House No 2 situated at Chanan Singh Park, Delhi Cantt Board, Delhi,

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date 17-2-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jagan Nath S/o Sh. Ishar Dass E-70 Moti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri O. P. Malhotra s/o Sh. B. N. Malhotra 1/o 17-70 Moti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-81/8001.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No. E-70 situated at Moti Nagai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION'S —The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. Built quarter No. E-70 Moti Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-Il
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. I/6-81/8060.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income few. Act. 1961. (43 of 1961). (hereinafter referred

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, First floor & Barsati situated at B-52 C. C. Colony, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

51---516GI/81

- (1) Shri Krishan Chandra Mittal & Smt. Shanti Mittal r/o B-52, C. C. Colony, Delhi. (Transferor)
- Smt. Shakuntala Devi w/o Sh. Subhash Chander r/o A-88 Kamla Nagar, Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor and Barsati of the property No. B-52 C. C. Colony, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II.

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, J.P. ESTATE, NEW DEI.HI.

New Delhi, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. 1/6-81/8026,—Whereas I, VIMAL VISISHT,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K-1/2 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tej Ram Bansal s/o Sh. Laljimal Bansal r/o C-3/6 Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumari Gupta w/o Sh. Pritam Kumar Gupta r o C-1/5 Model Town, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givn in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storged building constructed on plot of land measuring 282 sq. yds. bearing Plot No. 2 Block K-1, situated at Model Town, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
New Delhi

Date: 17-2-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE II.

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

NEW DELHI.

New Delhi, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/6-81/4749.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as

the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

13/5B situated at Tılak Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kaushalya through attorney, N. 62 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anand Sarup Anand & Smt. Sudha Sharma r/o K-111, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. Built quarter No. 13/5B, Tilak Nagar, New Delhi measuring 200 sq. yds.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate.
New Delhi

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th February 1982

Ref. No. IAC/Acg. II/SR. I/6-81/7973.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

182-186 situated at Gali Rui Wali, Pul Mithai, Telewara, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, ot the following persons, namely:—

- (1) Smt. Lakshmi Devi w/o Sh. Phondu Mal r/o 1029 Tilak Bazar, Teliyan, Gali, Delhi & 8 others.
 - (Transferor)
- (2) Shri Ram Gopal s/o Sh. Dilip r/o 186 Gali Rui Wali, Telewara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property constructed on a plot of land measuring 369 sq. yds. bearing No. 182-186 situated at Gali Rui Wali, Pul Mithai, Teliwara, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Date: 17-2-1982

FORM J.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II.

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th February 1982

Ref., No. IAC/Acq. II/SR. I/6-81/7978.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1, situated at Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raj Rami Family trust through, Sh. Rajendra Kumar Gupta s/o Sh. Shyam Lal r/o 16B/4, Asaf Ali Road, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shri Shyam Lal Chantable Trust, through Sh. Shyam Lal Gupta, Chairman, r/o 16B/4, Asaf Ali Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at No. 1, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi area 195.77 sq. yds.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY.

Rohtak, the 15th February 1982

Ref. No. RWR/13/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1737 Nai Basti situated at Rewari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewari in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Din Dayal Bhuraira S/o Shri Shimbhu Dayal S/o Shri Mool Chand, Gokal Bazar, Rewari.

(Transferor)

(2) Smt. Saioj Gupta W/o Shri Shashi Bhushan Gupta C/o Shri Shri Nathu Ram R/o Gokal Bazar, Rewari, District, Mohindergarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 1737, Nai Basti, Rewari and as more mentioned in the sale deed registered 1194 dated 27-6-1981 with the Sub Registrar, Rewari.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-2-1982

ه جسی

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.I. F. COLONY,

Rohtak, the 17th February 1982

Ref. No. HSR/40/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 portion of Factory Building situated at Balsamad Road, Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ram Kumar S/o
 Sheo Chand Rai, R/o
 Purani Anaj Mandi, Hissar.

(Transferor)

(2) Smt. Maya Devi W/o Sh. Mahabir Parshad R o Purani Anaj Mandi, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/2 portion of factory building No. B. XVI-2/80 situated at Balsemad Road, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1651 dated 19-6-1981.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY.

Rohtak, the 17th February 1982

. Ref. No. HSR/42/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALΛ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Factory building No. B. XVI-2/80 situated at Balsamad Road. Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hissar in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bimla Devi W/o Sh. Mahabir Parshad R/o Purani Anaj Mandi, Hissar.

 (Transferor)
- (2) Shri Bajrang Dass S. o Sh. Jai Narain R/o Barwala Mandi, Teh. & Distr. Hissar. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being factory building (1/2 portion) No. B. XVI-2/80 situated Balsamad Road, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1720 dated 23-6-1981.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F., COLONY,

Rohtak, the 16th February 1982

Ref. No. AMB/5/81-82.—Whereas 1, G. S. GOPALA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 5356/9 Punjabi Mohalla Shiv Bhawan, situated at Ambala Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ambala in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely — 52—516GI/81

 Shri Manmohan Jolly S/o Shri Ram Rakkha Mal R/o Ramvilla Vichitar Nagar, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Sneh Jain W/o Sh. Pawan Kumar House No. 5356/9 Punjabi Mohalla Shlv Niwas, Ambala Cantt.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 5356/9 Punjabi Mohalla Shiv Niwas, Ambala Cantt. and as more mentioned in sale deed registered at No. 1157 dated 5-6-81 with the Sub-Registrar, Ambala

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY.

Rohtak, the 17th February 1982

Ref. No. PNP/56/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Land measuring 2 bigha situated at Taraf Insar, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ashok Kumar Gupta S/O Shri Jawala Parsad R/O E/18, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar Gupta S/O Shri Lol Chand, Pardeep Join S/O Bimal Jain, R/O Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bigha at Taraf insar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2068 dated 16-6-81 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAL, DLF COLONY

Rohtak, the 15th February 1982

Ref No PNP/60/81-82—Whereas, I, G S GOPAJ A being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No Land measuring 2 Bigha 19 Bishawa situated at Taraf Insar, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Panipat in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other ussets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Shri Lal Chand S/o Sh Nawal Kishor, R/o Panipat,

(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumai Jain S/o Shri Kapoor Chand Jain, R/o Ganaur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 B gha 19 Bishwa at Taraf Insar and as more mentioned in the sale deed registered at 2348 dated 26-6-81 with the Sub Registrar, Panipat.

G S GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Rohtak

Date 15 2-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY.

Rohtak, the 15th February 1982

Ref. No. PNP/58/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 2 Bigha 17 Bishwa situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Panipat in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Lal Chand S/o Sh. Nawal Kishore R/o Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar Jain S/o Shri Kapoor Chand Jain, R/o Panipat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bigha 17 bishwa situated near Tehsil Camp, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2349 dated 26-6-1981 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY.

Rohtak, the 16th February 1982

Ref. No. RTK/26/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. 643 to 644 & 646/A/2 Ward No. 16 situated at Railway Road, Rohtak

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rohtak in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sudershan Kumar S/o Shri Budh Ram Jat, R/o Vill. & P.O. Sanghi Teh. & Distt. Rohtak. (Transferor)
- (2) Shri Chand Singh S/o Sh. Kewal Singh R/o Shop No. 643, 644 & 646, Railway Road, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being No. 643, 644 & 646/A/2 Ward No. 16, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1226 dated 2-6-81 with the Sub Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK, DLF COLONY.

Rohtak, the 17th February 1982

Ref No AMB/39/81-82 -- Whereas, I, G S GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Kothi No 1 (Old) new No AMC 432, Block No 7, Mohali House, a tuated at Civil Lines, Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

(1) Shri Satinder Singh S/o Sh Umrao Singh S/o Sh Avtar Singh, Kothi No 90, Sector 8-A, Chandigarh

(Transferor)

(2) Shri

- 1. Sukhdev Singh S/o Pritam Singh, Ambala City 2 Smt Kamlesh Devi W/o Didar Singh, Ambala
- Nand Rani W/o Waryam Singh, Ambala City, Kaushlya Devi W/o Manmohan Krishan, Ambala City,
- Champa Wati W/o Hitablashi, Ambala City,
- Shani Devi D/o Devi Dayal, Ambala City, Subhash Chander S/o Kalyan Dass, Ambala City,
- Surinder Kumai S/o Ram Lubhaya, Ambala City, Iirlok Shand S/o Hem Raj, Ambala City,
- Radha Krishan S/o Jhangi Ram Ambala City, 10 Harsarup S/o Kidar Nath, Ambala City,
- 12 Arun Kumar S/o Har Salup Ambala City (Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication or this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being kothi No 1 New No AMC 432 Block 7, Mohali House Civil Lines, Ambala City and as more mention ed in the sale deed registered at No 2933 dated 30-7-1981 with Sub Registral, Ambala

G S GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date 17-2-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 17th February 1982

Ref. No. AMB/38/81-82,-Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Kothi No. 2 (Old) New No. AMC/431/Block Civil

Lines, A situated at Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ambala in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Satinder Singh S/o Sh. Umrao Singh Kothi No 90, Sector 8-A, Chandigath.

(Transferor)

(2) S/Sh.

 Sukhdev Singh S/O Pritam Singh, Ambala City,
 Kamlesh Devi W/O Didar Singh, Ambala City,
 Nand Rani W/O Waryam Singh, Ambala City,
 Kaushlya Devi S/O Manmohan Krishan, Ambala Citv.

Champa Wati W/O Hitablashi, Ambala City,

Shanti Devi D/o Devi Dayal, Ambala City, Subhash Chander S/O Kalyan Dass, Ambala City,

7. Subhasa Chander S/O Ran Lubhaya, Ambala City, 8. Surinder Kumar S/O Ram Lubhaya, Ambala City, 9. Tirlok Chand S/O Hem Raj, Ambala City, 10. Radha Kr'shan S/O Jhangi Ram Ambala City, 11. Harsarup S/O Kidar Nath, Ambala City, 12. Arun Kumar S/O Harsarup Ambala City, (Transfered)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Kothi No. 2 Old New No. AMC/431/Block Civil Lines, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2056 dated 19-6-81.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-2-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY.

Rohtak, the 16th February 1982

Ref. No. BDR/4/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory building with land situated at Industrial Area, Bahadurgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registreing Officer at

Bahadurgarh in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pal Singh S/O Sh. Thakur Singh, Nehru Park, Bahadurgarh.

(Transferor)

(2) Shri Kiranpal Singh S/O Shri Gurcharan Singh, R/O E/277, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Industrial plot No. 36/1, MIE, Bahadurgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 867 dated 20-6-81 with the Sub Registrar, Bahadurgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1982

Ref. No. KNL/43/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Commercial land situated at Village Daha (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in June. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—53—516GI/81

 Sh. Kundan S/O Sh. Asha & Nanha, Ram Kishan & Charanjit Singh Se/O Sh. Muuchi R/O Daha Distt. Karnal.

(Transferor)

(2) M/S. Bansal Paper Mills G.T. Road, Kernal through Smt, Vidya Wati W/o Sh. Gian Chand Smt. Meena Kumari W/o Sh. Parveen Kumar & Pardeep Kumar, Prem Chand S/O Sh. Asha Ram, R/O Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land at Village Daha and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2239 dated 15-6-1981 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1982

FORM ITNS ---

- S/Sh. Gurbachan Singh S/O Sh. Sunder Singh Dharam Singh R/O Andhana Bagh, Karnal. (Transferor)
- (2) M/S. Satpal Rice & General Mills, Karnal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK,
D.L.F. COLONY.

Rohtak, the 16th February 1982

Ref. No. KNL/56/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 13 b'gha 4 bishwas situated at Karnal (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 14 bigha 4 bishwa at Karnall, and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2287 dt. 16-6-81 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 15th February 1982

Ref. No. JDR/34/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Industrial plot situated at Industrial Area, Yamunanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in June, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ravidutt Thakur S/O Sh. Pardana Ram, R/O Industrial Area Workshop Road, Yamunanagar.

(Transferor)

(2) S/Sh. Om Parkash Sharma, Braham Sarup Sharma, Shadi Ram Sharma & Jagmohan Sharma Ss/O Shri Lahori Rai Sharma, R/O E-68, Workshop Industrial Area, Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Industrial plot situated in Industrial area, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1773 dated 10-6-1981 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1982

Ref. No. PNP/90-81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3 acres situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Paginat in June, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faiclitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lal Chand R/o Panipat.

(Transferor)

(2) S/Sh. Veer Bhan, Ramesh Kumar & Rakesh Kumar R/o 645-Model Town, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 acres situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered on 8-6-1981 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1982

Ref. No. GRG/35/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 5 bigha 16 bishwa situated at Sikanderpur Ghosi (Gurgaon)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Bhai Ram S/o Udmi Ram R/o Sikanderpur Ghosi (Gurgaon).

(Transferor)

(2) M/s Ajai Enterprises, 108 Panchsheel Park, New Delhi through Shri Ajai Pathodhia S/o Sh. Devki Nandan, R/o 108 Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 bigha 16 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1232 dated 12-6-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 16-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1982

Ref. No. DBW 3,81-82.—Whereas, I. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One shop situated at Dabwali

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabwali in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922-(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sanjay Kumar S/o Sh Om Parkash S/o Shri Kesjo Ram, Commission Agents, Sirki Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Malandevi W o Ramdhandass Seth S/o Sh. Hukam Chand, Bhatinda Building, Dahwali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being shop at Mandi Dabwali and as more mentioned in the sale deed registered at No. 985 dated 15-6-81 with the Sub Registrar, Dabwali.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1982

FORM No. LT.N.S .- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1982

Ref. No. DBW/4/81-82,--Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One shop situated at Dabwali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dabwali in June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agretd to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:

Shri Sanjay Kumar S/o Sh. Om Parkash S+o Shri Kesho Ram, Commission Agents, Sirki Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Sh. Harbans Lal, Krishan Kumar, Subhash Chander, Mohinder Kumar Ss/o Ramdhan Seth S o Sh. Hukam Chand, Bhatinda Building, Dabwali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being one shop Mandi Dabwali and as more mentioned in the Sale deed registered at No. 986 dated 15-6-81 with the Sub Registrar, Dabwali,

> G. S. GOPALA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY.

Rohtak, the 16th February 1982

Ref. No. DBW/5/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One shop situated at Mandi Dabwali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Dabwali in June, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sanjay Kumar S/O Sh. Om Parkash S/O Sh. Kesho Commission Agents, Sirki Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Parshotam Kumar, Darshan Kumar, Ashok Kumar, Rakesh Kumar, Parveen Kumar Ss/o Shri Hakam Rai, R/O Shop at Bhatinda building, Dabwali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforested persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being one shop at Mandi Dabwali and as more mentioned at Sr. No. 987 dated 15-6-1981 with the Sub Registrar, Dabwali.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY,

Rohtak, the 16th February 1982

Ref. No. DBW/6/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. Nil situated at Mandi Dabwali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabwali in June, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mamely:—
54—516GI/81

 Shri Sanjay Kumar S/O Sh, Om Parkash, S/O Sh. Kesho Ram, Commission Agents, Sirki Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal Sharma S/o Sh. Sukhram Dass S/c Kalina Ram, R/o Shop at Bhatinda Building, Dabwali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the seid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop situated in Mandi Dabwali and as more mentioned in the sale deed registered at No. 988 dated 15-6-1981 with the Sub Registrar, Dabwali.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1Aλ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIIMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Rcf. No. P.R. No. 1621/Acqfl 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 603-A/1 situated at Krashnanagar, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 25-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesai dproperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties ha snot been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I keeps by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ', of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Balvantrai Karunashanker Pandya;
 2 Vidyagavari Balvantrai Pandya;
 Shah Pandya & Co.
 7-Chakala Street, Zakaria Bldg.
 Bombay-3.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Soni Rajenikant Jamnadas Kukadia,
 - Shri Anantrai Jamnadas Kukadia.
 Shri Amratlai Jamnadas Kukadia.
 Nr. Vadava Chora, Soni Falia,

Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Krashnanagar Bhavnagar bearing Plot No. 603-A/1 as fully described in the sale-deeds duly registered with the Sub-Registrar, Bhavnagar vide Regn Nos. 827. 828, 829 dt. 25-6-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 3-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AHMEDABAD-380 009 ACQUISITION RANGE-I,

2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1622 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TPS, 3 FP No. 101, SP, 1 to 3 situated at Navrangpura, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Virbala Kantilal Patel;
 Pragati Society, Memnager, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Shree Housing Corporation; Partner: Shri Rasiklal Shantilal (HUF), and others Triveni Apartment, Mr. Mithakhali, Six Roads, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Shaihpur-Khanpur, bearing TPS No. 3, PF. No. 101, paiki S.P. No. 1 to 3 paiki first floor office No. 32 & 33 adm. sq. ft. 245+245 as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 6456 dr. 4-6-81.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 1-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1623 Acq.23-I/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TPS. 3, FP. 347 SP. 5, Plot No. 5/A situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Arvind Utsavlal Shah; Jatin Flats, Nr. Law College, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Radhakrishna Apartment Owners Association; Chairman: Varsha Ramesh Shah; 6-Gita Baug Society, Paldi, Ahmedabad-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Changispur bearing TPS. No. 3, FP. No. 347 SP. No. 5, Plot No. 5/A, adm. 320 sq. yds. as fully described in the sale deed fully registered with the Sub-Registrar, Ahmedebad vide Regn. No. 6594/81 dt. 6-6-81.

G. C. GARG.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 1-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1624/Acq.23-I/81-82.--Whereas, f, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 136 paiki—TPS. 19, SP. No. 148 paiki situated at Shaikhpur-Khanpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Manubhai Bhogilal Patel (HUF),
 P.A. Holder Shri Naranbhai Ishvarbhai Patel;
 Shri Jivabhai Amatharam Patel.

(Transferor)

Smt. Divaliben Ishvarbhai Patel;
 , kalpana Colony,
 Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Shaikhpur-Khanpur TPS No. 19, Plot No. 148, SP No. 11-B, adm. 676 sq. yds. as fully described in the sale-deed duly registered in the sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 6511, 6512 & 6513 dated 4-6-81.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 1-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Manjulaben Dineshchandra Desai; Jagdip Hirakunj Society, Nr. St. Zavier's Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Bhupendra Jekishandas Bhavsar; 1410, Opp Nava Rasta, Sutharvada-ni Pole, Astodia Rangati Kapad Bazar, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1624/Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 242, Hissa No. 2 situated at Tal. Dascroi Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforosaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated Tal. Dascroi sin bearing Rev S. No. 242, Hissa No. 2, Adm. 847 sq. yds. as fully described in the sale-dced duly registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 6608, dt. 8-6-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 1-2-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R No. 1626/Acq.23-I/81-82.—Wheeras, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section

269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 248-1 paiki situated at Thaltej Tal. Dascroi, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bai Narmada Wd/o khodabhai Tribhovandas; Village Thaltej, Tal Dascroi, Shantilal Tribhovandas & others

(Transferor)

(2) Shri Gopalbhai Arjanbhai & others; Akruna. Tal Bayad. Dist Sabarkantha At present. Jay Ambe Nagar, Nr N. R. Patel Park, New Wadaj, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Land situated at Thaltej bearing S. No. 248-1 paiki adm A-O 38½ to each transactions as fully described in the sale-deeds duly registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No 6487 & 6486 dt. 4-6-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 1-2-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1627/Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-arid bearing No.

TP. S. 3 FP. No. 100 paiki situated at Navrangpura, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 9-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Vijya Development Corporation; Partner Shri Rambhai Chhanabhai; Chandralaya Apartment, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Offices situated at Navrangpura, bearing FP. No. 100 paikl, TPS 3, Office No. 25 & 26 on 1st oor adm. sq. ft. 247+247 i.e. 494 sq. ft. as fully described in the sale deeds duly registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 6653 and 6650 dt. 9-6-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 1-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1628 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 113/5, TP S. 23, FP. 78, situated at Achier, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in th said instrumnt of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
55—516GI/81

 Shri Jivanlal Popatlal Shah;
 9-B, Shreyas Colony, Navrangpura, Abmedabad-9.

(Transferor)

Arbudgiri Vikas Mandal—Sabatmati;
 C/o Chandulal Haridas Patel;
 Nava Prabhunagar, Asarva,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Achier Tal. City bearing S. No. 113/5, TP S. 23, FP No. 78 adm, 533 sq. yds, as fully described in the sale deed duly registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 4672 dated 10-6-81.

G. C. GARG, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 1-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1630 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referto as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 424, 429 paiki FP. No. 342, SP. No. 2-2, situated at TP S. No. 22, Vasana, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramsang Lakhaji Thakor; Village Vasna, Ahmedabad.

> M/s. Kotak & Co. Partner: Amrat N. Kotak, Vasna, Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Shri Manubhai Tulsidas Patel; 4, Gita Apartment, Vasana, Ahmedabad-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Vasana bearing S. No. 426 & 429 paiki TPS. 22, FP. 342, SP. 2-2, Flat No. 4, adm. 90 sq. yds. as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 6875 dated 12-6-81,

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 1-2-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1,

2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1629 Acq.23-1/81-82.—Whereas, I, G, C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. No. 50 situated at Fatepura Tal. City, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-6-1981

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ishvarbhai Lallubhai Pandya; Fatepura Gam, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Paras Flat Owners Association (Proposed)
Chief Promoter: Shri Hasmukh Jagjivandas Shah;
Amul Park Society, Shardamandir Road,
Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Fatepura bearing C.S. No. 50 adm. 196.81.56 sq. mts. as fully described in the sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 6824/12-6-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Ahmedabad

Date: 1-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P. R. No. 1631 Acq.23-I/81-82.--Whereas J, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. TPS No. 6, FP. No. 16-B paiki SP. No. 11 paiki situated at Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Lataben Jagdishbhai Tripathi, 294, Doshivadani Polc, Kalupur, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) 1. Shri Rameshbhai Natvarlal Shah. Shri Natvarlal Shankerlal Shah; Village: Ranasan, Village Harsol, Tal. Prantij, Dist. Sabarkantha. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Paldi sim bearing FP. No. 16-B paiki SP. No. 11 paiki, Flat No. 5 adm. 125 sq. yds. (1/2 share to each transaction) as fully described in the sale-deeds duly registered with the Sub-Registrar. Ahmedabad vide Regn. No. 6938 & 6940 dated 15th June 1981.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Dated: 1st February, 1982. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P. R. No. 1632 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 550 paiki, situated at Railwaypura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 12-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Baluben Sumatilal;
 Jain Society, Pritamnagar, Ahmedabad.
 (Transferor)
- (2) Keshariajec Shops & Offices Owners Assn.
 President: Subodhchandra Kasturbhai;
 6, Jain Society, Pritamnagar, Ahmedabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Railwaypura Wd. bearing S. No. 550, parki, adm. sq. mts. 35.11.74 as fully described in the saledeed duly registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 6852 dated 12th June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 1st February, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No P. R. No. 1633 Acq. 23-J/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 2270, 2278, situated at Khadia-2, Ahmedabad

S. No. 2270, 2278, situated at Khadia-2, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Corporation; Partner: Shri Rajnikant Narandas; Paradise Park, Vadaj Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Shyamlal Ranchhodbhai; Shri Ashok Kumar Natvarlal & others; Astodia, Dhal's Pole, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops situated at Khadia-2, Ahmedabad bearing C. S. No. 2270, 2278, paiki No. A-6 & A-3 on first floor, adm. 200 sq. ft. 140 Sq. ft. as fully described in the sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 6957 dated 15th June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 1st February, 1982

FORM NO. I.T.N.S.---

Sugrabai Yusufali; Mulia Modi, Jamnagar.

(1) Husenabai Abdulhusain;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 1. Smt. Jugtaben Parshottam Khakhar;
 2. Smt. Malti Bhupendra Khakhar;
 Near Old Power House, Kanak Road, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1634 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Nil situated at Para Bazar, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 3-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 184-3-37 sq. yds. situated at Para Bazar, Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale-deed No. 14/3-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 4th February, 1982

FORM 1.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1635 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 707/3 paiki situated at Madhwadi, Trakudipara, Jetpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 25-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagatrai Jethalal Parekh; Pipla Sheri, Jetpur.

(Transferor)

(2) M/s. Amina Screen Printary; Ramji Mandir Road, Jetpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 923/25-6-81, registered by Sub-Registrar, Jetpur.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-J
Ahmedabad

Dated: 4-2-82

(1) Shri Jagatrai Jethalal Parekh; Pipla Shcri, Jetpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Anmal Manck Dyeing & Ptg. Works; Madhwadi, Jetpur.

may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I

TOP FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1636 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 707/3 paiki, situated at Madhwadi, Trakundipara, Jetpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ictpur on 25-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in asspect of any income arising from the transfer; and for

(b) "a cilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
56—516GI/81

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1072.22 sq. yds. bearing S. No. 707/3 paiki situated at Jetpur, duly registered by S. R. Jetpur vide sale deed No. 922/25-6-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 4th February, 1982.

FORM NO. I.T.N.S.—-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I

?ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1637 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 707/3 paiki situated at Madhwadi, Trakudipara, letpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 25-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of instrument with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagatrai Jethalal Patekh; Pipla Sheri, Jetpur.

(Transferor)

(2) M/s. Saraswati Screen Ptg, Rupapati Road, Jetpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1227.77 sq. yds. bearing S. No. 707/3 paiki situated at Jetpur duly registered by Sub-Registrar, Jetpur, vide sale deed No. 921/25-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 4th February, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1638 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000. and hearing

Rs. 25,000, and bearing S. No. 122 (Old S. No. 34) Plot No. 42 situated at Mavdi, Rajkot

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 26 6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Ansuya Gunvantlal Mehta;
 Taraben Ishverlal Mehta;
 Through: their P. A. Holder;
 Shri Anantral Maganlal Anadkat,
 Sangarva Chowk, Rajkot.

(Transferor)

Shri Vasantkumar Mohanlal Danda;
 Shri Devjibhai Virjibhai Ghodesara;
 C/o. Patel V. Belt Corporation;
 Pujara Chambers, Garediya Kuva Road,
 Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 5312/81/26-6-81 registered by Sub-Registrar, Rajkot.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Dated: 4th Februray, 1982.

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1639 Acq. 23-I/81-82.-Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 89, situated at Prithvirajpara, Morvi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morvi on lune, 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftee nper cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M/s. Horological Trading Corporation—Partners: through P. A. Holder; Shri Dhirajlal Popatlal Jhalera; Dawood Plot No. 3, Morvi, Dist. Rajkot. (Transferor)
- (2) Shri Mulji Hansraj Patel; Village : Amarva, Tal. Jodiya, Dist. Jamnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 1978/ fune, 1981, registered by Sub-Registrar Morvi,

> G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Abmedabad

Dated: 4th February, 1982.

Scal:

village ,

(1) Shri Laxmidas Devraj Pahani & others; Village: Timbawadi, Dist. Junagadh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandulal Bhanjibhai Vachhani; C/O. Krishna Trading Co., Near Vanthali Gate.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1640 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 129/1 situated at Village Timbawadi, Dist. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16-of 1908) in the Office of the Registering Officer at Junagadh on 10-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land as detailed in sale deed No. 1765/10-6-81, registered by Sub-Registrar, Junagadh.

G. C. GARG
Competent Authority
Insecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 4th February, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1641 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 399 paiki, situated at Western side of Gondal Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 17-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section ?69C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gulabben Vasanji Juthani; Vasaji Brothers, Sudan.

(Transferor)

(2) Shri Sharadchandra M. Ajaura; "Rupam", Nr. Bhaktinagar Sub-Station, Rajkot. Shri Rashmikant V. Boghani; Nr. Boghani Sheri, Boghani's Dehla, Rajkot.

('fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 564-3-0 sq. yds. bearing S. No. 399 paiki situated at the Western side of Gondal, Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 4th February, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1642 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomp to Act. 1961, (42 of 1961). (beginnfter referred

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 382-1, 383-1-2 situated at Village Bopal Tal. Dascroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Khodaji Gabhaji;
 Shri Shakıaji Gabhaji & others;
 Village: Bopal, Tal. Dascroi,
 P. A. Holder Shri Dharamshi Hiralal Patel;
 C-3. Neeta Apartment Ahmedabad.

 (Transferor)
- Shri Prahladbhai Khodidas Patel (HUF). Amrarvadi, Baliavas, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

I and situated at Village Bopal bearing S. No. 382-1, 383-1, 383-2 adm. A. 2-1+2-3+2-3, total 6-07 as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 7650 dated 25th June 1981

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982.

ral:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1643 Acq. 23-I/81-82.--Whereas, I. G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TPS No. 14, FP. 226/25 paiki, situated at Dariapur-Kazipur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C σ' , the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Indumati Chaitanyaprasad Divan;

2. Ila Piyush Diyan;

3. Arunak Piyush Divan;4. Udalak Piyush Divan;

Church Gate, Bombay.

(Transferor)

(2) Shahibag Pameshvar Coop, H. Society Ltd. Chairman: Natvarlal Mohanlal Chokshi, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed Nos. 6725, 6738, 6734 & 6738 & 6722 dated 10th June 1981 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FI.OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1644 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 332 paiki 1/4th share M.C. No. 324 to 327, 327-1-2, situated at Dariapur-Kazipur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more them fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
57—516GI/81

 Shri Agrawal Kalicharan Mathurapiasad; Stadium Road, Navrangpura, Ahmedabad. (Transferor)

(2) Shri Agrawal Niranjankumar Rambharose; Shri Agrawal Rajeshi.umar Rambharose; Outside Shuhpur Darwaja, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 7114/17-6-81 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-J
Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-L

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1645 Acq. 23-I/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1-P. No. 45 (Paiki Hissa No. 4, 5 of TPS, 27 situated at (and more fully described in the Schedule annexed, hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at

Baug-e-Firdaush, Ahmedabad

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

Shri Ambalal Mohanlal Dalwadi;
 Shri Chandrakant Mohanlal Dalwadi;
 Raipur, Makerivad, Kumbharno Khancho,
 Ahmedabad.

(Transferor)

 Lucky Industrial Estate; Members Association (Proposed) Mayur M. Dave, Gordhanvadi, Kankaria, Ahmedabad.

(Transferee)

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expression used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 7250 & 7253 dated 19th lune 1981, registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 3-2-82

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 279D FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1646 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269D, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable projectly, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 436 paiki situated at Isaapur, Tal. City (and more fully described in the semi-dule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruction of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ambalal Chaturbhai Patel; Isanpur, Tal. City.

(Transferor)

(2) Vivekanand Ice & Cold Storage; Partner: Maheshbhai Hargovindbhai Patel; Isanpur, Tal. City.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in wifting to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meannig as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

tmmovable property as detailed in sale deed No. 7326 and 5345/22-6-1981 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982.

ocaí:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND 1-LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1647 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 24 paiki, S. P. No. 11, 13, 12 paiki situated at Thaltej, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Balkrashna Vithaldas Doshi Shree Sadma Society, Navrangpura, Ahmedabad. Shri Ishvar Chamnajee; & others; Raikhad, Khatrivad, Behind Vaishya Sabha, Ahmedabda. Kamalaben Balkrashna Doshi; Shree Sadma Society, Ahmedabad.

 (Transferor)
- (2) Shri Laxmansinh Pratapsinh Parmar; Shri Vijaysinh Laxmansinh Parmar & others; Vasudha Apartment, Navrangpura, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 5758, 5/47, 5746 dated 17th June, 1981 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1648 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 546, 547 paiki S. R. No. 10, TPS, 28 FP, 680 paiki situated at S.P. No. 5, Vadaj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Manak Gunendrabhai Sheth; Kalyan Society, Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shivam Coop. H. Socy. Ltd. Through Chairman; Naranbhai Joitaram; Usmanpara, Dariapur Patel Society, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 4633/ 21-6 1981 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1649 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

TPS. No. 14, FP. No. 229/2 paiki, SP. No. B.B.I paiki situated at Dariapur, Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Abmedabad on 23-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act of the following persons, namely:—

Shri Deepak Sarvottam Hathisingh;
 Daxaben Deepakbhai;
 Behind Chatrabhuj Hospital,
 Shahibag, Ahmedabad-4.

(Transferor)

(2) (Proposed) Shahibag Deepak Coop. H. Society; Promoters: Shri Dashrathonai Shankerbhai Patel; Nr. Dafnala, Ashok Vetia, Shahibag, Ahmedabad, 2. Govindbhai Madhavdas Patel; Meghaninagar, Umeshnagar Coop. H. Socy., Asarva, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No 7482 and 7484 dated 23-6-1981, registered by Sub-Registrar, Ahmedabad

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982.

(1) Shri Kalaji Chelaji; Village Silaj, Tal. Dascroi,

Shri Shakuntal Navnitlal;

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1650 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C GARG,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block No. 1327 situated at Sdaj, Tal. Dascroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registoring Officer at at Ahmedabad on 29-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shri Chintan Navnitlal Parekh (HUF),

Dr. Vikram Sarabhai Rd., Ahmedabad. Shri Sanjay Maheshbhai Zaveri & others; Shemdina, Gulabai Tekaro, Ahmedaban,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 7026 dated 29-6-1981 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1651 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TPS, 4 FP. No. 7-1 paiki Sp. No. 2, situated at Maninagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Anandilal Harilal Patel; Bharatkumar Anandilal Patel; Danapith, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Ramniklal Amarshi & Others; Kankaria, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Rajpur Hirpur, Maninagar, TPS. 4, PP. No. 7-1 paiki SP. No. 2, adm. sq. yds. 639 as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn No. 8018 dated 30th August 1981.

G. C. GARG
Gompetent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1652 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block No. 1314, situated at Village Silaj, Tal. Dascroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
58—516GI/81

(1) Shri Hiraji Motaji; Village: Shilaj, Tal. Dascroi.

(Transferor)

(2) Shri Chitan Navnitlal Parikh (HUF), "Shakuntal", Dr. Vikram Sarabhai Road, Ahmedabad. Shri Sanjay Maheshbhai Zaveri and others; "Shemolina", Galbai Teklra, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Village Silaj Tal. Dascroi bearing Block No. 1314, adm. A-10-36 as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 6984 dated 30th June 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1653 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. T.P.S. 10, FP. 10-B paiki 5-B situated at Rakhial, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ahmedabad on 25-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said A.t., in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Shri Kantilal Motiram Raval; Lnw Garden, Nr. Mahadeo Temple, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Electronik Controls & Instrumentation; Through: Shri Kamarbhai Manharbhai Desai; Leena Apartment, Navrangpura, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the once of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 7642/25-6-1981 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1654 Acq. 23-I/81-82.--Whereas, I, G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TPS. No. 3, FP. No. 214-B, SP. No. 4, Flat No. 5, 3, 6, 4, 2 situated at Shaikhpur-Khanpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

(1) Lalchand Ashiram & others: J-A, Vasantnagar, Bhairvnath Road, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Rameshkumar Ghanshyamdas Chhablani; 14, Kamla Society, Stadium, Ahmedabad.2. Shri Murlidhar Atmaram Sukhvani;

 - Thakkar Bapa Nagar, Ahmedabad.

 3. Shri Mahendrakumar Ramanlal Desai; Ankur, Naranpura, Ahmedabad.
 - Shri Arjundas Lilaram Sukhvani; 207-3, Thakkar Bapanagar, Ahmedabad.
 - 5. Keshaben Chandravadan Parikh;
 - Shalimar Flat, Ashram Rd., Ahmedabad. Shri Rajaram Lilaram Sukhaveni; 207-3, Thakkar Bapanagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 7721/26th June 1981, 7737/26th June 1981, 7725/26th June 1981, 7735/25th June 1981, 7734/25th June 1981 and 7631/25th June 1981 registered by Syl Provider 1981 and 7631/25th June 1981, registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P.R. No. 1655/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, /, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TPS. 19, FP. No. 387 paiki Plot No. 20, 23 paiki situated at Shaikhpur Khanpur, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad in 29-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sarlaben Chaturbhai Patel;
 111, Sardar Patel Colony,
 P.A. Holder Dineshchandra Chandula! Shah;
 Partner of Girish Patel & Co.
 Nehru Park, Vastrapur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sh. Navnitlel Bhikhabhai Parikh (HUF), 66, Valkeshvar Road, Triveni-E-6-IIIrd Floor, Bombay.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 7906 dated 29-6-81, registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 3-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(4) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedebad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P.R. No. 1656/Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TPS. 19, FP. 387 paiki SP. No. 20, 23 paiki situated at Shahpur-Khanpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-6-81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sarlaben Chaturbhai Patel;
 Sardar Patel Colony, Ahmedabad,
 P.A. Holder Dineshchandra Chandulal Shah;
 Partner of Girish Patel & Co.
 Nchrupark, Vastrapur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Mahendrabhai Ratilal Patel HUF Motilal Sheth's Pole, Kudava Pole, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 7905 dated 29-6-81, registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 3-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMP. TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1657/Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1984 situated at Wadhawan,

Distt. Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 9-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Chandrakant Vardhman Shah & others; Nr. Jai Hind Society, Surendranagar,
 - (Transferor)
- (2) Sh. Gunvantlal Panachand Shah; Jintan Road, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as described in sale deed No. 2540/9-6-81, registered by Sub-Registrar, Wadhawan.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 5-2-82

I-ORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1658/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S No. 2008, situated at Wadhawan,

Dist. Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed

hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 9-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely':—

 Shri Jadav Mavsing Hathibhai of Wadhawan City, Dist, Surendranagar.

(Transferor)

((2) Sh. Chandrakant Vardhman Shah & others; Jai Hind Society, Near Desarji, Surendranagar. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 2541/9-6-81, registered by Sub-Registrar, Wadhawan

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad.

Duted: 5-2-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1982

Ref. No. P.R. No. 16599/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. G. R.G.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1179 paiki situated at

Vajepar, Dist. Morvi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Morvi on 17-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Satwara Dana Deva; Village; Vajepar, Dist. Morvi.

(Transferor)

(2) Sh. Bhogilal Vrajlal Mehta & others; Shakti Plot, Morbi, Dist. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 2 Acre & 25 G. bearing S. No. 1179 situated at Vajepar, Morvi, duly registered by Sub-Registrar, Morvi, vide sale deed No. 1910/17-6-81 i.e. property as fully described therein,

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 5-2-82

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1660/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 287/1/2, 289/G/1, 290/1 paiki situated at Thaltej, Tal. Dascroi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—516GI/81

 Sh. Rambhai Atmaram Prajapati; Phagyodaya Society, Gomatipur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sh. Rasiklal Nagardas Shah; Kalupur, Kasumbiyad, Doshiyadani Pole, Ahmedabad. Hirolal Parshottamdas, & others, Danapith, Navovas, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Thaltej bearing S. No. 287/1/2, 289-A-2, 289/G/1, 290/1, adm. total A 13-20 as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 7783 dated 30-6-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. Ahmedabad.

Dated: 5-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1661 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1001-2, 1000-2 situated at Vejalpur, Tal. City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9th & 29th June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

- (1) 1. Shri Parshottumdas Somabhai Patel;2. Menaben Wd/of Keshavlal Shankerlal (1) Rameshbhai Keshavlal;(ii) Natvarlal Keshavlal, Village Jodhpur, Tal. City, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Sh. Dwarkadas Narottamdas Dhabalia; Sh. Jitendiakumar Narottamdas Dhabalia; Sh. Krashna Darshan' Netaji Marg. Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 6579/ 6-6-81 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 5-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1982

Ref., No. P.R. No. 1662/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 537-B. S.P. No. 1, situated at Vadaj, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

 Sh. Devendrasing Puransing Dhilon; Shri Yadvendrasing Puransing Dhilon and others; Nr. New Vadaj, Ram Colony, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sh. Vasantlal Nanalal;Sh. Vinodkumar Nanalal;Masidia Sheri, Haripura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 7384/22-6-81 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 5-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1663 Acq. 23-1/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/2 and hearing

Rs. 25,000/- and bearing No. TPS. 3, FP. 860, Hissa No. 15, situated at Kocharab, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 24-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Šh. Kamlaben Chinubhai Sabuwala; Kocharab, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Khatijabanu Karamhussain Abdul-ali Narsinh; Mustakhussain Karamhussain Narsinh, Asarafhussain Karamhussain Narsinh, & others; Haji Ahmed-ni-Pole, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 3736/24-6-81 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 5-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1664 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TPS, 4, FP. No. 54 & 55, SP. 11 situated at Rajpur-Hirpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Premilaben Thakorlal Chhotalal Soni; Tansen Thakorlal Soni;
 Rambag, Maninagar, Ahmedabad-8
 Kahan Flats, Sarangpur, Ahmedabad-1.

(Transferor)

(2) Sh. Narayan Mani Apartment Coop. H. Society Ltd. Maninagar, Char Rasta, Ahemdabad-8. Through: Chairman: Vithalbhai Shankerbhai Patel; Secretary: Muganbhai Shanabhai Patel.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 6969/17-6-81 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 5-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE 1, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-390 009, the 5th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1665 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Kalupur Ward—2, No. 4828, 4829, 4830, 4831, 4840, 4941 & 4842 situated at Ahmcdabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Madhukantaben Surabhai and Anilbhai Ramanlal Sheth; Rupalee Society, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sh. Rajendra Chembers; Through: Maheshkumar Nurpatlal Desai; Shamk's Pole, Raipur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 6058/23-6-81 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 5-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 390 009, the 5th February 1982

Ref. No. PR No 1666 Acq 23-I/81-82 —Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No

S. No 257-1, 257-2, 257-3 parki situated at Bodakdev, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh Ambalal Shanabhai Patel, Ramanlal Shanabhai Patel, Bodakdev, Tal, Dascroi, Dist Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sh Shardaben Kantilal, Dipak Kontilal, Sadhana D/of Kantilal Nagindas, Kalpiniben D/of Kantilal Nagindas, Linaben D/of Kantilal Nagindas; Arogyapark Society, Shahibag, Ahmedabad

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Bodakdev, Ahmedabad bearing S. No. 257-I, 257-2, 257-3 adm A 1-11 A 0-11 G. A 1-15 G. as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn No. 7333 dated 22nd June, 1981.

G. C. GARG, Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated 5-2-82

 Sh. Ramanlal Chhanabhaj Patel; Village: Bodakdev, Tal. Dascroi, Dist. Ahmedabad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sardaben Kantilal; Deepak Kantilal; Sadhanaben Kantilal; Nagindas & others; Arogya Park Society, Shahibag, Ahmedabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P.R. No. 1667 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 257-1-2-3 paiki situated at Bodakdev, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 22-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actahall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 7341/22-6-81 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 3-2-82

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269DN(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1668 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TPS. No. 3, FP. No. 634 paiki old SP. No. 13 A, 13-B & 13C situated at Kochrab, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-6-81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

60—516/GI/81

 Sh. Amratlal Bechardas Soni; Mansukhlal Bechardas Soni; Nagar Sheth Market, Ratan Pole, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Vrundayan Apartment Owners Association; Gulbai Tekra, Fllisbridge, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Kocharab bearing TPS, No. 3 FP, No. 634 paiki old SP, No. 13-A, 13-B and 13-C, New SP, No. 12, adm. sq. yds. 1095 as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 7901-2-3/20-6-81.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 5-2-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 5th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1669 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Kalupur Wd. 1, SP. No. 2421 S. No. 337 & S. No. situated at Kalupur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rabiabibi Abdullatif Mohamadhabib Safari, Kalupur, Dabaliya Pole, Ahmedabad.

(Transferor)

Sh. Remjibhai Ibrahimbhai Haji Habibbhai;
 Hanifabhai Gulamhusain Haji Habibbhai;
 Nr. Kalupur, Zakariya Masjid, Relief Rd. Haideri Manzil, Ahmedabad-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as described in sale deed No. 1145/4 dated June, 1981, registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 5-2-82

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1670 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TPS. 4, FP. No. 11-A paiki Hissa No. 1, situated at Dani Limda, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 25-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair at Ahmedabad on 25-6-81

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Hari Om Corporation; Partner: Shankerlal Motilal Mistry; Deepakhai Natvarlal & others; Amardeep, Jagabhai Park, Maninagar, Ahmedabad-8.

(Transferor)

(2) Brahma Lok Apartment C.H. Society Ltd.
Chairman: Pravinaben Mahendrabhai Shah;
Secretary: Prakashbhai Lallubhai Majidara,
C/o Shri B. C. Doshi,
6th Floor, Safyog Bldg.,
Lal Darwaja, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in the sale deed No. 7623/25-6-81 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 5-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1671 Acq. 25-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 17-B paiki situated at Bhuj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhuj on 20-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Tha. Jayantilal Naranji, C/o 17-A, Bhid Development Road, Bhuj.

(Transferor)

(2) Sh. Shah Laxmichand Champshibhai; Village Nana Bhadia; Tal. Mandvi, Kutch.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Vaniavad Naka, Bhuj, as detailed in sale deed No. 818/20-6-81 registered by Sub-Registrar, Bhuj.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 5-2-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269DI(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1672 Acq. 23-I/81-82,-Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Old S. No. 987, New S. No. 305, Plot No. 10B situated at O/s. Vaniavad Naka, Bhui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj on 9-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Sh. Herishchandra Velji Thakkar; Saraser Naka, Boarding Falia, Anjar, Kutch.

(Transferor)

(2) Sh. Gangadhar Thakordas Lalchandani: Vijyanagar area, Bhuj, Kutch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property is detailed in sale deed No. 1538/ 9-6-81 registered by Sub-Registrar, Bhuj.

> G. C. GARG. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 9-2-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1673 Acq. 23-I/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 776/3 situated at Botad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Botad on 2-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforessaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- "Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Shah Jayantilal Damodardas; Mohan Virjini Sheri, Botad.

(Transferor)

(2) Janata Ginning & Pressing Factory; Through: Partners; Haji Pirubhai Haji Alashibhai; Mohmad Haji Gafurbhai; Babibbhai Isarbhai Bavalia, Botad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 729/2-6-81 registered by Sub-Registrar, Botad.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 9-2-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1674 Acq. 23-I/81-82.--Whereas I. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1927-A-1, A-2, situated at Bhavnegar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 19-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Mahendiakumar Narottamdas Patel; Nr. Viudhashram, Ghogha Circle, Bhavnagar, Sh. Hirolal Bhagvanjibhai Patel; Sagvadi, Sihor, Dist. Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Sh. Gulabbhai Jamiyatrai, Nagrani; 'Jamiyat Kutir', Quarters, Bhavnagar-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed Nos. 1465 & 1466/19-6-81 registered by Sub-Registrar, Bhavnagar.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 9-2-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1675 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 41-1 & 42-2, paiki Plot No. 1 to 61 situated at Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 23-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Divaliben Odhavji Madhavji; Harilul Odhavji; Tribhovan Odhavji & others; Nr. Shamaldas College, Vaghavadi Road, Vadi, Bhaynagar, (Transferor)
- (2) Sh. Shivnarayan Coop. H. Socy. Ltd. President: Chaturvedi Shivlal Mohanlal; Nr. Devji Bhagat Dharamshala, Bhavnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property detailed in sale deed No. 23-6-81 registered by Sub-Registrar, Bhavnagar. 1499 /

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Dated: 9-2-82

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1676/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 4730-A-2, Sheet No. 156, Plot No. 937-C+2 situated at Gceta Chowk, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16-of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 29-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—61—516GI/81

- Smt. Mathuriben Chhotalal Kavana;
 P.A. Holder Shri Chhotalal Maganlal Kava;
 Plot No. 937-C-1-2, Geeta Chowk, Krashnanagar,
 Don, Bhavnagar.

 (Transferor)
- (2) Sh. Kishorbhai Bhanjibhai Makwana; Shri Narendrabhai Bhanjibhai Makwana; & ors. L. H. Bhanjibhai Vishrambhai Makwana "Rukia" Bath Mansion, 4th Floor, Room No. 123 & 124, St. Merry Road, Gajgao, Bombay-10. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property detailed in sale deed No. 1566 '29-6-81, registered by Sub-Registrar, Bhavnagar,

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 9-2-82

FORM JTNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref No PR No 1677/Acq 23 I/81-82 --- Whereas, I, C C GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 25,000/and bearing

No Plot No 687-B, situated at Krashnanagar, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the aforesaid property, and I have reason to said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of instrument with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian In ome-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 403, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh Popatbhai Ganeshbhai Jusani, Hujana Plot No 25-B Ni Don, Bhavnagar, (Transferor)
- (2) Sh Gohil Ishvatlal Narottamdus, Sh Gohil Vallabhda, Narottamdas, & others, Amipara, Mavatvalo Khancho, Bhavnagai (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be mide in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Immovable property detailed in sale deed 1 o 1084/June, 1981 registered by sub-Registrer, Bhavnagar

G C GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date 9 2-82 Scal.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sh. Hiralal Lognual; Sardarnaga. Plot No. 1791-Λ, Bhavnagar. (Transferor)

\$\mathbb{\psi}\$2) Sh. Taramal Dayamal; Sardarnagar, Bhavnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Rcf. No. P.R. No. 1678/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pa, tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Bhavnagar adm. 1080 sq. yds. as detailed in sale dood No. 823/June, 1981 registered by Sub-Registrar, Bhavnagar.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 9-2-81

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1679 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 27 paiki, situated at Vartej sim, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on June, 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Shri Patel Jivraj Harjivanbhai, Kachhiavad, Ruvapari Darwaja, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Western India Steel Industries, Owner—
M/s. Western Gujarat Steel Mfg. Co.
Through: Savailal Maganlal Mody,
Vartej, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property detailed in sale deed No. 1101/June, 1981, registered by Sub-Registrar, Bhavnagar.

G. C. GARG

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9-2-1982

FORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1680 Acq. 23-I/81-82,---Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C.S. No. $\bar{A}/5/95$, situated at lamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Januagar on 29-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afo esaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Khalid Haji Osman, Maksud Haji Darun, P.A. Holder Yakub Abdulkarim Paniwala, 151, Kazı Saiyed Street, Bombay.

(Transferor)

(2) Lilavatiben Mohanlal, Hasumatiben Maganlal Kotecha, Village Raval, Tal. Kalyanpur, Dist. Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 2325/29-6-81, registered by Sub-Registrar, Jamnagar.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9-2-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1681 Acg. 23-I/81-82 --- Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 322/1, situated at Mahuva

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mahuva on 2-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fairmarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Kharak Karsanbhai Shiyabhai & others, Mahuva, Dist Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shui Gayatrinagar Coop. H.S. Ltd., President Shri Padhiar Ramsinghbhai Manabhai, Through: Mahuva.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Mahuva's border bearing S No. 322/1, adm. A-2-00 as fully described in the sale deed duly registered with the Sub-Registrar, Mahuva vide Regn. No. 1014 dt. 2-6-1981.

> G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 9-2-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 Ol. 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1682 Acq. 23-I/81-82,—Whereas 1. G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 297 paiki, situated at Vertej Border, Bhavnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 9-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°C of the said Act to the following persons, namely ...

(1) Shri Gohil Gambhirsinh Dadbhai, Village Vartej, Bhavnagar.

(Transferor)

 (2) Shi Rajput Deepsangbhai Jadavbhai, Village Vartej, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used begin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, situated at Vartej's border bearing S. No. 297 paiki, adm. A-6-25 as fully described in the sale registered with the Sub Registrar, Bhavnagar vide Regn. No. 1230 dt. 9-6-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9-2-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Shah Himatlal Mansukhlal, Botad.

(Transferor)

 Shri Shah Anopehand Harilal; In Para, Nr. Chhatri, Botad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1683 Acq. 23-1//81-82.—Whereas 1, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

situated at Botad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Botad on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P., situated Nr. Mustramji Place, Botad, adm. 250 sq. vds to each floor as fu'ly described in the sale deed duly registered with the Sub-Registrar, Botad vide Regn. No. 854/79 dt. 30-6-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessil property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, 2ND FI OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref No PR No 1684 Acq 23 1/81 82 —Whereas I, G C GARG

be to the competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

Plot No 36-A 6, 7, 2 3 5, 1, 8 4,

situated at Anantvadi, Bhavnagai

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 22 19 18 6 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value at the first it appears and I have reason to believe that the most value of the property

a aforesaid seed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the emideration lo such transfer is agreed to between the part. In not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D or the said Act, to the following reisons, namely — 62 -516GI/81

(1) Shri Madhvan Pramodrai Bhatt, Shri Bharatkumai Ptamodrai Bhatt, P A Holdei Shri Pramodrai, Ambavadi, Bhavnagar

(Transferor)

- (2) 1 Shri Chandiakani Trambaklal Mehia, State Bank Colony, Kalanala, Bhavnagar
 - 2 Shii Kirtikumar Ratilal Shah, State Bank Colony, Kalanala, Bhavnagar
 - Shri Ramjibhai Durjabhjibhai Patel
 Village Nari-Via Chitra
 Shri Rajubha Jijubba Jadeja
 - Opp Church, Anantvadi, Bhavnagar 5 Shri Mansukhlal Kanjibhai Jagani, Opp Commerce College Vidayanagar, Bhavnagai
 - 6 Smt Shardaben Parbatbhai Patel, Swastik Society Ambavadi, Bhavnagar
 - 7 Shn Jayantilal Natvarlal Barot Swasik Society, Ambavadi, Bhavnagar
 - 8 Balkrishnabhai Parshottamdas Jagani, Adarsh Dairy Society, Bhavnagar

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said mimovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land situated at Anativadi Bhavnagar bearing Plot No 56-A/6 7, 2, 3, 5, 1, 8 & 4 adm sq mts 18432 + 18432+193 52+193 52+187 87+195 82+184 37+186 02 as fully described in the sale deeds duly registered by the Sub-Registrar, Bhavnagar vide Regin Nos 1481/22 6-81 1480/22-6 81 1476/20-6-81, 1475/20-6-81, 1464/19 6-81, 1463/19 6 81, 1456/18-6-81, 1455/18-6-1981

G C GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I Ahmedabad

Date 9-2-1982 Seal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

- Ref. No. P.R. No. 1685 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

FP. No. 109-1-A paiki TPS. 4, situated at Rajput-Hirpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aderesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following pursuance, namely:—

 Shri Hariram Sevaldas, Gol Limda, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Geeta Apartment Owners Association, President: Parashram Hiranand, Hira Palace, Gol Limda, Maninagar, Ahmedabad. Secretary: Lekhumal Bulchand, B. No. 79, R. No. 1243, Krishnagar, Sahijpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforested persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Immovable property detailed in sale deed No. 6884/12-6-81 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9-2-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1686 Acq. 23-1/81-82.—Whereas 1, TPS. 4, FP. No. 109, SP. No. 1-B,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

situated at Rajpur-Hirpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Kevalram Varandmal, Bombay.

(Transferor)

(2) Deepa Apartment Owners Association, President: Kishanchand Tolaram, Gol Limda, Maninagar, Ahmedabad. Gol Limda, Maninagar, Ahmedabad. Secretary: Harish Jamanadas, B-No. 107, R. No. 1862, Rakhial Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 6883/12-6-81 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMED 4BAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1687 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under

section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 92 G. 1, situated at Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 8-6-1981

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee far the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jetunben Chandrahas Dave, Kum. Swatiben Chandrahas Dave, 3-Shah Bag, 4th Floor, Opp. Kedbarry House, Podar Road. Bombay-26 P.A. Holder: Narendrakumar Nanakal Bhatt, 'Vyas Nivas'', Opp. S.T. Bus Stand, Manavadar.

(Transferor)

(2) Jay Bhavani Estate: Through Hematlal Dharamshi Bhayani & Bros. Co-owners: Shri Hematlal Dharamshi Bhayani, Shri Jagdishchandra Pragji Bhayani & 14 others, "Bhayani" Mension, Panch Bungalow Road, Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as detailed in sale deed No. 2097/8-6-81 registered by Sub-Registrar, Jamnagar.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 10-2-1982

Seal;

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref. No. P.R No 1688 Acq 23-J/81-82 —Whereas I, G. C GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S No. 1117-1 paiki, situated at Naroda, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

'(1) Shri Nitinkumar Vrajlal Patel, Nani Salvivad, Saraspur, Ahmedabad

(Transferor)

(2) Krishna Gokulnagar Coop H Society I td Chairman: Shri Gopalbhai Babaldas Patel, 6-11, Krishnanagar Colony, Suipur Bogha, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

I and, situated at Naioda's Boider bearing S. No. 1117-1 paiki, adm. 9559 sq. yds. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide regn No. 5078, 5079—dated 9-6-81.

G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-2-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMI DABAD-380 009

Ahmedabad 380 009 the 10th February 1982

Ref No PR No 1689 Acg 23 I/81-82 —Whereas I G C GARG,

being the Comperent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

Block No. 441, 372, 373, 384, 432, 399, 694, 391, 381, 385, 387, 386, 432, 445, 447, 398, 380, 422, 437, situated at Lapkaman Tal Dascroi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 26th & 29th June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or v/hich ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of Section 269C c the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Naranbhai Joitaiam Patel, Laxmiben wd/of Chibhan Malan Village Lapkaman Fal Dascioi
 Subodh Ramniklal
 - 2 Suboth Raminikial
 Bansi Anupiasad
 Rajen Anupiasad,
 Sumanchandra Trikamlal,
 Prahladji Chuthaji,
 Lasaji Babaji,
 Narsibhat Bechardas,
 Girish Ramniklal,
 All
 P A Holder
 Shri Deepak Madhukant Patel,
 Shri Kunj', Panchvati,
 1st Line Ahmedabad 6

(Transferor)

(2) Belleview Association, Through Chairman Nikunj N Patel, Vesant Bag, Ellisbridge, Ahmedabad-6 Secretary Naimish Yadukant Patel, Ahmedabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land, situated at Village Lapkaman Tal Dascioi bearing sale deeds Nos 7867, 7874, 7709, 7713, 7714, 7715, 7710, 7718, dated 29 6-81, 26-6-81 respectively and sale deeds Nos 7740, 7742, 7753, 7757, 7733 dated 26 6-81 and sale deeds Nos 7856, 7861 dated 29-6-81, 7746, 7751 dated 26 6-81, 7857 dated 29-6-81, sale deeds Nos 7719, 7732, 7776, 7779, 7729, 7748, 7752, 7724, 7728, 7748, 7760 & 7768 dated 26-6-81 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad

G C GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date 10-2 1982 Seat

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1690/Acq. 23-1/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000.'- and bearing

S. No. 499, situated at Surendranagar,

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 22-6-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sala Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Karamshi Lavjibhai Surala, alias Shri Ramabhai Lavjibhai, Sardar Vallabhbhai Patel Road, Surendranagar.

(Transferor)

(2) Shi irang Coop. Housing Society Ltd.
 c/o Shri J. V. Dhanesha,
 3, Panchvati Park,
 Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 2086-3, bearing S. No. 499, situated at Surendranngar, duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan vide sale deed No 2753/22-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 11-2-1982

FORM I.T.N,S .-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1691 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land,

situated at Wadhawan, Dist, Surendranagor

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wadhawan on 9-6-1981

for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as iforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Roidas Coop. Housing Society, Through Secretary: Shri Jivabhai Danabhai Solanki, O/s. Shahpur Darwaja, Damarwali Chali, Shahpur, Ahmedabad.
 President: Shri Ranchhodbhai Nathubhai Chavala; Joravarnagar, Dist. Surendranagar.

(Transferor)

(2) Shri Ramkrishna Coop. Hsg. Socy. (Proposed), Secretary: Shri Arjunbhai Mohanbhai Macwan of Joravarnagar, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1938.8 sq. yds. situated at Wadhawan Dist. Surendranagar, duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan, vide sale deed No. 2539/9-6-81, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 11-2-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND, 1/LOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Almedabad-380 009, the 11th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1692 Acq. 23-I/81-82.—Whereas J, G, C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. No. Wd. 1—Nondh No. 3878, situated at Chana's Bhatha, Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 17-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—63—516GI/81

(1) Shri Jivraj Ramjibhai & others, Dudhrej, Surendranagar.

(Transferor)

(2) M/s. Shastri Construction Co. Shri Maneklal Trambaklal Shukla, Dudhrej Road, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 785.17 sq. mtrs bearing C.S. wd. No. 1 Nondh No. 3878, situated at Chana's Bhatha, Surendranagar, duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan, vide sale deed No. 2666/17-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1.
Ahmedabad

Date: 11-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1693/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, 1, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referto as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 297 & 298

situated at Society area, Wadhawan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 3-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahendrakumar Jatashankar & others, 14, Rajkamal Park Society.
 Zavier's School Road, Navjivan, Ahmedabad-14.

(Transferor)

(2) Shri Mohbatsingh Devubhai Parmar, Society area, Wadhawan, Dist. Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from
- the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg., bearing S. No. 297 & 298, land adm. 74.97 sq. mts+379.63 sq. mts. situated at Wadhawan Society area, Wadhawan, Dist. Surendranagar, duly registered vide sale deed No. 2462/3-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 11-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J. 2ND, FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AIIMEDABAD-380 009

Ahmed via see 009 the 11th February 1982

No PR No It +1 Acq 23-1/81-82 -- Whereas, I, G C GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing

S No 37 F-4, C 2

situated at Jamnagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jamnagai on 29 to 1981

for an appar nt con the area and which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair ma ket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fif een per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Naibheram Kalyanji Mandalia, (1) Ratanbai Masjid, Nr Jamnagar

(Fransferoi)

(2) Manjulaben_Mathuradas, Indradeep Society, Jamnagar

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Immovable property as described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Jamnagar vide Regin No 2310 dated 29-6-1981

G C GARG, Competent Au hority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date 11-2-1982

Seal 5

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380-009, the 12th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1695 Acq. 23-J/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 86 of TPS. 30 of Asarva,

situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Jashvant Iron & Textile Works, Madhubhai Mill Compd. Saraspur, Ahmedabad-18
 - Through its partners:
 1. Niranjankumar Jashubhai Shah,
 Behind Naviangpura Post Office,
 Ahmedabad.
 - Ashok kumar Jashubhai Shah, Behind Navrangpura Post Office, Ahmedabad.
 - Laljibhai Varjiyandas Shah, & 8 others, Sardar Patel Colony, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Adinath Industrial Estate Coop. Society (Proposed) Through Promoter: Shri Gandalal Keshavlal Patel, Behind New Civil Hospital, Parmeshvar Park, Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as described in the sale deed duly registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 6671 dated 22-6-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 12-2-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380-009, the 12th February 1982

P.R. No. 1696 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, Ref. No. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing FP. No. 15, paiki S.P. 4,

situated at Rajpur-Hirpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 6-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dhanbai Navroji Hasantapalno, Banubai Navroji Hasantapalno, "Simfani", Camp Road, Shahibag, Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Shri Kirit kumar Mohanlal Patel, Shri Harshadkumar Mohanlal Patel, Shri Arvindkumar Mohanlal Patel, Shri Mahendrakumar Mohanlal Patel, Madhuvan Colony, Shah Alam, Nr. Old Octroi Naka, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as described in the sale deed registered with the Date: 12-2-1982 Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 12-2-1982

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380-009, the 12th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1697/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

FP. 109 paiki SP. 1-C, TPS. 4, situated at Rajpur-Hirpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Baksharam Kevalram, Mani Nagar, Gol Limda, Ahmedabad.

(Transferor)

 Deepak Apartment Owners Association; Through President: Gordhandas Nihalchand, 137-A-3, Thakkar Bapa Nagar, Ahmedabad.
 Secretary: Jayprakash Rochiram, Block No. 15, Room No. 358, Muni. Quarters, Khokhara Mehmadabad, Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as fully described in the sale deed duly registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 6882/81 dt. 12-6-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 12-2-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1698/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 84, Hissa No. 4, TPS. 6, FP. 146 paiki, situated at Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

 Shri Hareshkumar Narhariprasad Trivedi, "Narhari Bhuvan", Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Harish Apartment Paldi Coop. H. Society (Proposed) Through: Chief Promoter: Shri Ghanshyamlal J. Pandya, Raikhad Girls School No. 5, Tokershani Pole, Jamalpur, Ahmedahad

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 6617 dt. 15-6-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rango-I, Ahmedabad.

Date: 12-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACOUISITION RANGE-I. KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOD, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th February 1982

Ref. No. 5/June/81.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

32 and 33, Halls Road, situated at Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Madras South, Madras on 17-6-1981 (Document No. 1,603/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have weason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

- Shri C. S. Rajavelan,
 Shri C. S. Sundaravadanam and
 Shri C. S. Gnanasekaran,
 No. 56, Mangapathi Naicken Street,
 Chintadripet, Madras-2.

(Transferor)

(2) Shri k. Ponnusamy,'P.A. Building',No. 42, Venkatakrishna Road, R.A. Puram, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a), by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

(Land and building situated at Door Nos. 32 & 33, Halls Road, Madras-8—Document No. 1603/81).

R. RAVICHANDRAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 16-2-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACOUISITION RANGE-I.

KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th February 1982

Ref. No. 150/June/81.-Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 51/30, situated at 64 Meyyanur Village, Salem Taluk, Salem Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Salem on 11-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-64-516GI/81

(1) 1. Shri C. Subramaniam,

- Krishnasamy, Shanmugham, Shri C.
- 3. Shri S. 4.
- Shri P. S. Sengottuvelan, Shri N. Sathiyendran, Shri N. Narendran, all 1/0 Meyvanur Village, Salem Taluk,

Salem District

(Transferor)

(2) Shri G. Varadarajan, C/o Coimbatore Auto Industries Ltd., No. 215, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land in S. No. 51/30, 64 Meyyanur Village, Taluk, Salem Distt.—Document No. 4130/81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madra-6.

Date: 16-2-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th February 1982

Ref. No. 151/June/81.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. Nos. 51/31, 51/32, situated at 64 Meyyanur Village, Salem Taluk, Salem Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Salem on 11-6-1981,

(Document No. 4131/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

- Shri Subramaniam.
 - Shri Krishnasamy,
 - 3. Shri S.
 Shri P.
 Shri N. Shanmugham,
 - Shri P. S. Sengottuvelan, Shri N. Sathiyendran, and Shri N. Narendran,
 - all r/o Moyyanur village, Salem Taluk, Salem Distt.

(Transferor)

(2) Shri G. Varadaraj, C/o Coimbatore Auto Industries Ltd., No. 215, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land in S. Nos. 51/31 & 51/32, 64 Meyyanur Village, Salem Taluk, Salem Distt.—Document No. 4131/81).

R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madra-6.

Date: 16-2-1982

FORM ITNS ___

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6 Madras-6, the 15th February 1982

Ref. No. F. 11511.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 584/1, 584/2, 584/3,

(Doc. 1806, 1807/81) situated at Odanthurai

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mettupalayam on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 STS Abdullah s/o Sultan Ahmed Rowther, Mymoon Bibi, w/o Abdul Rahim, Kutcheri St., Mettupalayam, Chickadasampalayam.

(Transferor)

(2) Tan India Wattle Extracts Co. Ltd. Ooty Road, Mettupalayam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 584/1, 584/3, 585/2, Odanthurai. (Doc. 1806, 1807/81) (S.R.O. Mettupalayam).

R. RAVICANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 15-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th February 1982

Ref. No. F. 11463.—Whereas 1, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

153/2, 154/2, 155, 162/1A, 163,

situated at Chettipalayam (Doc. 654/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kinathukadavu on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act of the following persons, namely:—

(1) P. Muthuswamy Gounder 296, Oppanakara St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) R. Venkatachalam, R. Shanmughasundaram R. Krishnaswamy, R. Ramalingam, s/o Rangey Gounder, Kallamadai Thottam Chettipalayam, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 150/2, 153/2, 154/2, 155, 162/1A, 163, Chettipalayam. (Doc. 654/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 16-2-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th February 1982

Ref. No. F. 11451.—Whereas J, RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

SF 420/2, 454/2, 453/3, 420/1, 3, 4, 5, 421/1, 422/1, 2, 3, 4, 423, 424, 425 situated at Peruchetti-palayam (Doc. 3086, 3087/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

 K. R. Venkatesan s/o Ramaswamy Naidu, K. Ramaswamy Naidu s/o Krishnaswamy Naidu, Redfields, Puliakulam, Coimbatore.

(Transferor)

 Jayalakshmi.
 1/14, Aiyanna Naicken Lanc, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at SF 420/2, 454/2, 454/3, 420/1, 3, 4, 5, 421/1, 422/1, 2, 3, 4, 423, 424, 425 at Peruchetti-palayam.
(Doc. 3086, 3087/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 16-2-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 17th February 1982

Ref. No. F. 16459.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

51, situated at Chamiers Road, Madras-28, (Doc. 1669/81) (and more fully described in the Schedule apprexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Madras South on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) P. Chandriah Chetty,
 - P. Niranjan,
 - P. Madhusudhan, 51, Chamiers Road, Madras-28.

(Transferor)

(2) Prahlad Rai, Vinod Kumar, 15, Ellaya Mudali St., Madras-81

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the care of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 51, Chamiers Road, Madras-28, (Doc. 1669/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th February 1982

Ref. No . F. 11442.—Whereas J, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. 180, situated at Suriyampalayam (Doc. 1597, 1598, 1599, 1600/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhavani on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. K. S. A. Shaik Mohideen Sahib, s/o K. K. S. Abdul Samad Sahib 28, Thirunagar Colony, Erode.

(Transferor)

(2) Nagarajan, s/o Thirumalaiswamy Naidu, Ramanadapurampudur, Suriyampalayam, Erode.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 180, Suriyampalayam. (Doc. 1597 to 1600/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 4-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th February 1982

Ref. No. F. 9395.-Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS 9962 situated at 9953/2, Thirumayam Road,

Pudukottai (Doc. 1675, 1677/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukotai on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Rajakumari Kamalambal Rajayee W/o Late Kallakottai Jamindar Dorafraja, Palace Gate, Pudukot-

(2) Dr. Santiagu, V. Michael Devadass V. Pushpanathan, S/o M. Vs. Viswasam Pillai Palakurichi, Manaparai Tk. Trichy Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 9962 and 9953/2, Thirumayam Road, Pudu-(Doc. 1677, 1676, 1675/81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-2, Madras-6

Date: 4-2-1982

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th February 1982

Ref. No. F. 11444.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. GS 417/2 situated at and 418, Malumichampatti Coimbatore (Doc. 3184/81).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on June 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—65-516GI/81

(1) M. R. C. Natarajan Chettiar. Chinnian, 9/258, Cross Cut Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) R Sumant, S/o L. Ramamurthy India House, Trichy Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at GS 417/2 and 418, Malumichampatti. (Doc. 3184/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2, Madras-6

Date: 15-2-1982

Scat:

(Transferee)

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th February 1982

Ref. No. F. 11444.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. GS 414 situated at Malumichampatti, Coimbatore (Doc. 3183/81),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore on June 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely ;--

(1) M. R. C. Natarajan Chettiar, Chinnian, 9/258, Cross cut Road, Coimbatore. (Transferor)

(2) V. Sudarsan, S/o L. G. Varadarajulu India House, Trichy Road, Coimbatore Town.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at GS 414, Malumichampatti, Colmbatore. (Doc. 3183/81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-2, Madras-6 &

Date: 4-2-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th February 1982

Ref. No. 11505.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. GS No. 229/2, situated at Kuniamuthur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Regsitering Officer at Coimbatore (Doc. 3482, 3483, 3484/81) on July 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforseaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Velmurugan & others, partners, Anna Industrial and Engineering Works 22/232, Thiagi Kumaran St., Coimbatorc.

Transferor)

(2) M. Rajendrakumar Jain, K. M. Lakshmichand Jain, M. Rathanlal Jain S/o K. Misrilal Sukrawarpet St., Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at GS No. 229/2, Kuniamuthur, (Doc. 3482, 3483, 3484/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 4-2-1982

FORM I.T.N.S .----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
123. MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th February 1982

Ref. No. F. 11549.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TS 7/64 situated at Venkatakrishna Road, RS Puram, Coimbatore (Doc. 3917/71),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pet cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. Selvaraj, 67, Subramaniam Road, RS Puram, Coimbatore,

(Transferor)

(2) M/s Vijayaraja & Co., 58, Sengupta St., Ramnagar, Combatore-9.

→(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 7/64, Venkatakrishna Road, RS Puram, Coimbulore, (Doc. 3917/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 4-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF

Coimbatore.

(Transferor)

(2) M/s Vijayaraja & Co., 58, Sengupta St., Ramnagar Coimbatore. (Transferce)

(1) K. Javaraman 67. Subramaniam Road, RS Puram,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th February 1982

Ref. No. F. 11549,-Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. TS 7/64 situated at Venkatakrishna Road, RS Puram, Coimbatore (Doc. 3918/81),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

Land at TS 7/64, Venkatakrishna Road, RS Puram, Coimbatore. (Doc. 3918/81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 4-2-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6 the 4th February 1982

Ref. No. F. 11549. - Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS 7/64 situated at Venkatakrishna Road, RS Puram, Coimbatore (Doc. 3919/81),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

- Mrs. Lakshmi Ammal 67, Subiamaniam Road, RS Puram, Coimbatore.
- (Transferor) (2) M/s Vijayaraja & Co., 58, Sengupta St., Ramnagar,

Coimbatore (Transferee)

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

I XPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 7 64, Venkatakrishna Road, RS Puram, Coimbatore. (Doc. 3919/81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 4-2-1982

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-[1 123. MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th February 1982

Rcf. No. F. 11549.--Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. TS 7/64 situated at Venkatakrishna Road, RS Puram, Coimbatore (Doc. 3920/81).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) B. Vijayakumari, 17, Subramania Koil St., Saidapet, Madran. (Transferor)
- (2) M/s Vijayaraja & Co., 58, Sengupta St., Ramnagar, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 7/64, Venkatakrishna Road, RS Puram, Coimbatore. (Doc. 3920/81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 4-2-1982 Scal:

ONTICE UNDER SECTION 269D(1) O THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th February 1982

Ref. No. F. 11549.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, sing the Competent Authority under Section 269B of being the Competent Authority the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 7/64 situated at Venkatakrishna Road, RS Puram, Coimbatore (Doc. 3921/81).

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reas in to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) N. Anjali, 27/83B, Subramaniam Road, RS Puram, Coimbatore-2.

(Transferor)

(2) Vjiayaraja & Co., 58, Sengupta St., Ramnagar, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 7/64, Venkatakrishna Road, RS Puram, Coimbatore. (Doc. 3921/81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 4-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) J. Bagyam, 30 R.E.C. Campus P.G. Quarters, Trichy-15. (Transferor)

(2) Vijayaraja & Co., 58, Sengupta St., Ramnagar. Coimbatore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th February 1982

Ref. No. F. 11549.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TS 7/64 situated at Venkatakrishna Road, RS Puram, Coimbatore (Doc. 3922/81).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
66—516GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 7/64, Venkatakrishna Road, RS Puram, Coimbatore.

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 4-2-1982

- (1) Smt. Dharma Vati Devi through her Attorney, Shri Paras Nath Singh.
 - (Transferor)
- (2) Major Vijai Pal Singh.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

PFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 17th February 1982

G.I.R. No. V-54/Acq.—Whereas 1, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-9, J. Road situated at Mahanar Extension Scheme, Mahanagar, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Luck tow on 27-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act-shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Leaschold plot No. B-9, J. Road, Mahanagar Extension Scheme, Mahanagar, Lucknow, measuring 9960 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 4371, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 27-6-1981.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 17th February 1982

G.I.R. No. A-106/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2343/4 situated at Mohalla Bhadaini, Tulsi Manas

Mandir, Durga, Kund, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Varanasi on 24-6-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S/Shri

- Shiv Kumar Singh.
 Vinod Kumar Singh.

Smt. Anuradha Devi.
 Rajesh Kumar Singh (Minor).

Through his legal guardian/mother, Smt. Anuradha

(Transferor)

(2) M/s Assam Bengal Carriers Limited, Fancy Bazar, Gauhati through its Manager, Shri Om Prakash Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that plot of land S.P. No. 2343/4 situate at the newly developed Colony known as the Tulsi Maras Mandis, Bhadaini, Mohalla-Durga Kund, Ward-Bhelupura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 4798 and sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi on 24-6-1981.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 17-2-1982

Scal:

(1) Shri Balwant Singh and Manik Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Swami Das Arjun Das through its partner, Shri Yashpal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 17th February 1982

G.I.R. No. S-226/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Bareilly Road, Holdwani, Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haldwani on 17-6-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property 2s aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house situated at Bareilly Road, Haldwani, Distt. Nainital, and all that description which is metnioned in the sale deed and form 37G No. 1920, which have duly been registered on the office of the Sub-Registrar, Haldwani, on 17-6-1981.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

follow-Date: 17-2-1982 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 18 February 1982

G.I.R. No. T-28/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269D, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 240, Chandpur, situated at Pargana-Dehat Amanat, Varanasi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 30-6-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Tapan Kumar Mitra through his Attorney, Shri Santosh Kumar Mitra. (Transferor)
- (2) M/s. Transport Corporation of India Ltd., Vara-

(Transferce)

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. 240 measuring 15022 sq. ft. situate at Chandpur, Pargana-Dehat Amanat. Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4832, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 30-6-1981.

VINOD KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 18-2-1982

FORM I.T.N.S .---

(1) Ramesh Ch. Sarkar.

(Transferor)

(2) Smt. Khuku Rani Karmakar.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 15th February 1982

Rcf. No. 1008/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Mouza-Bansdrani, P.S. Regent Park, J.L. No. 45, Dist. 24-Pgs.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 19-6-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 3K 15Ch. 30 sft. of land together with building situated at Mouza-Bansdroni, P.S. Regent Park, Dist. 24-Pgs.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 15-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(4) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1982

Ref. No. 1009/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 108 situated at Raja S. C. Mullick Road, Calcutta-78, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 24-6-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pronab Kr. Banerjee.
- (Transferor)
 (2) The President of 'Mahatirtham' and Sri Dipak Kr.
 Mukherice.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area of 4K 15 Ch. 18 sft. situated at 108, Raja S. C. Mullick Roda, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 15-2-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1982

Ref. No. 1010/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 108 situated at Raja S.C. Mullick Road, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 24-6-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

(1) Prasad Kr. Banerice.

(Transferor)

(2) The President of Mahatirtham and Sri Dipak Kr. Mukherjee.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area of 4K 15CH 18 sft. situated at 108, Raa S. C. Mullick Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 15-2-1982

FORM I.T.N.S.-

(1) Sri Prabir Kr. Banerjee.

(Transferor)

(2) The Chairman of Fisheries Development and Sri Dipak Kr. Mukherjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1982

Ref. No. 1011/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No 108 situated at Raja S. C. Mullick Road, Calcutta, and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 24-6-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring an area of 4K 15Ch. 18 sft. situated at 108, Raja S.C. Mullick Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 15-2-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1982

Ref. No. $1012/\Lambda cq.R-fH/81-82$.—Whereas, J. M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 108 situated at Raja S.C. Mullick Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 24-6-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Let. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Prasanta Kr. Banerjec.

(Transferor)

(2) The President of Mahatrithan, and Sri Dipak Kr. Mukherjee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area of 4K 15Ch 18 sft. situated at 108, Raja S.C. Mullick Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 15-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1982

Ref. No. 1013/Acq.R-III/81-82,—Whereas I, M. AHMAD,

ng the Competent Authority under Section 269B of the 'me-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable perty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 108 situated at Raja S. C. Mullick Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule

ignexed hereto), has been transferred under the Registration a.ct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipone on 24-6-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair natket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of . __fer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Pradip Kr. Banerjec.

(Transferoi)

(2) The President of Mahatirthan, Sri Dipak Kr. Mukherjee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area of 4K 15Ch 18 sft. situated at 108, Raja S C. Mullick Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 15-2-1982

(1) Sri Basudeve Manna & Ors.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mukherjee Construction (P) Ltd., Sri Dipak K. Mukherjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1982

Ref. No. 1014/Acq.R-III/81-82.—Whereas I, M AHMAD, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 180 situated at Raja S. C. Mullick Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 24-6-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publica tion of this notice in the Official Gazette cr a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein' and dened in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area of 6K 3Ch 11 sft. situated at 180, Raja S. C. Mullick Road, Calcutta.

M. AHMAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-2-1982

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1982

Ref. No. 1015/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the nome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 180 situated at Raja S. C. Mullick Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipoic on 19-6-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of his said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Menaka Manna & Ors.

(Transferor)

(2) The Managing Director of Mahatirthan, Sri Dipak Kr. Mukherjee. (Transferee)

Objections, if nay, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area of 6K 3Ch 11 sft. situated at 180, Raja S. C. Mullick Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 15-2-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Bamdev Manna & ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mukheriee Construction (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III

Calcutta, the 15th February 1982

Ref. No. 1016/Acq.R-III/81-82.—Whereas I, M. Ahmad,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 180 situated at Raja S. C. Mullick Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 19-6-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area of 6K 3Ch 11 sft. situated at 180, Raja S. C. Mullick Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 15-2-1982

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Gora Devi Wd/o Shri B. C. Mukerjee, Hathi Babu ka Bagh, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ghewarchand Jain S/o Sh. Madho Singh, Shankhla Kabir Marg, Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th February 1982

Ref. No. 1141.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 53/A situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in Office of the Registering Officer at

Jaipur on 26-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 53/A, H-B-14 (Eastern portion) Hawali Shahar, Jhotwara Road and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 1586 dated 26-6-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-2-1982

,	•